disha
Nurturing Ambitions

• भारतीय परिदृश्य • वैश्विक परिदृश्य
• भारत एक दृष्टि में • विश्व एक दृष्टि में

• भारत SWOT विश्लेषण • भारत के 70 साल
• गेम चैंजर • विधेयक एवं अधिनियम
• ज्वलंत मुद्दों पर लेख • नीतियाँ एवं योजनाएँ


व्यक्ति

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय

• महत्वपूर्ण घटनाक्रम 2016-2017


घटनाक्रम

उभरते ट्रेंड (रुझान)

बजट 2017

कारण एवं प्रभाव

चर्चित शब्दावली


विचार

प्रस्तुतिकरण
• प्रमुख ट्रेंड : खंड आधारित
• वैश्विक अर्थव्यवस्था : एक दृष्टि में
• विरोधाभास 2016


मुद्दे

इंफोग्राफिक्स
माइंडमैप
तालिकाएँ

powered with

द मेगा इयरबुक 2017

सामयिकी एवं सामान्य ज्ञान

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु व्यापक अनुसंधानित सामग्री

History, Polity, Geography, Ecology, Economy, Foreign Trade, General Science, Technology, IT, Art & Culture, Sports, Healthcare, Communication, Media, Education & Career

विषय सूची

सामयिकी

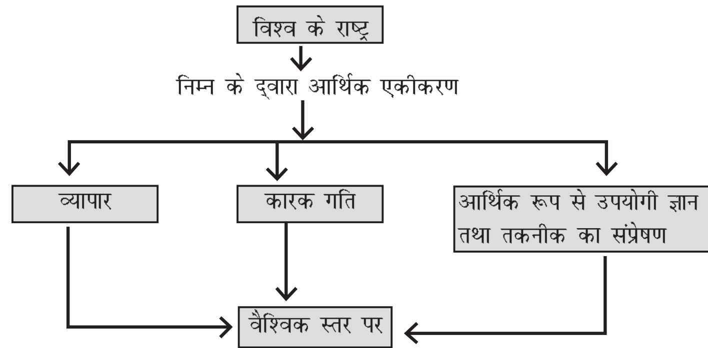
सामान्य ज्ञान

इयर बुक 2017

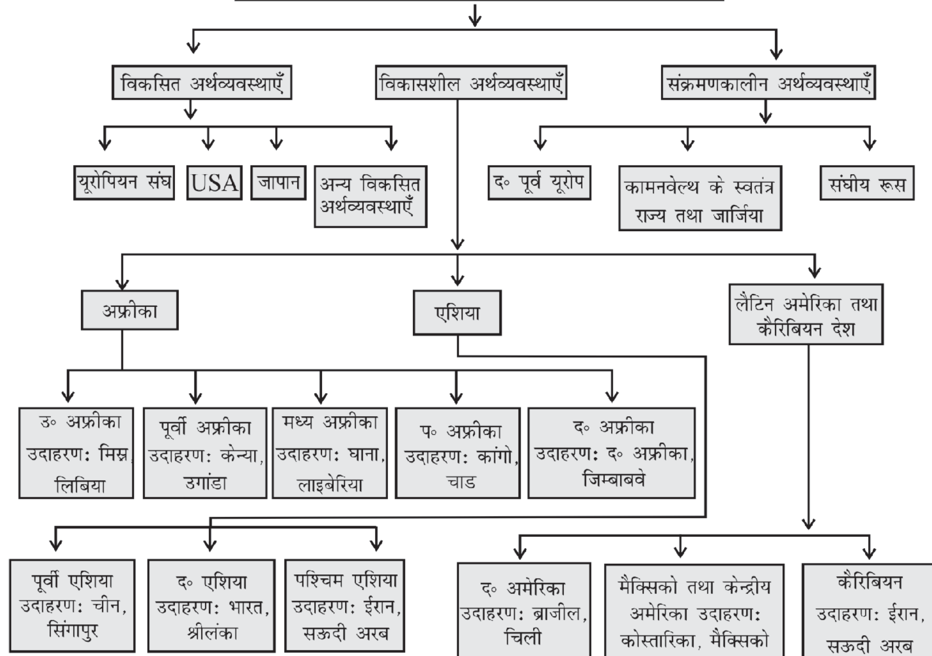
वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण

वैश्विक अर्थव्यवस्था क्या है?

विश्व के प्रत्येक राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था मिलकर एक आर्थिक तंत्र का निर्माण करती है।

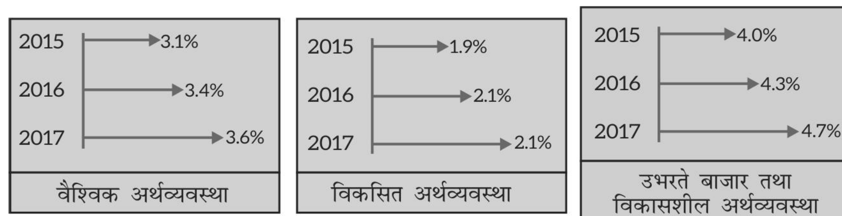


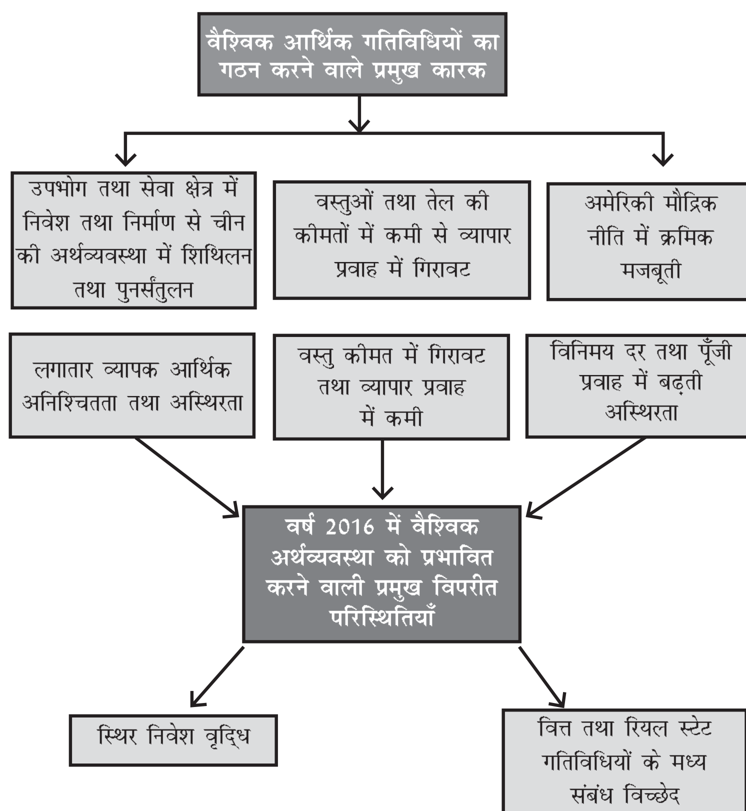
वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण

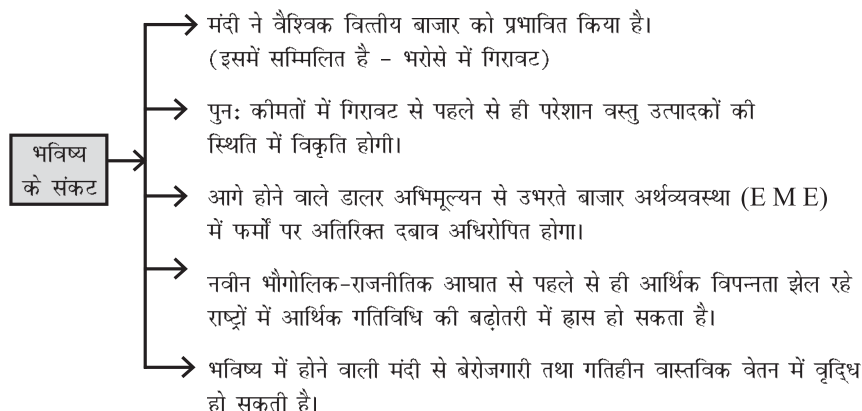


वैश्विक विश्व दर

(अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा अनुमानित तथा प्रस्तावित, विश्व आर्थिक दृष्टिकोण, जनवरी 2016)







वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था

- वैश्विक गतिविधियों में सुस्ती रही।
- विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बाधित गतिविधि।
- उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में थोड़ा उछाल रहा।
- भारत के साथ-साथ अन्य एशियाई राष्ट्रों ने आर्थिक मजबूती प्रदर्शित की।
- ब्राजील-अर्थव्यवस्था में मंदी रही, परंतु अतीत में हुए आर्थिक दुष्प्रभाव के कम होने से कुछ सुधार की स्थिति बनी।
- रूस की अर्थव्यवस्था ने स्थिरता को प्रकट किया।
- मध्य पूर्व तथा उपसहारा अफ्रीका क्षेत्रों में कई अर्थव्यवस्थाओं ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया।
- मुद्रास्फीति निम्न रही।
- वस्तु तथा तेल कीमतों में सुधार
- वर्ष 2015 के द्वितीय अद्धांश में हुए त्वरित ह्रास से उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त होने वाली पूँजी में सुधार की स्थिति रही।
- मार्च, 2016 से विकसित आर्थिक मुद्राओं में ज्यादातर स्थिरता रही अथवा थोड़ी बढ़ोतरी रही।
- कई तेल निर्यातक देश (अंगोला, अजरबेजान, कोलंबिया, एक्वाडोर, कजाकिस्तान, नाइजीरिया, तथा वेनेजुवेला) चालू खातों की बिगड़ती स्थिति, विनिमय दर दबाव तथा राजस्व आय में गिरावट से जूझते रहे।
- Brexit मतदान के प्रारंभिक आघात से ब्रिटिश-अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचा।

विश्व की 10 बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ

1. संयुक्त राज्य अमेरिका

- सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में यह विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यह आर्थिक महाशक्ति आधारभूत संरचना एवं टेक्नोलॉजी में अग्रणी है।
- सेवा, विनिर्माण एवं कृषि क्षेत्र क्रमश: 80%, 15% एवं 2% का योगदान देते हैं।
- 18.5 ट्रिलियन डॉलर संयुक्त राज्य अर्थव्यवस्था कुल विश्व उत्पाद का लगभग 24.5 प्रतिशत हैं।
- ऑटोमोबाइल, मशीनरी, एयरोस्पेस, टेलीकम्यूनिकेशन आदि में अग्रणी है।

2. चीन

- चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यह 7% प्रतिशत की विकास दर से वृद्धि कर रही थी किन्तु 2016 में विकास दर गिरकर 6.5% हो गई।
- चीन की अर्थव्यवस्था 11.3 ट्रिलियन डॉलर है।
- चीन की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा कृषि क्षेत्र का योगदान क्रमश: 45%, 45% एवं 10% है।
- 1978 में चीन में आर्थिक सुधार प्रारम्भ किया गया था जिसके बाद चीन विनिर्माण एवं निर्यात का केन्द्र बना।
- एशिया के अधिकांश देशों की भांति चीन भी कृषि प्रधान देश है।
- विश्व के खाद्यान्न उत्पादन में चीन का प्रथम स्थान है।
- सीमेंट, स्वर्ण, अभ्रक, कोयला, लौह अयस्क, मैंगनीज, एल्युमिनियम, जिंक, लेड, आदि के उत्पादन में चीन का प्रथम स्थान है।
- शेक्यांग को चीन का पिट्सवर्ग कहा जाता है।
- सूती एवं रेशमी वस्त्रों के उत्पादन में चीन का प्रथम स्थान है।

3. जापान

- जापान विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- 2008 से जापान की अर्थव्यवस्था को मंदी का सामना करना पड़ रहा है।
- क्रय शक्ति क्षमता के आधार पर इसका चौथा स्थान है।
- 2016 में जापान की विकास दर में 0.5% की वृद्धि दर्ज की गई।
- जापान का कुल सकल घरेलू उत्पाद 4.73 ट्रिलियन डॉलर है।
- मानव पूंजी का अभाव यहां की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।
- यहां उन्नत आधारभूत संरचना, कामगारों के लिए स्वास्थ्य अनुकूल, अच्छी व्यवस्था, उन्नत टेक्नोलॉजी एवं उच्च गुणवत्ता के शोध संस्थान मौजूद हैं।
- जापान का सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका है।
- जापान विश्व का सर्वाधिक जलयान बनाने वाला देश है।

4. जर्मनी

- जर्मनी विश्व की चौथी तथा यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यह मशीनरी, मोटर वाहन, घरेलू सामान एवं रसायन का प्रमुख निर्यातक है।
- कुशल श्रम, नई एवं अच्छी टेक्नोलॉजी को ग्रहण करना तथा रिसर्च के लिए यहाँ अच्छा माहौल है।
- यहाँ सकल घरेलू उत्पाद 3.49 ट्रिलियन डालर है।
- जर्मनी में बेरोजगारी दर यूरोप में सबसे कम है।
- 2008 के बाद यहां की विकास दर धीमी हुई है।
- सार और रुर प्रदेश बिटुमिनस कोयले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं। यह क्षेत्र यूरोप का औद्योगिक हृदय स्थल कहा जाता है।
- कोलोन मोटरवाहन के लिए, हैनोवर धातु एवं रसायन उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

5. यूनाइटेड किंगडम

- यह विश्व की पांचवीं तथा यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यहाँ की सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान 75% से अधिक है।
- यहाँ की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 24% और कृषि क्षेत्र का योगदान 1% है।
- सिर्फ 60% खाद्यान्न की आवश्यकता ही पूरी कर पाती है बाकी आयात करना पड़ता है।
- यूनाइटेड किंगडम का सकल घरेलू उत्पाद 2.65 ट्रिलियन डॉलर है।
- आईएमएफ ने इसका विकास दर अगले 5 साल तक 1.05 से 1.09% अनुमानित किया है।
- उन्नतशील विदेशी व्यापार इस देश की प्रगति का आधार है।
- विदेशी व्यापार का बहुत बड़ा भाग पुनर्नियात के रूप में है जिसका मुख्य केन्द्र लंदन है।
- बर्मिंघम यूनाइटेड किंगडम का सबसे बड़ा औद्योगिक केन्द्र है।

6. फ्रांस

- फ्रांस विश्व का छठां सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था है। इसका सकल घरेलू उत्पाद 2.48 ट्रिलियन डालर है।

- फ्रांस में गरीबी बहुत कम है यहाँ का जीवन स्तर उच्च है।
- यह विश्व का प्रमुख आयातक एवं निर्यातक देश है।
- आईएमएफ के अनुसार फ्रांस की विकास दर बढ़ेगी तथा बेरोजगारी कम होगी।
- ज्ञातव्य है कि 2016 में फ्रांस में बेरोजगारी दर 9.8% हो गया था।
- फ्रांस में लोरेन का पठार प्रमुख लौह उत्पादक है। यहां कोयले की कमी के कारण अधिकांश लोहा जर्मनी, ब्रिटेन आदि को निर्यात किया जाता है।
- फ्रांस में कोयला उत्पादन यहाँ की खपत से कम है और फ्रांस को जर्मनी से कोयला आयात करना पड़ता है।

7. भारत

- भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था वाला देश है, इसका सकल घरेलू उत्पाद 2.25 ट्रिलियन डॉलर है।
- भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसकी विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है।
- भारत विश्व का तीसरा सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य बना हुआ है।
- एशिया में सर्वाधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है।
- भारत में सेवाक्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान है।
- 1991 में भारत में आर्थिक सुधार किये गए। इस आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत पूंजी आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ।
- भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित है।
- मानव पूंजी की पर्याप्तता तथा सस्ता श्रम उपलब्ध है।

8. इटली

- इटली विश्व की 8वीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। यूरोप में इसका प्रमुख स्थान है।
- इटली विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंगूर उत्पादक देश है।
- जैतून के उत्पादन में इटली का दूसरा स्थान है।
- यूरोप का सर्वाधिक चावल उत्पादक क्षेत्र इटली का लोम्बार्डी मैदान है।
- मिलान को इटली का मानचेस्टर एवं तूरिन को इटली का डेट्राइट कहा जाता है।
- यहाँ की अर्थव्यवस्था में सेवा और विनिर्माण क्षेत्र का योगदान सर्वाधिक है।
- इटली का सकल घरेलू उत्पाद 1.8 ट्रिलियन डॉलर है।

9. ब्राजील

- ब्राजील विश्व की 9वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसका सकल घरेलू उत्पाद 1.77 ट्रिलियन डालर है।
- ब्राजील की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान 68 प्रतिशत है।
- यहां की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण एवं कृषि क्षेत्र का योगदान क्रमशः 26 प्रतिशत एवं 6% है।
- यह दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप का सबसे बड़ा देश है। यह विश्व में जनसंख्या एवं क्षेत्रफल दोनों दृष्टि से पांचवें स्थान पर है।
- ब्राजील विश्व का सर्वाधिक कहवा उत्पादक राष्ट्र है।
- ब्राजील विश्व का दूसरा थोरियम उत्पादक राष्ट्र है (प्रथम- भारत)।
- ब्राजील में 1960 के पश्चात् तेजी से उद्योगों का विकास हुआ है।
- ब्राजील अपने उत्पादन का 50 प्रतिशत सूती वस्त्र का निर्यात करता है।

10. कनाडा

- कनाडा विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है।
- कनाडा का सकल घरेलू उत्पाद 1.53 ट्रिलियन डॉलर है।
- कनाडा की अर्थव्यवस्था सेवा आधारित है। विनिर्माण क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है।
- कनाडा विश्व में यूरेनियम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक एवं प्रथम निर्यातक देश है।
- कनाडा विश्व का प्रमुख लौह निर्यातक देश है।
- अल्बर्टा से कनाडा का सर्वाधिक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस प्राप्त किया जाता है।
- अखबारी कागज के उत्पादन में कनाडा का विश्व में प्रथम स्थान है।
- गेहूँ के निर्यात में कनाडा एक अग्रणी देश है।

आम बजट: 2017-18

- यह पहली बार है जब बजट 1 फरवरी को प्रस्तुत किया गया। इससे पहले बजट 28 या 29 फरवरी को पेश होता था। 92 वर्ष में पहली बार रेल बजट अलग से प्रस्तुत न होकर आम बजट का हिस्सा बना।

बजट का सार

	2015-2016 वास्तविक	2016-2017 बजट अनुमान	2016-2017 संशोधित अनुमान	2017-2018 बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियाँ	**1195025**	**1377022**	**1423562**	1515771
2. कर राजस्व (केन्द्र को निवल)	943765	1054101	1088792	1227014
3. कर-भिन्न राजस्व	251260	322921	334770	288757
4. पूँजी प्राप्तियाँ	**595748**	**601038**	**590845**	**630964**
5. ऋणों की वसूली	20835	10634	11071	11932
6. अन्य प्राप्तियाँ	42132	56500	45500	72500
7. उधार और अन्य देयताएँ	532791	533904	534274	546532
8. कुल प्राप्तियाँ (1+4)	**1790783**	**1978060**	**2014407**	**2146735**
9. स्कीम व्यय	**725114**	**801966**	**869847**	**945078**
10. राजस्व खाते पर	545619	601900	631511	674057
11. पूँजी खाते पर	179495	200066	238336	271021
12. स्कीमों से इतर व्यय (13+15)	**1065669**	**1176094**	**1144560**	**1201657**
13. राजस्व खाते पर	992142	1129137	1103049	1162877
14. जिसमें से ब्याज भुगतान	441659	492670	483069	523078
15. पूँजी खाते पर	73527	46957	41511	38780
16. कुल व्यय (9+12)	**1790783**	**1978060**	**2014407**	**2146735**
17. राजस्व खाते पर (10+13)	1537761	1731037	1734560	1836934
18. जिसमें से, सृजन हेतु सहायता अनुदान पूँजी परिसम्पत्तियों	131754	166840	171472	195350
19. पूँजी खाते पर (11+15)	253022	247023	279847	309801
20. राजस्व घाटा (17-1)	**342736**	**354015**	**310998**	**321163**
21. प्रभावी राजस्व घाटा (20-18)	**210982**	**187175**	**139526**	**125813**

22. राजकोज़ीय घाटा [16-(1+5+6)]	532791	533904	534274	546532
23. प्राथमिक घाटा (22-14)	91132	41234	51205	23454

बजट 2017-18 की मुख्य विशेषताएँ

परिचय

- प्रशासन विवेकाधीन, पक्षपात से प्रणालीगत और पारदर्शिता में बढ़ावा।
- मुद्रास्फीति पर नियंत्रण। सीपीआई-आधारित मुद्रास्फीति जुलाई, 2016 में 6% के स्तर से घटकर दिसम्बर, 2016 में 3.4% के स्तर पर आ गई।
- अर्थव्यवस्था उच्च विकास पथ पर अग्रसर हुई है। भारत का चालू खाता घाटा पिछले वर्ष सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत के स्तर से गिरकर 2016-17 के पूर्वार्ध में सकल घरेलू उत्पाद के 0.3% के स्तर पर आ गया।

रोडमैप और प्राथमिकताएँ

- वर्ष 2017-18 का एजेंडा है : ''ट्रांसफार्म, एनर्जाइज एंड क्लीन इंडिया'' टेक इंडिया
- टेक इंडिया का उद्देश्य इस प्रकार है:
- शासन की गुणवत्ता और हमारी जनता के जीवन स्तर को बदलना।
- समाज के विभिन्न वर्गों विशेषत: युवकों और कमजोर तबकों में ऊर्जा का संचार करना और उन्हें उनकी क्षमता से परिचित कराना; और
- देश में भ्रष्टाचार, काला धन और अपारदर्शी रा. जनीतिक फंडिंग की बुराइयों को समाप्त करना।
- इस व्यापक एजेंडे को चलाने की दस विशिष्ट थीमें:
- **किसान** : 5 वर्षों में आय दुगुना करने के लिए प्रतिबद्ध;
- **ग्रामीण आबादी** : रोजगार और बुनियादी अव. संरचना मुहैया कराना;
- **युवा** : शिक्षा, कौशल और रोजगार के जरिए ऊर्जा का संचार करना;
- **गरीब तथा विशेष सुविधाओं से वंचित वर्ग** : सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और किफायती आवास की प्रणाली को मजबूत करना;
- **अवसंरचना** : कारगरता, उत्पादकता और जीवन स्तर के लिए;
- **वित्तीय क्षेत्र** : मजबूत संस्थाओं के द्वारा विक. ास और स्थिरता;
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था** : गति, उत्तरदायित्व और पारदर्शिता हेतु;
- **सार्वजनिक सेवा:** जनता की भागीदारी के जरिए कारगर शासन और कारगर सेवा सुपुर्दगी;
- **विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन** : संसाधनों का इष्टतम नियोजन सुनिश्चित करना और राजकोषीय स्थिरता बनाए रखना; कर-प्रशासन: ईमानदारों का आदर करना।

किसान

- कृषि संबंधी क्रेडिट को 10 लाख करोड़ रुपए तक नियत किया गया।
- 60 दिन की ब्याज माफी का लाभ।
- सभी 63,000 कार्यरत प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटियों का कम्प्यूटरीकरण।
- फसल बीमा योजना के तहत 9000 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान।
- राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) की व्याप्ति का 250 बाजारों से 585 एपीएमसी तक विस्तार।
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित किए गए अनुसार, नाबार्ड में पहले से ही स्थापित दीर्घावधिक सिंचाई निधि की 40,000 करोड़ रुपए की कुल राशि से 100% तक अभिवर्धन किया जाएगा।
- संविदा फार्मिंग के संबंध में एक मॉडल कानून तैयार किया जाएगा और इसे अपनाने हेतु राज्यों को परिचालित किया जाएगा।
- 2000 करोड़ रुपए की राशि के साथ डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना विकास निधि की स्थापना।

ग्रामीण आबादी

- प्रत्येक वर्ष 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय का प्रावधान।
- 50,000 ग्राम पंचायतों को गरीबी से मुक्ति दिलाना।
- मनरेगा के अंतर्गत कृषि से जुड़े 10 लाख तालाबों का कार्य पूर्ण।
- मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी 48% से बढ़कर 55%।
- 2017-18 में मनरेगा के लिए सर्वाधिक 48,000 करोड़ रुपए का आवंटन।
- प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के लिए 23,000 करोड़ रुपए का आवंटन। 2019 तक 1 करोड़ मकान पूरे करने का लक्ष्य।
- 1 मई, 2018 तक 100% ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य।
- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और ऋण समर्थन स्कीमों के लिए आवंटन तीन गुना बढ़ा दिया गया है।
- ग्रामीण भारत में स्वच्छता कवरेज अक्टूबर, 2014 के 42% से बढ़कर 60 प्रतिशत।
- 28,000 से अधिक निवासों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करने का प्रस्ताव।
- 2022 तक 5 लाख व्यक्तियों को राजगीरी प्रशिक्षण।
- ग्रामीण कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कुल आवंटन 187223 करोड़ रुपए है।

युवा वर्ग

- हमारे स्कूलों में अधिगम (लर्निंग) के वार्षिक परिणाम मापन प्रणाली प्रारंभ करना।
- माध्यमिक शिक्षा हेतु नवाचार निधि शैक्षिक रूप से पिछड़े 3479 जिलों में प्रारंभ करना।
- 350 ऑनलाइन पाठ्यक्रम की शुरुआत।
- 600 से ज्यादा प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों का विस्तार।
- 4,000 करोड़ रुपए की लागत से कौशल अर्जन और ज्ञान जागरूकता कार्यक्रम (संकल्प) की शुरुआत।

गरीब तथा विशेष सुविधाओं से वंचित वर्ग

- 500 करोड़ रुपए के आवंटन से महिला शक्ति केंद्रों की स्थापना।
- मातृत्व लाभ योजना के अंतर्गत प्रत्येक गर्भवती महिला के बैंक खाते में सीधे 6,000 रुपए अंतरित करने का प्रावधान।
- सस्ते आवासों को अवसंरचना का दर्जा दिया जाएगा।
- 100 रुपए के वहनीय वार्षिक प्रीमियम पर प्रधानमंत्री आपदा बीमा योजना की शुरुआत।
- राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा 2017-18 में लगभग 20,000 करोड़ रुपए के व्यष्टि आवास ऋणों का पुनर्वित्तपोषण।
- सरकार का 2017 तक कालाजार और फिलारियासिस, 2018 तक कोढ़, 2020 तक खसरा और 2025 तक तपेदिक समाप्त करने का लक्ष्य।
- विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रति वर्ष अतिरिक्त 5,000 स्नातकोत्तर सीटें सृजित करना।
- श्रम अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए 4 संहिताओं नामत: (i) पारिश्रमिक; (ii) औद्योगिक संबंध; (iii) सामाजिक सुरक्षा और कल्याण; और (iv) सुरक्षा और कार्य करने की दशाओं पर मौजूदा कानूनों को सरल, युक्तिसंगत बनाने और समामेलित करने के उद्देश्य से विधायी सुधार किए जाएँगे।
- अनुसूचित जातियों के लिए आवंटन को बजट अनुमान 2016-17 की तुलना में 35 प्रतिशत बढ़ाया गया है।

अवसंरचना

- समूचे परिवहन क्षेत्र के लिए, 2017-18 में 2,41,387 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- 2017-18 के लिए, रेलवे के कुल पूँजीगत और विकास व्यय को 1,31,000 करोड़ रुपए पर स्थिर रखा गया।
- यात्रियों की संरक्षा के लिए, 5 वर्ष की अवधि में 1 लाख करोड़ रुपए की राशि के साथ राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष सृजित किया जाएगा।
- 2017-18 में 3,500 किलोमीटर रेलवे लाइन शुरू होगी।
- 500 स्टेशनों को लिफ्ट और एस्केलेटर देकर दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया जाएगा।
- मध्यावधि में लगभग 7,000 स्टेशनों को सौर ऊर्जा प्रदान करने का प्रस्ताव।

- एसएमएस आधारित 'क्लीन माई कोच' सेवा की शुरुआत।
- 'कोचमित्र', सभी कोच संबंधी शिकायतों और आवश्यकताओं को दर्ज करने के लिए एकल विंडो इंटरफेस शुरू किया जाएगा।
- 2019 तक, भारतीय रेल के सभी कोचों में बायो शौचालय की शुरुआत।
- सड़क सेक्टर में, राजमार्गों के लिए बजट आवंटन 2016-17 में 57,976 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2017-18 में 64,900 करोड़ रुपए करने का प्रावधान।
- 2,000 कि॰मी॰ लम्बी तटीय कनेक्टिविटी सड़कों का चुनाव।
- 2017-18 के अंत तक हाई स्पीड ब्राड बैंड कनेक्टिविटी 1,50,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में उपलब्ध।
- सौर पार्क विकास के दूसरे चरण पर अतिरिक्त 20,000 एमएमटी के लिए कार्य किया जाएगा।
- इको पद्धति के सृजन हेतु एम-सिप्स और ईडीएफ जैसी प्रोत्साहन स्कीम में 2017-18 में 745 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- निर्यात अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक नई पुनर्संरचित केंद्रीय स्कीम नामत: निर्यात हेतु व्यापार अवसंरचना स्कीम 2017-18 में शुरू की जाएगी।

वित्तीय सेक्टर

- एफडीआई नीति को और अधिक उदार बनाने पर विचार।
- अवैध जमा स्कीम के संकट को कम करने के लिए विधेयक का प्रावधान।
- अवसंरचना से संबंधित निर्माण संविदाओं, पीपीपी और सार्वजनिक उपयोगिता के संविदाओं, विवादों के समाधान के लिए संस्थागत व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु तंत्र मध्यस्थता और संराधन अधिनियम, 1996 में संशोधन करने के लिए शुरू किया जाएगा।
- वित्तीय सेक्टर के लिए कम्प्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल का निर्माण।
- आईआरसीटीसी, आईआरएफसी और कोंकॉर जैसे रेलवे के शेयर स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने का प्रावधान।
- एक समेकित सरकारी क्षेत्र 'ऑयल मेजर' के गठन का प्रस्ताव है, जो अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू निजी क्षेत्र की तेल और गैस कंपनियों के निष्पादन में तालमेल स्थापित करेगा।
- 2017-18 में विविध सीपीएसई स्टॉक और अन्य सरकारी होल्डिंग से युक्त एक नए ईटीएफ की शुरुआत करना।
- 'इंद्रधनुष' रोडमैप के अनुरूप, 2017-18 में बैंकों के पुन: पूँजीकरण के लिए 10,000 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 2.44 लाख करोड़ रुपए का ऋण लक्ष्य नियत किए जाने का प्रस्ताव।

डिजीटल अर्थव्यवस्था

- अभी तक 125 लाख व्यक्तियों ने 'भीम' एप को अपना लिया है। सरकार 'भीम' की उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए दो नई योजनाएँ शुरू करेगी; ये हैं व्यष्टियों के लिए रेफरल बोनस योजना और व्यापारियों के लिए कैशबैक योजना।
- आधार समर्थित भुगतान प्रणाली का व्यापारी संस्करण आधार भुगतान शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।
- यूपीआई, यूएसएसडी, आधार भुगतान, आईएमपीएस और डेबिट कॉर्डों के माध्यम से 2017-18 के लिए 2500 करोड़ के डिजीटल लेनदेन को शुरू करना।
- बैंकों का मार्च 2017 तक अतिरिक्त 10 लाख नए पीओएस टर्मिनलों को शुरू करने का लक्ष्य।
- उन्हें सितंबर 2017 तक 20 लाख आधार आधारित पीओएस शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

सार्वजनिक सेवा

- मुख्य डाकघरों को पासपोर्ट सेवाएँ प्रदान करने के लिए अग्रणी कार्यालयों के रूप में प्रयोग में लाना।
- एक केंद्रीकृत रक्षा यात्रा प्रणाली की शुरुआत, जिसके माध्यम से हमारे सैनिक एवं अधिकारी यात्रा टिकटों को ऑनलाइन बुक करा सकेंगे।

- रक्षापेंशन भोगियों के लिए वेब आधारित इंटरेक्टिव पेंशन वितरण प्रणाली का प्रावधान।
- न्यायाधिकरणों की संख्या को युक्तिसंगत बनाना तथा आवश्यकतानुसार न्यायाधिकरणों का आपस में विलय करना।

विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन

- पूँजीगत व्यय हेतु आवंटन में 25.4% की वृद्धि करना।
- राज्यों तथा विधानमंडल वाले संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 4.11 लाख करोड़ रुपए के संसाधन का प्रावधान।
- एफआरबीएम समिति द्वारा आगामी तीन वर्षों के लिए 3% राजकोषीय घाटे की सिफारिश। संपोषणीय ऋण लक्ष्य और सार्वजनिक निवेश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 2017-18 के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 3.2 प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य।
- निवल (नेट) बाजार उधार 3.48 लाख करोड़ रुपए तक निर्धारित।
- गत वर्ष 2.3% का राजस्व घाटा हुआ था जो घटाकर संशोधित अनुमान में 2.1 प्रतिशत कर दिया गया है।

वहनीय मूल्य पर आवास निर्माण तथा रियल सेक्टर को बढ़ावा देना

- वहनीय मूल्यों पर आवास निर्माण के प्रोमोटरों के लिए लाभ संबद्ध आयकर छूट की योजना के तहत 30 और 60 वर्गमीटर के निर्मित क्षेत्र के बजाय कारपेट क्षेत्र का परिकलन किया जाएगा।
- 30 वर्ग मीटर की सीमा केवल 4 मेट्रो शहरों की नगरपालिका सीमाओं के मामले में लागू होगी। जबकि मेट्रो शहरों के परिधीय क्षेत्रों सहित देश के शेष भागों में 60 वर्गमीटर की सीमा लागू होगी।
- अचल संपत्ति से लाभ पर विचार करते हुए धारण की अवधि 3 वर्ष से घटाकर 2 वर्ष किए जाने का प्रस्ताव। निर्देशन हेतु आधार वर्ष अचल संपत्ति सहित सभी श्रेणियों की परिसंपत्तियों के लिए 1.4.1981 से बदलकर 1.4.2001 किए जाने का प्रस्ताव है।

विकास गति को तीव्र करने हेतु कदम

- न्यूनतम वैकल्पिक कर (मैट) क्रेडिट वर्तमान में 10 वर्षों के स्थान पर 15 वर्ष की अवधि तक आगे बढ़ाने की अनुमति।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम कंपनियों को और सशक्त बनाने के लिए, 50 करोड़ रुपए तक के वार्षिक पण्यावर्त वाली कंपनियों के लिए आय कर घटाकर 25%।
- बैंकों को गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्तियों हेतु अनुज्ञेय प्रावधान को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.5 प्रतिशत करना।
- एलएनजी पर बुनियादी सीमाशुल्क को 5 प्रतिशत से घटाकर 2.5% करना।

डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

- 3 लाख रुपए से अधिक के लेनदेन नकदी में करने की अनुमति नहीं।
- एमपीओएस के लिए मिनिएचराइच्ड पीओएस कार्ड रीडर, माइक्रो एटीएम स्टेंडर्ड वर्जन 1.5.1, फिंगर प्रिंट रीडर/स्कैनर और आईरिस स्कैनर तथा उनके कलपुर्जे और इस प्रकार के उपकरणों के विनिर्माण हेतु कलपुर्जों को बीसीडी/उत्पाद शुल्क/सीवी शुल्क और एसएडी से छूट।

चुनावी निधिपोषण में पारदर्शिता

- एक राजनीतिक पार्टी एक व्यक्ति से नकद चंदे के रूप में अधिकतम 2000 रुपए की राशि प्राप्त कर सकती है।
- राजनीतिक पार्टियाँ अपने दाताओं से चैक या डिजिटल माध्यम से चंदा प्राप्त करने के लिए पात्र होंगी।

ईज़ ऑफ डुइंग बिज़नेस

- व्यावसायिक उद्यमियों की लेखा परीक्षा के लिए प्रारंभिक सीमा 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए करना। इसी प्रकार, व्यष्टियों और हिंदू अविभाजित परिवारों के लिए लेखों के रखरखाव की प्रारंभिक सीमा 10 लाख टर्नओवर से बढ़ाकर 25 लाख रुपए अथवा 1.2 लाख रुपए आय से 2.5 लाख रुपए तक बढ़ाना।
- 50 लाख रुपए प्रति वर्ष आय वाले व्यवसायियों के लिए अनुमानित कराधान स्कीम के अंतर्गत अग्रिम कर का चार किस्तों के स्थान पर एक किस्त में भुगतान किया जा सकता है।
- संशोधित कर विवरणी के लिए समय सीमा, विवरणी फाइल करने की समयावधि के समान कम करके 12 माह की जा रही है।

व्यक्तिगत आय-कर

आय	आयकर की दर
2.5 लाख तक	0
2.5 से 5 लाख तक	2.5 लाख से ऊपर की रकम पर 5%
5 से 10 लाख तक	12500 रुपये + 5 लाख से ऊपर की रकम पर 20%
10 लाख से अधिक	1,12,500 रुपये + 10 लाख से ऊपर की रकम पर 30%
60 वर्ष से अधिक, किन्तु 80 वर्ष से कम आयु के नागरिकों के लिए	
3 लाख तक	शून्य
3 से 5 लाख तक	3 लाख से ऊपर की रकम पर 5%
5 से 10 लाख तक	10,000 रुपये +5 लाख से ऊपर की रकम पर 20%
10 लाख से अधिक	1,10,000 रुपये +10 लाख से ऊपर की रकम पर 30%

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)

- जीएसटी हेतु व्यापार और उद्योग के लिए 1 अप्रैल, 2017 से गहन संपर्क प्रयास शुरू किए जाएँगे, ताकि उन्हें नई कराधान प्रणाली से अवगत कराया जा सके।

रैपिड (राजस्व, जवाबदेही, ईमानदारी, सूचना तथा डिजिटाइजेशन)

- आने वाले वर्ष के ई-निर्धारण हेतु अधिकतम प्रयास करना।
- कमीशन और विलोपन के विशिष्ट कार्य के लिए कर विभाग के अधिकारियों की और अधिक जवाबदेही प्रवर्तित करना।

ये सस्ते होंगे-

- पवन चक्की, आरओ, पीओएस, पार्सल, चमड़े की वस्तुएँ, सोलर पैनल, प्राकृतिक गैस, निकेल, बायोगैस, नायलॉन।
- रेल टिकट खरीदना, सस्ता घर देने का प्रयास, टैक्स में मध्यम वर्ग को राहत देने का प्रयास।
- भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा टैक्स मुक्त होगा, छोटी कंपनियों को टैक्स में राहत।
- 50 करोड़ तक सालाना टर्न ओवर वाली कंपनियों को 25% टैक्स (पहले 30% था), 2 करोड़ तक टर्न ओवर वाली कंपनियों पर 6% टैक्स लगेगा, जो पहले से 2% कम हुआ।
- स्टार्ट अप के लिए टैक्स रियायतें लेने के नियमों में राहत।
- सौर ऊर्जा बैटरी और पैनल के विनिर्माण में काम आने वाले सोलर टैम्पर्ड ग्लास को सीमा शुल्क से छूट।

ये महँगे होंगे-

- मोबाइल फोन, पान मसाला, सिगरेट, एलईडी बल्ब, चाँदी का सामान, तंबाकू, हार्डवेयर, सिल्वर फॉयल, स्टील का सामान, सूखे मेवे, चाँदी के गहने, स्मार्टफोन।
- पान मसाला पर उत्पाद शुल्क 6% से बढ़ाकर 9%, गैर-प्रसंस्कृत तंबाकू पर 4.2 से बढ़ाकर 8.3% किया गया। तंबाकू (गुटखा) वाले पान मसाला पर उत्पाद शुल्क 10% से बढ़ाकर 12% किया गया।
- 65 मिलीमीटर तक लंबाई वाली सिगरेट पर उत्पाद शुल्क 215 रुपये प्रति हजार से बढ़ाकर 311 रुपये प्रति हजार किया गया।
- एल्यूमीनियम महँगा, इसके अयस्क और कंसंट्रेट पर आयात शुल्क शून्य से बढ़ाकर 30% किया गया।
- मोबाइल फोन विनिर्माण में काम आने वाले प्रिंटेड सर्किट बोर्ड पर सीमा शुल्क शून्य से बढ़ाकर 2% किया गया।
- एलईडी बल्ब विनिर्माण में उपयोग होने वाले कलपुर्जों पर पाँच प्रतिशत की दर से मूल सीमा शुल्क और 6% प्रतिपूर्ति शुल्क लगेगा।

विधेयक और अधिनियम

मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक, 2016

श्रम और रोजगार मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने 11 अगस्त 2016 को लोकसभा में मातृत्व, लाभ (संशोधन) बिल, 2016 पेश किया।

मुख्य तथ्यः

- प्रसव की अवधि में महिलाओं के रोजगार को रेगुलेट करता है।
- यह मातृत्व अवकाश की अवधि और प्रायोज्यता (एप्लीकेबिलिटी) से संबंधित प्रावधानों का संशोधन
- **मातृत्व अवकाश की अवधि** : 12 हफ्तों से बढ़ाकर 26 हफ्ते करना।
- **एडॉप्शन या कमीशनिंग करने वाली महिलाओं के लिए मातृत्व लाभ।**
- कमीशनिंग करने वाली महिला से आशय ऐसी बायोलॉजिकल मदर से है जो दूसरी महिला में इंप्लांट किए गए भ्रूण को तैयार करने के लिए अपने एग का इस्तेमाल करती है (जिसे सेरोगेसी भी कहते हैं)।
- बच्चों में कुपोषण की समस्या का निवारण करना।

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2016

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने 5 अगस्त, 2016 को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) बिल, 2016 लोकसभा में पेश किया। विधेयक केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1992 में संशोधन का प्रस्ताव रखता है।

मुख्य तथ्यः

- उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के लिए कृषि क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण का प्रावधान
- अधिनियम में उत्तर पूर्वी क्षेत्र की परिभाषा में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम और त्रिपुरा राज्य शामिल हैं। अधिनियम में इस परिभाषा को पुनर्परिभाषित किया गया है और उसमें नागालैंड राज्य को शामिल किया गया हैं।
- किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकी ज्ञान।
- नागालैंड राज्य के घरेलू जानवरों के उत्पाद में वृद्धि।
- नागालैंड को सामाजिक-आर्थिक विकास।

कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2016

कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2016 को लोकसभा में 10 अगस्त, 2016 को पेश किया गया। यह विधेयक इनकम टैक्स अधिनियम 1961 और कस्टम टैरिफ एक्ट, 1975 में संशोधन का प्रस्ताव रखता है। विधेयक में प्रस्तावित परिवर्तन निम्नलिखित हैं।

मुख्य तथ्यः

इनकम टैक्स अधिनियम, 1961

- **सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का असंबद्ध होना (डीमर्जर)** : कंपनी एक्ट, 1956 कंपनियों को कई कंपनियों में डीमर्ज (अलग-अलग) होने की अनुमति देता है। डीमर्जर के परिणाम स्वरूप पेरेंट कंपनी की आय, व्यय और लाभ रिजल्टेंट (डीमर्जर के बाद बनने वाली) कंपनियों में ट्रांसफर हो जाते हैं। इनकम टैक्स एक्ट, 1961 रिजल्टेंट (परिणामी) कंपनियों के टैक्सेशन (कराधान) के लिए पेरेंट (मूल) कंपनी से होने वाले ट्रांसफर को ध्यान में रखता है। बिल स्पष्ट करता है कि ये प्रावधान तभी लागू होंगे जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी डीमर्ज होगी और रिजल्टेंट कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नहीं होगी।

सीमा शुल्क अधिनियम, 1975

मार्बल और ग्रेनाइट ब्लॉक और स्लैब पर कस्टम ड्यूटी: वर्तमान में विशिष्ट उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त होने वाले ग्रेनाइट और मार्बल के आयात पर 10% की दर से कस्टम ड्यूटी चुकानी होती है। बिल में इसे बढ़ाकर 40% करने का प्रस्ताव है।

संविधान (122वां संशोधन) विधेयक, 2014 (जीएसटी)

संविधान (122 वां संशोधन) बिल, 2014 को 19 दिसबंर 2014 को लोक सभा में पेश किया गया था। 6 मई, 2015 को उसे लोक सभा में पास कर दिया गया।
यह बिल 3 अगस्त, 2016 को राज्य सभा में और 8 अगस्त को लोक सभा को पारित किया गया

जीएसटी क्या है–

- जी एस टी बिल एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर हैं, जो व्यापक पैमाने पर पूरे देश के निर्माता, व्यापारी और वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ताओं पर लगेगा। यह टैक्स अन्य टैक्सों को हटा देगा, जो कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाये गये हैं,
- वस्तुओं और सेवाओं की खरीद-बिक्री के प्रत्येक चरण पर लगने वाले इस टैक्स में **'इनपुट टैक्स क्रेडिट मेथड'** लगेगी. इस विधि के अंतर्गत वस्तु एवं सेवा कर (GST Bill) के अधीन पंजीकृत व्यवसायों को टैक्स क्रेडिट का दाबा करने की सुविधा मिलेगी, जिन्होने अपनी सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान यह टैक्स का भुगतान किया था। कर योग्य वस्तुओं और सेवाओं को एक दूसरे से अलग परिभाषित नहीं किया गया हैं और इसके साथ ही कर की दर भी एक समान ही रखी गयी है, जो पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर लगेगी, जिसके द्वारा वह वस्तु या सेवा अंतिम उपभोक्त तक पहुंचेगी.
- वस्तुओं और सेवाओं दोनों पर ही कर लगाने के लिए एक ही अथॉरिटरी जिम्मेदार होगी । निर्यात (एक्सपोर्ट) पर शून्य दर (Zero rated) के साथ आयात पर घरेलू करों (Domestic Tax) के ही सामान टैक्स लगाया जाएगा।

मुख्य तथ्यः

- यह बिल माल व सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करता है।
- जीएसटी पर संसद एवं राज्य विधानसभा दोनों कानून बना सकते हैं। केवल केन्द्र ही माल व सेवाओं, और आयात की अंतर्राज्यीय आपूर्ति पर एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) लगा (लेवी) सकता है।
- मानव उपभोग के लिए शराब को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। पाँच पेट्रोलियम उत्पादों पर जीएसटी बाद में किसी अन्य तिथि पर लागू होगा।
- जीएसटी काउंसिल कर की दरें, अतिरिक्त कर लगाने (लेवी) की अवधि, आपूर्ति व्यवस्था, कुछ राज्यों को विशेष प्रावधान आदि का सुझाव देगा। जीएसटी कांउसिल में केंद्रीय वित्त मंत्री, केंद्रीय राजस्व राज्य मंत्री, और राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होंगे।
- बिल में केन्द्र को दो या दो से अधिक वर्ष के लिए माल की अंतर्राज्यीय आपूर्ति पर 1% तक का अतिरिक्त कर लगाने का अधिकार दिया गया है। यह कर उन राज्यों को प्राप्त होगा जो माल की आपूर्ति के मूल स्थान हैं।
- विधि अनुसार, संसद जीएसटी लागू होने से पाँच वर्ष की अवधि तक राज्यों को राजस्व (रेवेन्यू) में होने वाले किसी भी घाटे का मुआवज़ा प्रदान कर सकती हैं।
- एक आदर्श जीएसटी व्यवस्था का उद्देश्य सभी अप्रत्यक्ष करों को एक करके टैक्सेशन की एक समान प्रणाली को तैयार करना है।
- मौजूदा अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान करके आधार को बढ़ाकर, करों की कैस्केडिंग को समाप्त करके, अनुपालन को बढ़ाकर, और विभिन्न राज्यों में अलग प्रकार के करों से होने वाली आर्थिक समस्याओं को कम करना।
- भौगोलिक विखंडन का उन्मूलन करते हुए 'एक भारत' की स्थापना।
- मुद्रा-स्फीति और सरकारी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव
- कालाबाजारी की समस्या का समाधान
- कर-भार की कमी

मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2016

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने 9 अगस्त, 2016 को लोकसभा में मोटर वाहन (संशोधन) बिल, 2016 पेश किया। यह बिल मोटर वाहन एक्ट, 1988 में संशोधन का प्रस्ताव रखता है।

मुख्य तथ्य:

- मोटर वाहनों के लिए मानकों का प्रावधान ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने और इन प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए दंड का निर्धारण भी करता है।
- **राष्ट्रीय परिवहन नीति** : बिल केंद्र सरकार से अपेक्षा करता है कि वह राज्यों के विचार-विमर्श से राष्ट्रीय परिवहन नीति को विकसित करेगी। इस नीति के तहत निम्नलिखित कार्य किए जाएंगे : (i) सड़क परिवहन के लिए योजना संबंधी तंत्र तैयार करना, (ii) परमिट देने और योजनाओं के लिए तंत्र विकसित करना, और (iii) सड़क परिवहन प्रणाली के लिए प्राथमिकताओं को चिन्हित और स्पष्ट करना।
- **वाहनों का रीकॉल (वापसी)**: बिल केंद्र सरकार को ऐसे मोटर वाहनों को रीकॉल (वापस लेने) करने का आदेश देने की अनुमति देता है, जिसमें कोई ऐसी खराबी है जो पर्यावरण, या ड्राइवर या सड़क का प्रयोग करने वालों को नुकसान पहुंचा सकती है।

  अनिवार्य बीमा : बिल में केंद्र सरकार से मोटर वाहन दुर्घटना कोष बनाने की अपेक्षा की गई है। यह कोष भारत में सड़क का प्रयोग करने वाले सभी लोगों को अनिवार्य बीमा कवर प्रदान करेगा।

इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं का प्रावधान:

- शराब या ड्रग्स के नशे में वाहन चलाने के लिए अधिकतम दंड ₹2,000 से बढ़ाकर ₹10,000 कर दिया गया है।

प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016

- मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर ने 19 जुलाई, 2016 को लोकसभा में प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) बिल, 2016 पेश किया।

मुख्य तथ्य:

- यह बिल प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 में संशोधन का प्रयास करता है जिसके तहत विशिष्ट प्रौद्योगिकी संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया जाता है।
- विधेयक तिरुपति, पलक्कड़, गोवा, धारवाड़, भिलाई और जम्मू में स्थापित छह नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को अधिनियम में शामिल करने का प्रयास करता है। इसके अतिरिक्त विधेयक में धनबाद के भारतीय खनन स्कूल को भी अधिनियम के दायरे में लाने का प्रयास किया गया है।
- विधेयक आईआईटी (भारतीय खनन स्कूल), धनबाद के संस्थापन का प्रावधान करता है। बिल में कहा गया है कि एक्ट में जब तक आईआईटी (भारतीय खनन स्कूल), धनबाद के संबंध में विधान नहीं बनाए जाते, तब तक आईआईटी रुड़की संबंधी विधान लागू रहेंगे।

भारतीय चिकित्सा परिषद (संशोधन) विधेयक, 2016

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 19 जुलाई, 2016 को लोकसभा में इंडियन मेडिकल काउंसिल (संशोधन) बिल, 2016 पेश किया। यह बिल इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 को संशोधित करता है।

मुख्य तथ्य:

- इस एक्ट में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) के गठन का प्रस्ताव है। एमसीआई निम्नलिखित को रेगुलेट करता है: (i) मेडिकल शिक्षा के मानक, (ii) कॉलजों, पाठ्यक्रम को शुरु करने या सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए अनुमति, (iii) डॉक्टरों का पंजीकरण और (iv) मेडिकल प्रैक्टीशनरों के प्रोफेशनल व्यवहार के मानक आदि।
- बिल में सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए समान भर्ती परीक्षा को प्रस्तावित किया गया है। यह स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर लागू होगा।

- बिल इंडियन मेडिकल काउंसिल (संशोधन) अध्यादेश, 2016 का स्थान लेगा। बिल कहता है कि इसके प्रावधान 24 मई, 2016 से लागू माने जाएंगे।
- बिल में कहा गया है कि अगर कोई राज्य समान भर्ती परीक्षा का चयन नहीं करता, तो शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के लिए स्नातक स्तर पर ऐसी परीक्षा नहीं कराई जाएगी। यह प्रावधान राज्य सरकार के कॉलेजों और निजी मेडिकल कॉलेजों में राज्य सरकार की सीटों पर लागू होगा।
- बिल कहता है कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन हिंदी, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में किया जाएगा।
- बिल निम्नलिखित के संबंध में रेगुलेशन बनाने के लिए एमसीआई को अधिकार देता है : (i) परीक्षा कराने के लिए प्राधिकारी की नियुक्ति, (ii) परीक्षा के आयोजन का तरीका और (iii) अंग्रेजी और हिंदी के अतिरिक्त उन भाषाओं के संबंध में निर्देश जिनमें परीक्षाएं कराई जा सकती हैं।

प्रतिपूरक वनीकरण निधि विधेयक 2016

संसद ने प्रतिपूरक वनीकरण कोष विधेयक-29 जुलाई 2016 को राज्यसभा में पास कर दिया।
लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

मुख्य तथ्यः

- इस विधेयक में प्रतिपूरक वनीकरण के लिए केन्द्र और राज्य स्तर पर कोष बनाने का प्रावधान है.
- नया विधि बनने से राज्यों को वनीकरण और संबन्धित गतिविधियों के लिए 42 हजार करोड़ रुपये दिए जायेंगे.
- पर्यावरण मंत्री अनिल माधव दवे के अनुसार ओडिशा को इस कोष से सबसे अधिक राशि दी जाएगी.
- जो लगभग छह हजार करोड़ रुपये होगी.

लोकपाल और लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2016

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह ने 27 जुलाई, 2016 को लोकसभा में लोकपाल और लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2016 पेश किया।

मुख्य तथ्यः

- विधेयक लोक सेवकों के एसेट्स और देनदारियों की घोषणा के संबंध में लोकपाल और लोकायुक्त एक्ट, 2013 में संशोधन करता हैं। बिल के प्रावधान पूर्व प्रभाव से, 2013 एक्ट के अमल में जाने की तारीख से लागू होंगे।
- लोकपाल अधिनियम में एक लोक सेवक से अपनी, अपनी पत्नी या पति और अपने बच्चों के एसेट्स और देनदारियों की घोषणा करने की अपेक्षा की गई है। कार्यभार संभालने के 30 दिनों के भीतर उसे सक्षम अथॉरिटी के समक्ष यह घोषणा करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त लोक सेवक को हर वर्ष 31 जुलाई तक इन एसेट्स और देनदारियों का वार्षिक रिटर्न फाइल करना चाहिए। लोकपाल एक्ट यह निर्देश भी देता है कि संबंधित मंत्रालय की वेबसाइट पर 31 जुलाई तक इस घोषणा से संबंधित स्टेटमेंट प्रकाशित होने चाहिए।

बालश्रम संशोधन विधेयक 2012

राज्यसभा ने 19 जुलाई 2016 को बालश्रम निषेध और विनियमन संशोधन विधेयक 2012 पारित कर दिया.

- संशोधित विधेयक में सभी व्यवसायों या उद्योगों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों से काम करवाना प्रतिबंधित किया गया है। बच्चों से मजदूरी करवाना संज्ञेय अपराध माना गया है। उल्लंघन करने पर दो साल के कारावास का प्रावधान है.
- पारिवारिक व्यवसाय के मामले में इस नियम में छूट दी गयी है। विधेयक में स्पष्ट किया गया है कि पारिवारिक व्यवसाय व कार्यों में बच्चे मदद कर सकते हैं.
- श्रम और रोज़गार मंत्री बंडारू दत्तात्रेय के अनुसार यह विधेयक अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन समझौते के प्रावधानों के अनुरूप है.

- संशोधित विधेयक में उल्लंघन करने वालों के लिये और कड़े दंड की व्यवस्था की गयी है.
- पारिवारिक उद्यम में नियोक्ता और कर्मचारी जैसा कोई संबंध नहीं होगा और सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम होंगे.

ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) विधोयक, 2016

सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्री थावरचंद गहलौत ने 2 अगस्त, 2016 को लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) बिल, 2016 पेश किया।

मुख्य तथ्यः

- **ट्रांसजेंडर व्यक्ति की परिभाषाः** बिल कहता है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति ऐसा व्यक्ति है जो कि (i) न तो पूरी तरह से महिला है और न ही पुरुष, (ii) महिला और पुरुष, दोनों का संयोजन है, या (iii) न तो महिला है और न ही पुरुष। ऐसे व्यक्तियों का लिंग जन्म के समय नियत लिंग से मेल नहीं खाता और इसके तहत इंटरसेक्स भिन्नताओं और लिंग विलक्षणताओं वाले व्यक्तियों के साथ ट्रांस–मेन (परा–पुरुष) और ट्रांस–विमेन (परा–स्त्री) भी आते हैं।
- **भेदभाव पर प्रतिबंधः** विधेयक ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से भेदभाव पर प्रतिबंध लगाता है जिसमें निम्नलिखित के संबंध में सेवा प्रदान करने से इनकार करना या अनुचित व्यवहार करना शामिल हैः (i) शिक्षा, (ii) रोजगार, (iii) स्वास्थ्य सेवा, (iv) सार्वजनिक स्तर पर उपलब्ध उत्पादों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच और उसका उपभोग, (v) कहीं आने-जाने का अधिकार (vi) किसी प्रॉपर्टी में निवास करने, उसे किराये पर लेने, स्वामित्व हासिल करने या अन्यथा उसे कब्जे में लेने का अधिकार, और (vii) सार्वजनिक या निजी पद को ग्रहण करने का अवसर।
- **ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की आइडेंटिटी से जुड़ा सर्टिफिकेटः** एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति जिला मजिस्ट्रेट को आवेदन कर सकता है कि ट्रांसजेंडर के रूप में उसकी आइडेंटिटी से जुड़ा सर्टिफिकेट जारी किया जाए। जिला मजिस्ट्रेट जिला स्क्रीनिंग कमिटी के सुझावों के आधार पर ऐसे सर्टिफिकेट जारी करेगा। इस कमिटी में निम्नलिखित शामिल होंगे : (i) चीफ मेडिकल ऑफिसर, (ii) जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी, (iii) मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक, (iv) ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधि और (v) संबंधित सरकार का एक अधिकारी।
- **राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर परिषद (एनसीटी):** एनसीटी के निम्नलिखित सदस्य होंगे : (i) केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री (अध्यक्ष), (ii) सामाजिक न्याय राज्य मंत्री (सह अध्यक्ष), (iii) सामाजिक न्याय मंत्रालय के सचिव, और (iv) स्वास्थ्य, गृह मामलों, आवास, मानव संसाधन विकास से संबंधित मंत्रालयों के प्रतिनिधि। अन्य सदस्यों में नीति आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राज्य सरकारों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त परिषद में ट्रांसजेंडर समुदाय के पांच सदस्य और गैर सरकारी संगठनों के पांच विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।
- यह परिषद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संबंध में नीतियां, विधान और योजनाएं बनाने एवं उनका निरीक्षण करने के लिए केंद्र सरकार को सलाह प्रदान करेगी।

खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधोयक, 2016

खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन बिल 2016, लोकसभा में 16 मार्च, 2016 को पेश किया गया। यह बिल खान और खनिज (विकास और विनियमन) एक्ट 1957 में संशोधन करता है।

मुख्य तथ्यः

- खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 भारत में खनन क्षेत्र को

विनियमित करता है तथा खनन कार्यों के लिए लीज (पट्टे) की स्वीकृति और उसे प्राप्त करने की शर्तों को स्पष्ट करता है।

- **खनन लीज का हस्तांतरण;** यह एक्ट नीलामी प्रक्रिया के जरिए स्वीकृत खनन लीजों के हस्तांतरण की अनुमति देता है। इन खनन लीजों का धारक, केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्य सरकार की मंजूरी से किसी भी पात्र व्यक्ति को लीज का हस्तांतरण कर सकता है। यदि राज्य सरकार नोटिस मिलने के 90 दिन के अंदर अपनी मंजूरी नहीं भेजती है, तो हस्तांतरण मंजूर माना जाएगा। यदि राज्य सरकार लिखित रूप में यह कहती है कि जिसके नाम हस्तांतरण किया जा रहा है, वह योग्य पात्र नहीं है, तो लीज का हस्तांतरण नहीं हो सकेगा।
- बिल उन खनन लीजों के हस्तांतरण की अनुमति देता है, जिनकी मंजूरी नीलामी के अतिरिक्त अन्य प्रक्रियाओं के जरिये की गई हैं और जहां खनिज का उपयोग 'कैप्टिव पर्पज' के लिए किया जाता है। कैप्टिव पर्पज का अर्थ है निकाले गए खनिज की पूरी मात्रा का लीजधारक की अपनी निर्माण इकाई में ही प्रयुक्त होना। इस तरह की लीज का हस्तांतरण केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों तथा हस्तांतरण शुल्क पर निर्भर करेगा। ऐसे हस्तांतरण स्वीकृत मौजूदा हस्तांतरण के अतिरिक्त होंगे।
- बिल के उद्देश्य और कारण के कथन के अनुसार यह प्रावधान कैप्टिव खनन लीज वाली कंपनियों के विलय और अधिग्रहण की अनुमति देगा।
- **लीज क्षेत्र** : बिल लीज क्षेत्र को उस क्षेत्र के रूप में परिभाषित करता है, जिसके दायरे में खनन कार्य किए जा सकते हैं। इसमें खान के भीतर का वह गैर-खनिज क्षेत्र में भी शामिल होगा, जो 1952 के खनन कानून के तहत निर्धारित गतिविधियों के लिए जरूरी है।

अनुसूचित जाति सूची में संशोधन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक 2016

संसद ने अनुसूचित जाति सूची में संशोधन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक 2016 को 15 मार्च 2016 को मंजूरी दी, इसके तहत लोकसभा ने संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 संशोधन विधेयक को मंजूरी दी।

मुख्य तथ्यः

- उपरोक्त संशोधन विधेयक से अनुसूचित जातियों की सूची में संशोधन के लिए छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के प्रस्तावों पर अमल हो सकेगा.
- यह प्रस्ताव कुछ समुदायों को इस सूची में शामिल करने, ओडिशा में कुछ समुदायों को हटाने तथा कुछ समुदायों के लिए क्षेत्र की सीमा में संशोधन या उसे समाप्त करने से संबद्ध थे.
- भारत के महापंजीयक और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग इस संशोधन पर पहले ही सहमति व्यक्त कर चुके हैं.
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं बनाई हैं. उसी के क्रम में अनुसूचित जाति सूची में संशोधन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक 2016 को मंजूरी दी गई.

शत्रु संपत्ति (संशोधन और विधि मान्य) बिल, 2016

राज्यसभा की सिलेक्ट कमिटी (अध्यक्ष–श्री भूपेंदर यादव) ने 6 मई, 2016 को एनिमी प्रॉपर्टी (संशोधन और वैलिडेशन) बिल, 2016 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। लोकसभा ने इस बिल को 9 मार्च, 2016 को पारित किया और 15 मार्च, 2016 को इसे राज्यसभा की सिलेक्ट कमिटी को रेफर किया गया। यह बिल एनिमी प्रोंपर्टी एक्ट, 1968 को संशोधित करने का प्रयास करता है।

मुख्य तथ्यः

- केंद्र सरकार ने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान पाकिस्तान और चीन के नागरिकों की कुछ प्रोंपर्टीज को एनिमी प्रोंपर्टी घोषित किया था। इसके साथ ही, सरकार ने केंद्र सरकार के कार्यालय कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रोंपर्टी में इन प्रोंपर्टीज को निहित कर दिया था।
- 1968 का एक्ट एनिमी प्रोंपर्टी को रेगुलेट करता है और कस्टोडियन के अधिकारों को निर्दिष्ट करता है। कस्टोडियन के अधिकारों का विस्तार करने के लिए बिल में इस एक्ट को 1968 से लागू करने का प्रस्ताव है। कमिटी का सुझाव है कि बिल को कुछ संशोधनों के साथ पारित कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त उसने 1968 के एक्ट को लागू करने से जुड़े किसी व्यक्ति को हाई कोर्ट में इस बात की अपील करने की अनुमति दी जाए कि कोई प्रोंपर्टी एनिमी प्रोंपर्टी है अथवा नहीं। ऐसी किसी अपील को 60 दिनों के अंदर फाइल किया जाना चाहिए (जिसे 120 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है)।
- **कस्टोडियन को बेदखल करने का अधिकारः** कमिटी ने सुझाव दिया है कि एनिमी प्रोंपर्टी पर कब्जा करने के दौरान कस्टोडियन को वहां रहने वाले लोगों और किरायेदारों के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। ऐसे लोगों को दूसरे आवास का प्रबंध करने के लिए उपयुक्त समयावधि दी जा सकती है।
- **एनिमी प्रॉपर्टी की पहचान और निपटाराः** कमिटी ने कहा है कि एनिमी प्रॉपर्टी की पहचान करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कमिटी ने सुझाव दिया है कि बिल के लागू होने की तारीख से दो साल के अंदर देश में मौजूद सभी एनिमी प्रॉपर्टी को चिन्हित कर लिया जाना चाहिए । उसने सुक्षाव दिया कि एनिमी प्रापर्टी की पहचान करने के लिए उचित और पारदर्शी जाँच की जानी चाहिए। इसके अलावा, कस्टोडियन को बिना देर किए. सभी एनिमी प्रॉपर्टीज के निपटारा हेतु कुछ मुद्दों का उल्लेख किया है।

सरोगेसी विधेयक 2016

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त 2016 को सरोगेसी के नए विधेयक 2016 के मसौदे को मंजूरी दे दी। विधेयक के मसौदे का उद्देश्य सरोगेट माताओं के अधिकारों की रक्षा करना है। इससे देश में सरोगेसी के इस्तेमाल की व्यवस्था का नियमन भी किया जा सकेगा, इससे सेरोगेट मदर के अधिकार सुनिश्चित होंगे।

मुख्य तथ्यः

- इस विधेयक के बाद अब विदेशियों को किराए की कोख नहीं मिल सकेगी।
- विधेयक के अनुसार अब भारतीय महिलाओं को ही परोपकार के तौर पर सरोगेसी का अधिकार होगा।
- ड्राफ्ट विधेयक में एक बोर्ड के गठन का प्रस्ताव है जो क्लीनिक को नियंत्रित और जांच करेगी।
- भारतीय नागरिकों को सिर्फ उन्हीं मामलों में सरोगेसी को मंजूरी दी जाएगी जिसमें इनफर्टिलिटी को साबित किया जाएगा।
- यह अधिकार एनआरआई और ओसीआई होल्डर के पास नहीं होगा।
- बिल कमर्शियल सरोगेसी पर रोक लगाने और निःसंतान दंपती को नीति परक सरोगेसी की इजाजत देने के लिए लाया गया है।
- सिंगल पैरंट्स होमोसेक्सुअल दम्पत्ति, लिव इन में रहने वालों को सरोगेसी की इजाजत नहीं दी जाएगी।
- सरोगेसी के लिए दंपति को कम से कम दो साल शादीशुदा होना जरूरी है।

क्या है सरोगेसी –

- सरोगेसी एक महिला और एक दंपति के बीच का एक एग्रीमेंट है जो अपना खुद का बच्चा चाहता है।
- सामान्य शब्दों में सरोगेसी का अर्थ है – बच्चे के जन्म तक एक महिला की किराए की कोख।
- आमतौर पर सरोगेसी की मदद तब ली जाती है जब किसी दंपति को बच्चे को जन्म देने में कठिनाई आ रही हो।
- बार-बार गर्भपात हो रहा हो या फिर बार-बार आईवीएफ तकनीक फेल हो रही है

- महिला किसी और दंपति के बच्चे को अपनी कोख से जन्म देने को तैयार हो जाती है उसे सरोगेट मदर कहा जाता है.

कहां मिलती है सरोगेट मदर –

- सरोगेसी कुछ विशेष एजेंसी द्वारा उपलब्ध करवाई जाती है. इन एजेंजिस को आर्ट क्लीनिक कहा जाता है जो कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की गाइडलाइंस का अनुगमन करती है।
- सरोगेसी का एक एग्रीमेंट बनवाया जाता है। जिसे दो अपरिचितों से हस्ताक्षर करवाएं जाते हैं जो कभी नहीं मिले, हों।
- सरोगेट परिवार का सदस्य या दोस्त भी हो सकता है।
- सरोगेसी के लिए भारत क्यों है लोकप्रिय। भारत में किराए की कोख लेने का खर्च यानी सरोगेसी का खर्च अन्य देशों से कई गुना कम है।
- साथ ही भारत में ऐसी बहुत सी महिलाएं उपलब्ध हैं जो सरोगेट मदर बनने को आसानी से तैयार हो जाती हैं.
- गर्भवती होने से लेकर प्रसव तक महिलाओं की अच्छी तरह से देखभाल तो होती ही है साथ ही उन्हें अच्छी खासी रकम भी दी जाती है।

'पेमेंट ऑफ वेजेस' अध्यादेश

डिजिटल इंडिया और कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ाया देने हेतु केन्द्रीय कैबिनेट ने "वेतन–भुगतान" अध्यादेश को 21 दिसंबर 2016 को मंजूरी प्रदान की। अध्यादेश अब स्वीकृति हेतु राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा.

अध्यादेश के लागू होने के बाद 10 से ज्यादा कर्मचारी रखने वाली कंपनी/संस्था को कर्मचारियों को वेतन चेक या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से देना अनिवार्य हो जाएगा.

इसके लिए सरकार को वेतन भुगतान कानून, 1936 के मूल कानून की धारा 6 को परिवर्तित करना होगा. 15 दिसंबर, 2016 को लोकसभा में केंद्र सरकार ने पेमेंट ऑफ वेजेस बिल प्रस्तुत किया.

मुख्य तथ्यः

- उस समय संसद सत्र में नोटबंदी को लेकर हुए विरोध के चलते इस कानून को पास नहीं किया जा सका।
- इसी कारण सरकार को अध्यादेश के माध्यम से बिल को लाना पड़ा।
- नियमानुसार अब सरकार को छह माह की अवधि में अध्यादेश संसद से पारित कराना होगा।
- अध्यादेश नियमानुसार मात्र छह माह के लिये ही वैध होता है।
- वेतन भुगतान (संशोधन) विधेयक 2016 में मूल कानून की धारा छह में संशोधन किया गया है ताकि नियोक्ता अपने कर्मचारियों को वेतन चैक या इलेक्ट्रॉनिक रूप से सीधे उनके बैंक खातों में भेज सके।
- पेमेंट ऑफ वेजेस अध्यादेश के तहत नियोक्ता कर्मचारियों का नगद तनख्वाह नहीं दे सकेंगे। यह एग्ज़िक्यूटिव आदेश सिर्फ केंद्र सरकार के संस्थानों पर ही लागू होगा।
- राज्यों में स्थानीय रूप से प्रशासित संस्थानों पर अध्यादेश का कोई असर तब तक नही होगा, जब तक राज्य सरकार ऐसे उपाय नहीं करती। क्योंकि श्रम का मुद्दा सभी जगह समवर्ती सूची में आता है।
- वर्तमान में संगठित क्षेत्र के बड़े तबके को वेतन चैक या खाते में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर से नहीं मिलता, कारखानों, चाय बागानों और कंस्ट्रक्शन कंपनियों में कई कर्मचारियों को तनख्वाह का भुगतान किया जाता है।
- इस अध्यादेश का एक उद्देश्य कर्मचारियों की गलत संख्या बताने वाली कंपनियों पर लगाम कसना भी है।
- केंद्र सरकार ने नगदी से भुगतान करने पर पूरी तरह कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है और नियोक्ता के पास चेक या ई पेमेंट के अलावा कैश में भी वेतन दे सकता है।

निःशद्र व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014

राज्यसभा में 14 दिसम्बर 2016 को निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 संयुक्त राष्ट्र समझौते के अनुरूप है। विधेयक में दिव्यांग जनों के साथ भेदभाव करने को दंडनीय बनाया गया है।

मुख्य तथ्य:

- एसिड अटैक की पीड़िताएं भी अब दिव्यांगों में शामिल हो गई हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत के अनुसार यह विधेयक दिव्यांगजनों को समाज में सम्मानीय स्थान दिलाने में सहायक होगा।
- दिव्यांगों के साथ भेदभाव करने वाले अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ दंडात्मक कारवाई करने का प्रावधान विधेयक में पहली बार किया गया है।
  विधेयक को सरकार ने 120 संशोधनों के साथ सर्वसम्मति से पारित किया।

नए वर्गीकरण में शामिल दिव्यांग–

- 1995 के कानून में दृष्टिहीन, कम दिखाई देना, कुष्ठ पीड़ित, बधिर, चलने में असमर्थ, मानसिक रूप से अस्वस्थ और विक्षित 7 वर्गीकरण थे।
- 2014 में प्रस्तावित बिल में इन्हें बढ़ाकर 21 किया गया।
- इनमें सेरिब्रल पाल्सी हीमोफीलिया, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, आटिज्म और थैलेसीमिया शामिल थे।
- संशोधन समिति की सिफारिश के बाद एसिड अटैक पीड़िता और पार्किसन पीड़ितों को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है।

बिल में कैटेगरी 7 से बढ़ाकर 21 की गई–

- निशक्त व्यक्ति अधिकार फरवरी 2014 में पेश किया गया था।
- स्टैंडिंग कमिटी ने इसमें 82 बदलाव सुझाए गए। इनमें से 59 को बिल में जोड़ दिया गया है। इसके पास होने की स्थिति में दिव्यांग की 7 श्रेणियों की जगह 21 श्रेणियों को माना जाएगा।
- बिल पास होने से भारत के करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा।
- बिल में दिव्यांगों को 4 फीसदी आरक्षण प्रदान किया गया है। पूर्व में आरक्षण तीन प्रतिशत था।
- दिव्यांगों को देशव्यापी परिचय पत्र प्रदान किया जाएगा जो पूरे देश में मान्य होगा।
- केंद्र सरकार ने केरल में दिव्यांग विश्वविद्यालय स्थापित करने की भी घोषणा की है।

कराधान विधि दूसरा संशोधन विधेयक

लोकसभा में 29 नवम्बर 2016 को कराधान विधि (दूसरा संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित हुआ। यह विधेयक बिना चर्चा के पारित किया गया। विधेयक में कालाधन रखने वालों को एक और मौका दिया गया है. नोटबंदी के दृष्टिगत इसमें अघेषित आय को पचास फीसदी कर अदायगी के साथ वैध बनाने का प्रावधान है। वित्त मंत्री अरूण जेटली ने 28 नवम्बर 2016 को आयकर कानून में संशोधन हेतु लोकसभा में एक विधेयक पेश किया था। विधेयक के अनुसार नोटबंदी के बाद जमा राशि की घोषणा कर, जुर्माना तथा अधिभार के रूप में कुल 50% वसूली का प्रस्ताव किया गया है। अब यह बिल राज्यसभा में पेश किया जाएगा, राज्यसभा के पास 14 दिनों के भीतर इसे पास करने का संकल्प है।

मुख्य तथ्य:

- यह आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2016 का और संशोधन करने वाला विधेयक धन विधेयक है।
- 25 प्रतिशत राशि उन्हें तत्काल वापस कर दी जाएगी और शेष 25 प्रतिशत राशि चार साल बाद वापस की जाएगी।
- अघोषित आय का 30 प्रतिशत की दर से कर भुगतान करना होगा।
- 25 प्रतिशत राशि उन्हें तत्काल वापस कर दी जाएगी और शेष 25 प्रतिशत राशि चार साल बाद वापस की जाएगी।
- अघोषित आय पर 10 प्रतिशत जुर्माना लगेगा।
- साथ ही पीएमजीके उपकर नाम से 33 प्रतिशत अधिभार (30 प्रतिशत का 33 प्रतिशत) लगाया जाएगा।
- प्रस्तावित संशोधित आयकर कानून में यह भी प्रावधान है कि घोषित कुल जमा राशि का 25 प्रतिशत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) में लगाना होगा, जिसका कोई ब्याज आपको नहीं दिया जाएगा।
- इस राशि को चार साल तक नहीं निकाला जा सकेगा। इस धन से सरकार को साधन मिलेंगे जिनसे विकास कार्य किए जा सकेंगे।

- प्रधानमंत्री ने इसी संबंध में गरीब कल्याण कोष की भी घोषणा की।
- वित्त मंत्री अरूण जेटली के अनुसार सरकार ने आयकर अधिनियम में संशोधन किया है। इसमें प्रावधान है कि लोग अपना अघोषित धन बैंक में जमा कर उसकी जानकारी देंगे तो उन्हें 50 प्रतिशत कर, जुर्माना और अधिभार देना होगा।
- लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के मध्य विभिन्न संशोधनों को नामंजूर करते लोकसभा में कराधान विधि (दूसरा संशोधन) विधेयक 2016 को मंजूरी प्रदान की गयी।
- संशोधित विधेयक भर्तृहरि महताब, एन के प्रेमचंद्रन, के सी वेणुगोपाल के द्वारा तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय जल रूपरेखा विधेयक, 2016

13 अक्टूबर, 2016 को नदी जल बंटवारे को लेकर कई अंतरराज्यीय विवादों के बीच केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जल रूपरेखा विधेयक, 2016 का अंतिम मसौदा तैयार कर लिया है। जिसमें विवादों के समाधान के लिए नदी घाटी स्तर पर पानी के प्रबंधन पर और नदी व्यवस्था में राज्य के योगदान की सही माप पर जोर दिया गया हैं।

मुख्य तथ्यः

- मसौदा विधेयक में प्रत्येक अंतरराज्यीय नदी घाटी के लिए 'नदी घाटी प्राधिकरण' स्थापित करने की वकालत की गई है। ताकि नदियों और घाटियों के अनुकूलतम और टिकाऊ विकास को सुनिश्चित किया जा सके।
- मसौदा कानून को एक महीने के अंदर केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के लिए उसके सामने रखा जा सकता है जिसके बाद इसे संसद में पेश किया जाएगा।
- विधेयक में राज्यों को इस सिद्धांत को समझने की सलाह दी गई है कि नदियों का स्वामित्व बेसिन–राज्यों के पास नहीं होता बल्कि 'पब्लिक ट्रस्ट्रियों' के पास होता है।
- इसमें कहा गया है कि सभी नदी घाटी वाले राज्यों का किसी नदी के जल पर समान अधिकार होता है। बशर्ते इस तरह का उपयोग नदी घाटी क्षेत्र में रहने वाले किसी व्यक्ति के जीवन के लिए जल के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता हो।

एचआईवी एवं एड्स विधेयक, 2014

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पांच अक्टूबर 2016 को एचआईवी एवं एड्स विधेयक, 2014, को मंजूरी दे दी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा के अनुसार विधेयक में राज्य और केंद्र सरकार एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) प्रदान करना अनिवार्य बनाया गया है।

मुख्य तथ्यः

- विधेयक में भेदभाव के तरीकों को भी सूचीबद्ध किया गया है।
- विधेयक में भेदभाव के तरीकों को प्रतिबंधित भी किया गया है।
- भेदभाव के तरीकों में रोजगार, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं, निवास के लिए या किराए पर दी गई संपत्तियों समेत अन्य के संबंध में अस्वीकृति, समाप्ति या अनुचित व्यवहार शामिल है।

एडमिरैलिटी विधेयक 2016 अधिनियमन

21 सितम्बर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमडल की बैठक में एडमिरैलिटी (क्षेत्राधिकार एवं समुद्रतटीय दावों के निपटान) विधेयक 2016 के अधिनियमन और पांच पुराने एडमिरैलिटी कानूनों को निरस्त करने हेतु जहाजरानी मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी।

एडमिरैलिटी विधेयक 2016 के बारे में–

- एडमिरैलिटी विधेयक अदालतों के एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकारों, समुद्रतटीय दावों पर अदालती कार्यवाही, जहाजों की जब्ती और अन्य संबंधित मुद्दों से जुड़े मौजूदा कानूनों को मजबूती प्रदान करेगा।

- विधेयक 2016 से नागरिक मामलों में नौवहन विभाग के क्षेत्राधिकार के पांच पुराने कानून भी निरस्त किए जाएंगे। यह कानून ब्रिटिश काल में लागू किए गए थे।

निरस्त किए जाने वाले कानून–

- एडमिरैलिटी कोर्ट अधिनियम, 1840,
- एडमिरैलिटी कोर्ट अधिनियम, 1861,
- कॉलोनियल कोर्ट्स ऑफ एडमिरैलिटी अधिनियम, 1890,
- कॉलोनियल कोर्ट्स ऑफ एडमिरैलिटी (इंडिया) 1891,
- बंबई, कलकत्ता और मद्रास उच्च न्यायालयों के एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकारों पर लागू लेटर्स पेटेंट प्रावधान, 1865.

मुख्य तथ्यः

- एडमिरैलिटी विधेयक 2016 प्रस्ताव समुद्री कानूनी बिरादरी द्वारा की जा रही मांग का समर्थन करेगा।
- विधेयक भारत के तटवर्ती राज्यों के उच्च न्यायालयों को एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकार प्रदान करता है।
- क्षेत्राधिकार का विस्तार समुद्री सीमा तक है।
- केंद्र सरकार की अधिसूचना के माध्यम से क्षेत्राधिकार में विस्तार भी किया जा सकता है।
- यह विस्तार किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र या भारत के किसी अन्य समुद्री क्षेत्र या भारत की प्रादेशिक सीमा के दायरे में किसी द्वीप तक हो सकता है।
- एडमिरैलिटी विधेयक सभी समुद्री जहाजों पर लागू होगा। जहाज के मालिक का आवास/निवास कहीं भी हो।
- अंतर्देशीय निर्माणाधीन जहाज इसके दायरे में नहीं ले गए हैं। आवश्यकता होने पर केंद्र सरकार अधिसूचना जारी करके इनको भी इसके दायरे में ला सकती है.
- विधेयक युद्धपोत एवं नौसेना के बड़े के सहायक जहाज और गैर-वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए जाने वाले जहाजों पर लागू नहीं है।
- समुद्री दावों के मामलों में सुरक्षा के दृष्टिगत जहाज को निश्चित परिस्थितियों में जब्त किया जा सकता है।
- किसी जहाज पर चुनिंदा समुद्री दावों के संबंध में दायित्य उसके नए मालिक को निर्धारित समय सीमा के भीतर मैरिटाइम लिएन्स समुद्री ग्रहणाधिकार के तहत हस्तांतरित किया जाएगा।
- जिन पहलुओं हेतु विधेयक में प्रावधान नहीं किए हैं उन पर सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 लागू की जाएगी।

मानसिक स्वास्थ्य सेवा

8 अगस्त (आईएएनएस)। राज्यसभा ने सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य सेवा विधेयक, 2013 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसका उद्देश्य मानसिक रोगियों के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के अलावा बेहतर चिकित्सा सेवा मुहैया कराना है। यह विधेयक मानसिक स्वास्थ्य कानून, 1987 का स्थान लेगा।

प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 11 अगस्त 2016 को प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016 को मंजूरी दे दी। इस अधिनियम के तहत पलक्कड (केरल), गोवा, धारवाड़ (कर्नाटक) और भिलाई में भी आईआईटी शुरू किए जाएंगे।

मुख्य तथ्यः

- राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश में छह आईआईटी और आंध्र में एनआईटी स्थापित करने को मंजूरी दे दी।
- जम्मू और तिरूपति जैसे स्थानों पर छह नए आईआईटी की स्थापना की जाएगी।
- इस संशोधन के दायरे में इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स (आईएसएम), धनबाद भी आया है।
- आईएसएम को अब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी (आईएसएम), धनबाद के नाम से जाना जाएगा।

- इसमें नए और पुराने नामों का समावेश किया गया है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान (संशोधन) विधेयक, 2016

संसद ने 02 अगस्त 2016 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी, विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान (संशोधन) विधेयक 2016 पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। राज्यसभा ने भी इसे पारित कर दिया।

मुख्य तथ्यः

- विधेयक में आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) की स्थापना एवं उसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान करने वाले एक विधेयक को आज संसद की मंजूरी मिल गयी।
- यह संस्थान पहले से ही अस्थाई परिसर में संचालित किया जा रहा है।
- आंध्र प्रदेश में स्थित राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईआईटी) के लिए इस वर्ष 40 करोड़ रूपये का बजटीय प्रावधान किया गया है।
- दो महीने में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आने पर आवश्यक धनराशि जारी की जायेगी।
- मंत्री जावड़ेकर के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संदर्भ में उच्च शिक्षा वित्त पोषण पहल को आगे बढ़ाया गया है। इसके लिए बजटीय प्रावधान किया गया है।
- विधेयक में आधारभूत ढांचे के विकास के लिए वित्तीय प्रावधान किये गए है। जिसमें से 40 प्रतिशत राशि अनुसंधान एवं नवोन्मेष के लिए खर्च होगी।
- सरकार आईआईटी–पाल नाम की एक सुविधा लेकर आई है।
- इसके तहत जेईई की परीक्षा ऑनलाइन देने वाले अभ्यर्थियों को निःशुल्क कोचिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी।
- आईआईटी, एनआईटी में एससी, एसटी, ओबीसी की फीस सामान्यतः माफ है।
- एनआईटी संस्थानों में शिक्षकों के 25 प्रतिशत पद खाली हैं। और सभी जगह रिक्तियों को भरने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- इन संस्थानों के लिए 2013, 14 में 2,100 करोड़ रुपये का बजट था, 2014–15 में 2,300 करोड़ रूपये, 2015, 16 में 2, 500 करोड़ रुपये को बजट और इस वर्ष के लिए 2645 करोड़ रुपये का बजट है।
- संशोधन के बाद यह विधेयक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विज्ञान शिक्षा अनुसंधान संस्थान अधिनियिम 2007 का स्थान लेगा।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विज्ञान शिक्षा अनुसंधान संस्थान अधिनियम 2007 कुछ प्रौद्योगिकी संस्थाओं को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करने का उपबंध करता है।
- इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, शिक्षा, विज्ञान और कला शाखाओं में अनुदेशों एवं अनुसंधान का प्रावधान करता है।

ऋण वसूली प्रवर्तन कानून संशोधन विधेयक 2016

लोकसभा ने 1 अगस्त 2016 ऋण वसूली प्रवर्तन कानून संशोधन विधेयक 2016 पारित किया। जिसमें बैंको को ऋण अदायगी नहीं किए जाने पर बंधक रखी गई संपत्ति को कब्जे में लेने का अधिकर दिया गया है। खेती की जमीन को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

मुख्य तथ्यः

- प्रतिभूति हित प्रवर्तन एवं ऋणों की वसूली के कानून एवं विविध प्रावधान (संशोधन) विधेयक 2016 के जरिए चार मौजूदा कानूनों प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी कानून), ऋण वसूली न्यायाधिकरण अधिनियम 1993, भारतीय स्टांप शुल्क अधिनियम 1899 और डिपॉजिटरी अधिनियम 1996 के कुछ प्रावधानों में संशोधन किए जा रहे हैं ताकि ऋण वसूली की व्यवस्था और कारगर हो सके।
- सरफेसी कानून में बदलाव से सिक्योर (गारंटी के आधार पर) ऋण देने वाली संस्था को

ऋण की अदायगी नहीं किए जाने पर उसके लिए रेहन रूप में रखी गई संपत्ति को कब्जे में लेने का अधिकार होगा। इसके तहत जिलाधिकारी को यह प्रक्रिया 30 दिन के अंदर संपन्न करानी होगी।

- बैंकों को ऋण अदा नहीं करने वालों के खिलाफ कारगर कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार जरूर होना चाहिए। इस कानून से वसूली की प्रक्रिया आसान होगी ऋण वसूली न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित मामलों का तत्परता से निस्तारण हो सकेगा।

बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन विधेयक-2015

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 20 जुलाई 2016 को संसद में बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन विधेयक-2015 को मंजूरी प्रदान की।

मुख्य तथ्यः

- संशोधन का उद्देश्य कानूनी एवं प्रशासनिक दृष्टि से विधेयक को मजबूती प्रदान करना है ताकि विधेयक की व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर किया जा सके तथा उसके क्रियान्वयन में आसानी हो सके।
- विधेयक द्वारा बेनामी लेनदेन पर पूर्ण रोक लगाने तथा अनुचित व्यवहार द्वारा कानून का गलत उपयोग रोका भी जायेगा।
- इस संशोधन द्वारा सरकार की बेनामी संपत्ति को जब्त करने का अधिकार प्राप्त होगा। हालांकि जिन लोगों ने आय घोषणा योजना के तहत अपनी बेनामी संपत्ति का ब्योरा दिया है। उन्हें राहत दी जाएगी।



जनवरी 2016

ग्रामीण डाक सेवकों के वेतन ढांचे की समीक्षा के लिए समिति गठित

क्या : एक सदस्यीय समिति का गठन
कब : 1 जनवरी 2016
क्यों : ग्रामीण डाक सेवकों के वेतन ढांचे तथा सेवा शर्तों की समीक्षा के लिए।

भारत सरकार द्वारा डाक विभाग में ग्रामीण डाक सेवकों के वेतन ढांचे, सेवा शर्तों इत्यादि की समीक्षा करने के लिए 1 जनवरी 2016 को एक सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

डाक सेवा बोर्ड के सेवानिवृत्त सदस्य कमलेश चंद्र समिति का गठन करेंगे। वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड अधिकारी टी. क्यू. मोहम्मद द्वारा समिति को सहायता प्रदान की जाएगी, जो जीडीएस समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

सऊदी अरब ने ईरान के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किये

कौन : अबेल अलजुबेर
कहाँ : सऊदी अरब
क्या : ईरान के साथ संबंध समाप्त
कब : 3 जनवरी 2016

सऊदी अरब के विदेश मंत्री अबेल अलजुबेर ने 3 जनवरी 2016 को ईरान के साथ सभी राजनयिक संबंध समाप्त करने की घोषणा की। यह घोषणा सऊदी अरब द्वारा एक शिया मुस्लिम को फांसी दिए जाने के बाद उत्पन्न हुए गतिरोध के उपरांत की गयी।

शेख निम्र अल–निम्र एवं 46 अन्य लोगों को सऊदी अरब द्वारा 2 जनवरी 2016 को आतंक सम्बन्धी गतिविधियों में लिप्त पाये जाने पर फांसी की सज़ा दी गयी। पिछले चार वर्षों में सऊदी अरब द्वारा सामूहिक रूप से इतने लोगों को पहली बार दी गयी सज़ा है।

वॉल्वो बसेस इंडिया का वॉल्वो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में विलय

कौन : वॉल्वो ग्रुप
कहाँ : बेंगलुरू
क्या : विलय
कब : 5 जनवरी 2016

अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी वॉल्वो ग्रुप ने 5 जनवरी 2016 को वॉल्वो बसेस इंडिया का वॉल्वो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वीआईपीएल) में विलय किये जाने की घोषणा की।

यह निर्णय 31 दिसंबर 2015 से प्रभावी माना जायेगा।

भारत में वॉल्वो ग्रुप के विभिन्न ब्रांड मौजूद हैं, जिनमें वॉल्वो बस, वॉल्वो पेंटा इंजन, विनिर्माण यंत्र, यूडी बस, ट्रक, आयशर ट्रक एवं बसें शामिल हैं।

रतन टाटा ने डॉगस्पॉट डॉट इन में निवेश किया

कौन : रतन टाटा
कहाँ : डॉगस्पॉट डॉट इन
क्या : निवेश किया
कब : 5 जनवरी 2016

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा ने 04 जनवरी 2016 को पालतू जानवरों की देखभाल से जुड़े पोर्टल डॉगस्पॉट डॉट इन में निवेश किया।

डॉगस्पॉट डॉट इन के सह.संस्थापक एवं सीईओ के अनुसार रतन टाटा ने डॉगस्पॉट डॉट इन में अघोषित राशि निवेश की है। रोनी स्क्रूवाला ने भी कुछ नए एवं मौजूदा निवेशकों के साथ इस दौर में निवेश किया है।

टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा ई.कॉमर्स फर्मों से लेकर कैब एग्रिगेटर्स तक की स्टार्टअप्स कंपनियों में आक्रामक ढंग से निवेश करते रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने टेस्ट किया हाइड्रोजन बमः एटम से हजार गुना तबाही मचाने की ताकत

कौन : उत्तर कोरिया
क्या : हाईड्रोजन बम का सफल परीक्षण
कब : 5 जनवरी 2016

उत्तर कोरिया ने 5 जनवरी को पहले हाइड्रोजन बम का सफल परीक्षण किया। इसके चलते उत्तर दक्षिण कोरिया के कुछ इलाकों में भूकंप आया। इस घटना के बाद यूएन काउन्सिल ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। दक्षिण कोरिया ने भी मीटिंग की। 8 जनवरी को उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जौंग का बर्थडे था। इस टेस्ट को उनका बर्थडे गिट कहा गया है।

क्या होता है हाइड्रोजन बम और क्या है इसकी ताकत

हाइड्रोजन बम न्यूक्लियर बम से 1000 गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। इसे थर्मो न्यूक्लियर बम भी कहा जाता है।

नासा ने दूसरी आकाशगंगाओं में 5 'सुपरस्टार' खोजे

वैज्ञानिकों ने नासा की स्पित्जर और हब्बल अंतरिक्ष दूरबीनों से मिले आंकड़ों का इस्तेमाल कर एटा केरीनेई के समान अन्य आकाशगंगाओं में 5 वस्तुओं का पता लगाया है। एटा केरीनेई पृथ्वी के 10,000 प्रकाश वर्ष के दायरे में
सर्वाधिक चमकीली और बड़ी नक्षत्रीय प्रणाली है। एटा केरीनेई 19वीं सदी के मध्य में बड़े विस्फोट देखे जाने को लेकर बखूबी जानी जाती है।

दिल्ली में 9 से 17 जनवरी तक विश्व पुस्तक मेला, अतिथि देश चीन

क्या : विश्व पुस्तक मेला
कब : 9 से 17 जनवरी तक
कहाँ : नई दिल्ली

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के 24वें संस्करण में इस बार विभिन्न भाषाओं के नव लेखकों की पुस्तकों को प्रकाशित किया गया तथा मेले में ही उनकी पुस्तकों को प्रदर्शित भी किया गया। प्रगति मैदान में 9 से 17 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस पुस्तक मेले की थीम 'भारत की सांस्कृतिक धरोहर' है। इस बार विशेष अतिथि देश चीन रहा जो अपने 250 सदस्यों के बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ मेले में भाग लेने के लिए आ रहा है। पुस्तक मेला राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट : 2016–17 में चीन के मुकाबले करीब एक प्रतिशत अधिक होगी भारत की आर्थिक वृद्धि दर

कौन : पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट
कहाँ : भारत
क्या : भारतीय अर्थव्यवस्था
कब : 11 जनवरी 2016

भारत का वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थान आकर्षक बना रहा और 2016–17 के दौरान उसकी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह वृद्धि दर चीन की वृद्धि के मुकाबले करीब एक प्रतिशत अधिक होगी। विश्व बैंक ने यह बात कही है। विश्व बैंक ने अपनी ताजा वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में कहा है– विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को वर्ष 2015 के लिये मामूली 0.2 प्रतिशत और 2016 तथा 2017 दोनों के लिये 0.1 प्रतिशत कम किया है। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट हर छह माह में जारी की जाती है।

केरल 100 फीसदी प्राथमिक शिक्षा हासिल करने वाला देश का पहला राज्य बना

कौन : केरल
क्या : शत.प्रतिशत प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य हासिल
कब : 13 जनवरी 2016

दक्षिण भारतीय राज्य केरल देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने शत.प्रतिशत प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य हासिल कर लिया। उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने 13 जनवरी 2016 को इसकी घोषणा की। उपराष्ट्रपति द्वारा इसकी
घोषणा केरल यूनिवर्सिटी के सीनेट हॉल में की गई।

केरल द्वारा उपरोक्त लक्ष्य राज्य के साक्षरता मिशन अतुल्यकला के जरिये हासिल किया गया। केरल के शिक्षा मंत्री पीके अब्दूरब के अनुसार, प्राथमिक शिक्षा समतुल्यता कार्यक्रम ने राज्य में बड़ी सफलता हासिल की है। दूसरे चरण के तहत

अतुल्यकला को पूरे राज्य में 676 सरकारी मिशनों के रूप में शुरू किया गया था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नयी फसल बीमा योजना को मंजूरी दी

कौन : केंद्र सरकार
क्या : नयी फसल बीमा योजना को मंजूरी
कब : 13 जनवरी 2016

केंद्र सरकार ने 13 जनवरी 2016 को नयी फसल बीमा योजना को मंजूरी प्रदान की। यह वर्तमान फसल बीमा योजनाओं की जगह लेगा ताकि यह सुनिश्चित हो कि किसानों को कम प्रीमियम का भुगतान करना पड़े और उन्हें पूरी बीमित राशि का दावा जल्दी मिले।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस बहु.प्रतीक्षित योजना पर फैसला किया गया। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने नयी फसल बीमा योजना पर .षि मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

भारत सरकार ने नीरांचल राष्ट्रीय वाटरशेड परियोजना के लिए विश्व बैंक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये

कौन : भारत सरकार
कहाँ : भारत
क्या : ऋण समझौते पर हस्ताक्षर
कब : 14 जनवरी 2016

भारत सरकार ने 14 जनवरी 2016 नीरांचल राष्ट्रीय वाटरशेड परियोजना के लिए विश्व बैंक के साथ एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

यह परियोजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा छह साल की अवधि (2016–21) के लिए लागू की जाएगी। इससे जल विज्ञान और जल प्रबंधन, .षि उत्पादन प्रणाली, क्षमता निर्माण, निगरानी और मूल्यांकन में प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना में सहायता मिलेगी। इस परियोजना का कुल बजट परिव्यय 2142 करोड़ रुपए है जिसमें 1071 करोड़ रुपए सरकार का हिस्सा और शेष 50 प्रतिशत विश्व बैंक का हिस्सा होगा।

दिल्ली में 'हॉल ऑफ न्यूक्लियर पावर' का उद्घाटन

कौन : हॉल ऑफ न्यूक्लियर पावर
कहाँ : दिल्ली
क्या : उद्घाटन
कब : 16 जनवरी 2016

केंद्रीय राज्य मंत्री (परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग) डॉ. जितेंद्र सिंह ने 16 जनवरी 2016 को दिल्ली में 'हॉल ऑफ न्यूक्लियर पावर' का उद्घाटन किया। यह उत्तर भारत का पहला स्थायी प्रदर्शनी केंद्र है। इसका निर्माण राजधानी में किया गया है, जिसे राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र (एनएससी) में आम जनता के लिए खोला जा रहा है।

हॉल ऑफ न्यूक्लियर पावर, उत्तर भारत का अपनी तरह का पहला केंद्र है। इस प्रकार की गैलरियां नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई और तमिलनाडु विज्ञान और प्रौद्योगिकी विज्ञान केंद्र, चेन्नई में भी बनाई गई हैं। यह गैलरी एनएससी, दिल्ली के स्वर्ण जयंती वर्ष के दौरान राष्ट्र को समर्पित की गई। इस गैलरी को एनसीएसएम की एक इकाई एनएससी, दिल्ली में 2.5 करोड़ रुपए में बनाया गया। इसे एनपीसीआईएल के साथ तकनीक और वित्तीय भागीदारी के माध्यम से बनाया गया।

रिलायंस जियो एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस के बीच रणनीतिक समझौता

कौन : रिलायंस जियो
क्या : 4 जी स्पेक्ट्रम भागीदारी
कब : 18 जनवरी 2016

मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस जियो ने 18 जनवरी 2016 को अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस से 4जी स्पेक्ट्रम भागीदारी के लिए रणनीतिक समझौता किया। इससे कंपनी द्रुत गति की दूरसंचार सेवाओं की पेशकश कर सकेगी।

समझौते के मुख्य बिंदु

दोनों कंपनियों ने घोषणा की कि रिलायंस जियो इन्फोकाम लिमिटेड तथा रिलायंस कम्युनिकेशंस ने 9 सर्किलों में 800 मेगाहर्टज बैंड में स्पेक्ट्रम आवंटन में आरकाम से आरजेआईएल की ओर बदलाव के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके अतिरिक्त दोनों कंपनियां 17 सर्किलों में 800 मेगाहर्टज बैंड में स्पेक्ट्रम साझा करेंगी।

बिहारः सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण

कौन : आरक्षण
कहाँ : बिहार
क्या : महिलाओं की सरकारी नौकरी
कब : 19 जनवरी 2016

बिहार सरकार ने 19 जनवरी 2016 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 फीसदी आरक्षण दिये जाने के फैसले पर मुहर लगा दी। सरकार सभी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देगी।

इसरो ने भारत के पांचवें नेवीगेशन उपग्रह 'आई आर एन एस एस 1ई' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया

कौन : इसरो
क्या : 'आई आर एन एस एस 1ई' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण
कब : 20 जनवरी 2016

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 20 जनवरी 2016 को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से भारत के पांचवें नेवीगेशन उपग्रह आईआरएनएसएस 1ई(इंडियन रिजनल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम) का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।
आई आर एन एस एस 1ई नामक इस उपग्रह का प्रक्षेपण पीएसएलवी सी–31, लॉन्च वेहिकल के माध यम से किया जाएगा।

कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा 32: बढ़कर 945 करोड़

कौन : कोटक महिंद्रा बैंक
क्या : मुनाफा 32:
कब : 18 जनवरी 2016

कोटक महिंद्रा बैंक के जारी आंकड़ों के अनुसार 18 जनवरी 2016 को बैंक का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट दिसंबर 2015 क्वॉर्टर में 32ҕ बढ़कर 945 करोड़ रुपये हो गया। वर्ष 2014 की इसी तिमाही में यह 717 करोड़ रुपये था।
बड़ी, छोटी कंपनियों और रिटेल लोन ग्रोथ के चलते बैंक के मुनाफे में बढ़ोत्तरी हुई है। एकल आधार पर बैंक की आय 37 फीसदी बढ़कर 634.72 करोड़ रुपये रही जो पिछले साल की इसी अवधि में 464.52 करोड़ रुपये थी।
तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय बढ़कर 2.370 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले साल की समान तिमाही में 1578.77 करोड़ रुपये थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी–20 श्रृंखला जीत कर इतिहास रचा

कौन : भारतीय महिला क्रिकेट टीम
कहाँ : मेलबर्न क्रिकेट मैदान ऑस्ट्रेलिया
क्या : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली दृविपक्षीय श्रृंखला जीती
कब : 29 जनवरी 2016

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने 29 जनवरी 2016 को मेलबर्न क्रिकेट मैदान, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित दूसरे टी.20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 10 विकेट से हरा दिया।
मैच का फैसला डकवर्थ.लेविस नियम के आधार पर हुआ। इसके साथ भारतीय महिलाओं ने तीन मैचों की इस सीरीज को 2.0 से अपने नाम कर लिया।

73वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कारों की घोषणा

कौन : 73वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कार
कहाँ : लॉस एंजेलिस
क्या : पुरस्कारो की घोषणा
कब : 10 जनवरी 2016

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में 10 जनवरी 2016 को 73वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कारों (अवार्ड्स) की घोषणा की गई। 73वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स में लियोनार्डो डी कैप्रियो को 'द रेवेनांट' फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (ड्रामा फिल्म) का अवार्ड मिला। सर्वश्रेष्ठ फिल्म (ड्रामा) का अवार्ड 'द रेवेनांट' के नाम रहा।
गोल्डन ग्लोब पुरस्कारों से संबधित मुख्य तथ्य :
हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (एचएफपीए) मनोरंजन जगत में विशेष उपलब्धियों के लिए देशी-विदेशी कलाकारों, फिल्मों को गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार से प्रतिवर्ष सम्मानित करता है। पहला गोल्डन ग्लोब पुरस्कार समारोह जनवरी 1944 में लॉस एंजिलिस में आयोजित हुआ था, इस अवॉर्ड को 10 अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारों के मतों (वोट्स) के आधार पर दिया जाता है, ये पत्रकार हॉलीवुड और अमेरिका के बाहर के मीडिया द्वारा संबंद्धता प्राप्त होते हैं।

घटनाक्रम

फरवरी 2016

रूस ने भारत को सौंपा MI-17V5 हेलीकॉप्टर

कौन : रूस
क्या : हेलीकॉप्टरों की अंतिम खेप
कब : 3 फरवरी 2016

रूस ने भारत को तीन एमआई-17वी-5 सैन्य मालवाहक हेलीकॉप्टरों की अंतिम खेप सौंप दी है। रूस फिर से ऐसे 48 हेलिकॉप्टरों के दूसरे सौदे की तैयारी कर रहा है। रोस्टेक स्टेट कॉरपोरेशन की कंपनी रोसोबोरोनएक्सपो के साथ समझौते के तहत भारत को 'कजान हेलीकॉप्टर प्लांट' द्वारा निर्मित एमआई-17वी-5 हेलिकॉप्टरों की 151 इकाई की आपूर्ति होनी थी। कजान हेलीकॉप्टर प्लांट रसियन हेलीकॉप्टर्स कंपनी का एक हिस्सा है।

69वें ब्रिटिश अकैडमी फिल्म अवार्ड्स की घोषणा

कौन : 69वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स
कहाँ : लंदन
कब : 14 फरवरी 2016

69वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाटा) की 14 फरवरी 2016 को घोषणा की गयी, पुरस्कार सम्मान समारोह लंदन स्थित रॉयल ऑपेरा हाउस में अयोजित किया गया।

विजेताओं की सूची

पुरस्कार	बिजेता
सर्वश्रेष्ठ फिल्म	द रेवेनेंट
आउटस्टैंडिंग ब्रिटिश फिल्म	बुकलिन
एडप्टेड स्क्रीनप्ले	द बिग शॅर्ट
ओरिजनल स्क्रीनप्ले	स्पॉटलाइट
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	लिओनार्दो डी कैपरियो (द रेवेनेट)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	बी लार्सन (रूम)
सहायक कलाकार अभिनेता	मार्क रिलांस (ब्रिज ऑफ स्पाइस)
सहायक कलाकार अभिनेत्री	केट विसलेट (स्टीव जॉब्स)
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	अलेजेंद्रो जी इनारीतू (द रेवेनेंट)
आउटस्टैंडिंग पदार्पण	नाजी अबू नोवार (लेखक/निर्देशक) रुपर्ट लॉयड (प्रोड्यूसर)
एनीमेशन फिल्म	इनसाइड आउट
ब्रिटिश लघु एनीमेशन	एडमंड
ब्रिटिश लघु फिल्म	ऑपरेटर
छायांकन	द रेवेनेंट
कॉस्टयूम डिजाइन	मैड मैक्स : यूरी रोड
डॉक्यूमेंट्री	एमी
ई ई राइजिंग स्टार	जॉन बोयेगा
एडिटिंग	मैड मैक्स : यूरी रोड
इंग्लिश भाषा से भिन्न फिल्म	वाइल्ड टेल्स
मेक–अप	मैड मैक्स : यूरी रोड
मूल संगीत	द हेटफुल ऐट
प्रोडक्शन डिजाइन	मैड मैक्स : यूरी रोड
साउंड	द रेवेनेंट
स्पेशल विजुअल इफेक्ट्स	स्टार वॉर्स : द फोर्स अवेकेन्स

पेरू की नदियों में तेल बिखरने के कारण देश में आपातकाल लागू

कौन : पेरू सरकार
कहाँ : पेरू
क्या : आपात काल की घोषणा
कब : 28 फरवरी 2016

पेरू सरकार ने 28 फरवरी 2016 को देश के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में कच्चे तेल की एक बड़ी पाइपलाइन के फटने के कारण नदियों में हो रहे तेल के रिसाव के कारण देश में आपातकाल की घोषणा की।

इससे चिरियाको एवं मोरोना नदियों में 3000 बैरल कच्चा तेल रिसाव होने के कारण देश में दैनिक उपयोग हेतु लाये जाने वाले पानी का संकट उत्पन्न हो गया।

सरकार ने एहतियात के रूप में इन नदियों से पकड़ी गयी मछली न खाने की चेतावनी जारी की।

यह पाइपलाइन प्रतिदिन 5,000 से 6,000 बैरल कच्चा तेल सप्लाई करती है, जो पेट्रो पेरू (सरकारी कंपनी) के अधीन कार्यरत है।

आम बजट 2016-17

कौन : केंद्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली
कहाँ : लोकसभा
क्या : आम बजट पेश
कब : 29 फरवरी 2016

केंद्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली ने 29 फरवरी 2016 को लोकसभा में वर्ष 2016.17 का आम बजट पेश किया।

- उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1000 करोड़ रुपये के आरंभिक पूँजी के साथ उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) स्थापित करने की घोषणा।
- विश्वस्तरीय शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के तौर पर उभरने के लिए 10 सार्वजनिक एवं 10 निजी संस्थाओं को समर्थ बनाये जाने की घोषणा।

- आगामी दो वर्षों में 62 नए नवोदय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव।
- शैक्षिक प्रमाण.पत्रों को सुरक्षित रखने हेतु डिजिटल डिपोसिटरी स्थापित करने की घोषणा।
- देश भर में 1500 बहु.कौशल प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना।
- वर्ष 2016.17 के अंत तक 100 मॉडल कॅरियर केंद्रों को संचालन योग्य बनाया जाएगा।
- राज्य रोजगार कार्यालयों को राष्ट्रीय कॅरियर सेवा प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।
- उद्यमिता, शिक्षा और प्रशिक्षण को व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से 2200 महाविद्यालयों, 300 विद्यालयों, 500 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों तक 50 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में प्रदान किया जाएगा।
- सामाजिक क्षेत्र हेतु 1,51,581 करोड़ रुपये का आवंटन।
- बीपीएल परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने हेतु 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- नई स्वास्थ्य रक्षा स्कीम के तहत प्रत्येक परिवार को एक लाख तक स्वास्थ्य सुरक्षा की घोषणा। इसके तहत वरिष्ठ नागरिकों हेतु 30000 रुपये अतिरिक्त का प्रावधान।
- वर्ष 2016-17 के दौरान प्रधानमंत्री जन-औषधि योजना के तहत 3,000 स्टोर खोले जाने की घोषणा।
- पीपीपी मोड के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय डायलसिस सेवा कार्यक्रम की घोषणा।
- प्रत्येक बैंक की शाखा में कम से कम दो परियोजनाओं को श्रेष्ठ बनाने हेतु स्टेंड-अप इंडिया स्कीम की घोषणा।
- उद्योग संघों की भागीदारी से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति हब स्थापना की घोषणा।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशती और गुरु गोविन्द सिंह के जन्म की 350वीं वर्षगांठ मनाने हेतु प्रत्येक के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन।
- ग्रामीण विकास हेतु 87,700 करोड़ रुपये आवंटित।
- 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं को ग्रांट इन एड के रूप में 2.87 लाख करोड़ रुपए आवंटित करने की घोषणा। यह राशि पिछले पांच वर्ष की तुलना में 228 प्रतिशत अधिक है।
- दीनदयाल अंत्योदय मिशन को प्रत्येक सूखाग्रस्त विकास खंड में और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को ऐसे ही जिलों में शुरू किया जाएगा।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन के तहत 300 रुर्बन कलस्टर्स को विकसित करने की घोषणा।
- 1 मई, 2018 तक शत.प्रतिशत गांवों में विद्युतीकरण की घोषणा।
- नेशनल डिजिटल साक्षरता मिशन और डिजिटल साक्षरता अभियान नामक दो नई योजनाओं को मंजूरी।
- पंचायती राज संस्थाओं की मदद के लिए नई योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान का प्रस्ताव।
- मनरेगा के तहत 38,500 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन।
- खुले में शौच से मुक्त गांवों को पुरस्कृत करने हेतु केंद्रीय परियोनाओं का इन गावों में प्राथमिकता के आधार पर शुरुआत।
- ग्रामीण भारत हेतु एक नया डिजिटल साक्षरता मिशन की शुरुआत, जिसमें आगामी तीन वर्षों में 6 करोड़ परिवार शामिल किये जायेंगे।
- राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम का नवीनीकरण।
- 655 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान नामक नई स्कीम की घोषणा।

घटनाक्रम

मार्च 2016

कैपिटल लोकल एरिया बैंक, रिजर्व बैंक से लघु वित्त बैंक का लाइसेंस प्राप्त करने वाला पहला बैंक बना

कौन : कैपिटल लोकल एरिया बैंक
क्या : लाइसेंस प्रदान किया
कब : 4 मार्च 2016

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 4 मार्च 2016 को कैपिटल लोकल एरिया बैंक लिमिटेड (सीएलएबीएल) को लघु वित्त बैंक का लाइसेंस प्रदान किया। इससे यह देश का पहला लघु वित्त बैंक बना।

इससे पहले 16 सितंबर 2015 को आरबीआई ने 10 संस्थानों को इन-प्रिंसिपल मंजूरी प्रदान की थी, जिसमें कैपिटल एरिया बैंक भी शामिल है।

फ्लिपकार्ट ने ई-वॉलेट सेवा आरंभ की

कौन : फ्लिपकार्ट
क्या : फ्लिपकार्ट मनी
कब : 6 मार्च 2016

फ्लिपकार्ट ने मार्च 2016 के पहले सप्ताह में फ्लिपकार्ट मनी नामक ई–वॉलेट सेवा आरंभ की। इसका मुकाबला बाज़ार में मौजूद अलीबाबा के पेटीएम एवं स्नैपडील के फ्री चार्ज से होगा।

वर्तमान में ऑनलाइन समान खरीदे जाने पर 60 प्रतिशत भुगतान कैश ऑन डिलीवरी माध्यम से किया जाता है।

- फ्लिपकार्ट मनी से ई-टेलर क्षेत्र में भुगतान हेतु एक व्यापक उपस्थिति उपलब्ध हो सकेगी।
- फ्लिपकार्ट द्वारा अगले कुछ महीनों में थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म पर और भी उपयोगिता भुगतान विकल्प उपलब्ध कराये जायेंगे।
- इससे फ्लिपकार्ट बिना नगद लेनदेन के अनुपात में वृद्धि कर सकेगा एवं नगद भुगतान में होने वाली लागत में कटौती भी की जा सकेगी।
- फ्लिपकार्ट मनी का परिचालन एफएक्स मार्ट द्वारा किया जा रहा है, जिसका ई-टेलर ने वर्ष 2015 के अंत में अधिग्रहण किया था।
- एफएक्स मार्ट के पास आरबीआई द्वारा दिया गया प्रीपेड वॉलेट संचालन हेतु लाइसेंस मौजूद है।

पटना पाइरेट्स ने स्टार स्पोर्ट्स प्रो कबड्डी लीग के तीसरे संस्करण का खिताब जीता

कौन : पटना पाइरेट्स
कहाँ : इंदिरा गांधी स्टेडियम, दिल्ली
क्या : स्टार स्पोट्स प्रो कबड्डी लीग के तीसरे संस्करण का खिताब जीता
कब : 6 मार्च 2016

पटना पाइरेट्स ने 6 मार्च 2016 को स्टार स्पोर्ट्स प्रो कबड्डी लीग के तीसरे संस्करण का खिताब जीता। टूर्नामेंट के फाइनल में पटना पाइरेट्स ने दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में यू मुंबा को 31-28 से हराया।

पटना पाइरेट्स को विजेता के रूप में 1 करोड़ रुपये की इनामी राशि, जबकि यू मुंबा को उपविजेता के रूप में 50 लाख रूपये की राशि प्रदान की गई।

मध्य प्रदेश में विधवा विवाह भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में शामिल

कौन : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान
कहाँ : भोपाल
क्या : विधवा विवाह, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में शामिल
कब : 8 मार्च 2016

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधवा विवाह को प्रोत्साहन देने के लिये 8 मार्च 2016 को राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विधवा विवाह को भी शामिल किए जाने की घोषणा की। विधवाओं के विवाह को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणा भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर की गयी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विधवा विवाह के लिए दो लाख रुपये की धन राशि भी मंजूर करने की घोषणा की।

योजना के तहत विधवा विवाह भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सम्पन्न किया जाएगा।

यूएनएफपीए एवं यूनिसेफ ने बाल विवाह रोकने हेतु नई पहल की घोषणा की

कौन : संयुक्त राष्ट्र
क्या : बाल विवाह रोकने हेतु नई पहल की घोषणा
कब : 8 मार्च 2016

संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए/UNFPA) एवं संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ/UNICEF) ने बाल विवाह रोकने हेतु 8 मार्च 2016 को नई पहल की घोषणा की। इस नई पहल को यूएनएफपीए-यूनिसेफ ग्लोबल प्रोग्राम टू ऐक्सेलरेट एक्शन टू एंड चाइल्ड मैरिज नाम दिया गया है।

उपरोक्त के तहत यूएनएफपीए एवं यूनिसेफ ने संयुक्त रूप से वर्ष 2030 तक बाल विवाह रोकने और दुनियाभर की लाखों बच्चियों के अधिकारों की रक्षा करने के अग्रिम प्रयासों की दिशा में एक नई पहल शुरू करने की घोषणा की।

मुख्य तथ्यः

- संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के मौके पर इस पहल की घोषणा की।
- इस घोषणा से बच्चियों को कम उम्र में शादी से रोकने व शादी कर चुकी अबोध बच्चियों

को समर्थन देने की एक वैश्विक पहल के रूप में शुरू किया गया है।

- इसे विशेषकर अफ्रीका, एशिया और मध्य पूर्व सहित उन 12 देशों में शुरू किया जायेगा जिनमें बाल विवाह दर अधिक है।
- इस नई पहल को यूएनएफपीए–यूनिसेफ ग्लोबल प्रोग्राम टू ऐक्सेलरेट एक्शन टू एंड चाइल्ड मैरिज नाम दिया गया है।
- इस पहल का उद्देश्य अगले 15 वर्षों में परिवारों, समुदायों, सरकारों और युवा लोगों की मदद से बाल विवाह को खत्म करना है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने विमेन एट वर्क : ट्रेंड्स 2016 रिपोर्ट जारी की

कौन : अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
क्या : विमेन एट वर्क रिपोर्ट जारी की
कब : 8 मार्च 2016

8 मार्च 2016 को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने विमेन एट वर्क : ट्रेंड्स 2016 नाम से रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट श्रम बाजारों में महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का नवीनतम आंकड़ा प्रदान करता है। इसमें इन रूझानों के पीछे के कारणों की जाँच और परिवर्तनकारी बदलाव के लिए नीति निर्माताओं की पड़ताल की गयी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जारी इस रिपोर्ट के अनुसार कार्यस्थल पर लैंगिक समानता अभी भी भ्रांतिजनक है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में लाखों महिलाएं हैं, जिन्हें अभी भी पुरुषों के समान गुणवत्ता और अच्छे वेतन वाली नौकरी नहीं मिलती।

राज्य सभा ने रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास) विधेयक 2015 पारित किया

कौन : रियल स्टेट विधेयक
क्या : राज्य सभा में पारित
कब : 10 मार्च 2016

10 मार्च 2016 को राज्य सभा ने रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास)

विधेयक 2015 पारित कर दिया अन्य प्रावधानों के साथ विधेयक में रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (आरईआरए) की स्थापना की बात कही गई है ताकि रियल स्टेट क्षेत्र व्यवस्थित हो सके।

विधेयक का उद्देश्य घर घरीदने वाले लोगों के हितों की रक्षा करना भी है, साथ ही इसके तहत परियोजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जवाबदेही एवं दक्षता को बढ़ावा दे कर विनिर्माण उद्योग की साख को बढ़ाने की योजना है।

राज्यसभा में सिख गुरूद्वारा (संशोधन) विधेयक पारित

कौन : राज्य सभा
क्या : गुरुद्वारा अधिनियम
कब : 16 मार्च 2016

राज्यसभा ने 16 मार्च 2016 को सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक, 2016 सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इस विधेयक में सिख समुदाय की धार्मिक संस्थाओं के चुनाव में सहजधारी सिखों को मतदान के अधिकार से दूर रखने का प्रस्ताव है।

सहजधारी सिखों को वर्ष 1944 में यह अधिकार दिया गया था। केश कटा चुके सिखों को सहजधारी सिख कहा जाता है।

विधेयक में कानून के अंतर्गत गठित होने वाले बोर्ड और समितियों के सदस्यों के चुनाव में सहजधारी सिखों को मिले मतदान का अधिकार समाप्त करने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के अनुसार केंद्र सरकार ने पंजाब पुनर्गठन कानून 1966 के तहत 8 अक्टूबर 2003 को एक अधिसूचना जारी कर सहजधारी सिखों को इन बोर्डो एवं समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए मिले अधिकारों को हटा दिया था।

इसके बाद में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 20 दिसंबर 2011 के अपने एक आदेश में केन्द्र सरकार की इस अधिसूचना को निरस्त कर दिया था। मौजूदा विधेयक के तहत सहजधारी सिखों के इस अधिकार को हटाने का

प्रावधान है, जो 8 अक्टूबर 2003 प्रभावी से होगा।

भारत ने विश्व बैंक के साथ 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

कौन : भारत
क्या : विश्व बैंक

भारत सरकार ने मध्य प्रदेश सिटीजन एक्सेस टू रिस्पोंसिव सर्विस योजना के लिए विश्व बैंक के साथ 35 लाख अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

भारत की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामले विभाग के संयुक्त सचिव (एमआई) राजकुमार और विश्व बैंक की ओर से भारत में विश्व बैंक के राष्ट्र निदेशक ओन्नो रूडूल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

क्रियान्वयन इकाई समझौते पर मध्य प्रदेश के लोक सेवा प्रबंधन विभाग (लोक सेवाओं की राज्य एजेंसी) के ईडी एम सैलवेन्द्रन और विश्व बैंक की ओर से भारत में विश्व बैंक के राष्ट्र निदेशक ओन्नो रुहूल ने इस्ताक्षर किए।
इस परियोजना की लागत 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जिसमें से 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर विश्व बैंक के द्वारा दिए जाएंगे और शेष धनराशि राज्य के बजट से पूरी की जाएगी परियोजना की अवधि 5 वर्ष है।
इस परियोजना का उद्देश्य वर्ष 2010 के लोक सेवा वितरण गारंटी
अधिनियम के कार्यान्वयन के माध्यम से मध्य प्रदेश में लोक सेवाओं की स्तर और उन तक पहुंच में सुधार करना है।
इस परियोजना से लोक सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच में सुधार, सरकारी सेवाओं का सरलीकरण, कार्यान्वयन एजेंसियों को मजबूत बनाते हुए उनकी क्षमता और प्रबंधन निष्पादन में सुधार होने की संभावना है।
ये परियोजना परिणाम आधारित वित्त पोषण कार्यक्रम पर निर्भर है जिसके अंतर्गत तय किये गये परिणामों की उपलब्धि के आधार पर ही कोष जारी किए जाएंगे।

भारत का अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व, यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क में शामिल

कौन : अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व
कहाँ : दक्षिण भारत
क्या : यूनेस्को बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क में शामिल
कब रू 19 मार्च 2016

भारत के पश्चिमी घाट में स्थित अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व को यूनेस्को द्वारा विश्व के 20 नए बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क में 19 मार्च 2016 को शामिल किया गया।
अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय परिषद् द्वारा पेरू की राजधानी लीमा में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में इसको शामिल किया गया। इससे विश्व के 120 देशों में कुल बायोस्फीयर रिजर्व की संख्या 669 हो गयी जिसमें 16 ट्रांसबाउंड्री साइट्स (दो देशों में मौजूद) हैं।

अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व

दक्षिण भारत में पश्चिमी घाट पर स्थित अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व में अनेक चोटियां हैं, जो समुद्र से 1868 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। उष्णकटिबंधीय वनों वाले इस क्षेत्र में 2254 प्रकार के पौधे हैं जिसमें लगभग 400 प्रजातियां स्थानीय हैं। कुछ कृषिगत पौधे जैसे जामुन, जायफल, काली मिर्च और केला भी इस प्रदेश में मौजूद हैं। तीन वन्यजीव अभ्यारण्य, शेंदुरनी, पेप्पारा, नेयार एवं कलाकड़ मुंडनथुराई टाइगर रिज़र्व इस क्षेत्र में ही शामिल हैं।
अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व की स्थापना वर्ष 2001 में की गयी, यह केरल एवं तमिलनाडु दो राज्यों में फैला हुआ है।
प्रत्येक वर्ष नए बायोस्फीयर रिजर्व को यूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय समन्वय परिषद् द्वारा शामिल किया जाता है, जिसमें यूनेस्को के 34 प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया

कहाँ : उत्तराखंड
क्या : राष्ट्रपति शासन
कब : 27 मार्च 2016

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा 27 मार्च 2016 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत हस्ताक्षर किए जाने के उपरांत उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लग गया।
इससे पहले 26 मार्च को उत्तराखंड के राजनीतिक संकट पर केंद्रीय मंत्रिमंडल की आपात बैठक हुई जिसमें राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफ़ारिश की गई।
राष्ट्रपति शासन का निर्णय 28 मार्च को मुख्यमंत्री हरीश रावत द्वारा विधानसभा में बहुमत साबित करने से एक दिन पहले लिया गया।

नासा ने शनि ग्रह के सबसे बड़े चन्द्रमा टाइटन की सबसे ऊंची चोटी की खोज की

क्या : शनि ग्रह के सबसे बड़े चन्द्रमा टाइटन की सबसे ऊँची चोटी की खोज।
किसने : नासा

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिकों ने शनि ग्रह के सबसे बड़े चन्द्रमा टाइटन की सबसे ऊंची चोटी की खोज की। इसकी ऊँचाई 3,337 मीटर है। इसका पता नासा के कैसिनी अभियान के दौरान लगा।
वैज्ञानिकों के अनुसार यह सबसे ऊँची चोटी तीन पहाड़ी रेखाओं के समूह के बीच दिखाई दी है। इस समूह को मिथरिम मोंटेस कहा जाता है। टाइटन की ज्यादातर ऊँची चोटियों को उसकी

जाट आरक्षण बिल को हरियाणा कैबिनेट की मंज़ूरी

कौन : हरियाणा कैबिनेट की मंजूरी
क्या : जाट आरक्षण बिल
कब : 28 मार्च 2016

हरियाण कैबिनेट ने 28 मार्च 2016 को जाट आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी और विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में इसे पेश किया जाएगा।

बिल में जाटों के अलावा सिख जाट, त्यागी, विश्नोई और रार जातियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान है।

अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जायेगी, बल्कि संविधान के दायरे में रहते हुए जाटों और अन्य जातियों के लिए आरक्षण का जो भी प्रावधान संभव होगा, वो किया जाएगा।

सीरिया की सेना ने ऐतिहासिक शहर पल्माइरा पर पूर्णरूप से कब्जा किया

कौन : पल्माइरा शहर
क्या : सीरिया की सेना ने पूर्ण रूप से कब्जा कर लिया
कब : 26 मार्च 2016

पल्माइराः होम्स गवर्नरेट, सीरिया में स्थित वर्ल्ड हेरिटेज साइट

पल्माइरा 26 मार्च 2016 को उस समय चर्चा में आया जब सीरिया की सेना ने मध्य सीरिया के प्राचीन ऐतिहासिक शहर पर पूर्णरूप से कब्जा कर लिया।

सीरियाई सेना ने शहर पर मई 2015 में आईएसआईएस द्वारा कब्जा कर लिया गया था और उसके बाद से सीरिया की सेना ने इस पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था

बांग्लादेश उच्चतम न्यायालय ने राज्य धर्म के रूप में इस्लाम को बरकरार रखा

कौन : बांग्लादेश उच्चतम न्यायालय
क्या : राज्य धर्म के रूप में इस्लाम को बरकरार रखा
कब : 28 मार्च 2016

बांग्लादेश उच्चतम न्यायालय की उच्च न्यायालय खंड ने 28 मार्च 2016 को राज्य धर्म के रूप में इस्लाम को बरक़रार रखते हुए एक धर्मनिरपेक्ष याचिका को खारिज कर दिया।

उस याचिका में इस्लाम को राष्ट्र धर्म के रूप में मान्यता प्रदान करने वाले 1988 के संविधान संशोधन को चुनौती दी गई थी।

यह आदेश न्यायमूर्ति नईमा हैदर, न्यायमूर्ति काजी रेजाउल हक और न्यायमूर्ति अशरफ उल कमाल की पीठ ने पारित किया।

अल्पसंख्यक समुदाय हेतु उद्यमशीलता एवं कौशल विकास कार्यक्रम 'मानस' का शुभारंभ

कौन : केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. नजमा हेपतुल्ला
क्या : कौशल विकास कार्यक्रम 'मानस' का शुभारंभ
कब : 29 मार्च 2016

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने 29 मार्च 2016 को अल्पसंख्यक समुदाय को समर्पित अभिनव उद्यमशिलता एवं कौशल विकास कार्यक्रम 'मानस' का शुभारंभ किया।

डॉ. हेपतुल्ला ने विभिन्न कौशलों में अग्रणी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के जरिए मौलाना आजाद नेशनल अकादमी फॉर स्किल्स (मानस) के अभिनव उद्यमशीलता एवं कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली के ओखला तथा दरियागंज क्षेत्र के लिए सौन्दर्य एवं स्वास्थ्य संबंधी दो ऑनलाइन प्रशिक्षण केन्द्रों का भी उद्घाटन किया

चीन ने 22वें बेईदोउ नेविगेशन उपग्रह का प्रक्षेपण किया

कौन : 22वें बेईदोउ नेविगेशन उपग्रह
कहाँ : शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र
क्या : चीन द्वारा शुरू की
कब : 30 मार्च 2016

चीन ने 30 मार्च 2016 को बेईदोउ नेविगेशन उपग्रह प्रणाली के 22वें संस्करण का प्रक्षेपण किया। उपग्रह का प्रक्षेपण दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।

बेईदोउ नेविगेशन उपग्रह प्रणाली में 30 उपग्रह होंगे और इसे 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह उपग्रह प्रणाली अमेरिका के ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, रूस के ग्लोनास, और यूरोप के गैलीलियो नेविगेशन उपग्रह प्रणाली के समकक्ष होगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के साथ विशेष करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए

कौन : विशेष करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर
क्या : भारतीय रिज़र्व बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के बीच
कब : 29 मार्च 2016

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 29 मार्च 2016 को सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के साथ एक विशेष करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए।

व्यवस्था के तहत, सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका अधिकतम तीन महीने की अवधि के लिए 700 मिलियन अमरीकी डॉलर ले सकता है। यह व्यवस्था मौजूदा सार्क (SAARC) देशों के बीच मुद्रा विनिमय व्यवस्था फ्रेमवर्क के अतिरिक्त है।

13वां भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन ब्रसेल्स में आयोजित किया गया

क्या : यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन
कहाँ : ब्रसेल्स
कब : 30 मार्च 2016

13वां भारत - यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन ब्रसेल्स, बेल्जियम में 30 मार्च 2016 को आयोजित किया गया, शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व यूरोपीय कांउसिल के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन-क्लाउड जकनर ने किया था।

केंद्र सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए समावेशी और सुगम्यता सूचकांक प्रारंभ किया

कौन : केंद्र सरकार ने
क्या : दिव्यांग लोगों के लिए समावेशी और सुगम्यता सूचकांक प्रारंभ किया
कब : 30 मार्च 2016

केंद्र ने 30 मार्च 2016 को अपने अग्रणी सुगम्य भारत अभियान के तहत समावेशी और सुगम्यता सूचकांक प्रारंभ किया।

इसका प्रारंभ शहरी विकास, आवास तथा शहरी गरीबी उपशमन और संसदीय कार्यमंत्री एम. वेंकैया नायडू ने एक समारोह में किया। यह सूचकांक भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल (फिक्की) के सहयोग से तैयार किया गया है।

अप्रैल 2016

भारत और सऊदी अरब ने 5 समझौतों पर हस्ताक्षर किए

कौन : भारत और सऊदी अरब के बीच
क्या : 5 क्षेत्रों में समझौते हुए
कब : 3 अप्रैल 2016

भारत और सऊदी अरब ने 3 अप्रैल 2016 को 5 क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किये इन क्षेत्रों में श्रम, निवेश व हैंडिक्रॉट जैसे सेक्टर शामिल हैं।

यह समझौता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के सुल्तान सलमान अब्दुल अजीज की उपस्थिति में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुआ।

डीसीबी बैंक ने भारत का पहला आधार सक्षम एटीएम आरंभ किया

कौन : डीसीबी बैंक
कहाँ : मुंबई
क्या : आधार सक्षम एटीएम आरंभ
कब : 4 अप्रैल 2016

डीसीबी बैंक लिमिटेड ने 4 अप्रैल 2016 को भारत में पहली बार आधार संख्या और आधार फिंगरप्रिंट सक्षम एटीएम की शुरुआत की। इसे फ़िलहाल मुंबई के लोअर परेल के पेनिंसुला बिजनेस पार्क स्थित डीसीबी बैंक में आरंभ किया गया है। इस एटीएम दवारा आधार में अंकित अंगुली की छाप और आधार संख्या के माध्यम से बिना एटीएम/डेबिट कार्ड और पिन संख्या दर्ज किये बगैर खाते से कैश ट्रांजेक्शन किया जा सकता है।

भारत की सबसे तेज ट्रेन 'गतिमान एक्सप्रेस' का शुभारम्भ

कौन : देश के सबसे तेज ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस
क्या : शुभारम्भ
कब : 5 अप्रैल 2016

भारत की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस को रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने 5 अप्रैल 2016 को हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गतिमान एक्सप्रेस के बारे में :

- गतिमान एक्सप्रेस 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रतार से दौड़ेगी।

- दिल्ली से आगरा के बीच 200 किलोमीटर की दूरी सिर्फ 100 मिनट में तय करेगी।
- ये ट्रेन निजामुद्दीन से सुबह 8.10 बजे रवाना होगी और 9.50 बजे आगरा पहुंचेगी।
- लौटते समय यह आगरा से शाम 5.50 बजे चलेगी और 7.30 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी।
- यह ट्रेन हते में 6 दिन चलेगी। शुक्रवार के दिन यह ट्रेन नहीं चलेगी।
- ट्रेन में दो एक्जिक्यूटिव वातानुकूलित चेयर कार और आठ सामान्य एसी चेयर कार होगी।
- इसका किराया 690 रुपये तय किया गया है। एक्जिक्यूटिव श्रेणी के लिए यह किराया 1365 रुपये होगा।
- दिल्ली-आगरा रूट के बाद गतिमान एक्सप्रेस कई और रूटों पर भी दौड़ेगी। जिन रूटों पर गतिमान को चलाया जाएगा उनमें. कानपुर-दिल्ली, चंडीगढ-दिल्ली, हैदराबाद-चेन्नई, नागपुर-बिलासपुर, गोवा-मुंबई और नागपुर-सिकंदराबाद शामिल हैं।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार 2014 प्रदान किए

कौन : राष्ट्रीय भू–विज्ञान पुरस्कार, 2014
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : राष्ट्रपति ने प्रदान किए
कब : 5 अप्रैल 2016

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 5 अप्रैल 2016 को राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2014 प्रदान किए।

वर्ष 2014 में भू-विज्ञान, खनन तथा संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 33 भू–वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

पीआरएल अहमदाबाद के मानद प्रोफेसर अशोक कुमार सिंघवी को चतुर्यांश भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2014 का उत्कृष्टता का राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आईआईटी कानपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. इन्द्रशेखर सेन को भू-रासायनिक उद्भव के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2014 का 'युवा वैज्ञानिक भू-विज्ञान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

नेशनल वाटर इंफॉर्मेशन सेंटर बनाने की योजना को कैबिनेट ने स्वीकृति दी

कौन : केंद्रीय कैबिनेट
क्या : स्वीकृति
कब : 6 अप्रैल 2016

केंद्र सरकार ने 6 अप्रैल 2016 को कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना एन एच पी और राष्ट्रीय जल सूचना केंद्र (नेशनल वाटर इंफॉर्मेशन सेंटर) के कार्यान्वयन को मंजूरी दी।
नेशनल वाटर इंफॉर्मेशन सेंटर बन जाने के बाद लोगों को तय वक्त पर देश भर में पानी की उपलब्धता और उसके इस्तेमाल करने के बारे में डाटा जुटाने में मदद मिलेगी।

आरबीआई ने पहले द्वि-मासिक मौद्रिक नीति कथन 2016-17 में रेपो दर में 0.25% की कमी की

कौन : भारतीय रिज़र्व बैंक
क्या : पहला द्वि–मासिक मौद्रिक नीति कथन 2016–17 जारी किया
कब : 5 अप्रैल 2015

5 अप्रैल 2015 को भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पहला द्वि–मासिक मौद्रिक नीति कथन 2016–17 जारी किया।
इस नीति के तहत की गई मुख्य घोषणाओं में से एक थी, आरबीआई द्वारा वित्तीय प्रणाली पर लगाए जाने वाली रेपो दर में कमी।

हरियाणा के पहले बागवानी विश्वविद्यालय का करनाल में शिलान्यास

कौन : हरियाणा का पहला बागवानी विश्वविद्यालय
कहाँ : करनाल, हरियाणा
क्या : शिलान्यास
कब : 6 अप्रैल 2016

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने 6 अप्रैल 2016 को हरियाणा के करनाल में हरियाणा राज्य बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया।
यह हरियाणा का पहला बागवानी विश्वविद्यालय होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत–बंग्लादेश मत्स्य पालन समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी

कौन रूकेंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी
क्या : भारत–बंग्लादेश मत्स्य पालन समझौता ज्ञापन

कब : 13 अप्रैल 2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13 अप्रैल 2016 को भारत और बंग्लादेश के बीच मत्स्य पालन एवं मत्स्य तथा सहायक गतिविधियों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी।

इस समझौता ज्ञापन पर दोनों देशों ने सितंबर 2011 में इस्ताक्षर किए थे।

भारत ने के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

कौन : भारत ने सफल परीक्षण किया
क्या : के-4 बैलिस्टिक मिसाइल
कब : 13 अप्रैल 2016

भारत ने 13 अप्रैल 2016 को लंबी दूरी की के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। क-4 मिसाइल का कोडनेम है। इस मिसाइल को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने बनाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने सुल्तान अज़लान शाह हॉकी कप.2016 जीता

कौन : ऑस्ट्रेलिया हॉकी टीम
कहाँ : मलेशिया
क्या : सुल्तान अज़लान शाह हॉकी कप जीता
कब : 16 अप्रैल 2016

ऑस्ट्रेलिया ने 16 अप्रैल 2016 को भारत को 4-0 से हराकर 25वां सुल्तान अज़लान शाह कप जीता। इसका आयोजन इपोह, मलेशिया में किया गया।

ऑस्ट्रेलिया द्वारा यह खिताब नौवीं बार जीता गया, इससे पहले उन्होंने वर्ष 2014 में यह खिताब जीता था।

भारत ने अंतिम बार 2010 में यह ख़िताब जीता था, उस वर्ष भारत एवं दक्षिण कोरिया को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।

इक्वाडोर में 7.8 तीव्रता का भूकंपः 400 से ज्यादा मृत

कौन : तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 7.8 परिमाण के भूकंप
क्या : इक्वाडोर को प्रभावित किया
कब : 16 अप्रैल 2016

इक्वाडोर में 16 अप्रैल 2016 को शक्तिशाली भूकंप आया, जिसकी रिएक्टर पैमाने पर तीव्रता 7.8 मापी गई।

इस भूकंप से अब तक लगभग 400 से ज्यादा मौतें और 2000 से ज्यादा घायल हो चुके हैं।

भूकंप का केंद्र इक्वेडोर तट से लगभग 27 किलोमीटर दूर एस्मेराल्दास प्रान्त में दक्षिण-पूर्व म्यूजेन था।

अंतर्राष्ट्रीय सौर सेल गठबंधन एवं यूएनडीपी के मध्य सौर ऊर्जा का प्रसार करने के लिए सहयोग हेतु घोषणा जारी

कौन : अंतर्राष्ट्रीय सौर सेल गठबंधन
कहाँ : न्यूयार्क
क्या : सौर ऊर्जा का प्रसार करने के लिए सहयोग हेतु घोषणा
कब : 22 अप्रैल 2016

अंतरर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की अंतरिम प्रशासनिक शाखा एवं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने 22 अप्रैल 2016 को सौर ऊर्जा के विश्वभर में प्रसार हेतु एक घोषणा जारी की।

यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन द्वारा यूएन मुख्यालय न्यूयॉर्क में की गयी।

इस घोषणा के प्रमुख बिंदु

- यूएनडीपी कार्यक्रमों और आईएसए देशों में चल रहे विभिन्न सौर ऊर्जा परियोजनाओं के साथ सहयोग एवं विकास कार्यों में सहयोग किया जायेगा।
- सौर ऊर्जा के क्षेत्र में चल रहे वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों के साथ पूरक संबंधों का निर्माण किया जायेगा।
- कार्यक्रम और तकनीकी विशेषज्ञता में सामरिक सहयोग तथा संयुक्त राष्ट्र के वृहद नेटवर्क में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना।
- ज्ञान प्रबंधन प्रणाली की स्थापना के लिए इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क अथवा ई-पोर्टलों की सहायता से साझा करने, सृजन और प्रबंधन के लिए कार्य करना।
- आईएसए संस्थागत संरचना के विकास को मजबूत बनाने एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के समर्थन के माध्यम से क्षमता विकास के प्रयासों में वृद्धि करना।

भारत राष्ट्रमंडल जूडो चौम्पियनशिप –2018 की मेजबानी करेगा

कौन : राष्ट्रमंडल जूडो चैम्पियनशिप.2018
कहाँ : जयपुर
क्या : भारत मेजबानी करेगा

कब : 25 अप्रैल 2016 को घोषणा की गई
भारतीय जूडो महासंघ (IFI) ने 25 अप्रैल 2016 को यह घोषणा की, कि राष्ट्रमंडल जूडो चैम्पियनशिप 2018 की मेजबानी भारत करेगा। भारत में इसकी मेजबानी जयपुर, राजस्थान में हो रही है।
यह पहला मौका है जब राष्ट्रमंडल जूडो चैम्पियनशिप का आयोजन भारत में हो रहा है।

इसरो ने स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम आई आर एन एस एस-1जी सेटेलाइट लॉन्च करके इतिहास रचा

कौन : भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
कहाँ : श्रीहरिकोटा
क्या : आई आर एन एस एस-1जी सेटेलाइट लॉन्च
कब : 28 अप्रैल 2016
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 28 अप्रैल 2016 को पीएसएलवी सी-33 के साथ भारत के सातवें भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (आई आर एन एस एस 1 जी) को सब जियोसेंक्रोनौस ट्रांसफर ऑर्बिट (सब-जीटीओ) में प्रक्षेपित किया। इसे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से फर्स्ट लांच पैड (एफएलपी) से छोड़ा गया।

आई आर एन एस एस की विशेषताएं

- इसमें सात सेटेलाइट मौजूद हैं, जो रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराएँगे जिससे सड़क, वायु एवं समुद्र में चलने वाले वाहनों को सहायता प्राप्त हो सकेगी।
- यह एक स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम है जिसे भारत एवं भारत के 1500 किलोमीटर क्षेत्र की जानकारी हेतु डिजाइन किया गया है।
- यह दो प्रकार की सेवाएँ देगा, स्टैण्डर्ड पोजिशनिंग सर्विस (एसपीएस)- यह सभी के लिए उपलब्ध रहेगी एवं रिसट्रिकटेड सर्विसेज (आरएस)- जो केवल मान्यताप्राप्त उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी।
- सात उपग्रहों में से तीन भू-स्थिर एवं चार गैर भू-स्थिर हैं।
- आई आर एन एस एस प्लेटफार्म उपयोग करने पर भारत सरकार अपना ग्लोबल नेविगेशनल सेटेलाईट सर्विस, (जीआईएनएस) आरंभ करने की सोच रही है। यह यूएसए के जीपीएस सिस्टम के समकक्ष होगा।

घटनाक्रम

मई 2016

स्कॉर्पियन श्रेणी की पहली पनडुब्बी 'कलवरी' का सफल समुद्री परीक्षण

कौन : स्कॉर्पियन श्रेणी की पहली पनडुब्बी 'कलवरी'
कहाँ : मुंबई
क्या : सफल समुद्री परीक्षण
कब : 1 मई 2016
भारतीय नौसेना ने 1 मई 2016 को स्कॉर्पियन श्रेणी की पहली पनडुब्बी कलवरी का सफल समुद्री परीक्षण किया। इस पनडुब्बी को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड मुंबई (एमडीएल) में बनाया गया है एवं यह पूर्ण रूप से स्वदेश निर्मित पनडुब्बी है।

संपूर्ण भारत में 1 जनवरी 2017 से आपातकाल हेतु 112 नम्बर डायल करें

कहाँ : भारत
क्या : एकल आपातकाल नंबर 112
क्यों : आपातकालीन सुविधा हेतु
भारत सरकार द्वारा आपातकालीन स्थिति हेतु जारी किए गए नम्बर 112 की सेवाएं 1 जनवरी 2017 से आरंभ होगी। यह नम्बर डायल करने से पुलिस, एम्बुलेंस एवं अग्निशमन सेवाएं प्राप्त की जा सकेंगी।
भारत का एकल आपातकाल नम्बर 112 अमेरिका के 911 के समकक्ष है।

राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय हेतु चार नए न्यायाधीशों के नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर किए

कौन : चार नए न्यायाधीशों के नियुक्ति पत्र
क्या : राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर किए
कब : 11 मई 2016
राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 11 मई 2016 को उच्चतम न्यायालय के लिए चार नए न्यायाधीशों के नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये। इससे शीर्ष न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 28 हो जाएगी।
इससे पहले 4 मई 2016 को चीफ जस्टिस टी एस ठाकुर के नेतृत्व में उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने चार नए न्यायाधीशों के नाम की सिफारिश की थी। इनके नाम निम्न हैं :

- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए एम खनविलकर

- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़
- केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक भूषण
- वरिष्ठ वकील एवं पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एल नागेश्वर राव

भारत ने पृथ्वी-2 मिसाइल का सफल परीक्षण किया

कौन : पृथ्वी-2
क्या : मिसाइल का सफल प्रक्षेपण
कब : 18 मई 2016

भारत ने 18 मई 2016 को परमाणु क्षमता संपन्न और स्वदेश में विकसित पृथ्वी-2 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

मिसाइल का परिक्षण ओडिशा में चांदीपुर परीक्षण रेंज से किया गया और यह सेना के उपयोग के लिहाज से प्रायोगिक परीक्षण था।

सतह से सतह पर मार करने में सक्षम इस मिसाइल का परीक्षण यहां एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) पर प्रक्षेपण परिसर 3 से सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर किया गया।

पृथ्वी-2 मिसाइल से संबंधित मुख्य तथ्यः

यह मिसाइल 350 किलोमीटर की मारक क्षमता रखती है।

पृथ्वी-2 मिसाइल 500 से एक हजार किलोग्राम तक के आयुध ले जाने में सक्षम है।

इसमें लिक्विड प्रोपल्शन ट्विन इंजन लगे हैं।

केंद्र सरकार ने सड़क परिवहन क्षेत्र में ePACE, INFRACON और उन्नत INAM PRO का शुभारंभ किया

कौन : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और जहाजरानी मंत्रालय
क्या : INAM PRO का शुभारंभ
कब : 16 मई 2016

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी ने 16 मई 2016 को सड़क परिवहन के क्षेत्र में तीन सर्वोत्तम प्रथाओं के पहल की शुरुआत की। ये तीन नई आईटी पहलें हैं– INFRACON, ePACE और उन्नत INAM PRO, इन पहलों का उद्देश्य सड़क निर्माण प्रक्रिया को तेज करना, अधिक पारदर्शी और कुशल बनाना है। इन नई आईटी पहलों को देश में ही नेशनल हाइव एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHIDCL) द्वारा विकसित किया गया है।

मालदीव ने ईरान से राजनयिक संबंध खत्म किए

कौन : मालदीव ने
क्या : ईरान से राजनयिक संबंध खत्म किए
कब : 18 मई 2016

मालदीव ने 18 मई 2016 को ईरान से अपने राजनयिक संबंध खत्म कर लिए। उसने वित्तीय मददगार सऊदी अरब का साथ पकड़ लिया।

संबंधित मुख्य तथ्यः

- ईरान खाड़ी देशों की शांति तथा सुरक्षा को नजरअंदाज कर रहा है। ईरान जिन नीतियों पर चल रहा है, वह क्षेत्र की शांति तथा सुरक्षा के लिए घातक है। मालदीव ने इसका कोई विवरण नहीं दिया है।
- विदेश मंत्रालय ने कहा कि मालदीव की शांति तथा सुरक्षा खाड़ी क्षेत्र से जुड़ी है इस कारण वह ईरान से अपना राजनयिक संबंध तोड़ रहा है।
- मालदीव ने ईरान से 1975 में राजनयिक संबंध कायम किया था।

भारत का पहला पुनः प्रयोग किया जाने वाला स्पेस शटल आरएलवी-टीडी श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया

कौन : अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
कहाँ : श्रीहरिकोटा
क्या : स्पेस शटल आरएलवी-टीडी लॉन्च
कब : 23 मई 2016

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 23 मई 2016 को पुनः प्रयोग हो सकने वाला स्वदेशी स्पेस शटल (आरएलवी-टीडी) श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) से लांच किया।

इसे सॉलिड राकेट मोटर (एसआरएम) द्वारा ले जाया गया। नौ टन के एसआरएम का डिजाईन इस प्रकार से बनाया गया है जिससे यह धीर-धीरे घर्षण को सहन करता है।

भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने बाधा रहित परिवहन के लिए तेहरान में ऐतिहासिक त्रिपक्षीय पारगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए

कौन : भारत , ईरान और अफगानिस्तान
कहाँ : तेहरान

क्या : त्रिपक्षीय पारगमन समझौते
कब : 23 मई 2016
भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने 23 मई 2016 को ईरान की राजधानी तेहरान में एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय पारगमन समझौते पर हैस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी की मौजूदगी में तीनों देशों के प्रतिनिधियों ने समझौते पर इस्ताक्षर किए।

समझौते के मुख्य बिंदु

- त्रिपक्षीय समझौता चाबहार बंदरगाह के जरिए भारत और अफगानिस्तान के बीच बाधा रहित परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा।
- यह बंदरगाह दक्षिण पूर्व ईरान में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

केंद्र सरकार ने 'भारतवाणी' वेब पोर्टल और मोबाइल एप का लोकार्पण किया

कौन : केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री
कहाँ : लखनऊ
क्या : 'भारतवाणी' वेब पोर्टल और मोबाइल एप का लोकार्पण
कब : 25 मई 2016
केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने 25 मई 2016 को लखनऊ स्थित बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय परिसर में 'भारतवाणी' वेब पोर्टल और मोबाइल एप का लोकार्पण किया। एप के माध्यम से दूर स्तर पर छात्र-छात्राओं के अध्ययन व शिक्षकों के प्रयासों, जिला और स्कूल स्तर तक की गतिविधियों पर ऑनलाइन नजर रखी जा सकेगी। शिक्षा क्षेत्र की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एप के माध्यम से एक विशेष कार्यक्रम बनाया गया है।

जी–7 शिखर सम्मेलन 2016

क्या : जी-7 शिखर सम्मेलन 2016
कहाँ : जापान
कब : 26-27 मई 2016
जापान के इसे-शिमा (Ise-Shima) में 26–27 मई को दो दिवसीय जी–7 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। जी–7 देशों के इस 42वें शिखर सम्मेलन में इस समूह के देशों के राष्ट्रध्यक्ष. अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा, फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांसवा ओलांद, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, इटली के प्रधानमंत्री मत्तेयो रेंजी और जपान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे शामिल हुए।
शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता शिजो आबे ने की। सदस्य देशों के नेताओं ने शिखर सम्मेलन में जी–7 के मल्यों–एकता व वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चर्चा की। इसके बाद अन्य विषयों पर पांच सत्रों में विचार.विमर्श किया गया, जिनमें वैश्विक आर्थिक विकास कैसे बरकरार रखा जाए, आतंकवाद, शरणार्थी संकट व जलवायु परिवर्तन से कैसे निपटा जाए शामिल था।
41वां जी–7 शिखर सम्मेलन 7–8 जून को श्लोस एलमाउ (Schloss Elmau) जर्मनी में आयोजित हुआ था।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल-9 ख़िताब जीता

कौन : सनराइजर्स हैदराबाद
कहाँ : चिन्नास्वामी स्टेडियम
क्या : आईपीएल-9 खिताब जीता
कब : 29 मई 2016
बेंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 29 मई 2016 को इंडियन प्रीमियर लीग-9 (आईपीएल) के फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराकर ख़िताब जीता।
सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले खेलते हुए 208 रन बनाये जबकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 200 रन ही बना पाई, टीम बेंगलोर की ओर से क्रिस गेल ने सबसे अधिक 38 गेंदों में 76 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने 35 गेंदों में 54 रन बनाए।

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के डॉक्टरों की सेवानिवृति आयु 65 वर्ष किये जाने को केंद्र सरकार की मंजूरी

कौन : केंद्र सरकार
कहाँ : केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा
क्या : डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति आयु
कब : 31 मई 2016
केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा के तहत कार्यरत डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने के प्रस्ताव को 31 मई 2016 को स्वीकृति प्रदान की।
यह प्रस्ताव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु रखा गया था।

घटनाक्रम

जून 2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को पहली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना का शुभारम्भ किया

कौन : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
क्या : राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना
कब : 1 जून 2016
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 1 जून 2016 को देश में तैयार की गयी पहली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी) (NDMP) का शुभारम्भ किया गया। योजना में आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ाने और जान-माल का नुकसान कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया जायेगा।
आपदा प्रबंधन योजना समुदायों को आपदाओं से निपटने, उन्हें आपदाओं के प्रति तैयार करने, सूचना देने, शिक्षा और संचार गतिविधियों की अधिक आवश्यकता पर जोर दिया है।

प्रधान मंत्री मोदी ने भारत में इस्लामिक बैंकिंग को मंजूरी दी

कौन : प्रधान मंत्री मोदी
कहाँ : गुजरात
क्या : इस्लामिक बैंकिंग को मंज़ूरी
कब : 2 जून 2016
भारत में इस्लामिक बैंकिंग को मंज़ूरी के तहत इस्लामिक डेवेलपमेंट बैंक (आईडीबी) की शाखा प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में खोली जाएगी। भारत पहला गैर इस्लामिक देश है, जहाँ यह बैंक अपनी सेवाएं देने जा रहा है।

सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड योजना को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हेतु रिज़र्व बैंक ने मंज़ूरी दी

कौन : सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड योजना
क्या : ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हेतु रिजर्व बैंक ने मंज़ूरी दी
कब : 04 जून 2016
एशिया के सबसे पुरान एक्सचेंज मुंबई शेयर बाजार को सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना हेतु ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बोली लगाने की मंजूरी मिल गई हैं। यह घोषणा मुंबई शेयर बाजार में 04 जून 2016 को एक सर्कुलर के माध्यम से की। यह बॉन्ड सरकार की तरफ से रिजर्व बैंक जारी करता है और रिजर्व बैंक द्वारा बताए गए दाम पर निवेशक इनके लिए आवेदन कर सकते हैं। एक्सचेंज की एसजीबी निर्गम के लिए अपने सदस्यों और उनके ग्राहकों से बोली लेने के लिए ऑनलाइन बोली मंच उपलब्ध कराने की योजना है।

बृहस्पति की तरह दिखने वाले ग्रह केपलर-1647बी की खोज की गयी

कौन : केपलर–1647बी
क्या : नए ग्रह की खोज
वैज्ञानिकों ने बृहस्पति की तरह दिखने वाले ग्रह केपलर-1647 बी की खोज की है। दो सितारों की एक प्रणाली की परिक्रमा करता हुआ पाया गया जिसके कारण इसका अस्तित्व ब्रह्मांड में सबसे बड़ा हो सकता है।
ग्रह केपलर-1647बी, नक्षत्र सिग्नस में स्थित है जिसे नासा के गोडार्ड स्पेस लाइट सेंटर और सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी के खगोलविदों द्वारा खोजा गया।
खोजकर्ताओं के अनुसार केपलर-1647बी लगभग 3700 प्रकाश वर्ष दूर है एवं यह 4.4 बिलियन वर्ष पुराना हो सकता है जो लगभग पृथ्वी के समान है।

नई एविएशन पॉलिसी को कैबिनेट की मंज़ूरी

कौन : कैबिनेट की मंज़ूरी
क्या : नई एविएशन पॉलिसी
कब : 15 जून 2016
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 15 जून 2016 को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में नई सिविल एविएशन पॉलिसी को मंज़ूरी मिल गई।
इस पॉलिसी को मंज़ूरी मिलने से हवाई यात्रियों को काफी लाभ होगा और उनके हितों की अधिक रक्षा हो सकेगी। साथ ही विमानन कंपनियों की मनमानी पर रोक लगेगी और उन्हें कुछ सहूलियत भी दी जाएंगी। नई पॉलिसी में विमान कंपनियों को 5/20 नियम से राहत मिलेगी। साथ ही घरेलू उड़ानों पर अधिक जोर होगा व विदेश उड़ान के नियम अधिक आसान बनाए जाएंगे।

मुजफ्फरपुर में भेल ने 195 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट का लोकार्पण किया

कौन : भेल
कहाँ : मुजफरपुर

क्या : 195 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट का लोकार्पण
कब : 15 जून 2016

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उपकरण निर्माता कम्पनी, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने 15 जून 2016 को मुजफरपुर (बिहार) में 195 मेगावाट क्षमता की एक और इकाई के थर्मल पॉवर स्टेशन का लोकार्पण किया।

कांति बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड (केबीयूएनएल) के साथ 2×195 योजना के अंतर्गत भेल की यह दूसरी परियोजना है।

यह परियोजना केबीयूएनएल, एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन) और बीएसपीजीसीएल (बिहार राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी लिमिटेड) का एक संयुक्त उद्यम (जेवी) हैं।

रूस द्वारा सबसे शक्तिशाली परमाणु आइसब्रेकर आर्कटिका का शुभारम्भ

कौन : नया प्रोजेक्ट 22220 परमाणु आइसब्रेकर. आर्कटिका
कहाँ : रूस
क्या : शुभारंभ
कब : 16 जून 2016

16 जून 2016 को रूस ने नया प्रोजेक्ट 22220 परमाणु आइसब्रेकर-आर्कटिका का शुभारंभ किया। इसे रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग के बाल्टिक शिपयार्ड से शुरु किया गया था।

प्रोजेक्ट 22220 दुनिया का सबसे बड़ा और अपने प्रकार का सबसे शक्तिशाली पोत है। इसे यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कारपोरेशन ऑफ एशिया के बाल्टिक शिपयार्ड में बनाया गया है।

केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में सौ प्रतिशत एफडीआई को मंजूरी दी

कौन : केंद्र सरकार
कहाँ : रक्षा क्षेत्र
क्या : 100 प्रतिशत एफडीआई को मंज़ूरी
कब : 20 जून 2016

केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को 20 जून 2016 को मंज़ूरी दे दी। इसके अलावा सिविल एविऐशन में भी सरकार ने 100 प्रतिशत एफडीआई को मंज़ूरी दी। ब्रॉडकास्टिंग क्षेत्र में भी नियमों में संशोधन करते हुए निवर्तमान एफडीआई को 49 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया।

जुलाई 2016

मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार 19 राज्यमंत्रियों को प्रभार आवंटित किए गए

कौन : मंत्रिमंडल
क्या : प्रभार आवंटित
कब : 05 जुलाई 2016

विकास के विजन, गुड गवर्नेंस और केंद्र की गाँव, गरीब और किसान की नीतियों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 05 जुलाई, 2016 को मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। 10 राज्यों से 19 मंत्रियों का चयन किया गया। 5 मंत्रियों को इस्तीफा भी देना पड़ा।

राजस्थान अंशकालिक श्रमिकों हेतु न्यूनतम मजदूरी लागू करने वाला पहला राज्य बना

कौन : राजस्थान
क्या : अंशकालिक श्रमिकों हेतु न्यूनतम मजदूरी लागू
कब : 06 जुलाई, 2016

अंशकालिक श्रमिकों हेतु न्यूनतम लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य के श्रम विभाग ने 06 जुलाई, 2016 को इस सिलसिले में अधिसूचना भी जारी कर दी है।

अधिसूचना के अनुसार जो भी श्रमिक एक दिन में चार घंटे से कम काम करेगा, उसे न्यूनतम मजदूरी की पचास प्रतिशत राशि दी जाएगी।

इस अधिसूचना के जारी होने के साथ ही अंशकालिक श्रमिक न्यूनतम वेतन कानून 1948 के तहत लाभन्वित होने लगेंगे। एक अन्य फैसले में सरकार ने सभी वर्गों में न्यूनतम वेतन राशि में 104 रुपये प्रतिमाह की वृद्धि कर दी है।

नाटो शिखर सम्मेलन 2016 वारसा में संपन्न

कौन : नाटो शिखर सम्मेलन
क्या : समाप्त हो गया।
कब : 9 जुलाई, 2016

दो दिनों तक चला नाटो शिखर सम्मेलन 9 जुलाई, 2016 को वारसा, पौलैंड में समाप्त हो गया। वर्ष 1949 में स्थापित होने के बाद इस शिखर सम्मेलन का यह 27वां संस्करण था।

भारत सतत् विकास सूचकांक में 110वें स्थान पर

कौन : विकास सूचकांक
क्या : भारत 110वें स्थान पर
कब : 22 जुलाई, 2016

सतत् विकास समाधान नेटवर्क (एसडीएसएन) और बर्टल्समैन स्टिफटंग द्वारा 22 जुलाई, 2016 को प्रस्तुत किये गये सतत् विकास सूचकांक में भारत 110वें स्थान पर है।

इस सूचकांक में 149 देशों को शामिल किया गया था। सूची में स्वीडन को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ। सूचकांक में विभिन्न देशों के 17 वैश्विक लक्ष्यों के मामले में उनके प्रदर्शन के आधार पर रैकिंग दी गई जो सतत् विकास के तीन आयामों, आर्थिक विकास, सामाजिक समावेश और पर्यावरण वहनीयता से जुड़े हैं।

सोलर इम्पल्स–2 ने विश्व का परिभ्रमण पूरा किया

कौन : सोलर इम्पल्स–2
कहाँ : आबूधाबी
क्या : विश्व का परिभ्रमण पूरा किया
कब : 26 जुलाई, 2016

सौर ऊर्जा से चालित सोलर इम्पल्स–2 ने 26 जुलाई, 2016 को विश्व का चक्कर लगाकर आबूधाबी में सफलतापूर्वक लैंडिंग की।

इस विमान ने आबूधाबी में उतरने से पहले 26744 मील की यात्रा की। विमान ने 558 घंटे की उड़ान भरी।

भारत की पहली वाटर मेट्रो का कोच्चि में शुभारंभ

कौन : पहली वाटर मेट्रो
कहाँ : कोच्चि
क्या : शुभारंभ
कब : 23 जुलाई, 2016

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केरल में कोच्चि समुद्री तट पर 23 जुलाई, 2016 को कोच्चि जल मेट्रो परियोजना का शुभारंभ किया। यह देश में पहली जल मेट्रो परियोजना है।

जर्मन विकास बैंक, क्रेदितंताल्ट फर विडरौबु (Kreditanstalt fur Wiederaufbau) (केएफडब्ल्यू) ने परियोजना हेतु 85 मिलियन यूरो दी हैं। जर्मन बैंक ने 747 करोड़ रुपए में कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड के साथ इस परियोजना हेतु समझौता किया है।

अगस्त 2016

जीएसटी विधेयक राज्यसभा में बहुमत से पारित हुआ

कौन : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विधेयक
कहाँ : राज्यसभा
क्या : पारित
कब : 3 अगस्त, 2016

बहुप्रतीक्षित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संशोधन विधेयक 3 अगस्त, 2016 करे राज्यसभा में पारित हुआ।

विधेयक पारित होने के लिए दो तिहाई मतों की आवश्यकता के स्थान पर सभी 197 सांसदो ने पक्ष में वोट डाला, इससे पहले राज्यसभा में जीएसटी बिल पर लंबी चर्चा हुई।

राज्यसभा में जीएसटी के लिए संविधान संशोधन बिल (122वें संशोधन) को राज्यसभा में पारित किया गया। वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली से काले धन पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा तथा प्रभावी कराधान प्रणाली का मार्ग प्रशस्त होगा।

इसे अप्रैल 2017 से लागू किया जायेगा।

रियो ओलंपिक्स 2016

क्या : ओलंपिक्स 2016
कहाँ : रियो (ब्राजील)
कब : 5 अगस्त से 21 अगस्त

रियो ओलंपिक्स 2016 से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य–

5 अगस्त से 21 अगस्त तक चलने वाले इस ग्रीष्म ओलम्पिक 2016 के लिए मेजबान शहर की घोषणा 2 अक्टूबर 2009 को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन (Copenhagen) में की गयी थी। इसमें रियो (ब्राजील) ने शिकागो, टोक्यो एवं मेड्रिड को फाइनल राउंड में पछाड़ते हुए ग्रीष्म ओलंपिक 2016 मेजबानी करने का अधिकार पाया था।

यह पहला मौका है जब ओलंपिक किसी साउथ अमेरिकन (South American) देश में हो रहा है। अब केवल अफ्रीका ही एक मात्र महाद्वीप बचा है जिसने इस खेल का आयेजन नहीं किया है। हॉलाकि इस बार कोसोवो एवं दक्षिणी सूडान दो नए देशों ने पहली बार हिस्सा लिया है तो वही गोल्फ तथा रुबी जैसे लोकप्रिय खेलों को काफी अंतराल के बाद दोबारा इस फॉर्मेट में शामिल किया गया है।

कहने को तो यह 31वां ओलंपियाड है लेकिन यह 28वां ओलंपिक आयोजन हैं 1916, 1940 और 1944

में विश्व युद्धों के कारण ओलंपिक खेल नहीं हुए थे।
आधुनिक तकनीक से सुसज्जित रियो के लगभग 33 स्पोर्ट्स वेन्यू कुल 28 स्पोर्ट्स में लगभग 302 पदक के लिए होने वाले खेल की मेजबानी करेंगे।

2016 रियो ओलम्पिक में भारत

2016 ओलम्पिक में भारत ने अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा। भारतीय दल की विशेषताएँ संक्षेप में इस प्रकार हैं:
कुल खिलाड़ी-124
खेल-30
स्पर्धाएं-70
पुरुष खिलाड़ी-55%
महिला खिलाड़ी-45%
सबसे कम आयु के खिलाड़ी-मैथ्यू जिस्ना, 17 वर्ष
सबसे अधिक आयु के खिलाड़ी-लिएंडर पेस, 43 वर्ष
भारत को इन खेलों में कुल दो पदक मिले। साक्षी मलिक ने महिलाओं की 58 किलोग्राम फ्रीस्टाईल कुश्ती में कांस्य पदक जीता और पी.वी. सिंधु ने बैंडमिंटन की महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

RIO अंकतालिका : अमेरिका ने जमाया वर्चस्व, 67वें पायदान पर भारत

रियो ओलंपिक पद तालिका–

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	संयुक्तराष्ट्र	46	37	38	121
2	ग्रेट ब्रिटेन	27	23	17	67
3	चीन	26	18	26	70
4	रूस	19	18	19	56
5	जर्मनी	17	10	15	42
6	जापान	12	8	21	41
7	फ्रांस	10	18	14	42
8	दक्षिण कोरिया	9	3	9	21
9	इटली	8	12	8	28
10	ऑस्ट्रेलिया	8	11	10	29
67	भारत	0	1	1	2

लोकसभा ने जीएसटी (122वां संविधान संशोधन) विधेयक पारित किया

कहाँ : लोकसभा
क्या : जीएसटी पारित
कब : 8 अगस्त, 2016
लोकसभा द्वारा 8 अगस्त, 2016 को संविधान के 122 वें (जी एस टी) संशोधन विधेयक–2014 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। विधेयक दो-तिहाई बहुमत द्वारा 443 सदस्यों के मतों द्वारा पारित हुआ।
इससे पहले 3 अगस्त, 2016 को यह विधेयक राज्य सभा में पारित किया गया था।

रिजर्व बैंक ने वर्ष 2016–17 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा जारी किया

कौन : रिजर्व बैंक
क्या : वर्ष 2016-17 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा जारी किया
कब : 9 अगस्त, 2016
रिजर्व बैंक ने 9 अगस्त 2016 को वर्ष 2016-17 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा जारी किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर रघुराम राजन ने ऋण एवं मौद्रिक नीति की तीसरी द्विमासिक एवं अपनी अंतिम मौद्रिक समीक्षा को जारी करते हुए कहा कि घरेलू और वैश्विक हालात को देखते हुए ब्याज दरों को स्थिर रखा गया है।

मुंबई उच्च न्यायालय ने हाजी अली दरगाह में महिलाओं के प्रवेश से पाबंदी हटाने का फैसला सुनाया

कौन : मुंबई उच्च न्यायलय
कहाँ : हाजी अली दरगाह
क्या : महिलाओ को प्रवेश की अनुमति
कब : 26 अगस्त, 2016
मुंबई उच्च न्यायालय ने 26 अगस्त, 2016 को हाजी अली दरगाह में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दिए जाने के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रतिबंध हटाने का आदेश दिया।
उच्च न्यायालय ने कहा कि संविधान में महिलाओं और पुरुषों को बराबरी का दर्जा दिया गया है। यदि पुरुषों को इसके अंदर आने की अनुमति है तो महिलाओं को भी अंदर जाने दिया जाना चाहिए। बेंच ने कहा कि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (जीवन का अधिकार), 15 (भेदभाव का निषेध) और अनुच्छेद 21 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है।

जापान के वैज्ञानिकों ने दुलर्भ गहरे पृथ्वी कंपन का खोज किया

कहाँ : जापान के वैज्ञानिकों
क्या : दुर्लभ गहरे पृथ्वी कंपन का खोज किया

कब : 25 अगस्त, 2016
जापान में भूकंप का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने 25 अगस्त, 2016 को कहा कि उन्हें एक दुलर्भ गहरे पृथ्वी कंपन का पता चला और उन्होंने एक दूर और शक्तिशाली तूफान का पहली बार पता लगा लिया है।
अमेरिका साइंस जर्नल में प्रकाशित यह निष्कर्ष, विशेषज्ञों को मदद पृथ्वी की आंतरिक संरचना के बारे में अधिक जानने के लिए और भूकंप और समुद्री तूफान का पता लगाने में मदद कर सकता है।
उत्तरी अटलांटिक में तूफान एक "मौसमबम," के रूप में जाना जाता है। यह एक चोट लेकिन शक्तिशाली तूफान लाभ है।
मायावी s लहरें धीमी से केवल ठोस चट्टान के माध्यम से ही पता लगाते हैं। शोधकर्ताओं न s वेव मिकरोसीसम नामक भूकंप का पता लगाया।

भारत का पहला जैव-सीएनजी ईंधन संयंत्र पुणे में शुभारंभ

कब : 13 अगस्त 2016
कहाँ : पुणे
कब : पहला जैव सीएनजी प्रारंभ
भारत का पहला जैव सीएनजी ईंधन संयंत्र 13 अगस्त, 2016 को पुणे महाराष्ट्र में शुभारंभ किया गया।
इससे संबंधित मुख्य तथ्यः

- यह संयंत्र पुणे स्थित प्रिमोव इंजीनियरिंग प्राइवेट लि. द्वारा स्थापित किया गया है।
- यह संयंत्र प्रूफ ऑफ कांसेप्ट (Proof of Concept) की अवधारणा के रूप में स्थापित किया गया है, जिसे कहीं भी दोबारा बनाया जा सकता है।
- संयंत्र सीएनजी के उत्पादन की प्रक्रिया में कृषि अपशिष्टों के निदान के लिए विशेष जीवाणु शोधन (ठंबजमतपंस ॅवसनजपवद) प्रक्रिया का उपयोग करता है।
- इससे उत्पन्न गैस को वाहनों में इस्तेमाल के लिए साफ कंप्रेस्ड किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि जैव ईंधन से 50 प्रतिशत डीजल के आयात को कम में मदद मिलेगी तथा विदेशी मुद्रा भी बचाया जा सकता है।
- यह ऊर्जा स्रोत कम लागत के साथ–साथ प्रदूषण मुक्त भी है।
- ज्ञात हो कि जैव–सीएनजी बायोगैस का शुद्धतम रूप है जिसमें से सभी अशुद्धियों को पश्चात् 93 प्रतिशत मीथेन गैस होती है।

मिशेल टेमर ने ब्राज़ील के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की

कौन : मिशेल टेमर
कहाँ : ब्राज़ील
क्या : ब्राज़ील के राष्ट्रपति
कब : 13 अगस्त 2016
मिशेल टेमर ने 31 अगस्त, 2016 को ब्राज़ील के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वे ब्राज़ील के पूर्व उप-राष्ट्रपति थे। टेमर अगले चुनावों तक वर्ष 2018 तक पद पर बने रहेंगे।
उन्हें डिल्मा रौसेफ़ के स्थान पर सीनेटर की वोटिंग के आधार पर चयनित किया गया। सीनेटरों ने 61–20 के मत से रौसेफ़ को पूँजी का दुरूपयोग करने के आरोप में पद से वंचित कर दिया। उन पर 60 बिलियन यूएस डॉलर के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था।

घटनाक्रम

सितम्बर 2016

रिलायंस-जियो 4G की शुरूआत

क्या : रिलायंस–जियो 4G की शुरुआत
किसने : मुकेश अंबानी
कब : 1 सितम्बर 2016
मुकेश अंबानी द्वारा की गई रिलायंस जियो से जुड़ी अहम घोषणाएंः

1. डिजिटल जीवन के लिए डेटा ऑक्सीजन की तरह है, किसी को भी डेटा पहुंच से बाहर नहीं होना चाहिए।
2. रिलायंस जियो भारत को डेटा की किल्लत से डेटा बहुलता की ओर ले जाएगी।
3. जियो की कीमतें ग्राहकों की परेशानियों के समाधान के बारे में है, ग्राहकों को केवल एक ही सेवा–डेटा या वॉयस (कॉल) के लिए भुगतान करना चाहिए, जियो के ग्राहकों के लिए सभी वॉयस कॉल पूरी तरह मुत होगी।
4. जियो के किसी भी ग्राहक को भारत में किसी भी नेटवर्क पार वॉयस कॉल के लिए कोई भी शुल्क देने की जरूरत नहीं हैं, रोमिंग शुल्क भी शून्य रहेगा।
5. जियो का आधार डेटा शुल्क मौजूदा दरों के दसवें हिस्से के बराबर होगा, हम प्रति जीबी (1024 मेगाबाइट) 50 रुपए का शुल्क लेंगे, कम डेटा उपयोग करने वालों के लिए प्रतिमाह 149 रुपए का शुल्क रहेगा, छात्रों को 25 प्रतिशत अधिक डेटा मिलेगा।

6. अंबानी ने जियो के ग्राहकों के लिए पांच सितंबर से 31 दिसंबर 2016 तक 'मुफ्त वेलकम ऑफर' की घोषणा की, सबसे छोटी संभावित अवधि में दस करोड़ ग्राहक बनाने का लक्ष्य।

भारत एवं वियतनाम ने द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने हेतु 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किये

क्या : भारत और वियतनाम के बीच समझौता
कब : 3 सितम्बर 2016

भारत एंव वियतनाम ने 3 सितंबर 2016 को दोंनो देशों के मध्य द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने हेतु 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किये। इन समझौतों पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके वियतनामी समकक्ष न्गुयेन शुयान फुक द्वारा हस्ताक्षर किये गये।

टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया ने सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बनाया

कौन : आस्ट्रेलिया
क्या : सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड
कब : 6 सितम्बर, 2016

आस्ट्रेलिया ने 6 सितम्बर 2016 को श्रीलंका के खिलाफ पल्लेकल में तीन विकेट पर 263 रन बनाकर टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बनाया।

- आस्ट्रेलिया ने इससे पहले भी तीन बार एक पारी में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड अपने नाम किया।
- 2005 में टी 20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आरम्भ होने के बाद यह चौथा अवसर है जब सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बना।
- सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड अब तक केवल दो टीमों आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के नाम पर ही दर्ज है।
- पहला टी 20 अंतराष्ट्रीय मैच 17 फरवरी 2005 को आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला गया था।
- उस मैच में आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 214 रन बनाए।

जी–20 शिखर सम्मेलन–2016

क्या : जी–20 शिखर सम्मेलन का आयोजन
कब : 4–5 सितम्बर 2016
कहाँ : चीन

वर्ष 2016 का G 20 शिखर सम्मेलन, जो इस संगठन का 11वाँ शिखर सम्मेलन हैं–

इससे संबंधित मुख्य तथ्यः

- यह पहला मौका है जब यह सम्मेलन किसी चीन शहर में आयोजित किया गया।
- इसके अलावा दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में वर्ष 2010 में हुए
- G 20 सम्मेलन के बाद यह दूसरा मौका है जब यह आयोजन किसी एशियाई देश द्वारा किया गया।
- इस शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।
- सम्मेलन में शामिल अन्य जी–20 देश हैं–अर्जेन्टीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ग्रेट ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ।
- वहीं 8 देशों को इस सम्मेलन में मेहमान प्रतिनिधियों के रूप में शामिल किया गया. चाड, मिस्र कजाकिस्तान, लाओस, सेनेगल, स्पेन, सिंगापुर और थाईलैण्ड।

सम्मेलन की मुख्य बातेंः

- जी–20 शिखर सम्मेलन का मुख्य एजेंडा जलवायु परिवर्तन हैं
- इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2015 में पेरिस में हुई संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन संधि को स्वीकार करने की अहम घोषणा की।
- जी–20 देशों के वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए साझा नीति तय करना।
- कर चोरी के खिलाफ लड़ना।
- राजकोषीय प्रोत्साहन और नवाचार के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
- भगोड़े आर्थिक अपराधियों को सुरक्षित पनाह नहीं देना।
- जी–20 सम्मेलन में पहली बार विकास के एजेंडा 2030 के अमल और अफ्रीकी व अल्प विकसित देशों में औद्योगिकीकरण को सामूहिक रूप से बढ़ावा देने पर जोर दिया गया हैं।
- इस सम्मेलन में आतंकवाद और आतंकवाद कें वित्त पोषण के खिलाफ सख्त व्यवस्था बनाने की अपील किया गया।

- जी–20 देशों के नेताओं ने भ्रष्टाचार के मामलों में वांछित लोगों पर कार्रवाई के उच्च स्तरीय मानदंडों पर सहमति जताई।
- भ्रष्टाचार के खिलाफ जी–20 कार्ययोजना 2017–18 बनाई गई।

जीएसटी विधेयक को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मंजूरी प्रदान की

कौन : राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी
कहाँ : जीएसटी विधेयक
क्या : 8 सितंबर, 2016
राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 8 सितंबर 2016 को संविधान के 122वें संशोधन (जीएसटी बिल–2014) को मंजूरी प्रदान की, इस संशोधन को संविधान के अनुच्छेद 111 के अनुसार मंजूरी प्रदान की गई।
राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधेयक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के नाम से जाना जायेगा तथा इसके अनुसार कर मूल्य, तथा अन्य उप कर लगाये जायेंगे। वित्त मंत्री अरूण जेटली की अध्यक्षता में बनाई गई काउंसिल में राज्यों के वित्त मंत्री भी भाग लेंगे।

68वें प्राइमटाइम एमी अवाड्र्स की घोषणा

क्या : प्राइमटाइम एमी अवाड्र्स
कब : 18 सितंबर 2016
अमेरिका स्थित लॉस एंजलिस में 18 सितंबर, 2016 को 68वें वार्षिक प्राइमटाइम एमी अवाड्र्स की घोषणा की गयी।
गेम ऑफ़ थ्रोन्स को वर्ष 2016 का सर्वश्रेष्ठ प्राइम टाइम ड्रामा अवार्ड मिला जबकि वीप को सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
द पीपल, वी ओ जे सिम्पसनः अमेरिकन क्राइम स्टोरी को भी विभिन्न अवार्ड प्राप्त हुए। इस समारोह में जूलिया लुईस ड्रेफुस को लगातार पांचवी बार सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

रियो पैरालिम्पिक्स ओलंपिक का आगाज़

कब : 7 सितम्बर से 18 सितम्बर 2016 तक
कहाँ : रियो डि जनेरियो (ब्राजील)
क्या : रियो पैरालिम्पिक्स का आयोजन
2016 पैरालम्पिक्स पन्द्रहवें ग्रीष्मकालीन पैरालम्पिक खेल हैं। अंतर्राष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति द्वारा शामिल विकलांग एथलीटों के लिए यह एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बहु खेल आयोजन है। यह 7 सितम्बर 2016 से 18 सितम्बर 2016 तक रियो डी जनेरियो, ब्राजील में आयोजित किया गया है।

- इस मैके पर चार हज़ार से अधिक एथलीटों ने परेड निकाली, लेकिन इसमें रूस के दल को शामिल नहीं किया गया। रूस के एथलिटों को डोपिंग विवाद के कारण मुकाबले में हिस्सा लेने पर पाबंदी है।
- रियो पैरालंपिक खेलों में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक जीतकर 42वें स्थान पर रहा।
- भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले राजस्थान के देवेंद्र झाझरिया पैरालपिंक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बने।
- उनसे पहले भारत के ऊँची कूद एथलीट मरियप्पन थांगावेलु ने रियो पैरालंपिक खेलों में पुरूषों की ऊँची कूद टी–42 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। थांगावेलु के साथ ऊंची कूद एथलिट वरूण सिंह भाटी ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।
- इनके अलावा, भारत की दीपा मलिक ने तब इतिहास रचा जब वह गोला फेंक एफ–53 में रजत पदक जीतकर पैरालिंपिक में पदक हासिल करने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बनी।

चीन शीर्ष पर : 11 दिनों तक चले इन खेलों में चीन ने 100 से अधिक स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

- चीन ने 105 स्वर्ण, 81 रजत और 51 कांस्य सहित कुल 237 पदक जीते। वह इन खेलों के इतिहास में 100 या उससे अधिक स्वर्ण पदक जीतने वाला तीसरा देश बना। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिका और ब्रिटेन के नाम था।
- ब्रिटेन 64 स्वर्ण, 39 रजत और 44 कांस्य सहित कुल 147 पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा।
- तीसरे स्थान पर रहे यूक्रेन में 41 स्वर्ण, 37 रजत, 39 कांस्य सहित कुल 117 पदक जीते।
- अमेरिका ने 40 स्वर्ण, 42 रजत, 30 कांस्य जीतकर कुल 112 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।
- रियो के माराकाना स्टेडियम में समापन समारोह में ब्राजील के अधिकारियों ने आधिकारिक रूप से टोक्यो को ओलंपिक

वज दिया। 2020 में टोक्यो में ओलंपिक और पैरालपिंक खेलों का आयोजन होगा।

- अतुल्य भारत पर्यटन शिखर सम्मेलन–2016 का शुभारंभ

कौन : अतुल्य भारत पर्यटन शिखर सम्मेलन - 2016 का शुभारंभ

कौन : अतुल्य भारत पर्यटन शिखर

कब : 21 सितम्बर 2016

पर्यटन मंत्री ने 21 सितम्बर 2016 को तीन दिवसीय 'अतुल्य भारत पर्यटन निवेश शिखर सम्मेलन–2016' का शुभारंभ नई दिल्ली के विज्ञान भवन में किया। यह सम्मलेन 21 से 23 सितंबर तक आयोजित रहेगा।

भारतीय उद्योग तथा भारतीय पर्यटन वित्त निगम लिमिटेड इस शिखर सम्मेलन के प्रमुख भागीदार है।

विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया गया

कौन : सौर संयंत्र

कहाँ : तमिलनाडु

क्या : समर्पित किया

कब : 21 सितंबर 2016

सौर ऊर्जा संयंत्र के बारे में–

- अडाणी समूह की इस इकाई पर 4,550 करोड़ रूपये का निवेश हुआ।
- यह संयंत्र तमिलनाडु के रामनाथपुरम के कामुती में संचालित है।
- यह परियोजना 2012 में और ऊर्जा नीति के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत की गयी 3,000 मेगावाट की सौर बिजली उत्पादन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का हिस्सा है।
- 648 मेगावाट के इस संयंत्र को तांतरांसको के कामुती 400 केवी सब स्टेशन से जोड़ दिया गया है।

भारत और फ्रांस ने राफेल सौदे पर हस्ताक्षर किए

क्या : राफेल सौदा

किसने : भारत और फ्रांस

कब : 23 सितंबर 2016

भारत और फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमानों के लिए 7.87 अरब यूरो (करीब 59000 करोड़ रूपये) के सौदे पर 23 सितंबर को हस्ताक्षर किए।

राफेल सौदा

- भारत ने फ्रांस के साथ हथियार प्रणालियों के साथ 36 राफेल विमान खरीदने के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- यह सौदा 7.8 अरब यूरो (लगभग 59 हजार करोड़ रू.) का है जो भारत द्वारा हस्ताक्षरित अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा है।
- राफेल एक प्रक्षेपास्त्र है जो हवा से हवा में निशाना साध सकता है। इसकी मारक क्षमता 150 किमी. तक है।
- राफेल लड़ाकू विमान की विशेषता इसकी बियॉन्ड विजुअल रेंज (बिविआर) मेटेऑर मिसाइल है, जो भारतीय सीमा से ही पाकिस्तान में निशाना साध सकता है।
- राफेल के भुगतान की बड़ी हिस्सेदारी प्रदर्शन आधारित लॉजिस्टिक के लिए आधारित होगी। इसका अर्थ यह हुआ कि राफेल की सेवा के शुरूआती 5 वर्षों के लिए वेंडर ही सभी पूंजी उपलब्ध कराएंगें ताकि लड़ाकू विमान का संचालन हो सके।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एडमिरैलिटि विधेयक, 2016 के अधिनियम को स्वीकृति प्रदान की

कौन : केन्द्रीय मंत्रिमंडल

कहाँ : समुद्रतटीय

क्या : एडमिरैलिटी विधेयक 2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में एडमिरैलिटी (क्षेत्राधिकार एंव समुद्रतटीय दावों के निपटान) विधेयक 2016 के अधिनियम और पांच पुराने एडमिरैलिटी कानूनों को निरस्त करने हेतु जहाजरानी मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी।

एडमिरैलिटी विधेयक, 2016 के बारे में–

- एडमिरैलिटी विधेयक अदालतों के एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकारों, समुद्रतटीय दावों पर अदालती कार्यवाही, जहाजों की जब्ती और अन्य संबंधित मुद्दों से जुडें मौजूदा कानूनों को मजबूती प्रदान करेगा।
- विधेयक 2016 से नागरिक मामलों में नौवहन विभाग के क्षेत्राधिकार के पांच पुराने कानून भी निरस्त किए जाएंगे। यह कानून ब्रिटिश काल में लागू किए गए थे।

एडमिरैलिटी विधेयक, 2016 की मुख्य विशेषताएं–

- एडमिरैलिटी विधेयक 2016 प्रस्ताव समुद्री वैधानिक समुदाय द्वारा की जा रही मांग का समर्थन करेगा।

- विधेयक भारत के तटवर्ती राज्यों के उच्च न्यायालयों को एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकार प्रदान करता है।
- क्षेत्राधिकार का विस्तार समुद्री सीमा तक है।
- केंद्र सरकार की अधिसूचना के माध्यम से क्षेत्राधिकार में विस्तार भी किया जा सकता है।
- यह विस्तार किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र या भारत के किसी अन्य समुद्री क्षेत्र या भारत की प्रादेशिक सीमा के दायरे में किसी द्वीय तक हो सकता है।
- एडमिरैबिलिटी विधेयक सभी समुद्री जलयानों पर लागू होगा। जलयान के मालिक का आवास/निवास कहीं भी हो।
- अंतर्देशीय निर्माणाधीन जहाज इसके दायरे में नहीं लिए गए हैं। आवश्यकता होने पर केंद्र सरकार अधिसूचना जारी करके इनको भी इसके दायरे में ला सकती है।
- विधेयक युद्धपोत एवं नौसेना के बेड़े के सहायक जलयानों और गैर– वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए जाने वाले जलयानों पर लागू नहीं है।
- समुद्री दावों के मामलों में सुरक्षा के दृष्टिगत जहाज को निश्चित परिस्थितियों में जब्त किया जा सकता है।
- किसी जहाज पर चुनिंदा समुद्री दावों के संबंध में दायित्य उसके नए मालिक को निर्धारित समय सीमा के भीतर मैरिटाइम लिएन्स के तहत हस्तांतरित किया जाएगा।
- जिन पहलुओं हेतु विधेयक में प्रावधान नहीं किए गए हैं उन पर सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 लागू की जाएगी।

विश्व बैंक ने जिम योंग किम को दूसरे कार्यकाल के लिए विश्व बैंक का निदेशक नियुक्त किया

कौन : जिम योंग किम
कहाँ : विश्व बैंक
क्या : निदेशक की नियुक्ति
कब : 27 सितंबर, 2016

विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड द्वारा 27 सितंबर 2016 को बहुमत से जिम योंग किम को अगले पांच वर्षो के लिए पुनः विश्व बैंक का निदेशक नियुक्त किया गया। उनका कार्यकाल 1 जुलाई, 2017 से आरंभ होगा।

केंद्र सरकार ने गुड़गांव का नाम बदलकर गुरूग्राम करने हेतु मंजूरी प्रदान की

कौन : केंद्र सरकार
कहाँ : गुड़गांव
क्या : परिवर्तित नाम गुरूग्राम किया गया
कब : 27 सितंबर 2016

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 27 सितंबर, 2016 को गुड़गांव का नाम बदलकर गुरूग्राम किये जाने की औपचारिक घोषणा की।

गुड़गांव को इसके औद्योगिक, सूचना प्रौद्योगिक, सॉटवेर एवं कॉरपोरेट हब के कारण मिलेनियम सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

सार्क सम्मेलन में नहीं गया भारत

क्या : सार्क सम्मेलन बहिष्कार
कब : 27 सितम्बर, 2016

27 सितम्बर, 2016 को भारत सरकार ने इस्लामाबाद में होने वाली सार्क बैठक 2016 में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। यह बैठक इस वर्ष नवंबर में आयोजित हाने वाली थी।

उरी पर हए आतंकवादी हमले की वजह से सरकार ने यह कड़ा कदम उठाया है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाषण और पाकिस्तान सरकार के रुख से भारत सरकार नाराज है।

भारत ने पाक को दी कूटनीतिक शिकस्त, सार्क सम्मेलन रद्द!

कब : 28 सितम्बर, 2016
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : सार्क सम्मेलन रद

आतंकवाद को बढ़ावा देने को लेकर दुनियाभर में किरकिरी झेल रहे पाकिस्तान को एक और करारा झटका लगा है। सूत्रों के हवाले से खबर हैं कि आठ में से चार देशों के मना करने के बाद पाकिस्तान में होने वाला सार्क सम्मेलन रद हो गया है। गौरतलब है कि सार्क सम्मेलन इस्लामाबाद में 9 और 10 नवंबर को होना था।

सूत्रों के मुताबिक भारत के बाद बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान द्वारा सार्क सम्मेलन के बहिष्कार के बाद सार्क सम्मेलन स्थगित कर दिया गया है। सार्क के संविधान के मुताबिक अगर कोई भी सदस्य देश सार्क सम्मेलन में हिस्सा नही लेता तो सम्मेलन स्वतः ही या तो रद हो जाएगा या फिर उसकी तारीख आगे बढ़ा दी जाएगी।

भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन किया गया

कौन : भारतीय सेना
कहाँ : लाइन ऑफ़ कंट्रोल
क्या : सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन
कब : 28 सितंबर 2016
क्यों: आतंकवादी कैंप को निशाना

भारतीय सेना ने उरी हमले के जवाब में 28 सितंबर 2016 रात को पाकिस्तानी क्षेत्र में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन किया। भारतीय सेना द्वारा यह ऑपरेशन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आंतकवादी कैंप को निशाना बनाते हुए किया गया था।

डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेटिनेंट जनरल रणवीर सिंह ने अधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, "भारत ने लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पार करके सर्जिकल स्ट्राइक की है।"

सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन

- भारतीय सेना के 25 पैरा मिलिट्री कमांडो इस अभियान में शामिल थे, उन्होंने एलओसी पार करके यह ऑपरेशन सफल बनाया।
- इस अभियान में वायु सेना की मदद नहीं ली गयी। सेना के जवानों को केवल हेलिकॉप्टर द्वारा सीमा तक पहुंचाया गया।
- देर रात 12.30 पर आरंभ हुए इस स्ट्राइक ऑपरेशन में 38 आतंकवादी मारे गये। यह चार घंटे तक चला।
- पाकिस्तान इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन्स के अनुसार पाकिस्तान के केल, लिपा, हॉटस्प्रिंग तथा भीमवर सेक्टरों में यह ऑपरेशन किया गया।

सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन क्या है?

सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन किसी विशेष क्षेत्र को निशाना बनाकर किया जाने वाला हमला होता है। इसमें आस-पास के क्षेत्र में कम से कम नुकसान होने तथा केवल टारगेट को ही निशाना बनाये जाने पर ध्यान दिया जाता है। इस प्रकार के हमले से टारगेट को निष्क्रिय करके बड़े हमले से भी बचा जा सकता है। भारत द्वारा इस प्रकार के सर्जिकल स्ट्राइक ऑपरेशन से लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पार आतंकवादी कैंपों को निशाना बनाया जाता है तथा बड़े टकराव से बचा जाता है।

जापान एशियाई खेल, 2026 की मेजबानी करेगा

कौन : जापान
क्या : एशियाई खेल 2026 की मेजबानी करेगा
कब : सितम्बर 2016 के चौथे सप्ताह में

जापान के एइची प्रीफेक्चर और उसकी राजधानी नगोया को सितम्बर 2016 के चौथे सप्ताह में वर्ष 2026 एशियाई खेलों की मेजबानी सौंपी गई है जो देश के सबसे व्यस्त अंतरर्राष्ट्रीय खेल कैलेंडर में एक और बड़ी प्रतियोगिता होगी।

एशियाई ओलंपिक परिषद् को शुरुआत में 2026 खेलों के मेज़बान का फ़ैसला वर्ष 2018 में करना था लेकिन अगले आठ साल में तीन ओलिंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी होने के कारण पहले ही मेजबान चुनने का फैसला किया गया।

दक्षिण कोरिया को वर्ष 2018 में पियोगचांग में शीतकालीन ओलिंपिक की मेजबानी करनी है जबकि टोक्यो वर्ष 2020 में ओलिंपिक की मेजबानी करेगा। शीतकालीन खेल वर्ष 2022 में बीजिंग में होंगे, जापान को टोक्यो में वर्ष 2020 में ओलिपिंक के अलावा वर्ष 2019 में रग्बी विश्व कप होगें। एशियाई शीतकालीन खेल वर्ष 2017 में तथा विश्व तैराकी प्रतियोगिता वर्ष 2021 की मेजबानी करनी है।

घटनाक्रम

अक्टूबर 2016

रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कारों की घोषणा

कौन : ज्यां–पियरे सोवेज, जे फ्रैसर स्टाडर्ट, बर्नार्ड फेरिंगा
क्या : रसायन विज्ञान में नोबेल
कब : 5 अक्टूबर, 2016

वर्ष 2016 के लिए रसायन विज्ञान क्षेत्र के नोबल पुरस्कारों की घोषणा की गयी। इसमें फ्रांस के जीन पियरे शावेज़, ब्रिटेन के जे.फ्रेज़र स्टोडार्ट एंव नीदरलैंड के बर्नार्ड फेरिंगा को इस वर्ष का रसायन विज्ञान का नोबल पुरस्कार दिया जायेगा।

इस संबंध में 5 अक्टूबर 2016 को घोषणा की गयी। तीनों वैज्ञानिकों को आणविक मशीनों के अविष्कार तथा नैनो तकनीकी को नए स्तर पर ले जाने हेतु इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। यह तीनों वैज्ञानिक संयुक्त रूप से 9.33 लाख डालर (लगभग 6.21 करोड़ रूपये) का पुरस्कार राशि साझा करेंगे।

केंद्र सरकार ने एचआईवी एवं एड्स विधेयक, 2014 को स्वीकृति प्रदान की

किसने : केंद्र सरकार
क्या : एचआईवी एंव एड्स विधेयक, 2014
कब : पाँच अक्टूबर 2016

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच अक्टूबर 2016 को 'एचआईवी एवं एड्स विधेयक, 2014 को मंजूरी दे दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा के अनुसार विधेयक में राज्य और केंद्र सरकार एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) प्रदान करना अनिवार्य बनाया गया है।

एचआईवी एवं एड्स विधेयक, 2014 के बारे में–

- विधेयक में भेदभाव के तरीकों को भी सूचीबद्ध किया गया है।
- विधेयक में भेदभाव के तरीकों को प्रतिबंधित भी किया गया है।
- भेदभाव के तरीकों में रोजगार, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं, निवास के लिए या किराए पर दी गई संपत्तियों समेत अन्य के संबंध में अस्वीकृति, समाप्ति या अनुचित व्यवहार शामिल है।

भारत और सिंगापुर ने तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए

कौन : भारत और सिंगापुर
क्या : तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए
कब : 3 अक्टूबर, 2016

सिंगापुर के प्रधानमंत्री हाल ही में भारत के पांच दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुँचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग के बीच प्रतिनिधि मंडलस्तर की वार्ता के बाद तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के नेता कौशल विकास और औद्योगिक संपदा से संबंधित समझौतों पर बात किया गया।

अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा

कौन : ओलिवर हार्ट, बेंग्ट हॉमस्ट्रॉम
कहाँ : स्वीडन
क्या : अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार
कब : 10 अक्टूबर, 2016

वर्ष 2016 के लिए अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कारों के लिए ब्रिटिश मूल के अर्थशास्त्री ओलिवर हार्ट और फिनलैंड के बेंग्ट हॉमस्ट्रॉम के नामों की घोषणा की गयी।

दोनों अर्थशास्त्रियों को अनुबंध से मिलने वाली मदद से जुड़ा सिद्धांत देने के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैश्विक भूखमरी सूचकांक में भारत 97वें स्थान पर

किसने : इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट
क्या : वैश्विक भूखमरी सूचकांक
कब : 11 अक्टूबर, 2016

इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) द्वारा 11 अक्टूबर 2016 को वैश्विक भूखमरी सूचकांक जारी किया गया। इस सूचकांक में भारत को 97वां स्थान प्राप्त हुआ तथा भारत की चिंताजनक हालत का ब्यौरा दिया गया। कुल 118 देशों के बीच किये गये इस सर्वेक्षण में भारत को 97वां स्थान मिला जबकि नेपाल (72वें), म्यांमार (75वें), श्रीलंका (84वें) और बांग्लादेश (90वें) स्थान पर भारत से आगे रहे। पाकिस्तान भारत से भी नीचे 107वें स्थान पर रहा।

विश्व के सबसे अधिक असुरक्षित देशों की सूची जारी की गयी

कौन : वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम
क्या : असुरक्षित देशों की सूची
कब : 14 अक्टूबर, 2016

वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम द्वारा 14 अक्टूबर, 2016 को जारी 'ग्लोबल ट्रैवल एंड टूरिज्म रिपोर्ट' के अनुसार विश्व के सबसे अधिक असुरक्षित देशों की सूची जारी की गयी। इसमें भारत को 13वां स्थान प्राप्त हुआ है जबकि पाकिस्तान असुरक्षा की दृष्टि से चौथे स्थान पर है।

इसके अतिरिक्त सुरक्षा की दृष्टि से सबसे उत्तम देशों की सूची भी जारी की गयी है जिसमें फ़िनलैंड को पहला स्थान प्राप्त हुआ। फ़िनलैंड को 6.7 अंक प्राप्त हुए और वह प्रथम स्थान पर रहा जबकि कतर 6.61 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

असुरक्षित देशों में कुल 15 देशों के नाम शामिल हैं जबकि सबसे सुरक्षित देशों की सूची में 10 देशों के नाम शमिल हैं।

गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व अमेरिकी इंटेलीजेंस थिंकटैंक इंटेलसेंटर द्वारा जारी सर्वेक्षण सूची 'कंट्री थ्रेट इंडेक्स' में पाकिस्तान को विश्व का 5वां सबसे खतरनाक देश बताया था। इस सूची में सीरिया का नाम शमिल नहीं है।

सबसे अधिक असुरक्षित देश

1. नाईजीरिया
2. कोलंबिया
3. यमन
4. पाकिस्तान
5. वेनेजुएला
6. इजिप्ट
7. ग्वाटेमाला
8. अल.साल्वाडोर
9. होंडुरास
10. थाईलैंड
11. केन्या
12. लेबनॉन
13. भारत
14. फिलीपींस
15. जमैका

सबसे अधिक सुरक्षित देश

1. फिनलैंड
2. कतर
3. यूएई
4. आईसलैंड
5. ऑस्ट्रिया
6. लग्जमबर्ग
7. न्यूजीलैंड
8. सिंगापुर
9. ओमान
10. पुर्तगाल

एंड्राइड फोन हेतु देश का पहला सोलर पावर बैंक लॉन्च

किसने : यूआईएम्आई
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : पहला सोलर पावर बैंक
कब : 14 अक्टूबर, 2016

एंड्राइड फोन को चार्ज करने हेतु यूआईएम्आई नाम की कंपनी ने देश का पहला सोलर पावर बैंक लॉन्च किया है। यह देश का पहला पावर बैंक है जो सोलर एनर्जी से संचालित किया जाएगा।

सोलर पावर बैंक के बारे में–

- इस सोलर पावर बैंक की क्षमता 6000 एम्एएच (mAh) वाला यू 3 (U3) है।
- जिन क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध नहीं है या किसी कारण वश सुचारू नहीं है तो धूप में रखकर इसे चार्ज कर सकते हैं।
- गैजेट 360 की रिपोर्ट के अनुसार यह पावर बैंक कंपनी का पहला मेक इन इंडिया पावर बैंक है।
- इस पावर बैंक में एक पोर्ट और दो USB पोर्ट उपलब्ध कराया गया है।
- यह वाटर प्रूफ होने के साथ.साथ डस्ट प्रूफ भी है।
- इस बैंक से एक नहीं अपितु अनेक बार अपने फोन को चार्ज कर सकते हैं।

केंद्रीय कैबिनेट ने नई एथेनॉल पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की

किसने : केन्द्रीय कैबिनेट
क्या : नई एथेनॉल पॉलिसी को मंजूरी
कब : 13 अक्टूबर, 2016

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गन्ना आधारित एथनॉल के मूल्यों में संशोधन की नई व्यवस्था को मंजूरी प्रदान कर दी है। कैबिनेट के इस फैसले के बाद अब एथेनॉल की कीमत 42 रूपए लीटर से घटकर 39 रूपए प्रति लीटर हो जाएगी। एथेनॉल का इस्तेमाल पेट्रोल में मिश्रण के तौर पर किया जाता है। सरकार का यह मुक्त बाज़ार ढांचे की ओर कदम बढ़ाता है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की अध्यक्षता पीएम नरेन्द्र मोदी ने की।

मुख्य तथ्य–

- प्रभार के रूप में तेल विपणन कंपनियों ने निर्णय लिया कि उत्पाद शुल्क के मामलें में वैट या जीएसटी और परिवहन शुल्क इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान किया जाएगा।
- मौजूदा आर्थिक स्थिति और अन्य प्रासंगिक कारकों पर निर्भर इथेनॉल की कीमतों की उपयुक्त समीक्षा की जाएगी। एथेनॉल की आर्पूर्ति अवधि के दौरान सरकार दवारा किसी भी समय मूल्य संशोधित किया जाएगा।
- इथेनॉल की कीमतों में संशोधन से इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं के लिए कीमतों में स्थिरता और लाभकारी मूल्य प्रदान करने में सरकार को सुविधा होगी।

भारतीय वैज्ञानिकों ने ऊर्जा का उपयोग किये बिना पानी से बिजली बनाने में सफलता प्राप्त की

किसने : राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एनपीएल)
कहाँ : दिल्ली

क्या : बिजली बनने पर शोध

दिल्ली के राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एनपीएल) में वैज्ञानिकों ने बिना किसी बाहरी ऊर्जा का उपयोग किये बिजली बनाने में सफलता प्राप्त की। बिजली बनाने में जिन पदार्थो का उपयोग हुआ उसमें मुख्य रूप से नैनोपैरस मैग्नीशियम फेराइट, सिल्वर एवं जिंक शामिल हैं।

इस प्रक्रिया में नैनोपैरस मैग्नीशियम फेराइट द्वारा पानी को हाइड्रोनियम (एच3ओ) तथा हाइड्रोऑक्साइड (ओएच) में पृथक किया गया। सिल्वर एवं ज़िंक के उपयोग से पैदा हुए इलेक्ट्रोड सेल द्वारा बिजली बनाई जा सकी। इस टीम का नेतृत्व डॉ आर के कोटनाला द्वारा किया गया।

आठवां ब्रिक्स सम्मेलन गोवा में आयोजित हुआ

कौन : ब्रिक्स सम्मेलन

कहाँ : गोवा

कब : 15 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2016

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने 22 मार्च 2016 में घोषणा की कि आठवां ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका) सम्मेलन 15 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2016 को गोवा में आयोजित हुआ। समूह के पाँच देशों का दुनिया की आबादी में 42 प्रतिशत हिस्सा है और इनका कुल सकल घरेलू उत्पाद 16,000 अरब डालर से अधिक है।

भारत ने ब्रिक्स की अध्यक्षता रूस से 15 फरवरी को ग्रहण की जो 31 दिसंबर 2016 तक बरकरार रहेगी।

भारत की अध्यक्षता के लिए ब्रिक्स के लोगों और वेबसाइट का अनावरण भी किया गया। सम्मेलन का प्रतीक चिन्ह कमल है, जिसमें सभी पाँच देशों के रंग हैं और इसके बीच में पारंपरिक नमस्ते लिखा है।

ब्रिक्स की अध्यक्षता के लिए पाँच बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा जिसमें संस्था निर्माण, कार्यान्वयन, एकीकरण, नवोन्मेष और पुनर्गठन के साथ निरंतरता शामिल होगा।

अशोक लेलैंड ने भारत में पहली इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की

किसने : अशोक लेलैंड

क्या : भारत में पहली इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की

कब : 17 अक्टूबर, 2016

हिंदुजा समूह की लैगशिप अशोक लिलैंड ने 17 अक्टूबर, 2016 को भारत में पहली सर्किट इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की है। खास बात यह है कि इसका निर्माण भारत में हुआ है और इसकी डिजाइन भी भारत में बना है।

एचएफसी को खत्म करने के लिए हुआ किगाली समझौता

क्या : किगाली समझौता

कब : 15 अक्टूबर, 2016

170 से भी अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने 15 अक्टूबर 2016 को रवांडा के किगाली में शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैसों, हाइड्रोलोरोकार्बन्स (एचएफसी) के प्रयोग और उत्पादन में 2045 तक चरणबद्ध तरीके से कमी करने को सहमत हुए। समझौते में 1987 में ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों पर हुए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में संशोधन किया गया।

किगाली समझौता 2045 तक चरणबद्ध तरीके से शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैसों, हाइड्रोलोरोकार्बन्स (एचएफसी) के उत्पादन और उपयोग को खत्म करने के लिए बनाई गई समय-सारणी है। ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थो पर हुए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के पक्षों के बीच हुई 28वीं बैठक में समझौता हो पाया।

वर्ष 2050 तक विश्व के तापमान में संभावित 0.5 सेंटिग्रेट की बढ़ोतरी को रोकने की दिशा में यह एक कदम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सांग सू की ने तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए

किसने : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सांग सू की।

क्या : तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए

कब : 19 अक्टूबर, 2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सांग सू की ने 19 अक्टूबर 2016 को तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

ये दोनों देशो के कृषि, बिजली और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किया गया। म्यांमार के वित्तीय नियामक विभाग और भारतीय बीमा संस्थान के बीच हस्ताक्षर किए गए।

किसानों हेतु क्रोफार्म नामक स्टार्टअप का शुभारम्भ

कौन : क्रोफार्म
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : किसानों हेतु स्टार्टअप
कब : 19 अक्टूबर 2016

किसानों से सीधे सब्जी खरीदकर खुदरा दुकानों तक पहुँचाने हेतु वरूण खुराना ने 'क्रोफार्म' नामक स्टार्टअप कंपनी बनायी है। प्रशांत जैन के साथ मिलकर प्रारंभ की गयी कंपनी का मासिक कारोबार एक करोड़ रूपये के पार पहुँच चुका है। कंपनी का गठन इस वर्ष मई माह में किया गया।

वरूण खुराना कंपनी के सहसंस्थापक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। वर्तमान में कंपनी दिल्ली, मुंबई तथा बेंगलुरू में कारोबार कर रही है। इसके प्लेटफॉर्म से 14 हजार से ज्यादा किसान तथा 50 से ज्यादा किराना दुकान जुड़ चुके हैं।

विश्व का सबसे पुराना विमानवाहक पोत आईएनएस विराट सेवानिवृत

कौन : आईएनएस विराट
कहाँ : कोच्ची
क्या : सेवानिवृत
कब : 23 अक्टूबर, 2016

विश्व के सबसे पुराने एवं भारतीय नौसेना के सबसे विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विराट को 23 अक्टूबर, 2016 को कोच्ची में सेवानिवृत किया गया। आईएनएस विराट को सेवाओं से मुक्त करने हेतु मुंबई भेजा गया, जहां 29 अक्टूबर को इसकी अधिकारिक रूप से सेवानिवृति की जाएगी।

इसे ब्रिटिश सरकार की सहायता से तैयार किया गया था तथा यह पिछले पांच दशकों से देश की सेवा कर रहा था।

भारत ने कबड्डी विश्व कप-2016 जीता

किसने : भारतीय कबड्डी टीम
कहाँ : अहमदाबाद
क्या : विश्व कप जीता
कब : 22 अक्टूबर, 2016

भारत ने 22 अक्टूबर, 2016 को वर्ष 2016 का कबड्डी विश्व कप जीता। भारतीय टीम ने अनूप कुमार की कप्तानी में ईरान की टीम को 38–29 से हराया। फाइनल मुकाबला गुजरात के अहमदाबाद स्थित एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया में खेला गया। कबड्डी की इस प्रतियोगिता में यह भारत का तीसरा विश्व कप है।

कबड्डी विश्व कप–2016

- यह अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता थी जिसे प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- इस वर्ष इसका 7 से 22 अक्टूबर के मध्य अहमदाबाद में किया गया।
- इस प्रतियोगिता में 12 देशों की टीमों ने भाग लिया।
- सभी मैच अहमदाबाद में नवनिर्मित स्टेडियम एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया में आयोजित किये गये।
- प्रतियोगिता का प्रतीक चिन्ह एक शेर की कलाकृति था जिसे 14 सितंबर, 2016 को युवा एवं खेल मंत्री विजय गोयल दवारा जारी किया गया।

राजस्थान सरकार ने ओबीसी आयोग के पूर्णगठन हेतु अधिसूचना जारी की

किसने : राजस्थान सरकार
क्या : ओबीसी आयोग के पूर्णगठन हेतु अधिसूचना जारी की
कब : 19 अक्टूबर, 2016

राजस्थान उच्च न्यायालय की डबल बैंच ने 19 अक्टूबर 2016 को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को भंग कर दिया है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की ओर से जवाब नहीं देने पर दो दिन पहले ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक जैन को अवमानना मामले में एक माह के वेतन को दान करने के आदेश दिए थे।

रिलायंस जियो के आजीवन फ्री वॉइस कॉलिंग को ट्राई ने मंजूरी प्रदान की

किसने : रिलायंस जियो
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : आजीवन फ्री वॉइस कालिंग को ट्राई की मंजूरी
कब : 21 अक्टूबर, 2016

टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उसकी योजना आजीवन फ्री वॉइस कॉलिंग को मंजूरी प्रदान कर

दी। यह उद्योगपति मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनी है।

ट्राई की सहमति–

- भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार टेलिकॉम सेक्टर में आई, इस नई कंपनी का प्लान मौजूदा नियमों के अनुरुप है और यह भेदभावपूर्ण नहीं है।
- ट्राई ने इस संबंध में टेलिकॉम ऑपरेटरों को एक पत्र भी लिखा है।
- पत्र के अनुसार ट्राई में दाखिल किए गए टैरिफ प्लान को आईयूसी का पालन नहीं करने वाला, मनमानीपूर्ण और भेदभावपूर्ण नहीं माना जा सकता।
- टेलिकॉम ऑपरेटरों भारती एयरटेल, वोडाफोन और अन्य ने ट्राई से संपर्क कर रिलायंस जियो द्वारा दी जा रही फ्री कॉल सेवा का विरोध किया था।
- रिलायंस जियो के अनुसार फ्री लोकल, एसटीडी और नेशनल रोमिंग कॉल रिलायंस जियो के इस पैकेज का मुख्य उद्देश्य हमेशा के लिए ग्राहकों को फ्री कॉलिंग की सुविधा प्रदान करना है।
- गत माह रिलायंस जियो को लॉन्च करते हुए रिलायंस इंडस्ट्री के मालिक मुकेश अंबानी ने इस आशय की घोषणा की थी।
- घोषणा के अनुसार जियो अपने ग्राहकों को इंटरनेट आधारित वॉइस कॉलिग की सुविधा आजीवन मुत प्रदान करेगी।
- टेलिकॉम ऑपरेटरों को अपने नेटवर्क से बाहर जाने वाले हर एक कॉल पर जिस नेटवर्क पर कॉल किया जा रहा है उस नेटवर्क को प्रति मिनट 14 पैसे की दर से रुपया देना होता है।

चीन ने माइक्रो सेटेलाईट बैंक्सिंग.2 का प्रक्षेपण किया

किसने : तियानगोंग–2
कहाँ : चीन
क्या : माइक्रो सेटेलाईट
कब : 23 अक्टूबर, 2016

चीन के अन्तरिक्ष अनुसंधान केंद्र तियानगोंग – 2 ने 23 अक्टूबर, 2016 को माइक्रो सेटेलाईट बैंक्सिंग – 2 का सफल प्रक्षेपण किया। इसका आकार किसी कंप्यूटर के साधारण प्रिंटर जितना है। फ़िलहाल तियानगोंग – 2 दो अन्तरिक्ष यात्रियों के साथ पृथ्वी का चक्कर लगा रहा है।

बैंक्सिंग–2

- इसका वजन 47 किलोग्राम है। इसमें विज़िबल लाइट कैमरा, 25 मेगापिक्सल का एक कैमरा तथा वृहद लेंस भी लगाया गया है।
- इसका मिशन तियानगोंग – 2 की फोटो लेना है तथा शेंजो 11 स्पेसक्राट की तस्वीरें लेना भी इसका उद्देश्य है।
- इस सेटेलाईट को मीडिया ने सेल्फी स्टिक का नाम दिया है। इसमें एक इन्फ्रारेड कैमरा भी लगा है जो तापमान सेंसिटिव है।
- तीन सोलर पैनलों की सहायता से यह इतनी ऊर्जा एकत्रित कर लेता है यह ऑर्बिट में रहकर लैब को फोटो भेज सकता है।
- शेंज़ोऊ–11 स्पेसक्राट में दो अन्तरिक्षयात्री भी सवार हैं। यह प्रक्षेपित किये जाने के दो दिन बाद तियानगोंग–2 से जाकर जुड़ा।
- वर्ष 2008 में बैंक्सिंग–1 प्रक्षेपित किया गया था।

विश्व बैंक के सर्वेक्षण में भारत को 130वां स्थान

किसने : भारत
कहाँ : विश्व बैंक
क्या : 130वां स्थान
कब : 25 अक्टूबर, 2016

विश्व बैंक की ईकाई अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठन द्वारा 25 अक्टूबर, 2016 को जारी रिपोर्ट के अनुसार व्यापार करने की दृष्टि से भारत 130वें पायदान पर है। वर्ष 2015 में भारत का स्थान 131वाँ था।

इस सर्वेक्षण में 190 देशों ने भाग लिया था जिसमें भारत की स्थिति में विशेष सुधार दर्ज नहीं हुआ। इस सूची में न्यूजीलैंड को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है। इस सूची में भारत को 55.27 अंक मिले जबकि पिछले वर्ष यह 53.93 अंक थे।

विभिन्न मानदंडों में भारत की रैंकिंग

1. व्यापार करने में आसानी में– 130
2. व्यापार आरंभ करने में– 139
3. निर्माण अनुमति में– 135
4. विद्युत सुविधा प्राप्त करने में– 122
5. प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री में– 103

6. लोन प्राप्त करने में– 118
7. अल्पसंख्यक निवेशकों के हितों में– 145
8. कर चुकानें में– 67
9. सीमापार व्यापार में– 134
10. कॉन्ट्रैक्ट्स पर अमल में– 127
11. इनसॉल्वेंसी को सही करने में– 14

हाजी अली दरगाह में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति

कौन : हाजी अली दरगाह
क्या : मुख्य स्थल में महिलाओं को भी प्रवेश की अनुमति
कब : 24 अक्टूबर, 2016

मुंबई की हाजी अली दरगाह ट्रस्ट ने 24 अक्टूबर, 2016 को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि पुरूषों की तरह महिलाओं को भी दरगाह के गर्भ गृह के मुख्य स्थल तक जाने की अनुमति देगा।

घटनाक्रम

नवम्बर 2016

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में, सौर सुजला योजना' का शुभारंभ किया

कौन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
क्या : 'सौर सुजला योजना'
कहाँ : छत्तीसगढ़
कब : 1 नवम्बर, 2016

छत्तीसगढ़ के 16वें स्थापना दिवस समारोह पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रायपुर में महत्वाकांक्षी सौर सुजला योजना का शुभारंभ किया।

सौर सुजला योजना के बारे में–

- सौर सुजला योजना के माध्यम से किसानों को अत्यधिक सब्सिडी पर सौर ऊर्जा से चलने वाले पानी के पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।
- इस योजना से प्रदेश के 51 हजार किसानों को फायदा होगा।
- योजना में साढ़े तीन से साढ़े चार लाख रूपये कीमत के सौर ऊर्जा प्रणाली से संचालित सिंचाई पम्प किसानों को केवल दस से बीस हजार रुपये में ही उपलब्ध कराए जाएंगे।
- प्रथम वर्ष 2016–17 में 11 हजार किसानों को सौर ऊर्जा पंप आबंटित किया जाएगा।
- इसमें उन किसानों को चिन्हित किया जाएगा, जिनके खेतों में अभी तक बिजली नही पहुंची है।
- मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के अनुसार सिंचाई सुविधा देने हेतु किसानों को 3 एचपी और 5 एचपी के पंप भी आवंटित किए जाएंगे।
- राज्य एवं केंद्र शासन सिंचाई पंप के लिए 283.28 करोड़ रुपए का अनुदान देगा।
- 3 एचपी का पंप अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को 7 हजार रुपए में अन्य पिछड़ा वर्ग के किसान को 12 हजार रुपए में और सामान्य वर्ग के किसानों को 18 हजार रुपए में दिया जाएगा।
- 5 एचपी के पंप अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के किसान को 10 हजार रुपए में, अन्य पिछड़ा वर्ग के किसान को 15 हजार और सामान्य वर्ग के किसान को 20 हजार रुपए में दिए जाएंगे। इस पंप की वास्तविक कीमत साढ़े चार लाख रुपया है।

भारतीय सेना ने डेमचोक मिशन पूरा किया

कौन : भारतीय सेना
कहाँ : डेमचोक
क्या : मिशन पूर्ण
कब : 06 नवम्बर, 2016

भारतीय सेना ने 6 नवम्बर, 2016 को सफलतापूर्वक डेमचोक मिशन पूरा किया। इस मिशन के अंतर्गत लद्दाख के पूर्वी क्षेत्र डेमचोक में सिंचाई के लिए पानी की पाइपलाइन बिछाई गयी। इस दौरान चीनी सेना द्वारा विरोध भी जताया गया लेकिन भारतीय सेना ने मिशन में सफलता हासिल की। यह परियोजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत पूरी की गयी।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का शुभारंम्भ किया

कौन : केंद्र सरकार
कहाँ : देश में
क्या : सुरक्षित मातृत्व अभियान का शुभारंम्भ
कब : 07 नवम्बर, 2016

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 07 नवम्बर, 2016 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' शुरू किया है। यूनिसेफ के सहयोग से संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध

करवाने हेतु निजी चिकित्सकों को भी अभियान में शामिल किया गया है।

भारत में गर्भावस्था से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के कारण प्रत्येक 12 मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है। इसके तहत हर माह की नौ तारीख को डॉक्टरों की टीम घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच करेगी।

सरकार ने 500 व 1000 रूपये के नोट पर 08 नवंबर, 2016 मध्यरात्रि से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की

कौन : केंद्र सरकार
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : 500 व 1000 रुपये के नोट पर प्रतिबंध लगाया
कब : 08 नवंबर, 2016
क्यों : नकली नोटों पर लगाम व काला धन को बाहर लाने के लिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 व 1000 रुपये के नोट के चलन पर 08 नवंबर, 2016 मध्यरात्रि से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इस संबंध में 08 नवंबर, 2016 को विशेष देशव्यापी टेलीविजन प्रसारण के माध्यम से घोषणा की गयी।

महत्वपूर्ण तथ्य

- 08 नवंबर, 2016 की मध्य-रात्रि से बैन लागू।
- वर्तमान नोट को सिर्फ बैंक खातों या पोस्ट ऑफिस में जमा कराया जा सकता है।
- नोटों को 09 नवंबर-30 दिसंबर के मध्य बदला जा सकता है।
- एटीएम के माध्यम से सिर्फ 2000 रुपये प्रतिदिन निकाला जा सकता है, बाद में यह 4000 रुपये प्रतिदिन हो जाएगा।
- गैर.नकदी लेन-देन इससे अप्रभावित रहेगा।
- एटीएम 09 व 10 नवंबर को बंद रहेंगे।
- सभी बैंक 09 नवंबर को बंद रहेंगे।

"स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017" की शुरूआत

क्या : स्मार्ट इंडिया हैकाथन की शुरूआत
किसने : मानव संसाधन विकास मंत्रालय
कब : 9 नवम्बर 2016

राष्ट्र निर्माण में छात्रों द्वारा डिजिटल सहयोग प्रदान करने के विश्व के सबसे बड़े प्रयास का उद्घाटन 9 नवम्बर 2016 को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने किया। इस अनूठे प्रयास को नाम दिया गया है "स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017"। स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017 भारत सरकार द्वारा 9 नवम्बर 2016 को शुरू किए गए उस डिजिटल प्रयास को दिया गया नाम है जिसके तहत देश के समस्त समस्याओं को सुलझाने के लिए देश के छात्र डिजिटल उपाय सुझाएंगे।

- केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इस अनूठे प्रयास के तहत विभिन्न मंत्रालयों द्वारा मिली 250 समस्याओं के सेट को 9 नवम्बर 2016 को जारी कर दिया।
- अब वर्ष 2016 के प्रारंभ में आयोजित होने वाले इस आयोजन में छात्र समस्याओं को सुलझाने के लिए अपने–अपने डिजिटल उपाय सुझायेंगे। बाद में इस आयोजन में कुल समस्याओं की संख्या बढकर 500 तक हो जायेगी।
- इस आयोजन में भाग लेने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आईआईटी (IITs) तथा एनआईटी (NITs) संस्थानों के अलावा देश के सुदूरतम कोनों में रहने वाले छात्र समुदायों का अह्वान भी किया है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीता

कौन : डोनाल्ड ट्रम्प
कहाँ : अमेरिका
क्या : अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव
कब : 8 नवम्बर, 2016

अमेरिका में 8 नवम्बर 2016 को राष्ट्रपति चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार **डोनाल्ड ट्रम्प** विजयी रहे। वे **अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति** बनेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप (70 वर्षीय) को 276 इलेक्टॉरल वोट मिले जबकि पहली महिला राष्ट्रपति प्रत्याशी हिलेरी क्लिंटन (69 वर्षीय) को 218 इलेक्टॉरल वोट मिले। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को 270 इलेक्टॉरल वोटों की आवश्यकता होती है।

परिणाम के आरंभ में हिलेरी क्लिंटन ने बढ़त बनाई थी लेकिन आगे चलकर डोनाल्ड ट्रम्प के नतीजों ने मजबूती दिखाई। डोनाल्ड ट्रम्प ने ओहियो और लोरिडा जैसे राज्यों में भी जीत दर्ज की जबकि हिलेरी क्लिंटन को डेलावेयर, इलिनॉयस, मैरीलैन्ड, मैशासुचेटस, न्यू जर्सी, रोड आईजलैंड और कोलंबिया में जीत प्राप्त हुई।

वर्ष 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में लोगों ने विशेष उत्साह दिखाया, इस दौरान चुनाव में लगभग 20 करोड़ लोगों ने मतदान किया, अमेरिकी चुनाव प्रणाली के पहले ही मतदान करने के प्रावधान का

प्रयोग करते हुए 4.2 करोड़ लोग पहले ही वोट डाल चुके हैं।

दुनिया का पहला सिंथेटिक नैनो रोबोट विकसित

किसने : डॉ जिनपाओ तांग
कहाँ : बीजिंग
क्या : सिंथेटिक नैनो रोबोट
कब : 10 नवम्बर, 2016

वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला प्रकाश संचालित सिंथेटिक नैनो रोबोट विकसित किया है, इससे चिकित्सक को रोगियों के शरीर से ट्यूमर को खत्म करने और बेहतर उपचार करने में मदद मिल सकती है।

सिंथेटिक नैनो रोबोट को हांगकांग यूनिवर्सिटी के डॉ. जिनयाओ तांग के नेतृत्व में विकसित किया गया है।

सिंथेटिक नैनो रोबोट के बारे में –

- यह मानव बाल से भी 50 गुना छोटा है।
- इसे संचालित करने के लिए प्रकाश का इस्तेमाल किया गया है।
- यह रोबोट खून की कोशिका के बराबर है।
- इसे रोगी के शरीर में पहुंचाया जा सकता है।
- रोबोट को महज कुछ माइक्रोमीटर का आकार दिया गया।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री युवा योजना आंरभ की

कौन : कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
क्या : प्रधानमंत्री युवा योजना
कब : 09 नवम्बर, 2016

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा 9 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री युवा योजना आरम्भ की। इसका उद्देश्य युवा लोगों में उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

68 वर्ष बाद पृथ्वी के बेहद करीब दिखा सुपरमून

कहाँ : एशिया
क्या : सुपरमून
कब : 14 नवम्बर, 2016

वर्ष 1948 के बाद चन्द्रमा पहली बार पृथ्वी के इतना नदजीक दिखाई दिया। एशिया में 14 नवंबर 2016 को सुपरमून का नजारा देखने को मिला। इस समय चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी 2 लाख 21 हजार 524 मील थी (356509 किलोमीटर)।

पिछले 68 वर्षों में एशिया में पहली बार इस प्रकार का नज़ारा देखने को मिला। इसके उपरांत 25 नवम्बर 2034 को फिर से सुपरमून दिखाई देगा। इस अवसर पर यह अब की तुलना में और भी करीब होगा। उस समय इसकी दूरी लगभग 2 लाख 21 हजार 485 मील होगी।

टाटा ग्लोबल बेवरेजेज के अध्यक्ष पद से साइरस मिस्त्री हटाए गए

कौन : साइरस मिस्त्री
क्या : टाटा ग्लोबल बेवरेजेज के अध्यक्ष पद से हटाए गए
कब : 15 नवंम्बर, 2016

टाटा ग्लोबल बेवरेजेज के बोर्ड ने साइरस मिस्त्री को कंपनी के अध्यक्ष पद से हटाने के लिए 15 नवंबर 2016 को वोट किया।

बोर्ड ने वोट कर हरिश भट्ट को कंपनी का नया अध्यक्ष बनाया। भट्ट कपंनी के बोर्ड में गैर–कार्यकारी निदेशक हैं।

यह दूसरी बार हैं जब मिस्त्री को टाटा की इकाई से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इससे पहले, टाटा कंसल्टेस सर्विसेस (टीसीएस) ने उन्हें पद से हटाते हुए ईशांत हुसैन को कंपनी का अंतरिम अध यक्ष नियुक्त किया था।

मानव रहित रूस्तम–2 का पहला सफल परीक्षण

क्या : मानव रहित विमान रूस्तम–2 परीक्षण
कब : 16 नवम्बर, 2016

भारत के लड़ाकू क्षमता वाले देशी ड्रोन रूस्तम–2 ने 16 नवम्बर 2016 को अपना पहला सफल परिक्षण पूरा किया। इसका परीक्षण बैंगलूर से करीब 250 किलोमीटर दूर चित्रदुर्ग में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज से किया गया।

यह टेस्ट रेंज मानवरहित यानों तथा मानवविमानों के परीक्षण के लिए नवविकसित उड़ान परीक्षण स्थल है। यह मानवरहित वायुयान है, इससे भारत के विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहन मिला है।

इसका परीक्षण डीआरडीओ के युवा वेज्ञानिकों की एक टीम ने किया इसमें सशस्त्र बलों के पायलटों ने सहयोग किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हर घर बिजली लगातार योजना का उद्घाटन किया

कौन : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार
क्या : हर घर बिजली लगातार योजना का उद्घाटन किया
कब : 15 नवम्बर, 2016

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 नवम्बर, 2016 को सात निश्चय के तहत हर घर बिजली लगातर योजना की शुभारंभ की, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 40.83 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने 440 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली के लक्ष्य को दो साल में पूरा कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में ''सभी के लिए आवास'' योजना का शुभारंभ किया

किसने : प्रधानमंत्री
क्या : ग्रामीण क्षेत्रों में ''सभी के लिए आवास'' योजना का शुभारंभ किया
कब : 20 नवम्बर, 2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 नवम्बर, 2016 को ग्रामीण क्षेत्रों में ''सभी के लिए आवास'' योजना का शुभारंभ किया। यह योजना का शुभारंभ आगरा से किया गया।

हालांकि सभी ग्रामीण परिवारों को वर्ष 2022 तक पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित व पक्के घर उपलब्ध कराने का प्रावधान है, लाभार्थी की इच्छा पर ₹ 70,000 की राशि के ऋण का भी प्रावधान है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यू पी-100 योजना का शुभारंभ किया

किसने : अखिलेश यादव
क्या : यूपी–100 योजना का शुभारंभ किया
कब : 19 नवम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 19 नवम्बर, 2016 को बहुप्रतीक्षित परियोजना यूपी–100 योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत किसी भी तरह की समस्या होने पर पुलिस शहरों में 15 मिनट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिनट में मदद के लिए पहुंचेगी।

इस योजना के तहत पुलिस 24 घंटे और सातों दिन जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेगी, परियोजना को सबसे पहले 11 जिलों में लॉन्च किया जा रहा है।

ये 11 जिले निम्न है :

लखनऊ, इलाहाबाद, कानपुर, मेरठ, आगरा, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, मुरादाबाद, रामपुर तथा झांसी हैं।

सभी जिलों को 15 दिसंम्बर 2016 तक परियोजना के दायरे में शामिल कर लिया जाएगा।

मैग्नस कार्लसन ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप का ख़िताब जीता

किसने : मैग्नस कार्लसन
क्या : विश्व शतरंज चैंपियनशिप का ख़िताब जीता
कब : 30 नवम्बर, 2016

मैग्नस कार्लसन ने 30 नवम्बर, 2016 को रूसी चैलेंजर सर्जेइ कर्जाकिन को में हराकर लगातार तीसरी बार विश्व शतरंज चैंपियनशिप का ख़िताब जीता लिया, इससे पहले कार्लसन ने फिड़े की चैम्पियनशिप वर्ष 2013 और 2014 में भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर जीती थी।

घटनाक्रम

दिसम्बर 2016

तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे जयललिता का निधन

कौन : जयललिता
कहाँ : चेन्नई
क्या : निधन
कब : 05 दिसंबर, 2016

तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे.जयललिता का निधन 5 दिसंबर, 2016 को चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में हो गया, वह 68 वर्ष की थी, जयललिता को कार्डियक अरेस्ट होने की वजह से आईसीयू में दाखिल किया गया था।

जयललिता लगभग ढाई महीने से चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में दाखिल थी, उन्हें तब फेफड़ों में सक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जे.जयललिता का जन्म 24 फ़रवरी वर्ष 1948 को मैसूर राज्य के मांडया जिले के पांडपुरा तालुक के मेलुरकोट गांव में हुआ था।

ओ पन्नीरसेल्लन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की

कौन : ओ पन्नीरसेल्लन
कहाँ : तमिलनाडु
क्या : मुख्यमंत्री नियुक्त
कब : 5 दिसम्बर, 2016

ओ पन्नीरसेल्वन ने 5 दिसम्बर, 2016 को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। उन्होंने ए आई एडी एम के की प्रमुख तथा तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता के स्थान पर पद ग्रहण किया, गौरतलब है कि जयललिता का हाल ही में निधन हो गया।

गवर्नर चौधरी विद्यासागर राव की देख–रेख में शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ, इसके अतिरिक्त 31 अन्य कैबिनेट सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। पन्नीरसेल्वन तीसरी बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने, इससे पूर्व उन्होंने 2001–02 तथा 2014–2015 तक मुख्यमंत्री पद संभाला।

पीटर गिलक्रिस्ट ने विश्व बिलियड्र्स चैंपियनशिप ख़िताब जीता

कौन : पीटर गिलक्रिस्ट
कहाँ : बेंगलुर
क्या : विश्व बिलियड्र्स चैंपियनशिप ख़िताब जीता
कब : 08 दिसम्बर, 2016

बेंगलुर में आयोजित आइ बी एस एफ विश्व बिलियड्र्स चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में 8 दिसम्बर 2016 को पीटर गिलक्रिस्ट ने सौरव कोठारी को हराकर विश्व चैंपियनशिप ख़िताब जीता, बिलक्रिस्ट ने सौरभ को 1500-617 स्कोर से हराया।

वरदा तूफान ने तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश में भीषण तबाही मचाई

क्या : वरदा तुफान से तबाही
कहाँ : आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु
कब : 12 दिसंम्बर, 2016

दक्षिण भारत के राज्यों तमिलनाडु तथा आंध्र प्रदेश में वरदा नामक तूफान ने भीषण तबाही मचाई, इस भीषण तूफान ने 12 दिसंबर 2016 को तटीय क्षेत्रों को प्रभावित किया जिसमें विशेष रूप से पुलिकत लेक के नजदीक के क्षेत्र शामिल हैं।

इस तूफान से चेन्नई, आंध्र प्रदेश का नेल्लोर जिला तथा कर्णाटक का बेंगलुरु क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हुए।

राज्यसभा में निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 पारित हुआ

कहाँ : नयी दिल्ली
क्या : निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 पारित
कब : 14 दिसम्बर, 2016

राज्यसभा में 14 दिसम्बर, 2016 को निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 (Right of Persons with Disabilities Bill, 2014) ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 (Right of Persons with Disabilities Bill, 2014) संयुक्त राष्ट्र समझौते के अनुरूप है। विधेयक में दिव्यांग जनों के साथ भेदभाव करने को दंडनीय बनाया गया है।

एसिड अटैक की पीड़िताएं भी अब दिव्यांगों में शामिल हो गई हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत के अनुसार यह विधेयक दिव्यांगजनों को समाज में सम्मानीय स्थान दिलाने में सहायक होगा।

दिव्यांगों के साथ भेदभाव करने वाले अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का प्रावधान विधेयक में पहली बार किया गया है। विधेयक को सरकार ने 120 सशोधनों के साथ सर्वसम्मति से पारित किया।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान यात्रा

कौन : नरेन्द्र मोदी
कहाँ : जापान
कब : 10–12 नवम्बर, 2016

जापान के साथ भारत की वार्षिक शिखर वार्ता के सिलसिले में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10–12 नवम्बर 2016 को तीन दिन की जापान यात्रा की।

मुख्य बिन्दु :

- दिसम्बर 2015 में स्वीकार किए गए भारत एवं जापान विज़न 2025 की भावनाओं के तहत् सामरिक एवं ग्लोबल भागीदारी की समीक्षा।
- दक्षिण चीन सागर का मुद्दा भी वार्ता में उठा।
- किसी भी देश का नाम लिए बिना सीमापारय आतंकवादी गतिविधियों को रोकने तथा आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों को समाप्त करने पर सहमति दोनों पक्षों ने व्यक्त की।
- नागरिक सहयोग हेतु नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र का समझौता। इस समझौते से भारत के लिए जापान की नाभिकीय प्रौद्योगिकी व नाभिकीय रिएक्टरों के भारत के लिए निर्यात का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जिन अन्य समझौता पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए, उनमें कौशल विकास, अंतरिक्ष विज्ञान, सामुद्रिक एवं पृथ्वी विज्ञान, कृषि एवं खाद्य

उद्योग, टेक्सटाइल्स, सांस्कृतिक आदान-प्रदान व खेलों में सहयोग के समझौते शामिल हैं।

पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौता प्रभावी

क्या : पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौता प्रभावी
कब : 4 नवम्बर, 2016

ग्लोबल वार्मिंग पर अंकुश के लिए पेरिस में दिसम्बर 2015 में सर्वसम्मति से स्वीकर किया गया संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन समझौता (United Nations Framework Convention on Climate Change - UNFCCC) 4 नवम्बर, 2016 से लागू हो गया है ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कम.से.कम 55 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले कम-से-कम 55 देशों द्वारा औपचारिक पुष्टि (Ratification) इस समझौते के प्रभावी होने के लिए आवश्यक थी, यह आवश्यक शर्त 5 अक्टूबर, 2016 को पूरी हो गई थी, जिसके 30 दिन बाद 4 नवम्बर, 2016 से यह समझौता प्रभावी हो गया है।

ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर अंकुश लगाकर ग्लोबल वार्मिंग को औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से अधिकतम 2 डिग्री सेल्सियस नीचे (यदि सम्भव हुआ, तो 1.5 डिग्री नीचे) रखने का उद्देश्य इसमें निर्धारित किया गया है, इसके लिए विकासशील देशों को वित्तीय सहायता विकसित देशों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस समझौते पर हस्ताक्षर की कार्यवाही 22 अप्रैल, 2016 (पृथ्वी दिवस) को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शुरू हुई थी, 21 अप्रैल, 2017 तक खुली रहेगी। भारत सहित 175 देशों ने पहले ही दिन इस पर हस्ताक्षर कर दिए थे तथा 10 नवम्बर, 2016 तक यह संख्या 193 हो गई थी।

फोर्ब्स सूची में दुनिया के 9 वें सबसे ताकत वर व्यक्ति नरेंद्र मोदी

कहाँ : न्यूयार्क
क्या : फोर्ब्स सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्थान 9 वाँ
कब : 15 दिसंबर, 2016

फोर्ब्स के अनुसार 1.3 बिलियन की जनसंख्या वाले राष्ट्र में नरेंद्र मोदी भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में काफी चर्चित हैं। इन्होंने बाराक ओबामा तथा शी चिनफिंग के साथ आधिकारिक भेंट के कारण एक वैश्विक नेता के रूप में ख्याति प्राप्त की।

मैगजीन फोर्ब्स के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए नोटबंदी लागू की। फोर्ब्स द्वारा जारी 10 सबसे शक्तिशाली लोगो की सूची–

1. ब्लादिमीर पुतिन (रुस के राष्ट्रपति)
2. डोनाल्ड ट्रंप (अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति)
3. एंगेला मर्केल (जर्मनी की चांसलर)
4. शी चिनकिंग (चीन के राष्ट्रपति)
5. पोप फ्रांसिस (वेटिकन के पोप)
6. जेनेट एलन (बोर्ड ऑफ गर्वनर्स आफ द फेडरल रिजर्व सिस्टम की प्रमुख)
7. बिल गेट्स (माइक्रोसॉट के सह संस्थापक)
8. लैरी पेज (गूगल के सह-संस्थापक)
9. नरेन्द्रमोदी (भारत के प्रधानमंत्री)
10. मार्क जकरबर्ग (फेसबुक के सी ई ओ)

सुप्रीम कोर्ट का हाइवे पर शराब की दुकानें बंद करने का निर्देश

कौन : सुप्रीम कोर्ट
क्या : राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानों को बंद करना
कहाँ : राष्ट्रीय राजमार्ग
कब : 15 दिसंबर, 2016

सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 दिसंबर, 2016 को जारी निर्देश में कहा गया है कि राष्ट्र के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों एवं राज्यमार्गों पर शराब की दुकानें हटा ली जाएँ। आदेशानुसार हाईवे से 500 मी. की दूरी पर शराब की बिक्री नहीं की जानी चाहिए। इस निर्देश का पालन 1 अप्रैल, 2017 से किया जाना चाहिए। जिन दुकानदारों के पास लाइसेंस हैं वे 31 मार्च 2017 तक दुकानें चला सकते हैं, इसके बाद उन्हें यह दुकानें बंद करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टी एस ठाकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह निर्देश जारी किया।

भारत–रूस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास इंदिरा नेवी 2016 आरंभ

कौन : भारतीय और रूसी नौसेना
कहाँ : बंगाल की खाड़ी
क्या : नौ सैनिक अभ्यास
कब : 14 दिसंबर, 2016

भारत और रूस के मध्य इंदिरा नेवी का नौवाँ संस्करण 14 दिसंबर, 2016 को बंगाल की खाड़ी में आरंभ हुआ। यह द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 21 दिसंबर को समाप्त होगा।

इस अभ्यास को मुख्य उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के मध्य बेहतर तालमेल स्थापित करना तथा समुद्री सुरक्षा के लिए उन्हें प्रशिक्षित करना है।

यह अभ्यास दो चरणों में संपन्न होगा – हार्बर चरण (14-18 दिसंबर, 2016) एवं समुद्री चरण (19-21 दिसंबर, 2017)

भारतीय नौसेना की ओर से पी 8 आई लांग रेंज समुदी पेट्रोल एयरक्राट, हॉक एडवांस जेट ट्रेनर, शार्ट रेंज पेट्रोल एयर क्राप्ट एवं रोटरी विंग हेलिकॉप्टर।

रूस की ओर से पैसिफिक लीट, रियर एडमिरल एडुअर्ड मिखालोव, डिप्टी चीफ ऑफ लोतिला।

पाकिस्तान ने बाबर क्रूज़ मिसाइल का सफल परीक्षण किया

कौन : बाबर क्रूज मिसाइल
कहाँ : पाकिस्तान
क्या : सफल परीक्षण
कब : 14 दिसंबर, 2016

पाकिस्तान ने स्वदेश निर्मित बाबर क्रूज मिसाइल के नवीनतम संस्करण का 14 दिसंबर, 2016 को सफल परीक्षण किया। मिसाइल में अत्याधुनिक एयरोडायना मिक्स लगाए गए हैं ताकि यह जमीन एवं समुद्र में सटीक निशाना लगा सकें। इसकी मारक क्षमता 700 किमी तक है। यह कम ऊँचाई पर उड़ान भर सकती है। जिमसे यह राडार से बचकर हथियार ले जा सकती है। यह डी. एस एम ए सी और टेरकाम की अत्याधुनिक दिशासूचक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है।

एंडी मरे और केर्बर ने पहली बार विश्व चैंपियंस पुरस्कार जीता

कौन : एंडी मरे और केर्बर
कहाँ : लंदन
क्या : पहली बार विश्व चैंपियंस पुरस्कार 2016 जीता
कब : 14 दिसंबर, 2016

अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आई टी एफ) ने विश्व के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी ब्रिटेन के एंडी मरे और रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता जर्मनी की एंजेलिक केर्बर को वर्ष 2016 का विश्व चैंपियंस पुरस्कार 2016 दिए जाने की घोषणा की है।

पुरुष युगल का विश्व चैंपियंस पुरस्कार रियो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी एंडी मरे के भाई जैमी मरे और ब्राज़ील के ब्रूनो सो आरेस ने जीता।

मरे ने इस वर्ष नौ खिताब अपने नाम कर चुके हैं। मरे ने इस वर्ष के आखिर में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर विश्व रैकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने अत्याधुनिक सुविधायुक्त 'हमसफर एक्सप्रेस' ट्रेन का सुभारंभ किया

कौन : रेलमंत्री सुरेश प्रभु
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : हम सफर एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ
कब : 16 दिसंबर, 2016

दिल्ली (आनंद बिहार) से गोरखपुर के मध्य 16 दिसंबर, 2016 से चलने वाली नई श्रेणी की हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने हेतु यात्री को मेल एक्सप्रेस की अपेक्षा दोगुना भुगतान देना पड़ेगा

- यह सप्ताह में दो बार संचालित होगी।
- इसमें चाय, सूप वेंडिंग मशीन, सीसीटीवी कैमरा, रेफ्रिजरेटेड पैंट्री तथा अन्य सुविधाएँ भी मौजूद हैं।
- जीपीएस आधारित पैसेंजर्स इंफारमेशन सिस्टम, फायर तथा स्मोक डिटेक्शन और सप्रेशन सिस्टम, लैपटॉप चार्जिंग प्वांइट आदि की व्यवस्था होगी।
- इसमें लेक्सी किराया प्रणाली होगी अर्थात कम होती सीटों के साथ बढ़ता किराया। पूर्णरूप से एस.3 वाली इस ट्रेन की आरंभिक 50% सीटों का किराया मेल-एक्सप्रेस ट्रेन के इसी श्रेणी किराए की अपेक्षा 1.5 गुना अधिक होगा।
- साधारण मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी.3 का किराया लगभग 960 ₹ हमसफर ट्रेन में शुरूआती 50% सीटों पर बेस फेयर 1030 ₹ और टोटल फेयर 1165 ₹ निर्धारित किया गया है। शेष बची 50% सीटों पर किराया सीटों की उपलब्धता के आधार पर बढ़ता रहेगा।
- अंतिम 10% सीट दोगुनी कीमत पर बुक की जाएगी।

सुनील अरोड़ा आई. आई. सी.ए के महानिदेशक नियुक्त

कौन : सुनील अरोड़ा
कहाँ : आई आई सी ए

क्या : महानिदेशक नियुक्त
कब : 15 दिसंबर, 2016
पूर्व सूचना एवं प्रसारण सचिव सुनील अरोड़ा 15 दिसंबर 2016 को भारतीय कार्पोरेट संस्थान (IICA) के महानिदेशक नियुक्त किए गए।
अरोड़ा की नियुक्ति मंत्रिमंडल नियुक्ति समिति द्वारा मंजूर की गई। वे आगामी पाँच वर्ष अथवा 65 वर्ष तक की आयु तक के इस पद पर नियुक्त रहेंगे।

वायुसेना अधिकारी धार्मिक आधार पर दाढ़ी नहीं रख सकतेः सर्वोच्च – न्यायालय

कौन : सर्वोच्च–न्यायालय
कहाँ : नई दिल्ली
क्या : वायु सैनिक/कर्मचारी दाढ़ी नहीं रखेंगे
कब : 15 दिसंबर, 2016

- सर्वोच्च न्यायालय ने 15 दिसंबर 2016 को एक निर्णय दिया कि भारतीय वायुसेना के कर्मचारी/अधिकारी धार्मिक कारणों से दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते।
- न्यायमूर्ति डी. वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की बेंच ने यह निर्णय दिया।
- इस मामले में मुस्लिम कर्मचारियों के दाढ़ी रखने पर रोक लगाने संबंधी 24 फरवरी, 2013 के भारतीय वायुसेना के गोपनीय आदेश को चुनौती दी गई थी।

भारत ने बेल्जियम को हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप खिताब जीता

कौन : भारतीय जूनियर हॉकी टीम
कहाँ : लखनऊ
क्या : जूनियर हॉकी विश्वकप जीता
कब : 18 दिसंबर, 2016
भारतीय हॉकी टीम ने 18 दिसंबर 2016 को लखनऊ स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित जूनियर विश्व कप हॉकी फाइनल मुकाबले में बेल्जियम की टीम को 2-1 से हराकर खिताब जीता। भारतीय टीम ने 15 वर्ष वाद जूनियर हॉकी विश्व कप खिताब जीता है। टूर्नामेंट में जर्मनी तीसरे स्थान पर रहा।

भारत ने छः देशों के साथ खुला आकाश समझौतों पर हस्ताक्षर किया

कौन : भारत
क्या : छः देशों के साथ खुला आकाश समझौता
कहाँ : नसाऊ
इसमें गुयाना, चेक गणराज्य, जमैका, फिनलैंड़ स्पेन तथा श्रीलंका शामिल हैं। खुला आकाश समझौते में छः महानगरों जैसे– मुम्बई, हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई स्थित हवाई अड्डों तक असीमित संख्या में उड़ानों की अनुमति दी गई हैं। नई व्यवस्था से भारत तथा इन देशों के बीच कनेक्टिविटी के साथ-साथ यात्रियों के सफर को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। नए हवाई सेवा समझौतों पर जमैका और गुयाना के साथ हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का शुभारंभ

कौन : भारत सरकार
क्या : प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना
कहाँ : नई दिल्ली
कब : 17 दिसंबर, 2016
केन्द्र सरकार ने कालाधन को सफेद कराने के लिए एक नई योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत कालेधन को 50% टैक्स देकर सफेद किया जा सकता है यह योजना 31 मार्च, 2017 तक रहेगी

भारत और ताजिकिस्तान ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए

कौन : भारत और ताजिकिस्तान
क्या : चार समझौतों पर हस्ताक्षर
कब : 17 दिसंबर, 2016
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ताजिकिस्तान राष्ट्रपति एमोमली रहमान ने नेतृत्व में निम्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए
(i) धन शोधन संबंधी
(ii) अपराध और आतंकवाद के वित्त पोषण से संबंधित खुफिया सूचना
(iii) दोहरे कालेधन से बचना तथा राजकोषीय अपवंचन की रोकथाम
(iv) श्रव्य तथा दृश्य कार्यक्रमों का आदान–प्रदान

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने भारतीय कौशल संस्थान की आधारशिला रखी

कौन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
क्या : भारतीय कौशल संस्थान की आधारशिला रखी

कब : 19 दिसंबर, 2016
कहाँ : कानपुर (उत्तर प्रदेश)
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 दिसंबर 2016 को इस संस्थान की आधारशिला कानपुर में रखी। यह संस्थान युवकों को अधिक रोजगार पाने योग्य और स्वनिर्भर बनने के लिए उन्हें अधिकार संपन्न बनाने के लिए मदद करेगी।
यह संस्थान प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर–मॉडल से प्ररित है। मंत्रालय ने ऐसे 6 संस्थान खोलने का निर्णय लिया है।

वैज्ञानिकों ने ग्रेटर मेकोंग क्षेत्र में 163 नई प्रजातियों की खोज की

कौन : वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड
कहाँ : ग्रेटर मेकोंग
क्या : नई प्रजातियों की खोज

- इन प्रजातियों में रेनबो हेडेड स्नेक, ड्रैगन जैसी छिपकली, स्टार ट्रेक के क्लिंगन जैसा दिखने वाला न्यूट आदि सम्मिलित है।
- इसमें 9 उभयचर, 11 मछलियाँ, 14 सरीसृप, 125 पादप तथा 3 स्तनधारी जीव शामिल हैं।
- वैज्ञानिकों ने थाईलैंड के एक विलुप्त केले की प्रजाति की भी खोज की।
- ग्रेटर मेकोंग दक्षिण पूर्व एशिया में मेकोंग नदी के नजदीक स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र है।
- एक अनुमान के अनुसार इस क्षेत्र में 20000 पौधों की प्रजातियाँ 1200 पक्षियों की प्रजातियाँ, 800 सरीसृप प्रजातियाँ मौजूद हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनियाँ की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी

कौन : भारत
कहाँ : विश्व में
क्या : पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था
कब : 20 दिसंबर, 2016
फार्ब्स मैगजीन द्वारा हाल ही में जारी ऑकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी। भारत को यह उपलब्धि 150 वर्षो में पहली बार प्राप्त हुई है। अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में ब्रिटेन भी अब भारत से पीछे है। भारत अमेरिका, चीन, जापान व जर्मनी के बाद पाँचवीं सबसे बड़ी जी डी पी बन गया है।

उ० प्र० सरकार ने 17 ओ बी सी जातियों का दलित कोटे में शामिल किया

कौन : उ० प्र० सरकार
कहाँ : उ० प्र०
क्या : 17 ओ बी सी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया।
कब : 22 दिसंबर, 2016
उ० प्र० के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा 17 पिछड़ी जातियों कहार, निषाद, कुम्हार, धीवर, बिंद, बायम, मांझी, मछुआरा, कश्यप, केवट, मल्लाह, तुरहा, भर-गोंड, प्रजापति, राजभर आदि जातियों को अनुसूचित जाति (SC) की श्रेणी में शामिल किया गया है।

असम सरकार द्वारा अटल अमृत स्वास्थ्य बीमा अभियान आरंभ

कौन : सर्वानंद सोनोवाल
कहाँ : असम
क्या : अटल अमृत स्वास्थ्य बीमा
कब : 25 दिसंबर, 2016

- इस योजना के अंतर्गत 6 प्रकार के रोगों की श्रेणियों में शामिल 437 बिमारियों के इलाज का खर्च उठाया जाएगा।
  बीमा कृत व्यक्ति को एक स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा।
- इसरो बीमाकृत व्यक्ति देश के किसी भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 2 लाख रुपये तक का खर्च कार्ड से दे सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरब सागर में शिवाजी स्मारक की आधारशिला 24 दिसम्बर, 2016 को रखी

- विरोधी रडार प्रणाली प्रतिस्थापित की जाएगी, ताकि स्मारकमें कोई भी रडार न दिखायी दे सके। यह आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए किया गया हैं।
- एक स्वतंत्र सुरक्षा इकाई – राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, मुम्बई पुलिस, तटरक्षक बलों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
  स्मारक पर स्थायी बंकर

24 घंटे सीसीटीवी
परियोजना विवरण

- छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक अरब सागर में तट से करीब ड़ेढ किलोमीटर

अंदर बनेगा। स्मारक की कुल ऊँचाई 192 मीटर होगी।

- स्थल राज–भवन से 102 किमी और नरीमन प्वाइंट से 2.6 किमी दूर है।
- इसके निमार्ण में कुल 3600 करोड़ की लागत आएगी और यह परियोजना 2019 तक पूरी होगी
- अपेक्षित पर्यटक एक दिन में 10,000
- स्मारक पर एक मिनी थिएटर, मंदिर, फूड कोर्ट, लाइब्रेरी, ऑडियो गाइडर, 3डी और 4डी फिल्म, एक्वेरियम जैसी सुविधाएँ भी होगी।
- यह देश ही नहीं पूरी दुनिया का सबसे बड़ा स्मारक होगा। मछुआरे और पर्यावरणविद अरब सागर पर स्मारक बनाने का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे समुद्री जीवन प्रभावित होगा और इसका असर लोगों पर भी पड़ेगा।

घटनाक्रम

जनवरी 2017

यूएई में दाऊद इब्राहिम की 15 हज़ार करोड़ की संपत्ति जब्त

कौन : दाऊद इब्राहिम
कहाँ : दुबई
क्या : संपत्ति जब्त
कब : 3 जनवरी 2017

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा 3 जनवरी, 2017 को भारत के डॉजियर के अनुसार दाऊद इब्राहिम की 15 हजार करोड़ रूपये की संपत्ति जब्त की गयी। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के खिलाफ की गयी यह कारवाई मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित दुबई में दाऊद का एक होटल तथा कई रियल स्टेट से जुड़ी प्रॉपर्टी जब्त की गयी। इससे पहले अगस्त 2015 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल द्वारा यूएई की यात्रा के दौरान दाऊद की प्रॉपर्टी का डोजियर यूएई सरकार को सौंपा गया था। दाऊद इब्राहिम द्वारा दुबई में गोल्डन बॉक्स नाम कम्पनी चलाता है जिससे दुबई में तीन आलीशान होटल, तीन मल्टी स्टोरी रेसिडेंशिअल बिल्डिंग, लक्जरी कारों के काफिले, रेस्टोरेंट तथा सट्टाबाजार चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त दाऊद द्वारा दुबई और अबू धाबी में रियल डवलेपमेंट के लिए 3000 करोड़ रूपये कीमत की अचल संपत्ति भी खरीदी गयी। लंदन स्थित पॉश इलाके रिचमंड रोड पर दाऊद इब्राहिम ने नौ प्लैट और एक लग्जरी पेंट हाऊस लिया है। लंदन में ही उसका जोंसवुड रोड पर एक गैरेज वाला बंगला है। लंदन के स्पिटल स्ट्रीट पर 45 कमरों के होटल रोहैम्पटन में दाऊद ने कमर्शिलयल बिल्डिंग खरीदी है। इसके अतिरिक्त दाऊद ने तुर्की, साइप्रस, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा सेशेल्स में कई संपत्तियां पंजीकृत करवा रखी है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए तारीखों की घोषणा

कौन : चुनाव आयोग
कहाँ : पांच राज्य
क्या : विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग द्वारा 4 जनवरी 2017 को पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, गोवा, उत्तराखंड, मणिपुर और पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तारीखों की घोषणा कर दी गयी। मुख्य चुनाव आयुक्त नसीम जैदी द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा की गयी।

चुनाव आयोग की घोषणा :

- गोवा और पंजाब में एक चरण में 4 फरवरी, 2017 को चुनाव आयोजित किये जायेंगे।
- उत्तराखंड में भी एक ही चरण में 15 फरवरी, 2017 को चुनाव कराये जाऐंगे।
- मणिपुर में 4 मार्च, 2017 को दो चरणों में चुनाव आयोजित कराये जाऐंगे। दूसरा चरण 8 मार्च, 2017 को होगा।
- उत्तर प्रदेश में 11 फरवरी 2017 से 7 चरणों में चुनाव होंगे।
- सभी राज्यों के नतीजे 11 मार्च को घोषित होंगे।

जोवेनेल मोइसे ने हैती में राष्ट्रपति चुनाव जीता

कौन : जोवेनेल मोइसे
कहाँ : हैती
क्या : राष्ट्रपति बने

मुख्य बिंदु:

- उन्होंने जीतने के बाद भाषण में भ्रष्टाचार से लड़ने तथा देश में राष्ट्री एकता का संचार करने का वचन दिया।
- जोवेनेल के जीतने के बाद अन्य प्रत्याशियों ने उनपर धोखेधड़ी का आरोप लगाया

- अन्य प्रत्याशी मारयीस नार्सिस ने 9% वोटों के साथ चौथा स्थान हासिल किया जबकि जीन चालर्स ने 11% वोटों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया

कौन : नरेन्द्र मोदी
कहाँ : गुजरात
क्या : वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन
कब : 10 जनवरी, 2017

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 जनवरी, 2017 को गांधीनगर में महात्मा मंदिर में वाइब्रेंट गुजरात 8 वें वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। 8 वें वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन गुजरात सरकार द्वारा किया गया है।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में जापानी कंपनियां भाग ले रही है। बैठकों का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना तथा निवेश के अवसरों की संभावना तलाशना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार अर्थव्यवस्था के तौर.तरीकों में बुनियादी बदलाव लाना भारत का सपना और उद्देश्य है। वाइब्रेंट गुजरात 8 वें वैश्विक शिखर सम्मेलन भी इसमें सहायक बनेगा। भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के इंजन के तौर पर देखा जा रहा है। भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र में एफडीआई हासिल करने वाला एक प्रमुख देश है। भारत को कारोबार के लिए सबसे आसान स्थान बनाने हेतु नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा रहा है। पिछले दो वित्त वर्ष में एफडीआई उससे पिछले के दो वर्षों की अपेक्षाकृत 60% अधिक रहा। भारत विनिर्माण के क्षेत्र में दुनिया का छठा सबसे बड़ा देश है। विनिर्माण क्षेत्रा में भारत में विकास दर 9% है।

वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन के बारे में–

- वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन को 'पूर्व का दावोस' भी कहा जाता है। यह सम्मेलन प्रति वर्ष बाद आयोजित किया जाता है। सम्मेलन में देश. विदेश से बड़ी संख्या में निवेशक सम्मिलत होते हैं।
- सम्मेलन का उद्देश्य दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच की तर्ज पर वैश्विक आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर परिचर्चा के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है।
- वाइब्रेंट गुजरात 8 वें वैश्विक शिखर सम्मेलन में देश-विदेश की दो हजार से अधिक कंपनियां हिस्सा ले रही है। इनमें बोइंग इंटरनेशनल के बरट्रेंड मार्क एलेन, डीपी वर्ल्ड ग्रुप के सुल्तान अहमद बिन सुलायेम और सिस्को सिस्टम्स के जॉन चैम्बर्स के नाम विशेष रूप से सम्मिलित है।
- सम्मेलन में अमरीका, बिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया और कनाडा सहित वाइब्रेंट गुजरात के 12 भागीदार देश भी भाग ले रहे है।
- 80 देशों के प्रतिनिधी भी वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में सम्मिलत हो रहे है। यह समारोह गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया गया है।
- देश-विदेश के 2500 से अधिक प्रतिनिधियों के वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।
- 12 से अधिक केंद्रीय केबिनेट मंत्री तथा अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री इस समारोह में सम्मिलित होंगे।
- दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों की विशेषज्ञ अमरीकी राज्य सहायक सेक्रेट्री ऑफ स्टेट नीसा देसाई बिस्वाल अमरीकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में उपस्थित रहेंगी।
- इस शिखर सम्मेलन में राज्य सरकार लगभग 20 हजार से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर करेगी।
- भारतीय उद्योग और व्यापार जगत से मुकेश अम्बानी, अनिल अम्बानी, कुमार मंगलम बिड़ला, गौतम अडानी, विशाल सिक्का और पंकज पटेल भी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के वैश्विक सम्मेलन में भागीदारी करेंगे।

भारती एयरटेल ने देश भर में एयरटेल पेमेंट बैंक का शुभारम्भ किया

कौन : भारती एयरटेल समूह
कहाँ : देश भर में
क्या : एयरटेल पेमेंट बैंक का शुभारम्भ
कब : 12 जनवरी, 2017

देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल 12 जनवरी, 2017 को एयरटेल पेमेंट बैंक का शुभारम्भ किया। भारती एयरटेल समूह की इस पेमेंट बैंक में उपभोक्ता का मोबाइल नंबर ही उसका बैंक अकाउंट नंबर बन जाएगा।

भारती एयरटेल समूह का एयरटेल पेमेंट बैंक किसी टेलीकॉम कंपनी की ओर से खोला जाने वाला पहला पेमेंट बैंक होगा। भारती एयरटेल के इस

पेमेंट बैंक का शुभारम्भ वित्त मंत्री अरुण जेटली और कंपनी के समूह चेयरमैन सुनील भारती मित्तल द्वारा किया जाएगा।

एयरटेल पेमेंट बैंक की सुविधाएं–

- भारती एयरटेल समूह के एयरटेल पेमेंट बैंक से ग्राहकों को 7.25 फीसदी की दर से जमा पर (सेविंग बैंक अकाउंट) ब्याज प्रदान किया जाएगा।
- एयरटेल पेमेंट बैंक के माध्यम से उपभोक्ता देश के किसी भी हिस्से में स्थित बैंक के खाते में पैसा भेज सकेंगे।
- एयरटेल पेमेंट बैंक के प्रत्येक बचत बैंक खाते में 1 लाख रूपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा भी प्रदान किया जाएगा।
- एयरटेल पेमेंट बैंक एयरटेल के रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से भी जमा और निकासी की सुविधा प्रदान करेगा।
- एयरटेल पेमेंट बैंक का दावा व्यावसायिक बैंकों की तरह सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने का है।

इक्वाडोर को जी–77 देशों की अध्यक्षता प्राप्त हुई

कौन : इक्वाडोर
कहाँ : जी-77
क्या : अध्यक्षता की प्राप्ति
कब : 14 जनवरी, 2017

इक्वाडोर को 14 जनवरी, 2017 को संयुक्त राष्ट्र के समूह 77 (**जी-77**) की अध्यक्षता प्राप्त हुई। इक्वाडोर को थाईलैंड से जी-77 की अध्यक्षता मिली।

अध्यक्षता प्राप्त होने पर इक्वाडोर के राष्ट्रपति राफेल कोरेया ने कहा कि वे सामाजिक और आर्थिक एकता का प्रसार करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब गरीबी, असमानता एवं अन्य कुरीतियों की समाप्ति होगी। इससे सभी देशों को संप्रभुता, गरिमा और शांति से रहने का अवसर प्राप्त होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 45 वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली

कौन : डोनाल्ड ट्रंप
कहाँ : अमेरिका
क्या : राष्ट्रपति पद की शपथ
कब : 20 जनवरी, 2017

डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी, 2017 को अमेरिका के 45 वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबटर्स ने उनको शपथ दिलाई राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को पराजित किया था। उन्होंने अब्राहम लिंकन की बाइबल पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। डोनाल्ड ट्रंप ने ओबामा का स्थान लिया है जो वर्ष 2009 में राष्ट्रपति बने थे और अपने दो कार्यकाल पूरे किए हैं। उनके शासनकाल में अमेरिकी नीतियों में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है।



प्रख्यात वैज्ञानिक

अल्बर्ट आइंस्टीन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 14 मार्च, 1879 से 18 अप्रैल, 1955 ▸ जर्मनी ▸ भौतिक शास्त्री **कार्य :** ▸ सामान्य सापेक्षता सिद्धांत एवं विशेष सापेक्षता सिद्धांत ▸ फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव का नियम
आल्फ्रेड बर्नार्ड नोबल	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 21 अक्टूबर, 1833 से 10 दिसम्बर, 1896 ▸ स्टॉकहोम, स्वीडन ▸ रसायन शास्त्र, इंजीनियरिंग **कार्य :** ▸ डायनामाइट का आविष्कार ▸ नोबल पुरस्कारों की शुरुआत इनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को।
ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 15 अक्टूबर, 1931 से 27 जुलाई, 2015 ▸ रामेश्वरम, तमिलनाडु ▸ अंतरिक्ष विज्ञानी **कार्य :** ▸ पोखरन-II नाभिकीय प्रयोग 1998 ▸ भारत के 11वें राष्ट्रपति ▸ मिसाइल तकनीक विशेषज्ञ
सी.वी. रमन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 7 नवंबर, 1888 से 21 नवंबर, 1970 ▸ थिरुवनाइकवल, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु ▸ भौतिकी **कार्य :** ▸ रमन प्रभाव
एलेग्जेंडर ग्राहम बेल	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 3 मार्च, 1847 - 2 अगस्त, 1922 ▸ एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड ▸ भौतिक शास्त्री **कार्य :** ▸ टेलीफोन के आविष्कारक ▸ आप्टिकल दूरसंचार
गुगलियेमो गियोवानी मारिया मारकोनी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 25 अप्रैल, 1874 से 20 जुलाई, 1937 ▸ बोलोग्ना, इटली ▸ भौतिक शास्त्री ▸ रेडियो तरंग **कार्य :** ▸ लम्बी दूरी के रेडियो ट्रांसमिशन के मार्गदर्शक ▸ मारकोनी के नियम तथा रेडियो टेलिग्राफ सिस्टम का विकास ▸ ट्रांजिस्टर (रेडियो) के आविष्कारक

डॉ. विक्रम अम्बालाल साराभाई	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 12 अगस्त, 1919 से 30 दिसंबर, 1971 ▸ अहमदाबाद, भारत ▸ भौतिकी **कार्य :** ▸ भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला के संस्थापक ▸ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद
गैलिलियो गैलिलेयी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 15 फरवरी, 1564 से 8 जनवरी, 1642 ▸ पीसा, इटली ▸ खगोलशास्त्री ▸ चिकित्सक **कार्य :** ▸ टेलिस्कोप के आविष्कारक ▸ खगोलीय खोज के जनक ▸ आधुनिक भौतिकी के जनक ▸ वैज्ञानिक प्रणाली के जनक ▸ थर्मामीटर के आविष्कारक
आर्यभट्ट	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 476 ए.डी. से 550 ए.डी. ▸ कुसुमपुरा (पाटलीपुत्र), वर्तमान में पटना ▸ गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री **कार्य :** ▸ आर्यभट्टीय ▸ आर्य सिद्धांत
चार्ल्स बैबेज	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 26 दिसंबर, 1791 से 18 अक्तूबर, 1871 ▸ लंदन, यूनाइटेड किंगडम ▸ गणितज्ञ **कार्य :** ▸ कम्प्यूटर के जनक ▸ प्रथम यांत्रिक कम्प्यूटर के आविष्कारक

सर आइजक न्यूटन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 25 दिसंबर, 1642 से 20 मार्च, 1727 ▸ यूनाइटेड किंगडम ▸ भौतिक शास्त्री ▸ गणितज्ञ **कार्य :** ▸ पुस्तकः 'फिलासफी नेचुरलाइज प्रिंसिपिया मैथेमेटिक्स' ▸ गति के नियम का सूत्र ▸ गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत
जेम्स वाट	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 19 जनवरी, 1736 से 25 अगस्त, 1819 ▸ ग्रीनाक, स्काटलैंड ▸ मैकेनिकल इंजीनियर **कार्य :** ▸ भाप इंजन का आविष्कारक ▸ भाप इंजन (कण्डेंसर)
जॉन नेपियर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 1 फरवरी, 1550 से 4 अप्रैल, 1617 ▸ गणितज्ञ ▸ खगोल शास्त्री **कार्य :** ▸ कलन गणित के आविष्कारक ▸ दशमलव प्रणाली का चिह्नांकन
लुइस पाश्चर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 27 दिसंबर, 1822 से 28 सितंबर, 1895 ▸ डोल, फ्रांस ▸ माइक्रोबायोलाजी **कार्य :** ▸ जीवाणुमुक्त पद्धति का आविष्कारक ▸ छूत की बीमारी एवं रेबीज के लिए टीकाकरण

मैरी क्यूरी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 7 नवंबर, 1867 से 4 जुलाई, 1934 ▶ वारसा, पोलैंड ▶ भौतिकी **कार्य :** ▶ रेडियो एक्टिविटी सिद्धांत ▶ तत्वों, पोलोनियम एवं रेडियम की खोज ▶ नोबल पुरस्कार दो बार जीतने वाली प्रथम महिला
माइकेल फैराडे	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 22 सितंबर, 1791 से 25 अगस्त, 1867 ▶ नेविंगटन बट्स, यूनाइटेड किंगडम ▶ मैग्नेटिज्म (भौतिकी) **कार्य :** ▶ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक, इंडक्शन, डाईमैग्नेटिज्म एवं इलेक्ट्रोलिसिस के आविष्कारक।
लुइस ब्रेल	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 4 जनवरी, 1809 से 6 जनवरी, 1852 ▶ कपव्रे, फ्रांस ▶ मैकेनिक्स **कार्य :** ▶ अंधे व्यक्तियों के लिए छपायी और लेखन हेतु ब्रेल लिपियों की खोज की।
निकोला टेस्ला	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 10 जुलाई, 1856 से 7 जनवरी, 1943 ▶ स्मिल्जन, क्रोएशिया ▶ इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग ▶ भौतिक शास्त्री **कार्य :** ▶ इंडकशन मोटर ▶ रोटेटिंग मैग्नेटिक फील्ड ▶ टेस्ला क्वायल

रॉबर्ट बॉयल	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 25 जनवरी, 1627 से 31 दिसम्बर, 1691 ▶ लिस्मोर, आयरलैंड गणतंत्र ▶ रसायन शास्त्री **कार्य :** ▶ बॉयल का नियम ▶ आधुनिक रसायन शास्त्र के संस्थापक
सलीम अली	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 12 नवंबर, 1896 से 20 जून, 1987 ▶ मुंबई ▶ पक्षी विज्ञान ▶ नेचुरल हिस्ट्री (प्राकृतिक इतिहास) **कार्य :** ▶ बम्बई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी ▶ भारत एवं पाकिस्तान के पक्षियों पर हैंडबुक ▶ भारत के पक्षीमानव के तौर पर विख्यात
श्रीनिवास रामानुजन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 22 दिसंबर, 1887 से 26 अप्रैल, 1920 ▶ इरोड, तमिलनाडु ▶ गणितज्ञ **कार्य :** ▶ गणितीय विश्लेषण ▶ अंकीय सिद्धांत ▶ अनंत श्रेणियाँ ▶ रामानुजन प्राइम ▶ रामानुजन थीटा फंक्शन

ओहियो विल्बर और ओरविल राइट	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ ओहियो विल्बर - 16 अप्रैल, 1867 से 30 मई, 1912 ▶ मिलविले, इंडियाना ▶ ओरविल - 19 अगस्त, 1871 से 30 जनवरी, 1948 ▶ डेटॉन, इंडियाना ▶ वायुयान चालन कला के मार्गदर्शक ▶ भौतिक शास्त्री **कार्य :** ▶ दुनिया के पहले हवाई जहाज के आविष्कारक
हरगोविंद खुराना	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 9 जनवरी, 1922 से 9 नवंबर, 2011 ▶ रायपुर (वर्तमान में पाकिस्तान में) ▶ बायोकेमिस्ट **कार्य :** ▶ प्रोटीन संश्लेषण में न्यूक्लियोटाइड्स की भूमिका को प्रथम बार प्रदर्शित किया। ▶ फिजियोलॉजी या मेडिसिन के लिए 1968 में नोबल पुरस्कार।
होमी जे. भाभा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 30 अक्टूबर, 1909 से 24 जनवरी, 1966 ▶ मुम्बई ▶ नाभिकीय भौतिकी **कार्य :** ▶ टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के निदेशक एवं भौतिकी के प्रोफेसर। ▶ भारतीय नाभिकीय प्रोग्राम के जनक

जगदीश चन्द्र बोस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 30 नवंबर, 1858 से 23 नवंबर, 1937 ▶ मुंशीगंज (वर्तमान में बांग्लादेश) ▶ वनस्पति विज्ञान, बायो भौतिकी **कार्य :** ▶ क्रेस्कोग्राफ के आविष्कारक ▶ प्लांट बायोलॉजी के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान
सत्येन्द्रनाथ बोस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 01 जनवरी, 1894 से 04 फरवरी, 1974 ▶ कोलकाता ▶ परिमाणात्मक यांत्रिकी एवं आंकिक भौतिकी **कार्य :** ▶ बोस-आइंस्टीन संघनन ▶ बोस-आइंस्टीन वितरण ▶ बोस-आइंस्टीन पारस्परिक संबंध ▶ बोस-आइंस्टीन स्थितिकी ▶ स्टेट तथा फोटान गैस का आदर्श बोस समीकरण
सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 अक्टूबर, 1910 से 21 अगस्त, 1995 ▶ लाहौर, पंजाब (वर्तमान में पाकिस्तान) ▶ खगोल भौतिक शास्त्री **कार्य :** ▶ चन्द्रशेखर परिसीमा ▶ सोनवर्ग-चन्द्रशेखर परिसीमा ▶ चन्द्रशेखर अंकीय ▶ भौतिकी में नोबल पुरस्कार (1983)

अलेग्जेंडर फ्लेमिंग	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 6 अगस्त, 1881 से 11 मार्च, 1955 ▶ लोचफिल्ड, इस्ट आयर्शायर स्कॉटलैंड ▶ बैक्टिरियोलोजी, इम्युनोलोजी **कार्य :** ▶ पेनिसिलीन के आविष्कारक ▶ नोबल पुरस्कार विजेता (1945)
पाइथागोरस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 570 से 495 बी. सी. ▶ सैमोस, यूनान ▶ गणितज्ञ **कार्य :** ▶ पाइथागोरस सिद्धांत ▶ पाइथागोरियन धुन
थॉमस अल्वा एडिसन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 11 फरवरी, 1847 से 18 अक्तूबर, 1931 ▶ मिलन, ओहियो, यूनाइटेड स्टेट्स ▶ भौतिकी शास्त्री **कार्य :** ▶ फोनोग्राफ के आविष्कारक, गतिशील तस्वीर वाला कैमरा ▶ विद्युत प्रकाश बल्ब

राजनीतिक व्यक्तित्व

अब्राहम लिंकन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 12 फरवरी, 1809 से 15 अप्रैल, 1865 ▶ हाडगेन्विले, केंटुकी, यूनाइटेड स्टेट ▶ राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड स्टेट के राष्ट्रपति (1861-1865) ▶ यू.एस.ए. में गुलामी प्रथा का उन्मूलन

एनी बेसेंट	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 1 अक्तूबर, 1847 से 20 सितंबर, 1933 ▶ लंदन, यूनाइटेड किंगडम ▶ सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता **कार्य :** ▶ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष (1917)
अटल बिहारी वाजपेयी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 25 दिसंबर, 1924 ▶ ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत ▶ राजनीतिक नेतागिरी ▶ कल्पनाशील व्यक्तित्व (कवि) **कार्य :** ▶ भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री ▶ भारत रत्न से सम्मानित
बराक ओबामा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 04 अगस्त, 1961 ▶ होनोलुलु, हवाई, यूनाइटेड स्टेट्स ▶ राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड स्टेट के 44वें राष्ट्रपति। ▶ पहले अफ्रीकी, जो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। ▶ 2009 में नोबल शांति पुरस्कार विजेता।
बिल क्लिंटन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 अगस्त, 1946 ▶ आर्कान्सस, यूनाइटेड स्टेट्स ▶ अमेरिकी राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड स्टेट के 42वें राष्ट्रपति 1993 से 2001 तक

बेनिटो मुसोलिनी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 29 जुलाई, 1883 - 28 अप्रैल, 1945 ▶ प्रेडाप्पिओ, इटली ▶ राजनीति ▶ तानाशाह **कार्य :** ▶ नेशनल फॉसिस्ट पार्टी के संस्थापक ▶ इटली के प्रधानमंत्री (1922-1943)
बेगम खालिदा जिया	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 15 अगस्त, 1945 ▶ दिनाजपुर, बांग्लादेश ▶ बांग्लादेशी राजनीति **कार्य :** ▶ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री 1991-1996 एवं 2001-2006
आउंग सान सू की	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 जून, 1945 ▶ यांगोन, बर्मा ▶ राजनीति, स्टेट्समैन **कार्य :** ▶ नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी के संस्थापक ▶ लोकतांत्रिक अधिकारों हेतु लड़ाई लड़ीं ▶ नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी की प्रथम राज्य परामर्शदाता एवं नेता
बान की मून	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 13 जून, 1944 ▶ एमसांग काउंटी, दक्षिण कोरिया ▶ स्टेट्समैनशिप एवं राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड नेशंस के 8वें जनरल सेक्रेट्री

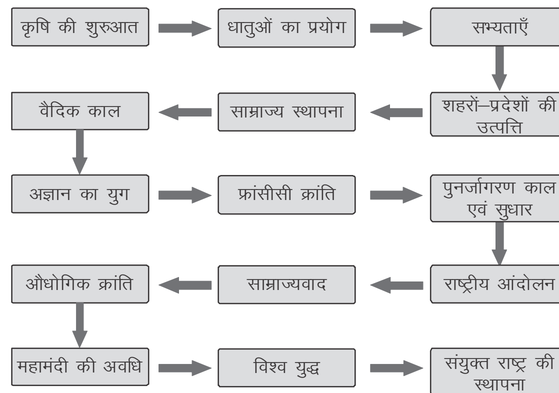
भीमराव अंबेडकर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 14 अप्रैल, 1891 से 6 दिसंबर, 1956 ▶ म्हो, मध्य प्रदेश ▶ सामाजिक कार्य ▶ राजनीति एवं दर्शनशास्त्र **कार्य :** ▶ भारतीय संविधान के निर्माता ▶ अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान चलाते हुए सामाजिक भेदभाव को दूर करने का कार्य ▶ स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 3 दिसंबर, 1884 से 28 फरवरी, 1963 ▶ सिवान, बिहार ▶ राजनीति ▶ सामाजिक कार्य **कार्य :** ▶ भारत के प्रथम राष्ट्रपति ▶ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष (1934-1935) ▶ भारतीय सांविधानिक सभा के अध्यक्ष।
दादाभाई नौरोजी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 4 सितंबर, 1825 से 30 जून, 1917 ▶ मुंबई, भारत ▶ राजनीति एवं सामाजिक नेता **कार्य :** ▶ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष तीन बार रहे। ▶ गरीबी को दूर करने की वकालत की

डेविड कैमेरान	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 9 अक्टूबर, 1966 ▶ लंदन, यूनाइटेड किंगडम ▶ ब्रिटिश राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री – मई 2010 से जुलाई 2016 तक
हो ची मिन्ह	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 मई, 1890 से 2 सितंबर, 1969 ▶ किम लियेन, वियतनाम ▶ वियतनामी कम्यूनिस्ट नेता **कार्य :** ▶ वियतनाम के जनतांत्रिक गणराज्य के प्रधानमंत्री 1945 से 1955 एवं राष्ट्रपति 1945 से 1969 तक ▶ जनतांत्रिक गणराज्य वियतनाम के संस्थापक
जॉर्ज डब्लू बुश	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 6 जुलाई, 1946 ▶ अमेरिकी राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड स्टेट के 43वें राष्ट्रपति (2001-2009)
हिलेरी क्लिंटन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 26 अक्टूबर, 1947 ▶ शिकागो, इलिनोइस, यू.एस. ▶ अमेरिकी राजनीति **कार्य :** ▶ 67वीं यूनाइटेड स्टेट सेक्रेटरी (2009-2013)
इंदिरा गांधी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 नवंबर, 1917 से 31 अक्तूबर, 1984 ▶ इलाहाबाद (उ.प्र.), भारत ▶ भारतीय राजनीति **कार्य :** ▶ भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री (1966-1977 एवं 1980-1984) ▶ बैंकों का राष्ट्रीयकरण

ज्योति बसु	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 8 जुलाई, 1914 से 17 जनवरी, 2010 ▶ कोलकाता ▶ भारतीय राजनीति ▶ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी **कार्य :** ▶ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री – (1977-2000) ▶ देश के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहने वाले।
फैंकलिन डी. रुजवेल्ट	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 30 जनवरी, 1882 से 12 अप्रैल, 1945 ▶ हाइड पार्क, न्यूयॉर्क, यूनाइटेड स्टेट ▶ राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड स्टेट के 32वें राष्ट्रपति
जवाहरलाल नेहरू	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 14 नवंबर, 1889 से 27 मई, 1964 ▶ इलाहाबाद ▶ राजनीति **कार्य :** ▶ भारत के प्रथम प्रधानमंत्री
लाल बहादुर शास्त्री	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 02 अक्टूबर, 1904 से 11 जनवरी, 1966 ▶ मुगलसराय (उ.प्र.), भारत ▶ राजनीति **कार्य :** ▶ स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (9 जून, 1964-11 जनवरी, 1966) ▶ 1920 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित ▶ उनका प्रसिद्ध नारा है: 'जय जवान, जय किसान'



शीर्षस्थ ऐतिहासिक चलन/घटनाएँ/विकास



भारतीय इतिहास–कालक्रम

प्राचीन भारत

- सिंधु घाटी की सभ्यता
- वैदिक काल/आर्य
- जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म
- मगध साम्राज्य
- मौर्य वंश
- कुषाण वंश
- गुप्त साम्राज्य
- हर्षवर्धन
- दक्षिण भारतीय राज्य

मध्यकालीन भारत

- दिल्ली सल्तनत
- विजयनगर
- भक्ति एवं सूफी आंदोलन
- मुगल वंश
- यूरोपियन आगमन
- मराठा राज्य

आधुनिक भारत

- ब्रिटिश व्यापार शुरुआत
- इस्ट इंडिया कंपनी
- ब्रिटिश शासन 1857 से पूर्व
- 1857 का सैनिक विद्रोह
- स्वतंत्रता संग्रामः
  - रोलेट एक्ट (1919)
  - जलियाँवाला बाग हत्याकांड (1919)
  - चौरी चौरा (1922)
  - असहयोग आंदोलन (1920–22)
  - सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)
  - भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
  - भारत का विभाजन (1947) इत्यादि।

प्राचीन भारत का इतिहास

प्रागैतिहासिक काल

- मनुष्य ने जिस काल में घटनाओं का कोई लिखित विवरण उद्धृत नहीं किया उसे 'प्रागैतिहासिक काल' कहते हैं।
- भारतीय प्रागैतिहासिक काल मुख्यतः तीन वर्गों में इस प्रकार विभाजित है– पाषाण युग, कांस्य युग और लौह युग।
- पाषाण युग तीन भागों में विभाजित है – पुरा पाषाण युग, मध्य पाषाण युग और नव पाषाण युग।
- ज्ञानी मनुष्य (*होमो सैपियंस*) का प्रादुर्भाव इस धरती पर आज से लगभग तीस या चालीस हजार वर्ष पूर्व माना जाता है।
- मनुष्य ने सबसे पहले ताँबे का प्रयोग प्रारंभ किया था। उसके द्वारा बनाया जाने वाला प्रथम औजार कुल्हाड़ी था। जिसका प्राप्तिस्थल अतिरम्पक्कम था।
- पूर्व पाषाण युग के मनुष्य की आजीविका का मुख्य आधार शिकार था।
- मानव के अंदर स्वंय की सुरक्षा हेतु निवास बनाने की प्रवृत्ति का विकास नव–पाषाणकाल में हुआ।
- मनुष्य के द्वारा सबसे पहले कुत्ते को पालतू बनाया गया।
- अग्नि का आविष्कार पुरा पाषाणयुग के मानव द्वारा किया गया था। पहिये का आविष्कार नव पाषाणयुग में हुआ था।
- कृषि का आविष्कार नव पाषाणयुग में हुआ था।
- प्रागैतिहासिक अन्न उत्पादक स्थल मेहरगढ़ पश्चिमी बलूचिस्तान में अवस्थित है। कृषि में सबसे पहले अपनाई गई प्राचीन फसल गेहूँ एवं जौ थी।
- **निम्न पुरा–पाषाण युग** : हिम युग का सबसे बड़ा भाग इसके अन्तर्गत आता है।
- इस युग के मानव का भोजन फल, पक्षियों और जानवरों का कच्चा मांस इत्यादि था।
- शिकार करने के लिए हथियार प्रायः कठोर चट्टानों से बनाए जाते थे।
- **मध्य पुरा–पाषाण युगः** इस युग में हथियारों के आकार और रूप में थोड़ा परिवर्तन हुआ। इस युग में पत्थरों और हड्डियों से हथियार बनाए जाने लगे।
- **उच्च पुरा–पाषाण युगः** इस युग के लोग घुमन्तू, शिकारी और संग्रहकर्ता के रूप में रहने लगे।
- **मध्य पाषाण युगः** इस युग में पाषाण युग की माध्यमिक अवस्था थी। इस युग का अंत कृषि के परिचय से हुआ।
- **नव पाषाण युगः** इस युग में तराशे गए हथियारों की संस्कृति विकसित हुई।
- हथियारों का निर्माण लोगों का एक महत्त्वपूर्ण व्यवसाय बन गया और विभिन्न प्रकार के तराशे गए हथियार निर्मित किए जाने लगे।
- लोगों ने मिट्टी के बरतन बनाने की कला सीखी। उनके बरतन अच्छी तरह निर्मित तथा चित्रों से सुसज्जित होते थे।
- उन्होंने पत्थरों के घर्षण से आग को उत्पन्न करने की कला सीखी। चक्के का निर्माण भी इस युग की एक महत्त्वपूर्ण खोज थी।
- **ताम्र पाषाण युगः** ताम्र (तांबा) के प्रयोग के कारण यह युग ताम्र युग कहलाया। अर्थव्यवस्था का आधार कृषि कार्य, पशु-पालन, शिकार और मत्स्य पालन था।
- ताम्र पाषाण युग के लोग आहार के लिए पशुओं का शिकार करने लगे। उन्होंने दुग्ध-पदार्थों के लिए मवेशियों को नहीं पाला। वे पशुओं का न तो दूध निकालते थे और न ही जुताई में प्रयोग करते थे।
- इस युग में कांस्य और पत्थर के हथियार प्रयोग में लाए जाते थे। अब लोगों ने स्वयं के रहने के लिए घरों का निर्माण कर सुव्यवस्थित जीवन जीना शुरू कर दिया।
- **लौह युग** : यह प्रागैतिहासिक काल का अंतिम प्रधान काल था।
- इस काल में लोगों ने लोहे से बने हथियारों एवं औजारों का प्रयोग करना शुरू कर दिया था। इसलिए इस काल को लौह युग कहा जाता है। इस युग में कृषि कार्य, धार्मिक विश्वास एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए।

- लौह युग साधारणतः धूसर रंग से रंगे गए बरतनों से सम्बंधित है।
- लौह के उपयोग से समाज, कृषि व्यवस्था, धार्मिक विश्वास और आकर्षक कलात्मक शैली में विभिन्न परिवर्तन हुए।
- इस युग का शुभारंभ 6ठी शताब्दी ईसा पश्चात उत्तरी यूरोप में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व में केन्द्रीय यूरोप में, एवं 12 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में आधुनिक ईरान, पुरातन भारत एवं पुरातन ग्रीस में हुआ।

सिन्धु घाटी सभ्यता

- भारत का प्राचीनतम नगर मोहनजोदड़ो था। मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा में अर्थ है– मृतकों का टीला।

सिन्धु काल में विदेशों के साथ व्यापार

आयातित वस्तुओं का नाम	क्षेत्र
सीसा	ईरान
ताँबा	बलूचिस्तान, खेतड़ी, ओमान
लाजवर्द	मेसोपोटामिया
सोना	अफगानिस्तान, ईरान एवं कर्नाटक
गोमेद	सौराष्ट्र
चाँदी	ईरान, अफगानिस्तान

- सिन्धु घाटी सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2400 ई० पू० से 1700 ई० पू० मानी जाती है।
- सिन्धु सभ्यता की खोज का श्रेय रायबहादुर दयाराम साहनी को प्रदान किया जाता है।
- सिन्धु सभ्यता के दो प्रमुख बंदरगाह थे। उनके नाम हैं– लोथल एवं सुतकोतदा।
- सिन्धु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत संभवतः मोहनजोदड़ो में पायी गई 'अन्नागार' है।
- सिन्धु सभ्यता के लोग प्रमुखतः गेहूँ एवं जौ की खेती करते थे। रंगपुर एवं लोथल से चावल के दाने मिले हैं जिससे धान की खेती होने का प्रमाण मिलता है।
- सिन्धु सभ्यता के लोग पृथ्वी की पूजा किया करते थे। वे पृथ्वी को 'उर्वरता की देवी' मानते थे।
- सिन्धु सभ्यता के लोग मातृदेवी की सर्वाधिक पूजा किया करते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग सूती एवं ऊनी वस्त्रों का प्रयोग किया करते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के विनाश का कारण संभवतः बाढ़ थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता एक अनोखी कांस्य युगीन सभ्यता थी और पूरे विश्व की नगरीय सभ्यताओं में से एक प्राचीनतम सभ्यता थी।
- यह सभ्यता सिन्धु नदी की घाटियों और इसकी सहायक नदियों (धाराओं) के आसपास पल्लवित हुई, जो आधुनिक पाकिस्तान और उत्तरपश्चिमी भारत में स्थित है।
- सिन्धु सभ्यता की लिपि चित्रात्मक है। यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी। एक से ज्यादा पंक्तियों का अभिलेख होने पर प्रथम पंक्ति दाईं से बाईं ओर तथा दूसरी बाईं से दाईं ओर लिखी जाती थी।
- मुख्य सड़कें जरूरत के अनुसार उत्तर से दक्षिण तक 9 फीट से लेकर 34 फीट तक चौड़ी होती थीं। विशेष रूप से मोहनजोदड़ो के सड़कों की चौड़ाई 10.5 फीट तक की थी। हड़प्पा के सड़कों की चौड़ाई 30 फीट तक की थी।
- सैंधव सभ्यता के लोग यातायात हेतु दो एवं चार पहियों वाली बैलगाड़ी या भैंसगाडी का प्रयोग करते थे।
- घर प्रायः दो मंजिले, बड़े और सड़कों के किनारे कतारों में बने होते थे। घरों में नालियों की सुन्दर व्यवस्था थी। ये नालियाँ ईंटों से बनी पाइप के द्वारा गंदे पानी को घर से बाहर निकालने में सहायक थीं।
- हड़प्पाकालीन सभ्यता के नगरों में लोथल, बालाकोट, सुतकागेंडोर और अल्हादी (पाकिस्तान) आदि स्थलों पर बड़े बंदरगाह थे।
- पालतू पशुओं के अन्तर्गत कुत्ते, बिल्लियाँ, कूबड़ वाले पशु (साँड़), समुद्री जानवर, मुर्गियाँ और संभवतः सूअर, ऊँट और भैंस आदि थे। संभवतः हाथी भी पालतू पशु थे, क्योंकि इनकी हड्डियों और बाह्य दाँतों का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता था।

- सैंधववासी मीठे के तौर पर शहद का प्रयोग करते थें।
- समाज में स्त्रियों को उच्च सम्मान प्राप्त था। परिवार माता के नाम से चलते थे।
- सैंधव सभ्यता में चार विभिन्न वर्ग थे। समाज इनमें विभाजित था – विद्वान, योद्धा, व्यापारी और मजदूर।
- सिंधु घाटी के लोग सिंचाई पर आधारित कृषि करते थे।
- सैंधव सभ्यता के लोग मनोरंजन हेतु मछली पकड़ने, शिकार करने, पशु-पक्षियों को आपस में लड़ाने तथा चौपड़-पासा खेलने आदि साधनों का प्रयोग करते थे।
- हड़प्पा के लोग हिंदू धर्म को मानने वाले थे। वे मातृदेवी, पशुपति शिव, पवित्र जानवर और वृक्षों आदि की पूजा करते थे।
- सैंधव सभ्यता में शवों को जलाने एवं गाड़ने की, दोनों प्रथाएँ प्रचलित थीं।
- मोहनजोदड़ो में एक भव्य स्नानागार था जिसका प्रयोग सामान्य जनता के द्वारा स्नान के लिए किया जाता था। यह 11.88 मीटर लम्बा, 7.01 मीटर चौड़ा एवं 2.43 मीटर गहरा है।

सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल	समय	उत्खननकर्ता
हड़प्पा	1921	दयाराम साहनी
मोहनजोदड़ो	1922	आर०डी० बनर्जी
सुतकागेंडोर	1927	औरेल स्टैन जॉर्ज
चन्हूदड़ो	1931	एन० जी० मजूमदार
रंगपुर	1931 1953	वत्स एस० आर० राव
कोटदीजी	1953	फजल अहमद
दवरकोट	1935	मैच्की
किलीगुल मोहम्मद	1950	फैरसेरमिस
कालीबंगन	1953	ए० घोष
रोपड़	1953	वाइ० डी० शर्मा
सुरकोटड़ा	1964	जगतपति घोष
धौलावीरा	1990-91	आर. एस. विष्ट
आलमगीर पुर	1958	वाई० ड़ी० शर्मा

प्रमुख स्थल	वर्तमान क्षेत्र (स्थिति)
मोहनजोदड़ो	सिन्ध (पाकिस्तान)
हड़प्पा	पंजाब प्रान्त (पाकिस्तान)
धौलावीरा	कच्छ का रन (गुजरात)
लोथल	खम्बात की खाड़ी (गुजरात)
राखीगढ़ी	हरियाणा
गनवेरीवाला	पंजाब (पाकिस्तान)

प्रमुख स्थल	आधुनिक क्षेत्र (स्थिति)
बनवाली	हरियाणा
चन्हूदड़ो	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)
कालीबंगन	राजस्थान
कोटदीजी	सिन्ध
रोपड़	पंजाब
सुरकोटड़ा	कच्छ
सुतकागेंडोर	पाकिस्तान के मकरान में समुद्र तट के किनारे

वैदिक काल

- वैदिक काल या वैदिक युग उस काल को निर्देशित करता है जब भारत में वैदिक संस्कृत के ग्रंथों की रचना की गयी थी।
- शाब्दिक रूप में आर्य का अर्थ है–'अच्छा' या 'श्रेष्ठ'।
- अनुमानतः आर्य मध्य एशिया से प्रवासी के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप में विभिन्न चरणों में 2000 से 1500 ई०पू० के दौरान आए।
- अपना प्रभुत्व सिद्ध करने के क्रम में आर्यों ने अपने आपको 'आर्य' कहा और अपने विरोधियों को उन्होंने 'अनार्य', 'दस्यु' और 'दास' कहा।
- ऋग्वेद (1500-2000 ई०पू०) में 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं 10, 462 ऋचाएँ हैं। ये मंत्र विभिन्न देवताओं के सम्मान में गाए जाते थे और होतृ के द्वारा उच्चरित किए जाते थे।
- गायत्री मंत्र को ऋग्वेद से लिया गया है।
- सिन्धु और उसकी सहायक नदियाँ सप्तसिन्धु कही जाती हैं।
- यजुर्वेद यज्ञीय प्रार्थना का एक ग्रंथ है। यह गद्य और पद्य दोनों में लिखा गया है।

- इस ग्रंथ के मंत्र यज्ञ के अवसर पर गाए जाते हैं।
- सामवेद में 1549 मंत्र संकलित हैं।
- अथर्ववेद जादुई सूत्रों का ग्रंथ है जिसमें उस समय के सम्मेलन और अनुष्ठान का वर्णन है।
- **ब्राह्मण** ग्रंथों की रचना वेदों के बाद वेदों के मंत्रों की व्याख्या करने के लिए की गई। ये गद्य में लिखे गए और इनके स्वरूप अनुष्ठानिक हैं।
- वैदिक सभ्यता की समय–सीमा का विभाजन इस प्रकार किया गया है–
  ऋग्वैदिक कालः (1500 – 1000 ई० पू०)
  उत्तर वैदिक कालः (1000–600 ई० पू०)
- पंजाब एवं अफगानिस्तान दो ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ आर्य सर्वप्रथम बसे।
- मैक्स मूलर ने यह माना है कि आर्यों का मूल निवास-स्थान मध्य एशिया था।
- आर्यों के द्वारा विकसित की गई सभ्यता को ही वैदिक सभ्यता के नाम से जाना जाता है।
- आर्यों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा संस्कृत थी।
- आर्यों के समाज को पितृप्रधान माना जाता है।
- स्त्रियाँ भी शिक्षा ग्रहण करती थीं। ऋग्वेद में लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, आपला एवं विश्वास जैसी विदुषी स्त्रियों का वर्णन मिलता है।
- वैदिक सभ्यता में बाल-विवाह एवं परदा-प्रथा का प्रचलन नहीं था।
- विधवा स्त्री अपने दिवंगत पति के छोटे भाई अर्थात देवर से विवाह कर सकती थी।
- आर्य 'सोमरस' नामक पदार्थ को पेय पदार्थ के रूप में प्रयोग करते थे। इसका निर्माण वनस्पति से किया जाता था।
- संगीत, घुड़दौड़, रथदौड़ एवं द्यूतक्रीड़ा आर्यों के मनोरंजन के प्रमुख साधन माने जाते थे।
- आर्य मुख्यतः तीन प्रकार के वस्त्र पहनते थें– 1. वास, 2. अधिवास और 3. उष्णीय। अंदर पहनने वाले कपड़े को 'नीवि' कहा जाता था।
- आर्यों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन था। आर्य कृषि भी करते थे।
- आर्यों में सर्वाधिक प्रिय देवता इंद्र थे।
- आर्यों का सर्वाधिक प्रिय पशु घोड़ा था।
- आर्य अग्नि देव की पूजा करते थे। उनका मानना था कि अग्नि देव मनुष्य एवं देवता के बीच मध्यस्थ की भूमिका का निर्वाह करते हैं।
- **'सत्यमेव जयते'** मुण्डकोपनिषद से लिया गया है। मुण्डकोपनिषद अथर्ववेद से ग्रहण किया गया है।
- आर्यों द्वारा खोजी गई धातु लोहा थी, जिसे 'श्याम अयस' कहा जाता है।
- गायत्री मंत्र का संबंध ऋग्वेद से है। यह सवितृ नाम्क देवता को संबोधित मंत्र है।
- वैदिककाल में 'रामायण' एवं 'महाभारत' दो महाकाव्यों का सृजन हुआ।
- 'महाभारत' संसार का सबसे बड़ा महाकाव्य है। इसका पुरातन नाम 'जयसंहिता' है।

वेद और उनके ब्राह्मण

वेद	ब्राह्मण
ऋग्वेद	एतेरेय और कौशितिकी या सांख्य
सामवेद	पंचविश (ताण्ड्य महाब्राह्मण)
षड्विंश	ब्राह्मण, जैमिनिय ब्राह्मण।
यजुर्वेद	शतपथ (सबसे प्राचीन और सबसे बृहद ब्राह्मण) और तैतेरिय
अथर्ववेद	गोपथ (चिकित्सा विज्ञान, सौन्दर्य और जादू पर एक रचना)

- **आरण्यक** मुख्यतः साधु-संतों और जंगलों में रहनेवाले विद्यार्थियों के लिए लिखे गए।
- गाय को न मारे जाने वाले पशु की श्रेणी में रखा गया था। वेदों में गाय की हत्या करने के लिए मृत्युदंड या देश निकाले की व्यवस्था है।
- **उपनिषदों** में धार्मिक अनुष्ठान के विपरीत ब्रह्म (ईश्वर) और जीव (प्राणी) के बीच सम्बन्धों के विषय में चर्चा है।
- उपनिषद दार्शनिक संग्रह हैं और इन्हें वेदांत कहा गया है। क्योंकि वेदों के बाद इनकी रचना हुई।
- **वृहदारण्यक** 108 उपनिषदों में सबसे प्राचीन उपनिषद है।
- ऋग्वेद के अनुसार प्रसिद्ध दास-राजन युद्ध या 10 राजाओं के मध्य का युद्ध सूद, तित्सु परिवार में राजा भरत एवं 10 सुप्रसिद्ध

जनजातियों के संघ पुरु, यदु, तुर्वस, अनु, द्रुह्यु, अलीने, पाकठ, बह्लन, शिवा, विषनिन के मध्य हुआ।

- परुषिणी नदी के किनारे लड़े गए इस रक्त रंजित और निर्णयात्मक युद्ध में भरत विजयी हुए।
- सभा और समिति (लोकप्रिय सभाएँ) वैदिक राज्यों की कार्यवाहियों को नियंत्रित करती थीं।
- इन दो सभाओं को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया।

आर्यों की प्रशासनिक इकाई क्रमशः पाँच भागों में बंटी थी –

1. कुल – परिवार 2. ग्राम – गाँव
3. विश – गोत्र 4. जन – लोग
5. राष्ट्र – देश

- वैदिक आर्य प्रकृति की शक्तियों की पूजा करते थे, जैसे – पृथ्वी, अग्नि, हवा (वायु), वर्षा (मेघ) और बिजली (वज्र)। उनका मुख्य पेशा पशु-पालन था।
- राजा जनजातियों की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी था।
- युद्ध में कबीले का नेतृत्व राजा करता था।
- **वेदांग** की रचना उत्तर वैदिक काल के दौरान हुई। शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष ये छः वेदांग हैं।

शिक्षा–	स्वर विज्ञान
कल्प–	अनुष्ठान
व्याकरण –	व्याकरण
निरुक्त –	शब्द शास्त्र
छन्द –	छन्द
ज्योतिष –	ज्योतिष

- **उपवेदों** की रचना वेदांगों के बाद हुई।
- चार उपवेद हैं –

उपवेद	सम्बधित वेद
आयुर्वेद (औषधि)	ऋग्वेद
धनुर्वेद (तीरन्दाजी)	याजुर्वेद
गंधर्ववेद (संगीत)	सामवेद
शिल्पवेद (शिल्प)	अथर्ववेद

- **पुराण** का अर्थ है 'पुराना' और इनकी संख्या 18 है।
- 'अष्टाध्यायी' पाणिनि के द्वारा लिखी गई पूरे विश्व की पहली व्याकरण की पुस्तक है।
- 'रामायण' और 'महाभारत' दो भारतीय महाकाव्य हैं।
- दर्शन, वेदों के सहायक निबन्ध हैं। भारतीय दर्शन की छः शाखाएँ हैं जिन्हें षड्दर्शन कहा जाता है।

षड्दर्शन

न्याय दर्शन	अक्षपाद गौतम
वैशेषिक	महर्षि कणाद
सांख्य दर्शन	कपिल मुनि
योग दर्शन	पतंजलि
पूर्व मीमांसा	जैमिनी
उत्तर मीमांसा	बदरायण ऋषि

- शाब्दिक रूप से स्मृति का अर्थ होता है 'स्मरण।' सभी स्मृतियों की रचना गुप्त काल के दौरान हुई।

ऋग्वैदिककालीन देवता एवं उनका संबंध

देवता	संबंध
पूषण	जानवरों के देवता
अग्नि	देवता एवं मनुष्यों के बीच मध्यस्थ
उषा	प्रगति एवं उत्थान के देवता
वरुण	विश्व के नियामक एवं शासक
मरुत	आँधी–तूफान के देवता
द्यौ	आकाश के देवता (सबसे प्राचीन)
इन्द्र	युद्ध एवं वर्षा के देवता
सोम	वनस्पति के देवता
आश्विन	विपत्तियों को दूर करने वाले देवता
विष्णु	विश्व के पालनकर्ता

प्राचीन नदियाँ और उनके आधुनिक नाम

वितस्ता	झेलम
अस्किनी	चिनाव
परुष्णी	रावी
विपाशा	व्यास
सतद्रु	सतलज
गोमती	गोमल
कुभा	काबुल
सदानीरा	गंडक
सरस्वती	घग्गर

विद्वान और उनके संरक्षक

हेमचन्द्र	अन्हिलवाड़ के चालुक्य कुमारपाल
नागार्जुन	कनिष्क
अमरसिंह	चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
रविकीर्ति	पुलकेशिन
वाक्पतिराज	कन्नौज के यशोवर्मन
भवभूति	कन्नौज के यशोवर्मन
हरिसेन	समुद्रगुप्त
राजशेखर	प्रतिहारों के महीपाल और महेन्द्रपाल
बाणभट्ट	हर्ष
दण्डी	नरसिंहवर्मा पल्लव
भारवि	सिंह विष्णु पल्लव
गुणाढ्य	सातवाहन के हल
जिनसेन	राष्ट्रकूट के अमोधवर्ष
जयदेव	बंगाल के लक्ष्मणसेन
विल्हण	कल्याणी के चालुक्य विक्रमादित्य षष्ठ
लक्ष्मीधर	कन्नौज के गढ़वालों के गोविन्दचन्द्र
कल्हण	कश्मीर के श्रीहर्ष

उत्तर वैदिक काल (1000-600 ई०पू०)

- उत्तर वैदिक काल में समाज चार वर्णों में विभाजित हो गया। ये वर्ण **ब्राह्मण**, **क्षत्रिय**, **वैश्य** और **शूद्र** कहलाए।
- सभी तीन उच्च वर्ण एक जैसे रंग-रूप वाले थे, वे द्विज (पुनः जन्म) के रूप में जाने जाते थे।
- चौथा वर्ण पवित्र धागे (जनेऊ) के समारोह से वंचित था और इस कारणवश शूद्रों के ऊपर अयोग्यता का आरोपण शुरू हो गया।
- शूद्रों के लिए समाज में बुरी स्थिति कायम हो गई। वे दूसरों के नौकर कहे जाने लगे।
- उत्तर वैदिक काल में राजा के राज्याभिषेक के समय 'राजसूय यज्ञ' नामक अनुष्ठान होता था।
- साधारणतः स्त्रियों को निम्न स्थिति प्रदान की गई।
- उत्तर वैदिक काल का 'सांख्य दर्शन' भारत के सभी दर्शनों में सबसे प्राचीन है। इसके अनुसार मूल तत्त्व पच्चीस हैं जिनमें प्रकृति प्रथम तत्त्व है।
- उत्तर वैदिक काल में आश्रम या जीवन के चार चरणों की रचना की गई।
    (i) **ब्रह्मचर्य** या विद्यार्थी जीवन,
    (ii) **गृहस्थ** या घर का स्वामी,
    (iii) **वानप्रस्थ** या आंशिक सेवानिवृत्ति,
    (iv) **संन्यास** या पूर्ण, रूप से संसार के कर्मों से निवृत्ति।
- उत्तर वैदिक काल में वर्ण, व्यक्ति के कार्य या व्यवसाय के बजाय जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगे।

ऋग्वेद की रचना के संदर्भ में विभिन्न मत

मैक्समूलर	1200–1800 ई०पू०
बाल गंगाधर तिलक	600 ई०पू०
जैकोवी	3000 ई०पू०
विंटरनित्ज	2500 ई०पू०

शतपथ ब्राह्मण में 12 रत्निज

(1) युवराज	
(2) पालागल	– राजा का मित्र एवं विदूषक का पूर्वज
(3) सूत	– सारथी
(4) क्षत्र	– प्रतिहारी
(5) राजा	
(6) भागदुध	– कर संग्रह करने वाला
(7) सेनानी	– सेनापति
(8) महिषी	– पटरानी
(9) ग्रामणी	– लड़ने वाले दल का नेता
(10) पुरोहित	–मंत्री
(11) संग्रहीता	– कोषाध्यक्ष
(12) अक्षावाप	– पासे के खेल में राजा का सहयोग करने वाला

विवाह के विभिन्न प्रकार

असुर – कन्या को खरीदकर किया गया विवाह।

गंधर्व – दो पक्षों की स्वीकृति से और प्रायः गुप्त रूप से किया गया विवाह गंधर्व विवाह है। गंधर्व विवाह का विशेष उदाहरण स्वयंवर या स्वेच्छा से चयनित पात्र से विवाह है।

ब्रह्म – कन्या पक्ष के द्वारा उपयुक्त दहेज देकर कन्या के उसी वर्ण के पुरुष के साथ वैदिक संस्कार और अनुष्ठान के साथ किया गया विवाह।

दैव – पिता अपनी पुत्री को यज्ञीय पुरोहितों को शुल्क या दक्षिणा के रूप में दे तो ऐसे विवाह को दैव विवाह कहते हैं।

अर्श – वधू की कीमत के रूप में एक गाय या बैल दिया जाता है।

प्रजापति – दहेज या वधू की कीमत लिए बिना किया गया विवाह।

पैशाच – यदि एक लड़की का सतीत्व हरण उस समय किया गया हो जब वह निद्रा में हो या मानसिक रूप से विक्षिप्त हो या नशे में हो।

राक्षस – कन्या (लड़की) से विवाह उसे पकड़कर या कैद में रखकर करना।

- उत्तर वैदिक काल में प्रजापति (ब्रह्मा) को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था।
- गोत्र नामक संस्था उत्तरवैदिक काल से प्रचलन में आयी।

महाजनपद

महाजनपद	राजधानी	वर्तमान क्षेत्र
गंधार	तक्षशिला	अफगानिस्तान का हिस्सा
कम्बोज	रायपुर	कश्मीर और अफगानिस्तान का हिस्सा
अस्मक	पोतना	गोदावरी घाटी
वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद
अवन्ति	उज्जैन	मालवा और म० प्र० का एक भाग
सूरसेन	मथुरा	उत्तर प्रदेश में मथुरा
चेदि	सुक्तिमति	मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड
मल्ल	कुशिनारा,	पूर्वी उत्तर प्रदेश पावा
कुरु	हस्तिनापुर इन्द्रप्रस्थ	दिल्ली और मेरठ
मत्स्य	विराट नगरी	जयपुर और अलवर
वज्जी	वैशाली	उत्तर बिहार
अंग	चम्पा	बिहार में भागलपुर और मुंगेर
काशी	बनारस	वाराणसी
कौशल	श्रावस्ती	उत्तर प्रदेश में अवध
मगध	गिरिव्रज, राजगृह	बिहार में पटना और गया
पंचाल	अहिछत्र	उत्तर प्रदेश में रोहिलखण्ड

- छठी और चौथी शताब्दी ई० पू० के दौरान मगध (बिहार) सबसे अधिक शक्तिशाली जनपद बन गया।
- मगध की सबसे प्राचीन राजधानी राजगीर थी जो उस समय गिरिव्रज कही जाती थी।

धर्मिक आन्दोलन

- धार्मिक आन्दोलन 600 ई० पू० में अस्तित्व में आया।
- इस आन्दोलन का मुख्य कारण ब्राह्मणों के आधिपत्य के विरुद्ध प्रतिक्रिया के फलस्वरूप और उत्तरपूर्व में कृषि अर्थव्यवस्था के विस्तार का परिणाम था।

जैन धर्म

- संस्थापक ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) थे।
- महावीर स्वामी का जन्म 540 ई० पू० कुण्डाग्राम (वैशाली) में हुआ।
- महावीर स्वामी के बचपन का नाम वर्धमान था। इन्होंने 30 वर्ष की अवस्था में माता–पिता की मृत्यु के बाद संन्यास ग्रहण किया।
- महावीर स्वामी ने अपने उपदेश प्राकृत भाषा (अर्द्धमागधी) में दिए।
- जैन धर्म के **त्रिरत्नों** के नाम इस प्रकार हैं– (i) सम्यक् दर्शन (ii) सम्यक् ज्ञान (iii) सम्यक् आचरण
- जैन धर्म के पंच महाव्रत हैं – अहिंसा, सत्यव्रत, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य।
- जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर काशी के इक्ष्वाकु वंश के राजा अश्वसेन के पुत्र पार्श्वनाथ थे। इनके द्वारा दी गई शिक्षा थी– (i) हिंसा न करना, (ii) सदा सत्य बोलना, (iii) चोरी न करना, एवं (iv) संपत्ति न रखना (v) ब्रह्मचर्य।
- जैन धर्म आत्मा को मान्यता प्रदान करता है।
- खजुराहो के जैन मंदिरों का निर्माण चंदेल वंश के शासकों के दवारा किया गया था।

- मौर्योत्तर युग में मथुरा जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था।
- जैन धर्म ईश्वर में विश्वास नहीं रखता है।

जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर एवं प्रतीक- चिह्न

तीर्थंकर का नाम	प्रतीक-चिह्न
ऋषभदेव (पहले)	सांड़
अजितनाथ (दूसरे)	हाथी
संभव (तीसरे)	घोड़ा
संपार्श्व (सातवें)	स्वस्तिक
शांति (सोलहवें)	हिरण
नामि (इक्कीसवें)	नीलकमल
अरिष्टनेमि (बाईसवें)	शंख
पार्श्व (तेईसवें)	सर्प
महावीर (चौबीसवें)	सिंह

- महावीर **24 तीर्थंकरों** में अंतिम तीर्थंकर थे। इन्हें 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक के पास ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।
- जैनधर्म चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में दो पंथों में विभक्त हो गया – श्वेताम्बर और दिगम्बर।
- पहली परिषद् 300 ई० पू० पाटलिपुत्र में स्थूलभद्र के द्वारा आयोजित की गई।
- दूसरी परिषद् छठी शताब्दी में बल्लभी (गुजरात) में देवारधि क्षमाश्रवण के नेतृत्व में हुई।
- 468 ई० पू० बिहार राज्य के पावापुरी (राजगीर) में 72 वर्ष की आयु में महावीर ने निर्वाण (मृत्यु) प्राप्त किया।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे।
- गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक जगह पर हुआ था।
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
- उनके पिता शाक्य गणराज्य के शासक थे, जिनका नाम शुद्धोधन था और माता का नाम महामाया था।
- गौतम बुद्ध का विवाह 16 वर्ष की अवस्था में यशोधरा नामक सुन्दर कन्या के साथ हुआ। इनके पुत्र का नाम राहुल था।
- सिद्धार्थ को कपिलवस्तु का भ्रमण करते समय ये चार दृश्य दिखे –
  (i) एक बूढ़ा व्यक्ति,
  (ii) एक बीमार व्यक्ति,
  (iii) एक मृतक एवं
  (iv) एक संन्यासी
- सिद्धार्थ को 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में वैशाख की पूर्णिमा की रात्रि निरंजना (फल्गु) नदी के किनारे पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- ज्ञान-प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ को बुद्ध के नाम से जाना गया। ज्ञान-प्राप्ति का स्थान बोधगया (बिहार) कहलाया।
- गौतम बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (वाराणसी) नामक स्थान पर दिया था। बौद्ध धर्म में इसे धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया है।
- गौतम बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा 'पालि' में दिए।
- 'पालि त्रिपिटक' ग्रंथ से हमें बौद्ध धर्म के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।
- बौद्ध धर्म का ईश्वर में विश्वास नहीं है। इस धर्म में आत्मा की परिकल्पना भी नहीं की गई है। जबकि इस धर्म में पुनर्जन्म की मान्यता है।
- बौद्ध धर्म के **त्रिरत्न** इस प्रकार हैं– बुद्ध, धम्म एवं संघ।
- तृष्णा क्षीण हो जाने की अवस्था को ही बुद्ध ने निर्वाण कहा है।
- विश्व दुखों से भरा है' इस सिद्धान्त को बुद्ध ने उपनिषद से उद्धृत किया।
- बौद्ध धर्म तीन मुख्य पंथों में विभाजित हो गया – हीनयान, महायान और वज्रयान।
- **तीन त्रिपिटक** – विनय पिटक (नियम और कानून जिसे बुद्ध ने फैलाया था), सुत्त पिटक (स्वयं बुद्ध के द्वारा दिए गए भाषण) और अभिधम्म पिटक (बौद्ध दर्शन) पर प्रकार डाला गया है।
- जातक कथाएँ बुद्ध के पुनर्जन्म की कहानियाँ हैं।
- गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण मल्लों की

राजधानी कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में 483 ई० पू० में 80 वर्ष की अवस्था में हुई।

शैव धर्म

- ऋग्वेद में शिव के लिए 'रूद्र' नामक देवता का उल्लेख है।
- एक संप्रदाय के रूप में शैव धर्म का प्रारंभ, शुंग सातवाहन काल से हुआ।
- शैव संप्रदायों का सर्वप्रथम उल्लेख, पंजजलि के महाभावय में शिव भागवत के नाम से हुआ।
- लिंग पूजा का पहला स्पष्ट वर्णन 'मत्स्यपुराण' में मिलता है।
- दक्षिण भारत में शैवधर्म चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव एवं चोलों के काल में लोकप्रिय हुआ।
- शैव धर्म का प्रचार आडियार संतों ने किया, ये संख्या में 63 थे।
- ऐलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूटों के द्वारा करवाया गया था।
- वामन पुराण में शैव संप्रदाय की संख्या चार बताई गई है– 1. शैव, 2. पाशुपत, 3. कापालिक, 4. कालामुख।

वैष्णव धर्म

- वैष्णव धर्म के प्रवर्तक कृष्ण थे।
- छान्दोग्य उपनिषद में श्रीकृष्ण का सर्वप्रथम उल्लेख किया गया।
- इस धर्म का उद्मव मौर्योतर काल में हुआ।
- वैष्णव धर्म में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भक्ति को माना गया है।
- कृष्ण को मेगस्थनीज ने 'हेराक्लीज' कहा।
- अलवार दक्षिण भारत के वैष्णव संत थे।

इस्लाम धर्म

- इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब थे।
- पैगंबर मुहम्मद साहब ने कुरान की शिक्षाओं का उपदेश दिया था।
- हजरत मुहम्मद साहब की मृत्यु के उपरान्त इस्लाम धर्म शिया तथा सुन्नी नामक दो पंथों में विभाजित हो गया।
- इब्न ईशाक ने सर्वप्रथम पैगंबर मुहम्मद साहब का जीवन–चरित लिखा।
- पैगंबर मुहम्मद साहब के जन्म–दिन पर ईद–ए–मिलाद–उन–नबी मनाया जाता है।
- कुरान इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ है।
- हजरत मुहम्मद साहब को 610 ई० में मक्का के पास हीरा नामक गुफा में ज्ञान प्राप्ति हुई।
- मान्यता है कि देवदूत जिब्रियल ने मुहम्मद साहब को कुरान अरबी भाषा में भेजा था।

ईसाई धर्म

- ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह हैं।
- ईसाई धर्म का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ **बाइबिल** है।
- रोमन गवर्नर पोंटियस ने ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया था।
- ईसा मसीह का जन्म–दिवस 'क्रिसमस' के रूप में मनाया जाता है।
- ईसा मसीह की माता का नाम 'मेरी' एवं पिता का नाम 'जोसेफ' था।
- ईसाई धर्म का सबसे पवित्र चिह्न 'क्रॉस' है।
- ईसा मसीह ने अपने जीवन के प्रथम 30 वर्ष एक बढ़ई के रूप में बैथलेहम के निकट नाजरेथ में व्यतीत किए।

प्राचीन भारत के महत्त्वपूर्ण वंश

हर्यंक वंश (544 – 412 ई० पू०)

- **बिम्बिसार** हर्यंक वंश के संस्थापक और प्रथम शासक थे। उनके राज्य की राजधानी राजगृह थी।
- उन्होंने वैवाहिक संधियों से अपनी स्थिति को मजबूत बनाया। उनकी तीन पत्नियाँ थीं – कौशल के राजा की बेटी, चेलना (लिच्छवी राजकुमारी) और मद्र देश, (आधुनिक पंजाब) की राजकुमारी।
- बिम्बिसार ने अवन्ति के राजा प्रद्योत की चिकित्सा के लिए राजवैद्य जीवक को उज्जैन भेजा।
- जैन साहित्य में बिम्बिसार को 'श्रेणिक' की उपाधि प्रदान की गई है।
- बिम्बिसार को दहेज के रूप में 1 लाख की आबादी वाला काशी गाँव मिला।
- बुद्धघोष कहता है कि बिम्बिसार के विशाल साम्राज्य में 8 लाख ग्राम शामिल थे।

- उसने राजगृह नाम के नए नगर की स्थापना की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- बुद्ध से भेंट होने के बाद उसने बौद्ध धर्म को अंगीकार कर लिया।
- 'महावेश' की धारणा के अनुसार उसने 52 वर्ष शासन किया। इतिहासकारों का अनुमान है कि यह काल 543 ई० पू० से 493 ई० तक रहा होगा।
- बिम्बिसार के बाद **अजातशत्रु** ने गद्दी संभाली। उसने अपने पिता को मारा और राजगद्दी पर अपना अधिकार किया।
- अजातशतु को उपनाम 'कुणिक' के नाम से जाना जाता है।
- वह भगवान महावीर और भगवान बुद्ध का समकालीन था और बौद्ध धर्म को माननेवाला था।
- अजातशत्रु के बाद उदयिन ने राजगद्दी संभाली।
- उसने पटना में गंगा और सोन के संगम पर एक किला बनवाया।
- उसने राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र में स्थानांतरित किया।
- उदयिन या उदयभद्र ने 32 वर्ष तक राज्य किया।

शिशुनाग वंश (412 – 344 ई० पू०)

- अन्तिम हर्यक शासक नागदशक को उसके दरबारी शिशुनाग ने अपदस्थ करके 412 ई० पू० में शिशुनाग वंश की स्थापना की।
- शिशुनाग के बाद उनके पुत्र कालाशोक ने राज्य संभाला।
- दि्वतीय बौद्ध-परिषद वैशाली में आयोजित की गयी।
- इसका आयोजन 383 ई० पू० में कालाशोक ने किया।
- शिशुनाग वंश के अंतिम शासक नन्दीवर्धन थे।
- 'पुराण' और 'दिव्यावदान' यह बताते हैं कि 'कालाशोक' का एक अन्य नाम 'काकवर्ण' था।
- कालाशोक ने अपनी राजधानी वैशाली से पाटलिपुत्र में स्थापित की।
- यदि 'दीपवंश' और 'महावंश' पर विश्वास किया जाए तो उसने 28 वर्षों तक शासन किया।
- कालाशोक की मृत्यु के बाद उसके उत्तराधिकारियों ने 22 वर्ष तक शासन किया।

नन्द वंश (कौटिल्य/विष्णुगुप्त)

- महापद्मनन्द ने नन्द वंश की स्थापना शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में की।
- नन्द वंश के पास एक विशाल सैन्य शक्ति थी जिसमें 2,00,000 पदाति (पैदल), 20,000 घुड़सवार, 2,000 रथ और 3,000 हाथी थे।
- नन्द वंश के अन्तिम शासक धना नन्द थे। वे सिकन्दर के समकालीन थे।
- सिकन्दर ने 326 (ई० पू०) में धना नन्द के शासक काल के दौरान भारत पर आक्रमण किया।
- महाबोधि वंश में प्रथम नन्द राजा को उग्रसेन बताया गया है। पुराणों के अनुसार उसे महापद्म या महापद्मपति कहा गया है।
- 'कर्टियस' कहता है कि नन्द का पिता नाई था जिसके संबंध कालाशोक की पत्नी से थे।
- डायटोरस के अनुसार नाई का पुत्र समझे जाने के कारण नंद का कहीं सम्मान नहीं होता था।
- महापद्म नंद के आठ पुत्र थे। उसका अंतिम पुत्र धनानंद सिकंदर के काल का था। ग्रीक लेखकों ने उसे अग्रमीज एवं जैन्द्रमीज कहा।
- धनानंद का पराभव चंद्रगुप्त मौर्य ने किया।
- धनानंद के शासन के मध्य में सिकंदर ने 322 ई० पू० में पश्चिमी तट पर हमला किया।

मौर्य साम्राज्य (322–185 ई० पू०)

चन्द्रगुप्त मौर्य

- मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य था।
- उन्होंने चाणक्य की सहायता से राजा धना नन्द को हराया।
- चन्द्रगुप्त का ग्रीक और लैटिन नाम सेन्ड्रोकोटोस या एन्ड्रोकोटस था।
- चंद्रगुप्त की राजधानी पाटलिपुत्र थी।
- चंद्रगुप्त ने 24 वर्षों तक शासन किया।
- चंद्रगुप्त ने 305 ई० पू० में सेल्यूकस निकेटर को हराया।

- सेल्यूकस निकेटर ने अपनी पुत्री कार्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी और युद्ध की संधि शर्तों के अनुसार चार प्रांत काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान चन्द्रगुप्त को दे दिए।
- सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त के दरबार में मैगस्थनीज को राजदूत के रूप में भेजा।
- मैगस्थनीज ने 'इंडिका' की रचना की थी।
- चाणक्य (कौटिल्य/विष्णुगुप्त) ने 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक की रचना की।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के बाद बिंदुसार राजा बने।
- चन्द्रगुप्त का महल लकड़ी से बना हुआ था।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना अंतिम समय कर्नाटक के श्रवणबेलागोल में बिताया।

बिंदुसार

- बिंदुसार को 'अमित्रघात' के नाम से जाना जाता है 'अमित्रघात' का अर्थ 'शत्रु विनाशक' होता है।
- बिन्दुसार के शासन काल में डायमेकस नामक यूनानी राजदूत उसके दरबार में आया था।

अशोक

- बिन्दुसार के बाद उनके पुत्र अशोक ने राज्य संभाला।
- पुराणों में अशोक को अशोकवर्धन के नाम से संबोधित किया गया है।
- अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र मेंहद्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा।
- भारत वर्ष में शिलालेखों के प्रचलन का श्रेय सम्राट अशोक को प्रदान किया गया है।
- अशोक का सातवाँ शिलालेख सबसे लंबा है, जिसमें सभी सम्प्रदायों के लिए सहिष्णुता की बात है।
- कलिंग का युदध 261 ई० पू० उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ था।
- कलिंग के युदध की सामूहिक मृत्यु ने अशोक का ह्रदय परिवर्तन कर दिया और वह बौद्ध धर्म का अनुयायी बन गया।
- सारनाथ में स्थित अशोक-स्तम्भ को भारत का राष्ट्रीय प्रतीक अधिगृहीत किया गया।
- सांची सारनाथ, तक्षशिला सहित लगभग 84,000 स्तूपों को अशोक के द्वारा निर्मित किया गया।
- अशोक के द्वारा निर्मित धमेक स्तूप (सारनाथ, उत्तर प्रदेश), भरहुत स्तूप (मध्य प्रदेश), महाबोधि मंदिर गया, (बिहार) अत्यंत भव्य हैं।
- अन्तिम मौर्य राजा वृहद्रथ अपने सेनापति पुष्यमित्र के द्वारा मारा गया।
- पुष्यमित्र ने शुंग वंश की स्थापना की।
- मौर्य साम्राज्य के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं अर्थशास्त्र – कौटिल्य, इंडिका – मेगस्थनीज, राजतरंगिणी – कल्हण, महाभाष्य – पतंजलि।
- दूसरे स्रोत – पुराण, बौद्ध संग्रह, अशोक के अभिलेख, मौर्यों के पत्थरों और स्तम्भों पर (शिलाएँ) अध्यादेश।

संख्या	शासक	शासन
1.	चंद्रगुप्त मौर्य	322 (ई०पू०) से 297 (ई०पू०)
2.	बिंदुसार	298 (ई०पू०) से 272 (ई०पू०)
3.	अशोक	274 (ई०पू०) से 232 (ई०पू०)
4.	दशरथ	232 (ई०पू०) से 224 (ई०पू०)
5.	सम्प्रति	224 (ई०पू०) से 215 (ई०पू०)
6.	सलिसुक	215 (ई०पू०) से 202 (ई०पू०)
7.	देववर्मन	202 (ई०पू०) से 195 (ई०पू०)
8.	सत्तधनवन	195 (ई०पू०) से 187 (ई०पू०)
9.	वृहद्रथ	187 (ई०पू०) से 185 (ई०पू०)

शुंग वंश (185 से 73 ई॰पू॰)

- पुष्यमित्र शुंग मौर्य साम्राज्य के अन्तिम राजा वृहद्रथ का सेनापति था। उसने वृहद्रथ को मारकर 184 (ई० पू०) में शुंग वंश की स्थापना की।
- वह मगध वंश का था और इसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी लेकिन बाद में शुंग शासकों की राजधानी उज्जयिनी (विदिशा) हुई।

शुंग शासक

- पुष्यमित्र शुंग, अग्निमित्र, वासुज्येष्ठ वसुमित्र, अन्ध्रक पुलिन्दक, घोष, वज्रमित्र, भागभद्र, देवभूति

- पतंजलि (संस्कृत के व्याकरणाचार्य) पुष्यमित्र शुंग के द्वारा संरक्षित किए गए थे।

कण्व वंश

- संस्थापक – वासुदेव कण्व
- वासुदेव एक ब्राह्मण थे और भगवान विष्णु के अनुयायी थे।
- अन्य शुंग शासक – भूमिमित्र, नारायण, सुशर्मण।
- सुशर्मण सातवाहन शासक के द्वारा मारा गया।

आंध्र सातवाहन वंश

- **संस्थापक** – सिमुक
- आन्ध्र वंश कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच के क्षेत्र में अवस्थित था।
- सबसे शक्तिशाली सातवाहन राजा गौतमीपुत्र शतकर्णी (106 से 130 ई०) थे।
- उन्होंने शकों, यवन (ग्रीक) और पल्लवों (पार्थियन) को पराजित किया।

अन्य वंश

- खरवेला चेदि वंश के सबसे महानतम शासक थे।
- जानकारियों (सूचना) के स्रोत –हाथीगुम्फा स्तम्भ शिलालेख (खरवेला के द्वारा निर्मित)।
- खरवेला ने डेमेट्रियसों (बैक्ट्रिया) का विरोध किया और उनको पराजित किया।
- इंडो-ग्रीक, भारत में सोने का सिक्का जारी करने वालों में से पहले थे। सिक्का जारी करने की संख्या कुषाण शासन काल में बढ़ गई।
- शक मूलतः ईरान के घुमन्तू जनजातियों के दल थे या सीथियन जनजाति के थे जो मध्य एशिया में रहते थे।
- भारत के सबसे प्रसिद्ध शक शासक रुद्रदामन I (130 – 150 ई० पू०) थे।
- उत्तर पश्चिमी भारत में शक राज्यों का अनुकरण पार्थियन (शक पहलव संस्कृत संग्रह में) ने किया।
- सबसे प्रसिद्ध पार्थियन राजा गोंडोफेरनेस थे।
- वे कुषाणों द्वारा पहली शताब्दी दिवतीयार्ध में पराजित किए गए।

संगम राज्य

संगम	संचालन स्थान	प्रमुख	राज्य
पहला	थेनमदुरई	अगस्त्य	पान्डिया
दूसरा	कपटपुरम	पूर्व में अगस्त्य, बाद में तोलकप्पिर (अगस्त्य के शिष्य)	पान्डिया
तीसरा	उत्तर मदुरई	नक्कीरर	पान्डिया

संगमकालीन प्रमुख राजवंश

चेर राजवंश

- चेर वंश का शासन केरल के क्षेत्र पर था। इस वंश का प्रतीक चिह्न धनुष था।
- चेर वंश के संस्थापक उतियन चेरालतन थे।
- चोल वंश के संस्थापक – विजयालय, (850–87 ई०) राजधानी – कावेरीपट्टनम।
- चोल वंश के सबसे अधिक शक्तिशाली राजा – राजराज (985 – 1014) और उनके पुत्र राजेन्द्र I थे।

चोल राजवंश

- चेर, चोल, पाण्ड्य राजवंशों के राजचिह्न क्रमशः धनुष, बाण तथा मछली थे।
- राजेन्द्र I ने नई राजधानी की स्थापना की जिसे गंगैकोड चोलपुरम् कहा जाता था।
- राजेन्द्र I ने सुमात्रा के राजाओं को नौसेना के अभियान में पराजित किया और उनके राज्य के एक हिस्से को अपने राज्य में मिला लिया।
- चोल वंश के सबसे अन्तिम शासक राजेन्द्र चोल III थे। पाण्ड्य वंश, राजधानी मदुरई।
- सम्पूर्ण चोल साम्राज्य 6 प्रांतों में विभक्त था। प्रांत को मंडलम् कहा जाता था। मंडलम कोट्टयम में, कोटयम नाडु में, नाडु कुर्रमों में विभक्त था।

पांड्य राजवंश

- पाण्ड्य शासक लगातार पल्लवों, चोलों और सीलोन के शासकों से युद्धरत थे।
- तीन संगम महाकाव्य – सिलप्पादिकरम, मितिमेकालई और सिवाग सिडामनई थे।

गुप्त साम्राज्य (320 - 550)

- गुप्त वंश के संस्थापक – श्रीगुप्त।
- गुप्त काल में महान गणितज्ञ आर्यभट्ट हुए थे। इन्होंने शून्य (0) संख्या की खोज की थी और पाइ (π) का मान ज्ञात किया। इन्होंने 'आर्यभट्टीयम' और 'सूर्यसिद्धांत' की रचना की थी।
- महान चिकित्सक धन्वंतरि का भी इसी युग में जन्म हुआ था।
- संस्कृत भाषा और साहित्य इस काल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर थे। कवि कालिदास, दण्डी, विशाखदत्त, शूद्रक और भारवि–सब गुप्त युग से संबंधित थे।
- **चंद्रगुप्त** (319 – 335) घटोत्कच के पुत्र और श्रीगुप्त के पौत्र थे।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में चीनी बौद्ध यात्री फाहियान भारत की यात्रा पर आया था।
- कालिदास चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में संस्कृत भाषा के सबसे प्रसिद्ध कवि थे।
- गुप्त संवत (319–320 ई0) की शुरुआत चंद्रगुप्त प्रथम ने की।
- समुद्रगुप्त भगवान विष्णु की पूजा करता था।
- अंतिम गुप्त शासक भानुगुप्त था।
- गुप्तकाल का सबसे महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र उज्जैन था।
- धन्वंतरि चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में रहने वाले आयुर्वेदाचार्य थे।
- गुप्तकाल में मंदिर बनाने की कला का शुभारंभ हुआ।
- कुमारगुप्त प्रथम (415–454 ई०) ने नालन्दा विश्वविद्यालय का निर्माण किया।
- चंद्रगुप्त ने कुमारदेवी से विवाह किया था जो मगध के राजा की पुत्री थी। मगध के राजा ने गुप्त साम्राज्य को शक्तिशाली बनने में मदद की थी।
- चंद्रगुप्त के शासन की जानकारी का मुख्य स्रोत हरिषेण द्वारा लिखित 'प्रयाग प्रशस्ति' है।
- गुप्त संवत् की स्थापना 319–320 में चंद्रगुप्त प्रथम ने की। गुप्त संवत् और शक संवत् के मध्य 241 वर्षों का अंतर था।
- चंद्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी **समुद्रगुप्त** हुआ, जो कि 335 ई० में शासन संभाला। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को हराया, इसी कारण उन्हें 'भारतीय नेपोलियन' कहा जाता है।
- समुद्रगुप्त के बाद उनके पुत्र चंद्रगुप्त विक्रमादित्य राजा बने।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती का विवाह वकाटक राजा के पुत्र से किया। ये राजा ब्राह्मण जाति के थे और मध्य एशिया में शासन करते थे।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में नवरत्न थे। कालिदास उन नवरत्नों में से प्रमुख थे।
- उन्होंने पश्चिमी मालवा और गुजरात को जीता, जो उस समय लगभग चार शताब्दियों से शक क्षत्रपों से शासित था।
- **कुमारगुप्त** चंद्रगुप्त द्वितीय के पुत्र थे।
- हूणों के सम्पूर्ण उत्तरी भारत पर आक्रमण से कुमारगुप्त के आधिपत्य को बुरी तरह से खतरा हो गया।
- स्कन्दगुप्त कुमारगुप्त के पुत्र थे।
- उन्होंने पुष्यमित्र को पराजित किया जो कुमारगुप्त के शासनकाल के दौरान शक्तिशाली हो गए थे। उन्होंने श्वेत हूणों को भी पराजित किया

गुप्त वंश के शासक

गुप्त I	270 ई० – 290 ई०
घटोत्कच	290 ई० – 319 ई०
चंद्रगुप्त I	319 ई० – 335 ई०
समुद्रगुप्त	335 ई० – 375 ई०
चंद्रगुप्त II	375 ई० – 414 ई०
कुमारगुप्त I	415 ई० – 455 ई०
स्कन्दगुप्त I	455 ई० – 467 ई०

- गुप्त काल के दौरान ताम्रलिप्ति महत्त्वपूर्ण व्यापारिक स्थल के रूप में बंगाल में एक बन्दरगाह था।
- गुप्त साम्राज्य में कुमारमात्य सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण अधिकारी होते थे।
- साम्राज्य विभागों में विभाजित होते थे – भुक्ति (उपकारिक के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत था), विश्व (जिला) विश्वपति के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत था।
- गुप्तकाल में चाँदी के सिक्कों को 'रुप्यका' कहा जाता था।

- गुप्तकाल 'प्राचीन भारत के स्वर्णयुग' के रूप में भी जाना जाता है।

गुप्तकाल की महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कृतियाँ

महाकाव्य	कवि
रघुवंश, ऋतुसंहार, मेघदूतम	कालिदास
रावण वध	वत्सभट्टि
काव्य दर्शन और दशकुमारचरित	दण्डी
किरातार्जुनीयम्	भारवी
नाटक	
विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कुमारसम्भवम्,	कालिदास
मृच्छकटिकम्	शूद्रक
स्वप्नवासवदत्तम्, चारुदत्त और प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्	भास
मुद्राराक्षस और देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त
स्तम्भ कीर्ति लेख प्रयाग प्रशस्ति	हरिसेन
दर्शन सांख्यकारिका (सांख्य दर्शन पर आधारित) पदार्थ धर्मसंग्रह (वैशेषिक प्रशस्तिपद दर्शन पर आधारित)	ईश्वर कृष्ण आचार्य
व्यास भास (योगदर्शन पर आधारित)	आचार्य व्यास
नव्य भाष्य (नव्य दर्शन पर आधारित)	वात्स्यायन

धार्मिक कृति

इस काल के दौरान दो महान महाकाव्य रामायण और महाभारत को अन्तिम रूप दिया गया।

व्याकरण

अमरकोष	अमरसिंह
चंद्रव्याकरण	चंद्रगोमिन
काव्यादर्श	दण्डी
कथाएँ पंचतंत्र	विष्णु शर्मा
हितोपदेश	नारायण पंडित
स्मृतियाँ याज्ञवल्क्य स्मृति, पराशरस्मृति, वृहस्पतिस्मृति, नारदस्मृति और कात्यायनस्मृति, गणित और ज्योतिषि आर्यभट्टीय, दशजितिका सूत्र,	आर्यभट्ट
बृहत्संहिता और पंचसिद्धान्तिका,	वाराहमिहिर
ब्रह्मसिद्धान्तिका	ब्रह्मगुप्त
विभिन्न कृतियाँ नीति शास्त्र	कामन्दक
कामसूत्र	वात्स्यायन
काव्यालंकार	भामह
अभिज्ञान शाकुन्तलम, कुमारसंभवम्	कालिदास
मध्यमव्यायोग, दूतवाक्य, बालचरित, प्रतिमा, अभिषेक, अविमार्क, दूतघटोत्कच, कर्णभार, उरूभड़ग, पांचरात्र	भास
भट्टी काव्य या रावण वध	भट्टी
सांख्यकारिका	ईश्वर कृष्ण
प्रमाण समुच्चय	दिड्.नाग
वसुबंधु की जीवनकथा	परमार्थ
'पदार्थ धर्म संग्रह' या 'वैशेषिक पद्धति दर्शन'	प्रशस्तपाद

चंद्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न

- अमर सिंह (शब्दकोष)
- वेतालभट्ट (जादू)
- शंकु (स्थापत्य)
- वाराहमिहिर (ज्योतिष)
- धन्वंतरि (चिकित्सा)
- कालिदास (नाटक एवं कविता)
- वररुचि (व्याकरण)
- हरिषेण (कविता)
- कहपनक (ज्योतिष)

गुप्तकालीन मंदिर

क्रम संख्या	मंदिर	स्थान
1.	दशावतार मंदिर	देवगढ़ (झांसी, उ० प्र०)
2.	शिव मंदिर	भूमरा (नागोड़, म० प्र०)
3.	पार्वती मंदिर	नचनाकुठार (म० प्र०)
4.	विष्णु मंदिर	तिगवा (जबलपुर, म० प्र०)
5.	लक्ष्मण मंदिर	भीतरगाँव (कानपुर, उ० प्र०)
6.	शिव मंदिर	खोह (नागोड़, म० प्र०)

उत्तर गुप्त काल (550 ई० - 647 ई०)

उत्तर भारत

पुष्यभूति वंशः पुष्यभूति (संस्थापक)

- पुष्यभूति वंश ने थानेश्वर में (करनाल, हरियाणा), छठी शताब्दी के प्रारम्भ में शासन स्थापित किया।
- इस वंश के पहले महत्त्वपूर्ण राजा प्रभाकरवर्धन (580 – 605 ई.) थे।
- मौखरी राजा ग्रहवर्मन ने राज्यवर्धन के बहनोई की हत्या कर दी और उनकी बहन राजश्री को मालवा के देवगुप्त और गौड़ के शासक की सहायता से कैदी बना लिया।
- राज्यवर्धन ने देवगुप्त को बुरी तरह से पराजित किया और गौड़ के शासक के द्वारा मारा गया।
- **हर्षवर्धन** उत्तर भारत का अन्तिम हिन्दू शासक था।
- हर्षवर्धन के शासनकाल में ही चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत की यात्रा आया था।
- हर्षवर्धन ने 'प्रियदर्शिका', 'रत्नावली' तथा 'नागानंद' नामक तीन संस्कृत नाटक ग्रंथों की रचना की।
- हर्ष के मंत्री परिषद के मंत्री को 'सचिव' या 'आमात्य' कहा जाता था।
- हर्ष के समय में मथुरा को सूती वस्त्रों के निर्माण के लिए जाना जाता था।
- हर्ष के दरबार में बाणभट्ट के अलावा मयूर, दिवाकर एवं जयसेन जैसे विद्वान भी थे।
- हर्ष के समय में नालंदा विश्वविद्यालय का कुलपति 'शीलभद्र' था।
- उसके दरबारी कवि बाणभट्ट ने उसकी जीवनी 'हर्षचरित' के अलावा 'कादम्बरी' लिखी।
- हर्ष ने दो राज्यों थानेश्वर और कन्नौज का एकीकरण किया और अपनी राजधानी को थानेश्वर से कन्नौज स्थानांतरित किया।

दक्षिण भारत

चालुक्य

- चालुक्यों की राजधानी – बदामी (उत्तरी कर्नाटक का वागलकोट जिला) थी।
- **पुलकेशिन I** (535–566 ई०) को साधारणतः प्रथम चालुक्य राजा बनने का श्रेय दिया जाता है।
- पुलकेशिन II इस वंश के श्रेष्ठतम शासक थे, जिन्होंने 610–643 ई० तक शासन किया। वे हर्षवर्धन के समकालीन थे। उन्होंने हर्षवर्धन को दक्कन आने से रोका।
- पल्लवों ने प्रारम्भ में थोंडईमंडलम् के क्षेत्र को जीता।
- नरसिंहवर्मन ने महाबलीपुरम के सुन्दर मंदिरों को पूरी तरह से बनवाया।

राष्ट्रकूट (753–973 ई०)

यह वंश **दन्तिदुर्ग** के द्वारा (752 ई०) संस्थापित था। कृष्ण I ने एलोरा में कैलाश मंदिर को बनवाया। अमोघवर्ष, जिसकी तुलना विक्रमादित्य से की जाती है, ने पहली कन्नड़ कविता 'कविराजमार्ग' लिखी। राष्ट्रकूटों को गुहा मंदिर एलीफेन्टा बनाने का श्रेय प्राप्त है जो शिव को समर्पित है।

- इस वंश के प्रमुख शासक थे – कृष्ण प्रथम, ध्रुव, गोविंद तृतीय, अमोघवर्ष, कृष्ण –ii द्वितीय, इंद्र – तृतीय एवं कृष्ण – तृतीय।
- राष्ट्रकूट मुख्यतः शैव, वैष्णव, शाक्त एवं जैन संप्रदाय के उपासक थे

गंग

- उड़ीसा में शासन किया। गंग राजवंश के शासक नरसिंह देव वर्मन ने कोणार्क में सूर्य मंदिर बनवाया। अनंतवर्मन ने पुरी में जगन्नाथ मंदिर बनवाया। केशरी, जिन्होंने गंग वंश के बाद शासन किया, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर बनवाया।

पल्लव

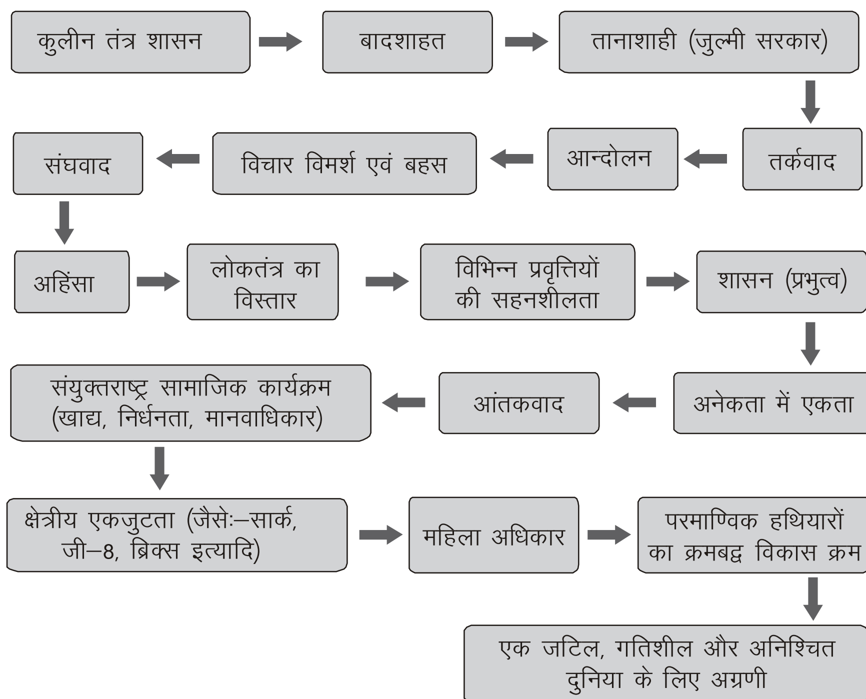
- **पाल वंश** की स्थापना गोपाल ने 750 ई० में की थी।
- संस्थापक सिंहविष्णु : राजधानी – कांची; सबसे श्रेष्ठतम राजा नरसिंहवर्मन प्रथम, जिन्होंने मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) नगर की स्थापना की और 'पत्थर – कटे हुए रथ' और 'सात पेगोडा' बनवाया।
- इस वंश की राजधानी मुंगेर थी। जिसके सबसे महान शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी और नालन्दा विश्वविद्यालय का पुनरोद्धार किया था।
- **प्रतिहारों** के सबसे बड़े शासक मिहिर भोज थे।
- खजुराहो के मंदिर **चंदेलों** के शासन के दौरान बुंदेलखंड में बनवाये गए।
- वतापी के चालुक्यों की स्थापना पुलकेशिन I, जो हर्षवर्धन के समकालीन थे, के समय की गई।
- **राजपूत** चार वंशों में विभाजित थे–प्रतिहार (दक्षिणी राजस्थान), चौहान (पूर्वी राजस्थान), चालुक्य/सोलंकी (काठियावाड़), परमार (मालवा)।

चोल

- संस्थापक–**विजयालय,** राजधानी – **तंजौर**
- आदित्य I चोल ने पल्लवों को खदेड़ दिया और पांड्यों को कमजोर बना दिया।
- **पुरान्तक I** ने मदुरई पर अधिकार प्राप्त किया लेकिन राष्ट्रकूटों के शासक कृष्ण III के द्वारा तक्कोलम के युद्ध में पराजित हुए।
- **राजराजा I** (985 – 1014 ई.) ने नौसेना अभियान का नेतृत्व किया। शैलेन्द्र साम्राज्य (मलय द्वीप) के विरुद्ध संघर्ष किया और उत्तरी श्रीलंका को जीता। उन्होंने 'राजराजेश्वरी' (या वृहदेश्वर) शिव के मंदिर को तंजौर में बनवाया।
- **राजेन्द्र I** (1014-1044) ने सम्पूर्ण श्रीलंका को अपने राज्य में सम्मिलित कर लिया, गंगईकोन्डा की उपाधि प्राप्त की और गंगईकोन्डा चोलापुरम् की स्थापना की।
- तमिल साहित्य का विकास हो सका तथा वेंकट माधव द्वारा ऋग्वेद की टीका लिखी गई।
- शिव की नृत्य आकृति (नटराज) का चोल युग से संबंध है। इस काल में स्थानीय स्वंय शासन अस्तित्व में आया।
- कालक्रमानुसार चोलों की राजधानी थी – उरैयूर, तंजौर, गंगईकोन्डा, चोलापुरम एवं कांची।
- चोल काल में समृद्ध व्यापारी–समूह इन नामों से जाने जाते थे – वलंजियार, नानादैसी एवं मनिग्रामम्।
- कन्नड़ साहित्य के त्रिरत्न इसी कालावधि में हुए – पंप, पोन्न एवं रत्न।



शीर्षस्थ राजनीतिक प्रवृत्तियाँ/ घटनाएँ/ विकासक्रम
(जिन्होंने विश्व के परिदृश्य को बदला)



भारतीय-राजव्यवस्था एक दृष्टि

भारतीय संविधान

संविधान का निर्माण
- महत्त्वपूर्ण अधिनियम
- संवैधानिक सभा
- कानून और उसका लागू होना

संविधान की महत्त्वपूर्ण रूपरेखा
- भूमिका
- प्रारम्भिक रूपरेखा
- महत्त्वपूर्ण उद्धरण
- स्रोत

भारतीय संविधान का स्वरूप
- अनुच्छेदों की सूची
- अनुसूचियों की सूची
- संशोधनों की सूची (अब तक)

संवैधानिक ढाँचा
- भूमिका
- संघ और क्षेत्र
- नागरिकता
- मौलिक अधिकार, मौलिक कर्त्तव्य और निति निदेशक तत्व
- संघ और राज्य कार्यकारिणी समिति
- संघ और राज्य गठन
- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय
- भारतीय दंड संहिता
- पंचायती राजव्यवस्था और नगरपालिकाएँ
- केन्द्र राज्य संबंध
    - सूची- I. II, III
    - अंतर्राज्यीय परिषद
    - मंडलीय परिषद
- अनुच्छेद 370 जम्मू और कश्मीर
- समान नागरिक संहिता कश्मीर

संवैधानिक निकाय
- चुनाव आयोग
- संघ लोक सेवा आयोग/राज्य लोक सेवा आयोग
- वित्त आयोग
- महालेखा नियंत्रक और महालेखा परीक्षण
- राष्ट्रीय आयोग
- महाधिवक्ता

विधिक निकाय
- लोकपाल और लोकयुक्त
- राष्ट्रीय दलित आयोग
- नीति आयोग
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

भारतीय सरकार

सरकार के प्रकार
- लोकतांत्रिक
- संसदीय
- संधीय

संस्थानिक ढाँचा
- विधान सभा
- कार्यपालिका
- न्यायपालिका

सरकार का स्तर
- संघ
- राज्य
- क्षेत्रीय

चुनाव
- चुनावी प्रणाली
- चुनावी सुधार

राजनीतिक दल एवं प्रभावी समूह
- रचना (निर्माण)

विदेश
- नीतियाँ और उद्देश्य
- लुक इस्ट पॉलिसी
- गुजराल सिद्धांत
- परमाण्विक नीति

भारतीय राजव्यवस्था

संवैधानिक सभा का निर्माण

- सन् 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रथम बार आधिकारिक रूप से एक संविधान सभा की माँग की। इस विचार के प्रतिपादक एम. एन. रॉय थे।
- ब्रिटिश सरकार ने सन् 1940 के 'अगस्त प्रस्ताव' के माध्यम से इस माँग को स्वीकार किया। अंतत: सन् 1942 में संविधान के निर्माण से संबंधित क्रिप्स प्रस्ताव अस्तित्व में आया।
- नवंबर 1946 में 'कैबिनेट मिशन प्लान' के तहत संविधान सभा अस्तित्व में आई।

  इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित थीं-

  (1) कुल संख्या = 389

  इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के लिए एवं 96 सीटें देशी रियासतों के लिए आवंटित थीं।

  (2) प्रत्येक प्रान्त एवं रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें आवंटित थीं।

  (3) ब्रिटिश लोगों की सीटें मुस्लिम, सिख और सामान्य वर्ग के लोगों को बाँटी गई थीं।

  (4) प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधि प्रान्तीय संविधान सभा में मतदान के द्वारा निर्वाचित किए गए थे।

  (5) रियासतों के प्रमुखों ने अपने सदस्य नामांकित किए।

  निर्वाचन जुलाई-अगस्त, 1946 में घटित हुए।
- 09 दिसंबर, 1946 को प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इसमें तब केवल 211 सदस्य थे।

  (मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया।)
- देशी रियासतों ने इस बैठक से दूर रहने का निर्णय किया। अत: उनकी सीटें रिक्त रहीं।
- 03 जून, 1946 को माउंटबेटन योजना की स्वीकृति के बाद अधिकांश देशी रियासतें संविधान सभा में सम्मिलित हो गईं। दूसरे महत्त्वपूर्ण परिवर्तन संविधान सभा को एक संपूर्ण प्रभुतासम्पन्न संकाय एवं वैधानिक संकाय घोषित कर रहे थे।

कार्य प्रणाली

संवैधानिक सभा ने संविधान के निर्माण के साथ ही साथ निम्न कार्य भी किए-

- इसने मई, 1949 के कॉमनवैल्थ में भारत की सदस्यता सुनिश्चित की।
- 22 जुलाई, सन् 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को स्वीकार किया गया। इसका डिजाइन पिंगली वेंकैय्या ने तैयार किया था।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को राष्ट्रीय गान को स्वीकार किया गया।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को राष्ट्रीय गीत को स्वीकार किया गया।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया।

प्रारूप समिति

- 22 जनवरी 1947 को उद्देश्य प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त कीं। इन सबमें सबसे महत्त्वपूर्ण प्रारूप समिति थी।
- इसकी स्थापना 29 अगस्त सन् 1947 को की गई। इसे नए संविधान के प्रारूप को तैयार करने का कार्य दिया गया।

  समिति के सात सदस्य थे:

  (1) डॉ. बी. आर. अंबेडकर (अध्यक्ष)

  (2) एन. गोपालस्वामी आयंगर

  (3) डॉ. के.एम. मुंशी

  (4) टी. टी. कृष्णमचारी

  (5) सैयद मोहम्मद सदुल्लाह

  (6) एन. माधव राव

  (7) अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर
- संविधान का प्रथम प्रारूप फरवरी, 1948 में प्रकाशित हुआ। प्रारूप के बारे में बहस करने के लिए लोगों के पास 8 महीने थे। बहस के बाद सुझावों के आधार पर प्रस्तावित संशोधन किए गए। संविधान सभा के द्वारा अंतत:

एक दूसरा प्रारूप तैयार किया गया। द्वितीय प्रारूप अक्टूबर, 1948 में प्रकाशित हुआ। प्रारूप समिति ने 141 दिन तक विचार-विमर्श किया एवं प्रारूप तैयार करने में छः महीने से कम समय लिया।

- संविधान के प्रारूप पर कुल 114 दिन बहस हुई। संविधान निर्माण कार्य में कुल मिलाकर ₹ 63,96,729 व्यय हुए।

संविधान का निर्माण

- संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसंबर 1946 को संपन्न हुआ । 11 दिसबंर 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी सदस्य नियुक्त किए गए।
- संविधान का निर्माण 26 नवंबर, 1949 को हुआ। यह 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। इसके कुछ भाग 26 नवंबर, 1949 को लागू किए गए।
- संविधान सभा के सारे 284 सदस्यों ने भारतीय संविधान की आधिकारिक प्रति पर हस्ताक्षर किए जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुई।
- 26 नवंबर, 1949 ई० को संविधान को स्वीकार किया गया। इसमें 22 भाग, 395 अनुच्छेद एवं 08 अनुसूचियाँ सम्मिलित थीं।
- संविधान सभा को संविधान को तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह एवं 18 दिन लगे।

संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

1.	संचालन समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
2.	संघ संविधान समिति	पं० जवाहर लाल नेहरू
3.	प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
4.	प्रारूप समिति	डॉ० भीमराव अम्बेडकर
5.	संघ शक्ति समिति	पं० जवाहर लाल नेहरू

- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई० को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।
- कैबिनेट मिशन के सदस्य सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लॉर्ड पेंथिक लारेंस तथा ए० बी० एलेग्जेण्डर थे।

कैबिनेट मिशन (1945 ई०) के प्रस्ताव का गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल

1. जवाहर लाल नेहरू	कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
2. वल्लभ भाई पटेल	गृह, सूचना तथा प्रसारण
3. बलदेव सिंह	रक्षा
4. जान मथाई	उद्योग तथा आपूर्ति
5. सी० राजगोपालाचारी	शिक्षा
6. सी०एच० भाभा	खान एवं बन्दरगााह
7. राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि
8. आसफ अली	रेलवे
9. जगजीवन राम	श्रम

मंत्रिमंडल में शामिल मुस्लिम लीग के सदस्य

10. लियाकत अली खाँ	वित्त
11. आई० आई० चुन्दरीगर	वाणिज्य
12. अब्दुल रब नश्तर	संचार
13. जोगन्द्र नाथ मंडल	विधि
14. गजान्तर अली खाँ	स्वास्थ्य

नोट : 26 जुलाई, 1947 को गवर्नर जनरल ने पाकिस्तान के लिए पृथक संविधान सभा की स्थापना की घोषणा की।

प्रस्तावना

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना जवाहर लाल नेहरू के 'वैकल्पिक प्रस्ताव' पर आधारित थी। जवाहर लाल नेहरू ने 13 दिसंबर, 1946 को एक वैकल्पिक प्रस्ताव पेश किया। इसे 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकार किया गया।
- संविधान सभा की निर्माण समिति ने वैकल्पिक प्रस्ताव के संदर्भ में प्रस्तावना बनाते समय यह महसूस किया कि प्रस्तावना को नए राज्य को परिभाषित करने एवं इसके मूलभूत सामाजिक-राजनैतिक उद्देश्यों को परिभाषित करने

से रोका जाना चाहिए। यह भी महसूस किया गया कि संविधान के मुख्य भाग में प्रस्ताव से संबद्ध तथ्य प्रदान किए जा सकते हैं।

- समिति ने वैकल्पिक प्रस्ताव में पेश किए गए 'संप्रभुतासम्पन्न स्वतंत्र गणतंत्र' के स्थान पर 'संप्रभुतासम्पन्न लोकतांत्रिक गणतंत्र' को स्वीकार किया।
- प्रस्तावना में लिखित शब्द ''हम भारत के लोग...... इस संविधान को'' अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। भारतीय लोगों की सर्वोच्च सप्रंभुता का उद्घोष है।
- समिति ने भ्रातृत्व शब्द को जोड़ा जो वैकल्पिक प्रस्ताव में सम्मिलित नहीं था। समिति ने यह भी महसूस किया कि भ्रातृत्व भावना की जितनी जरूरत वर्तमान में है, उतनी अतीत में नहीं थी।
- कथन प्रस्तावना का अर्थ विधि का परिचय है। यह संविधान का परिचयात्मक भाग है।
- अंतत: प्रस्तावना का मसौदा श्री बी॰एन॰ राव के द्वारा 30 मई, 1947 के अनुस्मारक में तैयार किया गया। बाद में इसे 07 अक्टूबर, 1947 के मसौदे में पुन: सम्मिलित किया गया।
- संविधान सभा की विवेचना के संदर्भ में प्रस्तावना में सुधार किया गया।
- प्रस्तावना संविधान को कोई शक्ति प्रदान नहीं करती है अपितु यह उसे दिशा एवं उद्देश्य प्रदान करती है।
- यह संपूर्ण संविधान के उद्देश्य को रेखांकित करती है। प्रस्तावना में संविधान के मूलभूत तथ्य सम्मिलित रहते हैं। किसी एक्ट की प्रस्तावना मुख्य उद्देश्यों का निर्धारण करती है जिन्हें कि विधायिका प्राप्त करना चाहती है।

प्रस्तावना इस प्रकार से है-

"हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई॰ को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

- संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष तथा अखंडता शब्द 42 वें संविधान संशोधन एक्ट, 1976 के द्वारा जोड़े गए हैं। संविधान में यह भी संशोधन किया गया कि 'राष्ट्र की एकता' को 'राष्ट्र की एकता एवं अखंडता' पढ़ा जाए।
- संविधान की प्रस्तावना का लक्ष्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व' को सुनिश्चित करता है।
- संविधान की प्रस्तावना का वास्तविक उद्देश्य 'किसी व्यक्ति के गौरव को सुरक्षित रखना एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना है।'

कुछ विशेषताएँ

- मूलत: हमारे संविधान में 395 अनुच्छेद हैं जो 22 भाग एवं 8 अनुसूचियों में विभक्त हैं।
- प्रारंभ से ही हमारा संविधान संसार का सर्वाधिक लम्बा व विस्तृत संविधान है।
- संविधान में इसके वर्तमान रूप में एक प्रस्तावना, 24 भाग जिनमें कि 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ, 05 परिशिष्ट एवं अद्यतन 98 संशोधन सम्मिलित हैं।
- इसका ढाँचा इस प्रकार से बनाया गया है कि सामान्य समय में यह संघ सरकार की तरह एवं आपातकाल में ऐकिक सरकार की तरह कार्य करता है।
- यह भारत में सरकार के एक संसदीय तंत्र की स्थापना करता है।
- यह वयस्क मताधिकार के साथ ही भारत सरकार के तंत्र को भी प्रस्तुत करता है।
- यह भारत से अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है।
- यह भारत के सभी नागरिकों के लिए मूल अधिकार सुनिश्चित करता है।
- यह राष्ट्र की विधायिका एवं कार्यपालिका के दिग्दर्शन हेतु नीति निर्देशक तत्वों की व्याख्या करता है।
- यह विधायिका की कार्यपालिका से स्वतंत्रता स्थापित करता है।
- यह हिंदी को भारत की राष्ट्र भाषा घोषित करता है जो कि यथाशीघ्र अंग्रेज़ी का स्थान ले लेगा।
- विभिन्न सेवाओं में भरती के लिए संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई।
- संविधान में संशोधन करने के लिए प्रावधानों का निर्माण किया गया।

संविधान के प्रावधान एवं उनके स्रोतः

भारतीय संविधान के अंतर्गत विश्व के अनेक देशों के संवैधानिक प्रावधानों को समाहित किया गया है। भारतीय शासन अधिनियम 1935 के आधार पर ज्यादातर अनुच्छेदों को सटीक तौर पर या मामूली परिवर्तन के साथ ग्रहण किया गया है।

भारत के संविधान के निर्माण में निम्नलिखित प्रावधानों के लिए जिन विभिन्न देशों के संविधानों से मदद ली गई है उसकी सूची इस प्रकार है।

1. संयुक्त राज्य अमेरिका : प्रस्तावना, मौलिक अधिकार निष्पक्ष न्याय व्यवस्था, सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार एवं गठन की प्रक्रिया, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, राष्ट्रपति का चुनाव एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति पद।

2. ब्रिटेनः संसदीय शासन-व्यवस्था, एकल नागरिकता, कानून निर्माण पद्धति, संसद का विशेष अधिकार, मंत्रि परिषद का उत्तरदायित्व, भारतीय सेवा प्रणाली का अखिल भारतीय स्वरूप।

3. आयरलैंड : राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया, राज्यसभा सदस्यों का चुनाव, विभिन्न क्षेत्रों से माननीय व्यक्तियों का राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में मनोनीत किया जाना।

4. फ्रांस : गणतंत्र पद्धति, बराबरी का दर्जा, प्रेम व भाईचारे की उत्कृष्ट भावनाओं का समावेश होना।

5. ऑस्ट्रेलिया : समवर्ती सूची प्रावधान, संसदीय विशेषाधिकार, राज्य व केंद्र के मध्य सबंध, व्यापार वाणिज्य स्वतंत्रता।

6. जर्मनी : आपातकालीन स्थिति में राष्ट्रपति की शक्तियाँ।

7. जापान : कानूनी प्रक्रिया का स्थापित स्वरूप।

8. कनाडा : संघीय शासन व्यवस्था, अवशिष्ट शक्तियों का केंद्र में विलय, राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र व राज्य के मध्य शक्ति विभाजन।

9. रूस : मौलिक कर्त्तव्यों एवं नियोजन प्रणाली में आदर्श स्थापित होना।

10. दक्षिण अफ्रीका : संविधान में संशोधन की प्रक्रिया, राज्य सभा सदस्यों का निर्वाचन।

भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद

अनुच्छेद 1-4: संघ एवं राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 5-11: नागरिकता की प्राप्ति
अनुच्छेद 12-35: मूल अधिकारों का विनिर्देशन
अनुच्छेद 36-51: राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का विनिर्देशन।
अनुच्छेद 51-A: नागरिकों के मूलभूत अधिकार
अनुच्छेद 52-151: संघ
अनुच्छेद 152-237: राज्य
अनुच्छेद 239-242: संघ राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 245-263: केन्द्र राज्य संबंध
अनुच्छेद 301-307: भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 308-323: संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाएँ
अनुच्छेद 324-329: निर्वाचन
अनुच्छेद 343-351: राजभाषा
अनुच्छेद 352-360: आपात उपबंध
अनुच्छेद 368: संविधान का संशोधन
अनुच्छेद 369-392: अस्थायी संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध

भारतीय संविधान के महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद

भाग-1ः अनुच्छेद 1 से अनुच्छेद 4 तक

अनुच्छेद 1 :संघ का नाम एवं उसका क्षेत्र।
अनुच्छेद 2 :नये राज्यों का प्रवेश एवं स्थापना।
अनुच्छेद 3 :नये राज्यों का निर्माण एवं पुराने राज्यों के क्षेत्रफल, सीमा एवं नाम में परिवर्तन।

भाग-2ः अनुच्छेद 5 से अनुच्छेद 11

अनुच्छेद 5 : संविधान के आरंभ में नागरिकता।
अनुच्छेद-6 : ऐसे लोगों की नागरिकता का अधिकार जो पाकिस्तान से भारत में प्रवास कर रहे हैं।
अनुच्छेद-10:नागरिकता के अधिकार की निरंतरता।
अनुच्छेद-11:संसद नागरिकता के अधिकार को विधि द्वारा विनियमित कर सकती है।

भाग-3ः अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35

अनुच्छेद-12:राज्य की परिभाषा
अनुच्छेद-13:नैतिक मूल्य में ह्रास के कारण असंगत नियम।

- मूलतः संविधान ने 07 मूलभूत अधिकार प्रदान किए थे। अब केवल 06 मूलभूत अधिकार हैं। 44 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के अनुसार संपत्ति का अधिकार U/A

31 को मूल अधिकारों की सूची से हटा दिया गया है। संविधान के भाग 12 में यह एक कानूनी अधिकार U/A 300-A ही रह गया है।

कुछ महत्त्वपूर्ण मूल अधिकार हैं:

समता का अधिकार : अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18

अनुच्छेद-14: विधि के समक्ष समता

अनुच्छेद-15: धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध

अनुच्छेद-16: लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता

अनुच्छेद-17: अस्पृश्यता का उन्मूलन

अनुच्छेद-18: उपाधियों का उन्मूलन

स्वतंत्रता का अधिकारः अनुच्छेद 19 से अनुच्छेद 22

अनुच्छेद-19: सभी नागरिकों को छः अधिकारों की गारंटी देता है:

1. वाक् स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य का अधिकार।
2. बिना हथियारों के शांतिपूर्वक एकत्र होने की स्वतंत्रता।
3. संस्था या संघ बनाने की स्वतंत्रता का अधिकार।
4. भारत के राज्यक्षेत्र के अंदर भ्रमण करने की स्वतंत्रता का अधिकार।
5. भारत के राज्यक्षेत्र के अंदर निवास करने और प्रतिस्थापित होने की स्वतंत्रता।
6. किसी वृत्ति को अपनाने या किसी उपजीविका, व्यापार या कारोबार को जारी रखने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-20: अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संदर्भ में संरक्षण।

इसके तहत निम्नलिखित तीन प्रकार की स्वतंत्रता दी गई है-

(i) एक व्यक्ति को एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सजा मिलेगी।

(ii) अपराधी को अपराध करने के समय जो कानून है उसी के तहत सजा मिलेगी न कि पहले और बाद में बनने वाले कानून के तहत।

(iii) किसी भी व्यक्ति को न्यायालय में स्वंय के विरुद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद-21: प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता की रक्षा।

अनुच्छेद-21 (क) : राज्य 6 से 14 वर्ष तक की आयु के समस्त बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराएगा। (86 वां संविधान संशोधन, 2002)

अनुच्छेद-22 : गिरफ्तारी के विरुद्ध सुरक्षा एवं कुछ मामलों में नजरबंदी के विरुद्ध सुरक्षा।

यदि किसी व्यक्ति को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया हो तो उसे तीन प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान की गई है-

(i) गिरफ्तार करने का कारण बताना होगा।

(iii) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को 24 घंटों के भीतर (आने-जाने के समय को छोड़कर) दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया जाएगा।

(i) गिरफ्तार हुए व्यक्ति को अपनी पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार होगा।

शोषण के विरुद्ध अधिकारः अनुच्छेद 23 एवं अनुच्छेद 24

अनुच्छेद-23: मानव के दुर्व्यापार और बलात्श्रम का प्रतिषेध।

अनुच्छेद-24: चौदह वर्ष से कम उम्र के बालकों को कारखानों या खानों में रोजगार देने का प्रतिषेध।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारः अनुच्छेद 25 से अनुच्छेद 28

अनुच्छेद-25: अंत:करण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-26: धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-27: किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-28: कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।

संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार : अनुच्छेद 29 एवं अनुच्छेद 30

अनुच्छेद-29: अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा।

अनुच्छेद-30: शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार।

अनुच्छेद-31: 44 वें संविधान संशोधन द्वारा यह अनुच्छेद निरसित हो चुका है।

अनुच्छेद-32: मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार।

भाग-4: राज्य की नीति के निदेशक तत्वः अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51 तक।

अनुच्छेद-36: राज्य के नीति निदेशक तत्व की परिभाषा।

अनुच्छेद-37: इस भाग में अंतर्विष्ट तत्वों का लागू होना दर्शाया गया है।

अनुच्छेद-38: नागरिक को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय प्राप्ति हेतु राज्य, लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा।

अनुच्छेद-39A: समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता।

अनुच्छेद-39B: सार्वजनिक धन का स्वामित्व तथा नियंत्रण इस प्रकार करना ताकि सार्वजनिक हित का साधन सिद्ध हो।

अनुच्छेद-40: ग्राम पंचायतों का संगठन।

अनुच्छेद-41: कुछ दशाओं में नागरिकों को काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार।

अनुच्छेद-42: काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध।

अनुच्छेद-43: कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन।

अनुच्छेद-43A: उद्योगों के प्रबंध में कर्मकारों का भाग लेना।

अनुच्छेद-44: नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता।

अनुच्छेद-45: 6 वर्ष तक के बालकों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का उपबंध।

अनुच्छेद-46: अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि।

अनुच्छेद-47: पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊँचा उठाने तथा जन स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्तव्य।

अनुच्छेद-48: कृषि और पशुपालन का संगठन।

अनुच्छेद-48A: पर्यावरण संरक्षण, वन तथा वन्य जीवों की रक्षा।

अनुच्छेद-49: राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण।

अनुच्छेद-50: कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के कार्य का पृथक्करण।

अनुच्छेद-51: अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।

मूल कर्तव्य : भाग 4A अनुच्छेद-51A

- मूलतः इसमें 10 कर्तव्य सम्मिलित थे। 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा अब इसमें 11 कर्तव्य हो गए हैं।

भाग-5: संघ : अनुच्छेद 52 से अनुच्छेद 151 तक

अनुच्छेद-52: भारत का राष्ट्रपति

अनुच्छेद-53: संघ की कार्यपालिका शक्ति

अनुच्छेद-54: राष्ट्रपति का निर्वाचन

अनुच्छेद-55: राष्ट्रपति निर्वाचन की कार्य पद्धति

अनुच्छेद-61: राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया

अनुच्छेद-63: भारत का उपराष्ट्रपति

अनुच्छेद-64: उपराष्ट्रपति का राज्य सभा का पदेन सभापति होना।

अनुच्छेद-66: उपराष्ट्रपति का चुनाव

अनुच्छेद-72: राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति

अनुच्छेद-74: राष्ट्रपति को सलाह और सहायता देने के लिए मंत्रिपरिषद

अनुच्छेद-76: भारत का महान्यायवादी

अनुच्छेद-79: संसद का गठन

अनुच्छेद-80: राज्य सभा की संरचना

अनुच्छेद-81: लोक सभा की संरचना

अनुच्छेद-83: संसद के सदनों की अवधि

अनुच्छेद-93: लोक सभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष।

अनुच्छेद-105: संसद के सदनों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार आदि।

अनुच्छेद-109: धन विधेयकों के संबंध में विशेष प्रक्रिया।

अनुच्छेद-110: कोई भी धन विधेयक जब राष्ट्रपति के समक्ष अनुमति प्राप्त करने हेतु उपस्थित किया जाता है तो उस पर लोकसभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर सहित उसके धन विधेयक होने का प्रमाण पत्र अनिवार्य है। धन विधेयक केवल लोकसभा में तथा केवल राष्ट्रपति की संस्तुति पर प्रस्तावित किया जा सकता है।

अनुच्छेद-112: वार्षिक वित्तीय बजट

अनुच्छेद-114: विनियोग बिल

अनुच्छेद-123: संसद के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति।

अनुच्छेद-124: उच्चतम न्यायालय की स्थापना
अनुच्छेद-125: न्यायाधीशों के वेतन
अनुच्छेद-129: उच्चतम न्यायालय को अभिलेख न्यायालय का स्थान प्रदान करना ।
अनुच्छेद-130: उच्चतम न्यायालय का स्थान
अनुच्छेद-136: अपील के लिए उच्चतम न्यायालय की विशेष इजाजत
अनुच्छेद-137: उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्णयों या आदेशों का पुनरावलोकन।
अनुच्छेद-141: उच्चतम न्यायालय के निर्णयों का सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होना।
अनुच्छेद-148: भारत का नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
अनुच्छेद-149: नियंत्रक- महालेखापरीक्षक के कर्तव्य और शक्तियाँ

भाग-6: राज्य : अनुच्छेद 152 से अनुच्छेद 237 तक

अनुच्छेद-153: राज्यों के राज्यपाल
अनुच्छेद-154: राज्यपाल की कार्यपालिका शक्ति।
अनुच्छेद-161: राज्यपाल की क्षमादान शक्ति
अनुच्छेद-165: राज्य का महाधिवक्ता
अनुच्छेद-213: राज्यपाल की अध्यादेशों को प्रख्यापित करने की शक्ति।
अनुच्छेद-214: राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
अनुच्छेद-215: उच्च न्यायालयों का अभिलेख न्यायालय होना।
अनुच्छेद-226: उच्च न्यायालय की कुछ याचिकाएँ जारी करने की शक्ति।
अनुच्छेद-231: संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है। वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा, असम, नागालैंड मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र गोवा, दादर और नागर हवेली, दमन तथा दीव, पश्चिम बंगाल , अंडमान एवं निकोबार दीप समूह आदि के लिए एक ही उच्च न्यायालय है।
अनुच्छेद-233: जनपद न्यायाधीशों की नियुक्ति
अनुच्छेद-235: अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण

भाग-7: अनुच्छेद 238-निरसित

भाग-8: अनुच्छेद 239-242 संघ राज्यक्षेत्र

भाग-9: अनुच्छेद 243 पंचायत

भाग-9 A: अनुच्छेद 243 त-243 (य, छ) - नगरपालिकाएँ

भाग-10: अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्र

भाग-11: केन्द्र-राज्य संबंध-245-263

भाग-12: वित्त, संपत्ति, संविदाएँ और वाद

अनुच्छेद-266: संचित निधियाँ और लोक लेखे
अनुच्छेद-267: भारत की आकस्मिकता निधि
अनुच्छेद-280: वित्त आयोग
अनुच्छेद-300: क- संपत्ति का अधिकार

भाग-13: भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता (301-307)

अनुच्छेद-301: व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता।
अनुच्छेद-302: व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बंधन अधिरोपित करने की संसद की शक्ति।

भाग-14: संघ एवं राज्य के अधीन सेवाएँ (308-323)

अनुच्छेद-312: अखिल भारतीय सेवाएँ
अनुच्छेद-315: संघ और राज्यों हेतु लोक सेवा आयोग

भाग-18: आपात उपबंध (352-360)

अनुच्छेद-352: इसके अंतर्गत आपात काल की उद्घोषणा होती है, जिसके निम्नलिखित प्रभाव होते हैं-
(i) राज्य की कार्यपालिका शक्ति, संघीय कार्यपालिका के आधीन हो जाती है।
(ii) संसद की विधायी शक्ति का राज्य सूची से सम्बद्ध विषयों तक विस्तृत होना।
(iii) संविधान के अनुच्छेद 19 में दी गई स्वतंत्रताओं का स्थगित होना।
(iv) राष्ट्रपति को यह अधिकार प्राप्त हो जाता है कि वह संविधान के अनुच्छेद 20-21 में उल्लिखित अधिकारों के क्रियान्वयन हेतु

न्यायपालिका की शरण लेने के अधिकार को स्थगित कर दे।

अनुच्छेद-356: राज्य आपात (राष्ट्रपति शासन)

अनुच्छेद-360: वित्तीय आपात

भाग-19: विविध

अनुच्छेद-361: राष्ट्रपति और राज्यपालों का संरक्षण

भाग-20: संविधान का संशोधन (368)

अनुच्छेद-368: संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति

भाग-21: अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध (369-392)

अनुच्छेद-370: जम्मू और कश्मीर हेतु विशेष उपबंध

अनुच्छेद-371A: नागालैंड राज्य के लिए विशेष उपबंध

अनुच्छेद-371J: हैदराबाद और कर्नाटक क्षेत्रों को विशेष दर्जा

भाग-22: संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, हिंदी में प्राधिकृत पाठ और निरसन (392-395)

अनुच्छेद-393: संक्षिप्त नाम- इस संविधान को भारतीय संविधान कहा जा सकता है।

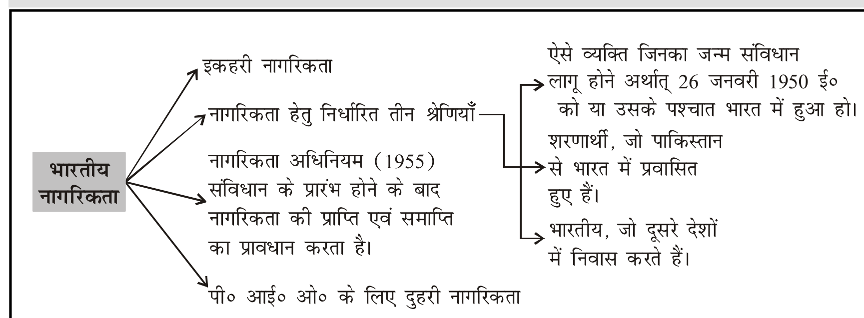
राज्य पुनर्निर्माण एक्ट 1956

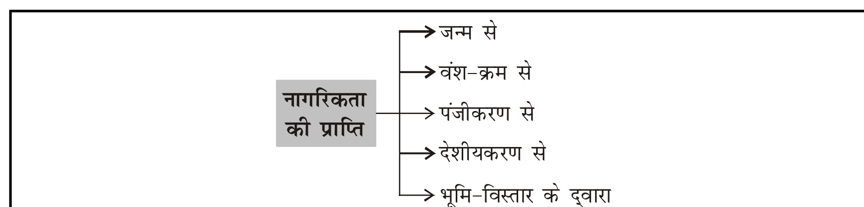
राज्य पुनर्निर्माण एक्ट 1956 को भारत सरकार के द्वारा अपनाया गया। इसके परिणामस्वरूप नए राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों का गठन हुआ।

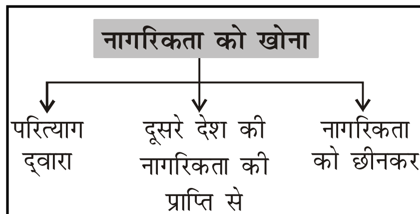
सन् 1956 के बाद गठित राज्य व संघशासित क्षेत्र

	राज्य/संघशासित क्षेत्र	वर्ष
(1)	महाराष्ट्र एवं गुजरात	1960
(2)	दादरा एवं नगर हवेली	1961
(3)	गोवा दमन एवं दीव	1962
(4)	पुडुचेरी	1962
(5)	नागालैण्ड	1963
(6)	हरियाणा, चंडीगढ़	1966
(7)	हिमाचल प्रदेश (राज्य का दरजा)	1971
(8)	मणिपुर, त्रिपुरा एवं मेघालय (राज्य का दरजा)	1972
(9)	सिक्किम (पूर्ण राज्य का दरजा)	1975
(10)	अरुणाचल प्रदेश मिजोरम एवं गोवा	1987
(11)	छत्तीसगढ़, उत्तराखंड एवं झारखंड	2000
(12)	तेलंगाना	2014

नागरिकता







मौलिक अधिकार

संविधान का भाग-3
अनुच्छेद (12-35)

- यह लोकतंत्र का हॉलमार्क माना जाता है। मौलिक अधिकार व्यक्ति के साथ-साथ समाज के विकास के लिए भी बनाए गए हैं।
- इनकी प्रकृति न्याय प्रदान करने वाली है। (विधि के न्यायालय द्वारा ये वैधानिक रूप से लागू किए जा सकते हैं)
- यह राजनीतिक स्वतंत्रता का समर्थन करता है।
- मौलिक अधिकार अपने आप में संपूर्ण नहीं हैं। इनकी कुछ सीमा-रेखाएँ भी हैं।
- संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है। लेकिन संसद उन प्रावधानों को परिवर्तित नहीं कर सकती है जो संविधान की मूलभूत संरचना का निर्माण करते हैं।
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार लागू नहीं होते हैं (अनुच्छेद 21 व 22 के अतिरिक्त)। मौलिक अधिकारों को हम निम्न समूहों में विभाजित कर सकते हैं:

समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

- **अनुच्छेद-14:** राज्य सभी व्यक्तियों के लिए एक समान कानून बनाएगा तथा उन पर एक समान लागू करेगा।
- **अनुच्छेद-15:** इसके अंतर्गत धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म-स्थल के आधार पर कोई भेदभाव नहीं।
- **अनुच्छेद-16:** सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता।
- **अनुच्छेद-17:** अस्पृश्यता का उन्मूलन
- **अनुच्छेद-18 :** उपाधियों का उन्मूलन

शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21-A)

- इसे 86 वें संविधान संशोधन द्वारा हाल ही में जोड़ा गया है। अत: संविधान में एक नया अनुच्छेद 21-A सम्मिलित हुआ है।
- राज्य 06 वर्ष से 14 वर्ष के सारे बच्चों को मुफ्त एवं आवश्यक शिक्षा वैसे ही देगा जैसा कि राज्य विधि द्वारा निर्धारित करेगा।

स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

हमारा संविधान अनुच्छेद 19 के अंतर्गत हमारे लिए छ: मौलिक अधिकार सुनिश्चित करता है। ये स्वतंत्रताएँ (i) स्वतंत्र भाषण, विचार- विनिमय की स्वतंत्रता के साथ ही साथ प्रेस की स्वतंत्रता (ii) बिना शस्त्र के एकत्रित होने और सभा या सम्मेलन करने की स्वतंत्रता (iii) किसी भी प्रकार के संघ निर्मित करने की स्वतंत्रता (iv) देश से कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता (v) निवास की स्वतंत्रता और (vi) व्यापार, व्यवसाय एवं रोजगार की स्वतंत्रता को भी सुनिश्चित करती हैं। फिर भी ये स्वतंत्रताएँ अपने-आप में संपूर्ण नहीं हैं। राष्ट्रीय आपात के दौरान इन स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लग जाता है।

शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

- शोषण के विरूद्ध अधिकार बलात श्रम के सभी प्रकारों को रोकने के साथ-साथ मानव तस्करी को भी रोकता है। इनमें से किसी भी प्रावधान का अतिक्रमण विधि के अंतर्गत एक दंडनीय अपराध है।
- चौदह वर्ष से कम उम्र के बालकों को किसी कारखाने, खान या किसी खतरनाक व्यवसाय में संलग्न करने को रोका जाना।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

- संविधान प्रत्येक नागरिक को अंतरात्मा की स्वतंत्रता, किसी व्यवसाय की स्वतंत्रता एवं किसी धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।
- यह प्रत्येक धार्मिक समूह को धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता प्रदान करता है।
- राज्य द्वारा किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, जिसकी आय किसी विशेष धर्म या धार्मिक संप्रदाय की उन्नति में व्यय करने के लिए निश्चित कर दी गई है।
- संविधान कहता है कि जिन शिक्षण संस्थानों का रखरखाव पूर्णतया राज्य के कोष से किया जाता है, वे शिक्षण संस्थाएँ अपने विद्यार्थियों को किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने या किसी धर्मोपदेश को बलात् सुनने के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

संस्कृति एवं शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

- अनुच्छेद 29 एवं 30 नागरिकों को उनकी संस्कृति एवं भाषा को संरक्षित रखने, बनाए

रखने एवं बढ़ाए जाने की गारंटी प्रदान करता है।

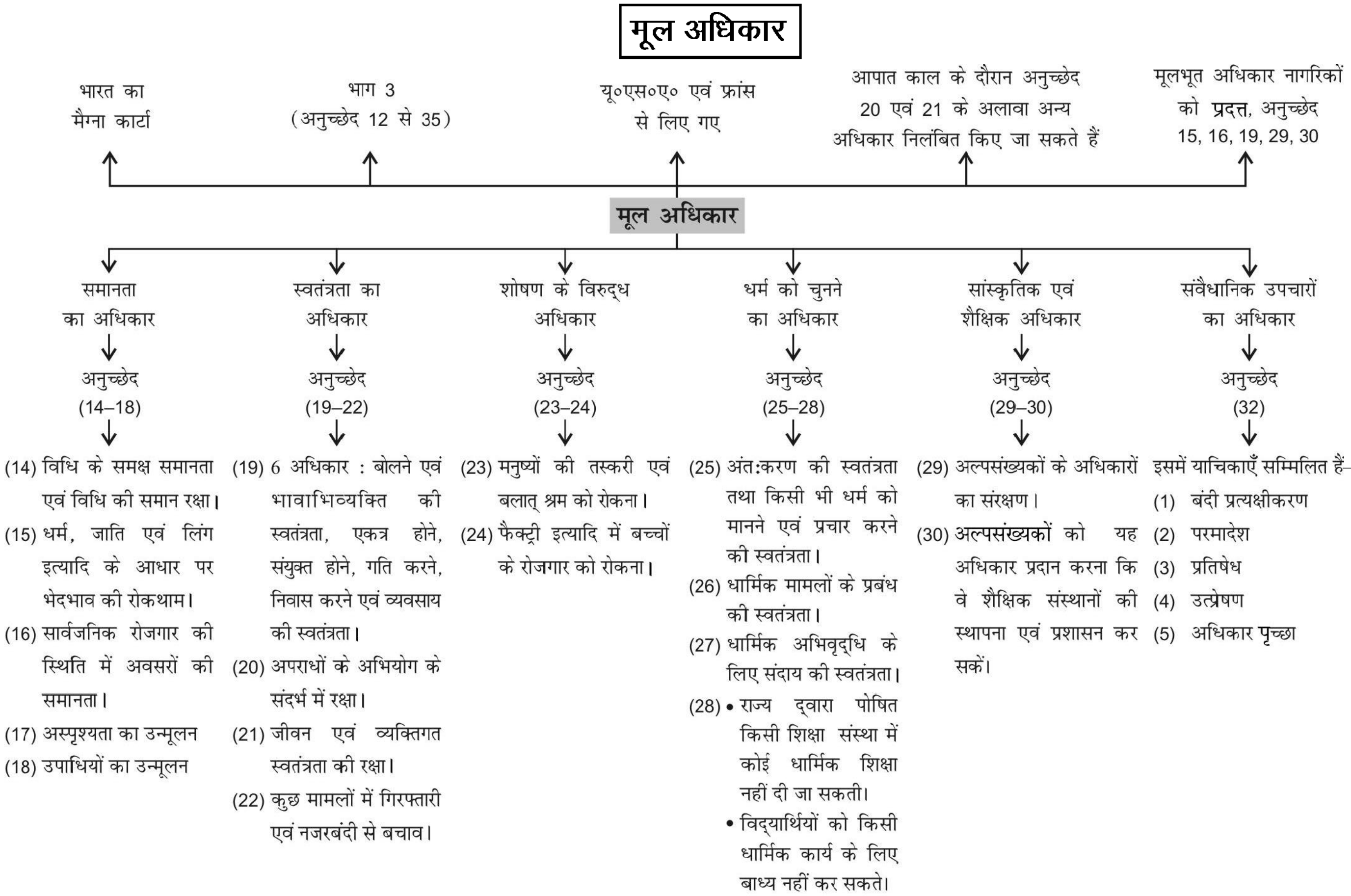
- संविधान अल्पसंख्यकों को इस बात की स्वतंत्रता देता है कि वे अपनी इच्छानुसार शैक्षिक संस्थान स्थापित करें एवं उनका रखरखाव करें।
- अनुच्छेद 29 एवं 30 यह अधिकार प्रदान करता है कि किसी शैक्षिक संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करते समय राज्य इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा कि यह एक अल्पसंख्यक समुदाय के द्वारा चलाया जा रहा है।
- ये अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि अपनी भाषा एवं संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए अल्पसंख्यकों को राज्य द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार : (अनुच्छेद 32)

- डॉ अम्बेडकर के अनुसार भारतीय संविधान का अनुच्छेद-32 सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रावधान है। कभी-कभी राज्य, किसी संस्था या व्यक्तिविशेष के द्वारा इन अधिकारों का अतिक्रमण किया जाता है। संविधान का अनुच्छेद 32 हमें इन सब अधिकारों की रक्षा हेतु वैधानिक उपचार प्रदान करता है।
- यह भारत के नागरिकों को यह अधिकार प्रदान करता है कि वे इन अधिकारों को लागू कराने हेतु उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय में जाएँ। यदि कोई नियम मौलिक अधिकारों का विरोधाभासी होगा तो वह अमान्य होगा। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को निम्नलिखित पाँच रिटों (याचिकाओं) की शक्ति प्राप्त है।

याचिकाओं के प्रकार

क्रम संख्या	याचिका	अर्थ	उद्देश्य
1.	बंदी प्रत्यक्षी-करण	इस शब्द का अर्थ 'सशरीर उपस्थिति' है।	यह उस साधारण व्यक्ति के लिए एक उपचार है जब वह संवैधानिक संस्तुति के बिना कैदी बनाया जाता है।
2.	परमादेश	इस शब्द का अर्थ 'हम आदेश देते हैं' है।	जब कोई व्यक्ति, लोक प्राधिकारी, सरकार, निगम आदि अपने विधिक कर्तव्यों का पालन करने में उपेक्षा बरतते हैं। तब न्यायालय द्वारा उनको यह आदेश दिया जाता है कि वे अपने विधिक कर्तव्यों का पालन करें अथवा कोई कार्य-विशेष नहीं करें।
3.	प्रतिषेध	मना करना	प्रतिषेध एक याचिका है जो उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय न्यायालयों को जारी किया जाता है। यह उनको उस केस को आगे बढ़ाने से रोकता है जो इसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। जब एक अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करता है तो न्यायालय में पेशी से पूर्व सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिषेध जारी किया जाता है।
4.	उत्प्रेषण	इसका अर्थ 'सूचित करना' है।	इसके द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास लंबित मुकदमों को न्याय निर्णयन हेतु वरिष्ठ न्यायालय को भेजें।
5.	अधिकार पृच्छा	इसका अर्थ 'आपका अधिकार क्षेत्र क्या हैं?' है।	जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है, जिसके रूप में उसे कार्य करने का वैधानिक रूप से अधिकार नहीं है। तब न्यायालय अधिकार-पृच्छा आदेश के तहत उससे पूछता है कि वह किस अधिकार से कार्य कर रहा है।


मूल अधिकार
भारत का मैग्ना कार्टा
भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35)
यू०एस०ए० एवं फ्रांस से लिए गए
आपात काल के दौरान अनुच्छेद 20 एवं 21 के अलावा अन्य अधिकार निलंबित किए जा सकते हैं
मूलभूत अधिकार नागरिकों को प्रदत्त, अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, 30
मूल अधिकार
समानता का अधिकार
अनुच्छेद (14–18)
(14) विधि के समक्ष समानता एवं विधि की समान रक्षा।
(15) धर्म, जाति एवं लिंग इत्यादि के आधार पर भेदभाव की रोकथाम।
(16) सार्वजनिक रोजगार की स्थिति में अवसरों की समानता।
(17) अस्पृश्यता का उन्मूलन
(18) उपाधियों का उन्मूलन
स्वतंत्रता का अधिकार
अनुच्छेद (19–22)
(19) 6 अधिकार : बोलने एवं भावाभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, एकत्र होने, संयुक्त होने, गति करने, निवास करने एवं व्यवसाय की स्वतंत्रता।
(20) अपराधों के अभियोग के संदर्भ में रक्षा।
(21) जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा।
(22) कुछ मामलों में गिरफ्तारी एवं नजरबंदी से बचाव।
शोषण के विरुद्ध अधिकार
अनुच्छेद (23–24)
(23) मनुष्यों की तस्करी एवं बलात् श्रम को रोकना।
(24) फैक्ट्री इत्यादि में बच्चों के रोजगार को रोकना।
धर्म को चुनने का अधिकार
अनुच्छेद (25–28)
(25) अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा किसी भी धर्म को मानने एवं प्रचार करने की स्वतंत्रता।
(26) धार्मिक मामलों के प्रबंध की स्वतंत्रता।
(27) धार्मिक अभिवृद्धि के लिए संदाय की स्वतंत्रता।
(28) • राज्य द्वारा पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती।
• विद्यार्थियों को किसी धार्मिक कार्य के लिए बाध्य नहीं कर सकते।
सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार
अनुच्छेद (29–30)
(29) अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संरक्षण।
(30) अल्पसंख्यकों को यह अधिकार प्रदान करना कि वे शैक्षिक संस्थानों की स्थापना एवं प्रशासन कर सकें।
संवैधानिक उपचारों का अधिकार
अनुच्छेद (32)
इसमें याचिकाएँ सम्मिलित हैं–
(1) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(2) परमादेश
(3) प्रतिषेध
(4) उत्प्रेषण
(5) अधिकार पृच्छा



प्राकृतिक भूगोल – महत्वपूर्ण जानकारियाँ

अखिल विश्वज्ञान

- विकास का सिद्धांत
  - महाविस्फोट का सिद्धांत (ब्रह्मांड)
  - अपरिवर्तित राज्य सिद्धांत
  - बदलता अखिल विश्व परिदृश्य
- तारागण समूह
- सौर प्रणाली
  - ग्रह एवं चंद्रमा
  - ब्रह्मांड अंश
- मौसम और उसके निर्माण की घटनाएँ
- पृथ्वी
- पृथ्वी संबंधी अतीत की घटनाएँ
  - भौगोलिक युग
  - आन्तरिक संरचना

भौगोलिक अध्ययन

- चट्टाने और उनका वर्गीकरण
- पृथ्वी की घूर्णन गति
  - पृथ्वी घूर्णन के प्रभावित कारक
  - पृथ्वी के घूर्णन का प्रभाव (परतदार पर्वत श्रेणियाँ, भूकम्प, ज्वालामुखी)
- पर्वत, समतल भूमि एवं पठार
  - निर्माण प्रक्रिया एवं उनके प्रकार

समुद्र विज्ञान

- समुद्रीय रचना
- खारापन
- ज्वार–भाटा
- प्रवाल भित्ति और मूँगा टापू

वायुमंडल

- वायुमंडल रचना
- लू और गर्म हवाओं की उत्पत्ति
- हवाएँ और उनके प्रकार
  - ग्रहीय हवाएँ (ध्रुवीय हवाएँ, पछुवा हवाएँ, पूर्वी हवाएँ)
  - मौसमी हवाएँ (मानसून)
  - सामान्य हवाएँ
- चक्रवात और विपरीत चक्रवात
  - हाल में आए मुख्य चक्रवात
  - हवा का द्रव्यमान
  - बादल और उनके प्रकार
- वर्षा की मात्रा
  - परम्परागत चक्रवाती, जैविक

भारतीय भूगोल

भारतीय भूगोल – महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ

भारत प्राकृतिक भूगोल	● हिमालय पर्वत शृंखला ● भारतीय मरूस्थल ● उत्तरी मैदान ● तटीय मैदान ● प्रायद्वीपीय पठार ● द्वीप
जलनिकास	● हिमालयी नदियाँ (इंडस, गंगा, एवं ब्रह्मपुत्र) ● प्रायद्वीपीय नदियाँ (महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, नर्मदा, ताप्ती) ● भारत की झीलें
मिट्टी	● कछारी ● बंजर ● लाल ● खारी ● काली ● पीट और दलदली मिट्टी ● लेटराइट ● पहाड़ी और वन मिट्टी
जलवायु	● भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण ● रज्यों में अलग-अलग होने वाली कुल वर्षा
प्राकृतिक वनस्पत्तियाँ	● प्राकृतिक वनस्पतियों का वर्गीकरण ● भारत में प्रकृतिक वनस्पतियों का वितरण
भाषा	● भारत के विभिन्न हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ
कृषि	● मुख्य फसलें ● भूमि उपयोग प्रणाली ● कृषि जलवायु क्षेत्र ● मुख्य उत्पादन मौसम और संबंधित फसलें
उद्योग	● भारत में मुख्य औद्योगिक क्षेत्र ● उद्योग के प्रकार
खनिज	● खनिज एवं उनके उत्पादक क्षेत्र
ऊर्जा	● पारंपरिक ऊर्जा ● पनबिजली ऊर्जा ● थर्मो बिजली ऊर्जा ● पवन ऊर्जा
जनगणना 2011	● जनसंख्या एवं लिंग अनुपात ● अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति जनसंख्या ● ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की अलग–अलग जनसंख्या

भारत : महत्वपूर्ण बुनियादी तथ्य

1. आधिकारिक नाम : भारतीय गणराज्य
2. राजधानी : नई दिल्ली
3. राष्ट्रीयता : भारतीय
4. महाद्वीप : एशिया
5. क्षेत्र : दक्षिण एशिया उप महाद्वीप
6. क्षेत्रफल : विश्व में सातवाँ
   - (32,87,263 वर्ग किमी.), (12,69,219 स्क्वायर मी.)
   - भूमि : 90.08%
   - पानी : 9.92%
7. सीमाएँ : संपूर्ण सीमा क्षेत्र की भूमि– 15,106. 70 किमी. (9,386.87 मी.)
   - बंगलादेश : 4,096.70 किमी. (2,545. 57 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : पश्चिम बंगाल, आसाम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम
   - चीन : 3,488 किमी. (2,167 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश
   - पाकिस्तान : 2,910 किमी. (1,808 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और गुजरात
   - नेपाल : 1,751 किमी. (1,088 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
   - म्यांमार : 1,643 किमी. (1,021 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : मणिपुर और नागालैंड
   - भूटान : 699 किमी. (434 मी.)
     सीमावर्ती राज्य : पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, आसाम
8. सबसे ऊँची चोटी : गॉडविन ऑस्टिन (K-2) 8,611 मी. (28,251.3 फीट)
9. कंचनजंगा : 8,598 मी. (28,208.7 फीट)
10. सबसे नीची चोटी : कुट्टनाड 2.2 मी. (–7.2 फीट)
11. सबसे लंबी नदी : गंगा, ब्रह्मपुत्र
12. सबसे बड़ी झील : चिल्का झील
13. राज्य : 29 – अरूणाचल प्रदेश, असम, आन्ध्र प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, ओड़िशा, कर्नाटक, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़, जम्मू–कश्मीर, झारखण्ड, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, नागालैंड, पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार, मणिपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, मेघालय, राजस्थान, सिक्किम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश।
14. राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश : 1 – दिल्ली
15. केन्द्र शासित प्रदेश : 6 – अंडमान निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दमन–दीव, दादरा एवं नगर हवेली, पुड्डुचेरी, लक्षद्वीप।
16. साक्षरता : पुरुष (2011) – 82.14%
    स्त्रियां (2011) – 65.46%
17. स्त्री–पुरुष अनुपात : (2011) – 940 / 100
18. राष्ट्रीय आय (2011–12) : 73,28,878 करोड़ रूपए
19. प्रति व्यक्ति वार्षिक आय : 5,450 डॉलर
20. समुद्र तट : 7,516.6 किमी.

भारत में पर्वत श्रृंखलाएँ

- हिमालय की श्रृंखला विश्व की सबसे ऊँची पर्वतीय श्रृंखला है।
- विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट भी इसका एक हिस्सा है।
- कराकोरम श्रृंखला जम्मू और कश्मीर में स्थित है और 60 से अधिक चोटियाँ इसके अन्तर्गत हैं।
- विश्व की दिवतीय उच्चतम चोटी K-2 भी इस श्रृंखला का भाग है।
- शिवालिक की पहाड़ियाँ अरुणाचल प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक, उत्तराखण्ड से कश्मीर तक फैली हुई हैं और हिमाचल प्रदेश, जम्मू, कांगड़ा और वैष्णो देवी भी इस श्रृंखला का एक भाग है।
- विंध्य पर्वत श्रृंखलाएँ मध्य भारत में 1050 किमी. के क्षेत्र में फैली हुई हैं।
- अरावली श्रृंखला भारत की सबसे पुरानी श्रृंखला है और राजस्थान से दिल्ली और हरियाणा के भूभाग तक फैली हुई है। माउन्ट आबू में 'गुरु शिखर' इस श्रृंखला की उच्चतम चोटी है।

- सतपुड़ा शृंखला गुजरात से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक फैली हुई है।
- पश्चिम और पूर्वी घाट – पश्चिमी घाट को सहयाद्री पर्वत के नाम से जाना जाता है और जो भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी समुद्र किनारे के समानान्तर है।

भारत के साथ जुड़ी हुई अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा

- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएँ पश्चिम में पाकिस्तान के साथ, उत्तर पूर्व में नेपाल, चीन और भूटान से जुड़ी हुई हैं।
- पूर्व में यह म्यन्मा (बर्मा) और बांग्लादेश से घिरा हुआ है।
- श्रीलंका भारत के दक्षिण में स्थित है।
- भारत और पाकिस्तान को रेडक्लिफ रेखा विभाजित करती है।
- भारत और चीन के बीच मैकमोहन लाइन प्रमाणिक सीमा रेखा है।

गंगा मैदान

- तीन प्रमुख नदियों – गंगा, सिन्ध और ब्रह्मपुत्र द्वारा लायी गई मिट्टी से इस मैदान का निर्माण हुआ है।
- उत्तरी और पूर्वी भारत में यह लगभग 7,00,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है।

मैदान के चार भाग हैं–

1. **भाबर क्षेत्र** – यह एक सँकरा क्षेत्र है, जो हिमालय के तलहटी में स्थित है।
2. **तराई क्षेत्र** – यह भाबर क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में स्थित है और नए कछार से बना हुआ है।
3. **बाँगर क्षेत्र** – इस क्षेत्र के अन्तर्गत पुराने कछार आते हैं और पहाड़ियाँ कम ऊँचाइयों वाली होती हैं जो लेटेराइट (Laterite) पदार्थों से ढके होते हैं।
4. **खादर क्षेत्र** – यह भाबर क्षेत्र के निचले हिस्से मे स्थित होता है और नदियों द्वारा लाए गए नए कछार से बना होता है। इसकी उर्वरा शक्ति सबसे ज्यादा होती हैं।

प्रायद्वीपीय पठार

इसकी विशेषता यह है कि इनके अन्तर्गत छिछली घाटियाँ और पहाड़ियाँ वृत्ताकार होती हैं। ये तीन पठारों में विभाजित हैं।

1. **दक्खन का पठार** – इस पठार का इलाका आकार में त्रिभुज के समान है और बिंध्य, पश्चिमी और पूर्वीघाट से घिरा हुआ है।
2. **मालवा पठार** – मालवा पठार गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के हिस्से में बँटा हुआ है।
3. **छोटा नागपुर पठार** – यह पूर्वी भारत में स्थित है, झारखंड के उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के हिस्से के द्वारा छोटा नागपुर पठार ढका हुआ है।

थार मरूभूमि

- थार मरूभूमि गुजरात, हरियाणा, पंजाब तथा राजस्थान के 60% से अधिक भौगोलिक क्षेत्र से घिरा हुआ है।
- लूनी मौसम आधारित नदी है जहाँ बहुत कम वर्षा होती है।
- यहाँ की जलवायु वर्षाहीन और वनस्पति विरल है।
- घग्गर नदी राजस्थान से होकर प्रवाहित होती है तथा थार मरूभूमि के मध्य में समाप्त हो जाती है।

भारत में वर्षा

- 80 प्रतिशत वार्षिक वर्षा जून से लेकर सितम्बर तक, इन चार महीनों में होती है।
- औसत वार्षिक वर्षा लगभग 125 cm होती है।
- पश्चिमी घाट उत्तर में हिमालय के निचले हिस्से में **भारी वर्षा (200 cm से अधिक)** होती है।
- गुजरात के उत्तरी हिस्से, पूर्वी तमिलनाडु, उत्तर पूर्वी प्रायद्वीपीय और पश्चिमी घाट में औसत दर्जे की भारी वर्षा होती है।
- **कम वर्षा – (50 – 100 cm)** उच्च गंगा की घाटी, पूर्वी राजस्थान, पंजाब, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी पठार के क्षेत्र में कम वर्षा होती है।
- **अत्यल्प वर्षा (50 cm से कम)** – कश्मीर के उत्तरी हिस्से, पश्चिमी राजस्थान, पंजाब और दक्खन के पठार में अत्यल्प वर्षा होती है।

भारत की महत्त्वपूर्ण झीलें

झील के नाम	राज्य
कोलेरु, पुलिकट	आंध्र प्रदेश
डीपोर, चाँदुबी, हाफलांग, सोन	आसाम
कँवर	बिहार
हमीरसर, कनकरिया, सूरसागर, नल सरोवर, वृगु	गुजरात
दासीर, धंकर, करेरी (कुमारवाह), खज्जियार मच्छयल, महाराणा प्रताप सागर, मणिमहेश, नको, पाण्डोह	हिमाचल प्रदेश
प्रशार, रेणुका, सूरज ताल, चन्द्र ताल	हिमाचल प्रदेश
बदखल, ब्रह्म सरोवर, कर्ण, सन्निहित सरोवर, सूरजकुण्ड, तिलयर, ब्लू बर्ड	हरियाणा
डल, पेगोंग, त्सो, शेषनाग, वुलर	जम्मू और कश्मीर
सांभर	राजस्थान
भीमताल, नैनीताल, नौकुचिया ताल	उत्तरांचल
बेलांदुर, अलसूर, सानके, अगारा, कारान्जी, कुक्काराहाल्ली, लिंगमबुदी, पम्पा सरोवर	कर्नाटक
अष्टामुदी, मानानचीरा	केरल
ऊपरी, निचली	मध्य प्रदेश
मोती	उत्तर प्रदेश
गोरेवदा, लूनर	महाराष्ट्र
उमियम	मेघालय
लोकटक	मणिपुर
पालाक दिल, ताम दिल	मिजोरम
अन्सुपा, चिल्का, कान्जिया	उड़ीसा
कान्ज्ली, हरिके की, रोपर	पंजाब

भारत की महत्त्वपूर्ण नदियाँ

नाम	उत्पत्ति स्थल (उद्गम)	गिरने का मुहाना	लम्बाई (कि०मी०)
गंगा	मिश्रित स्रोत	बंगाल की खाड़ी	2525
सतलुज	मानसरोवर राकस ताल झीलें	चेनाब	1050
सिन्धु	मानसरोवर झील के पास	अरब सागर	2880
रावी	रोहतांग दर्रे के नजदीक कुल्लू पहाड़ियाँ	चेनाब	720
व्यास	रोहतांग दर्रे के नजदीक	सतलज	470
झेलम	वेरीनाग (कश्मीर में)	चेनाब	725
यमुना	यमुनोत्री	गंगा	1375
चम्बल	मध्य प्रदेश	यमुना	1050
घाघरा	मत्सतुंग ग्लेशियर	गंगा	1080
कोशी	गोसैन धाम पार्क के नजदीक	गंगा	730
बेतवा	विंध्याचल	यमुना	480
सोन	अमरकंटक	गंगा	780
ब्रह्मपुत्र	मानसरोवर झील के नजदीक	बंगाल की खाड़ी	2900
नर्मदा	अमरकण्टक	खम्भात की खाड़ी	1057
ताप्ती	एम०पी० का बेतुल जिला	खम्भात की खाड़ी	724
महानदी	छत्तीसगढ़ में रायपुर जिला	बंगाल की खाड़ी	858
लूनी	अरावली	कच्छ का रन	450
घग्गर	हिमालय	फतेहाबाद के पास	494
साबरमती	अरावली	खम्भात की खाड़ी	416
कृष्णा	पश्चिमी घाट	बंगाल की खाड़ी	1327
गोदावरी	महाराष्ट्र में नासिक जिला	बंगाल की खाड़ी	1465
कावेरी	पश्चिमी घाट के ब्रह्मगीर क्षेत्र	बंगाल की खाड़ी	805
तुंगभद्रा	पश्चिमी घाट	कृष्णा नदी	640

भारत की प्रमुख नदीघाटी परियोजनाएँ

भाखरा नांगल परियोजना	पंजाब में सतलज पर अवस्थित है। इसकी ऊँचाई 226 मीटर है। यह सबसे ऊँचा है। इस पर गोविंद सागर झील स्थित है।
मंडी परियोजना	हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी पर
चम्बल घाटी परियोजना	मध्य प्रदेश और राजस्थान में चम्बल नदी पर, तीन बाँधों के अन्तर्गत – गांधी सागर डैम, राणा प्रताप सागर बाँध और जवाहर सागर बाँध।
दामोदर घाटी परियोजना	बिहार में दामोदर नदी पर, टेन्नेस्सी परियोजना संयुक्त राष्ट्र अमेरिका पर आधारित है।
हीराकुन्ड परियोजना	उड़ीसा में महानदी पर, जो संसार का सबसे लम्बा बांध – 4801 मीटर है।
रिहंद परियोजना	मिर्जापुर में सोन नदी पर – जिसे गोविन्द वल्लभ पंत परियोजना कहा जाता है।
कोशी परियोजना	उत्तर बिहार में कोशी नदी पर
मयूराक्षी परियोजना	पश्चिम बंगाल में मयूराक्षी नदी पर
ककरापारा परियोजना	गुजरात में ताप्ती नदी पर
निजामसागर परियोजना	आंध्र प्रदेश में मांजरा नदी पर
तुंगभद्रा परियोजना	आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी पर
शिवसमुद्रम परियोजना	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में तुंगभद्रा नदी पर
नागार्जुन सागर परियोजना	कर्नाटक में कावेरी पर, (भारत में सबसे प्राचीन नदी घाटी परियोजना है)
टाटा हाइडल योजना	महाराष्ट्र में भीमा नदी पर
शरवथी हाइडल योजना	कर्नाटक में जोग प्रपात पर
कुन्डाह और परियार परियोजना	तमिलनाडु में क्रमशः भवानी नदी एवं पेरियार नदी पर
फरक्का परियोजना	पश्चिमी बंगाल में गंगा नदी पर
उकाई परियोजना	गुजरात में ताप्ती नदी पर
माही परियोजना	गुजरात में माही नदी पर
सलाल परियोजना	जम्मू और कश्मीर में चेनाब पर
माता टिला बहुउद्देश्यीय परियोजना	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बेतवा नदी पर
थीन परियोजना	पंजाब में रावी नदी पर
पोंग बाँध	पंजाब में व्यास नदी पर
टेहरी बाँध	उत्तराखंड में भागीरथी नदी पर
सरदार सरोवर परियोजना	गुजरात/मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी पर

वन

भारत सिर्फ विविध वन्यजाति, वास्तुकला के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि सघन और विस्तृत वन के फैले हुए होने के कारण भी प्रसिद्ध है। भारतीय जलवायु विभिन्न पेड़ पौधों और जीव–जन्तुओं के लिए भी उपयुक्त है।

भारत में वन के प्रकारः

1. ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा प्रचुर वन

- ऊष्णकटिबंधीय वर्षा प्रचुर वन 175 एम. एम. और 2000 एम०एम० तक की वर्षा वाले क्षेत्र हैं।
- इन वनों का औसत तापमान लगभग 26 डिग्री सेल्सियस तक होता है।
- वर्षा प्रचुर वन चौड़े पत्ते वाले सदाबहार वृक्षों से भरे होते हैं।
- वर्षा प्रचुर वन चौड़े पत्ते वाले सदाबहार वृक्षों से अन्य वनों की अपेक्षा अधिक सशक्त होते हैं।
- पेड़–पौधों के उदाहरण – कॉफी, केला, आम के वृक्ष, पपीते के वृक्ष।

2. शीतोष्ण पतझड़ वाले वन

- ये वन मुख्यतः चौड़े पत्ते वाले वृक्षों से युक्त होते हैं।
  पतझड़ वन दो प्रकार के होते हैं – शीतोष्ण और ऊष्णकटिबंधीय
- इन वनों का तापमान समशीतोष्ण होता है एवं वर्षाकाल में तीव्र ठंड पड़ती है।
- वार्षिक वर्षा 100 से 200 सेन्टीमीटर होती है।
- पतझड़ ऋतु में पेड़ों के पत्ते गिरते हैं।

3. आर्द्र पर्णपाती वन

- ये वन भारत के पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के अलावा सम्पूर्ण भारत में इधर–उधर फैले हुए हैं।
- इन वनों के वृक्ष चौड़े तथा ऊँचे तने वाले व शाखीय होते हैं और इनकी जड़ें भूमि को मजबूती से पकड़े हुए होती हैं।
- उदाहरण–साल/टीक, आम, बाँस और शीशम।

4. शुष्क पर्णपाती वन

- उत्तर–पूर्वी भाग के अलावा देश के सम्पूर्ण उत्तरी भाग में ये वन पाए जाते हैं।
- ये वन मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में पाए जाते हैं।
- इस वन के उदाहरण – टीक वृक्ष, साल, चन्दन, महुआ, खैर, आम, कटहल, बाह्ल, अर्जुन, सेमल, आँवला और पीपल वृक्ष।
- **मैंग्रोव वन** : ये मुख्यतः 25° 30° तथा 25° दक्षिण अक्षांश के बीच उष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में उगने वाले वृक्षों का समूह होते हैं। ये औसत लम्बाई के वृक्ष तथा झाड़ीदार पौधे होते हैं। ये लवणीय तथा समुद्र तटीय तलछटी मृदा पर उगते हैं।
- पर्यावरण और वन मंत्रालय ने अब तक 38 मैंग्रोव (mangrove) ऊष्ण कटिबंधीय वृक्ष वाले क्षेत्र को खोजा है।
- सुंदरवन मैंग्रोव मुक्त विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है।

सुन्दरवन की विशेषता

राज्य	–	पश्चिम बंगाल
क्षेत्र	–	9630 वर्ग कि०मी०
स्थानिक पेड़ पौधे	–	सुन्दरी, पासर, नाइपा नाइपा (Nypa)
स्थानिक जीव जन्तु	–	बंगाल बाघ, बंगाल मॉनीटर लिज़ार्ड, सेल्वेटर लिजार्ड

जलवायु

भारत की जलवायु ऊष्णकटिबंधीय मानसून का उदाहरण है।

- मानसून शब्द अरबी शब्द 'मौसिम' से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ होता है पूरे वर्ष के दौरान हुए मौसमीय बदलाव।
- सम्पूर्ण भारत की जलवायु ऊष्णकटिबंधीय मानसून की है।
- एक ऋतु के बाद दूसरी ऋतुओं का आगमन भारत के जलवायु की मुख्य विशेषता है।
- भारत में मानसूनी जलवायु है जिस पर अक्षांशीय विस्तार एवं समुद्र से दूरी आदि का प्रभाव पड़ता है।
- मानसूनी पवनों द्वारा समय–समय पर अपनी दिशा पूर्ण रूप से बदल देने के कारण यहाँ चार ऋतुओं का आगमन होता है।
  शीत ऋतु – 15 दिसंबर से 15 मार्च
  ग्रीष्म ऋतु – 16 मार्च से 15 जून
  वर्षा ऋतु – 16 जून से 15 सितम्बर
  शरद ऋतु – 16 सितम्बर से 14 दिसंबर
- उत्तर भारत का मैदानी भाग, जहाँ वर्षा शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभ या जेट स्ट्रीम के कारण होती है। जनवरी–फरवरी माह में उत्तर–पूर्व मानसून की वजह से तामिलनाडु के तटों पर वर्षा होती है।

भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक :

(i) **अक्षांशीय स्थिति** : दक्षिण भारत के भूमध्य रेखा के अधिक निकट होने से यहां सालोंभर गर्म जलवायु रहती है। उत्तरी भारत कर्क रेखा

के उत्तर में है अतः शीत ऋतु में ठंड और ग्रीष्म ऋतु में गर्मी पड़ती है। पहाड़ी प्रदेश के क्षेत्रों में शीत ऋतु में हिमपात होता है।

(ii) **उच्चावच :** एक ही अक्षांश पर स्थित होने पर पर्वतीय और मैदानी भागों के तापमान में अंतर होता है, क्योंकि प्रत्येक 165 मी. की ऊँचाई पर 1° सेंटीग्रेट तापमान कम होता जाता है। हिमालय पर्वत मानसूनी पवनों को रोकता है जिससे वर्षा होती है और जलवायु में परिवर्तन होता है।

(iii) **मानसूनी पवनें :** मानसूनी पवनों का रुख ग्रीष्म काल में दक्षिण–पश्चिम में तथा शीत काल में उत्तर पूर्व में रहता है। ये पवनें वर्षा करती हैं जिससे तापमान प्रभावित होता है।

(iv) **समुद्र से दूरी :** भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है। समुद्र के निकटवर्ती स्थानों पर स्थानीय समुद्री पवनें वर्षा कराती हैं। समुद्र के निकट के क्षेत्रों की जलवायु सम होती है तथा दूर के क्षेत्रों की विषम, अतः यह स्थिति वार्षिक तापक्रम को प्रभावित करती है।

कृषि

- विश्व में कृषि उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है।

भारत में कृषि की महत्त्वपूर्ण विशेषता

1. **निर्वाह कृषि** – सामान्यतया किसान अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने छोटे–से जमीन के टुकड़े में फसल उपजाते हैं।
2. **कृषि पर जनसंख्या का दबाव** – भारत में जनसंख्या उच्च दर पर बढ़ रही है और इससे कृषि–क्षेत्र पर दबाव पड़ रहा है। कृषि समाज के बड़े भाग को भोजन और रोजगार प्रदान करती है।
3. **मानसून पर निर्भरता** – भारत में कृषि मुख्यतः मानसून पर निर्भर करती है जो (मानसून) अविश्वसनीय, अनिश्चित और अनियमित है।
4. **फसलों के विभिन्न प्रकार** – भारत की जलवायु ऊष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण (न बहुत ठंडा न बहुत गरम, बीच का) दोनों है, इसलिए इन दोनों जलवायु से फसलों की उचित खेती को प्रोत्साहन मिलता है।
5. **खाद्य फसलों की प्रधानता** – कृषि का उत्पादन देश के सर्वाधिक भागों में प्रचलित है और भारत में पूरी भूमि का लगभग दो–तिहाई भाग कृषि के उद्देश्य से व्यवहार में लाया जाता है।
6. **मौसमी खेती :** भारत में तीन प्रकार की कृषि फसलें उगाई जाती हैं। ये हैः खरीफ रबी और जायद।

- विश्व में पैदा किए गए फलों में से लगभग 10% फल भारत में पैदा किए जाते हैं।
- सम्पूर्ण विश्व में पपीते, आम, केले आदि के उत्पादन में देश (भारत) को पहला स्थान प्राप्त है।
- कॉफी के उत्पादन में विश्व में भारत को छठा स्थान प्राप्त है।
- विश्व में मवेशियों की संख्या के संदर्भ में भारत में मवेशियों की संख्या सबसे ज्यादा है।
- **रबी फसल** – गेहूँ, जौ, सरसों, तिल, मटर, चना आदि।
- **खरीफ फसल** – चावल, मक्का, चारा, मोठ, बाजरा, रागी, अरहर, सोयाबीन, बादाम, कपास आदि।
- भारत में गोभी, काजू, इलायची, बादाम और रेशम आदि का अधिकतम उत्पादन होता है।

खनिज संसाधन तथा उनके क्षेत्र

अल्युमिनियम	केरल
एन्टिमनी	पंजाब और कर्नाटक
एसबेस्टस	कर्नाटक और राजस्थान
बेराइट्स (बेरियम सल्फेट)	तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, झारखंड का सिंहभूमि जिला
बाक्साइट	झारखंड का राँची और पलामू जिला, बेलगाँव झारखंड और महाराष्ट्र का थाना जिला, छत्तीसगढ़ के बालाघाट, जबलपुर, मंड्या और विलासपुर जिले।
बेरिलियम	राजस्थान, तमिलनाडु, कश्मीर और बिहार।

सीमेन्ट	कटनी (मध्य प्रदेश), लखेरी (राजस्थान), जबलपुर (मध्य प्रदेश), गुंटूर (आंध्र प्रदेश), झिनिकापानी (झारखंड का सिंहभूमि जिला), सूरजपुर (हरियाणा)
चीनी मिट्टी	राजमहल की पहाड़ियाँ (झारखंड में सिंहभूमि जिला) केरल
क्रोमाइट	सिंहभूमि एवं भागलपुर (बिहार), रत्नगिरी सलेम (तमिलनाडु), कर्नाटक, केयोन्झार (उड़ीसा) लद्दाख (जम्मू और कश्मीर)
कोयला	रानीगंज (पश्चिम बंगाल), झरिया, बोकारो, गिरीडीह (झारखंड), करणपुर, सिंगरौली, उमरिया, रामकोला (म०प्र०), सिंगरेनी (आंध्र प्रदेश) और मुकुम (आसाम)
कोबाल्ट	राजस्थान और केरल
ताँबा	सिंहभूमि और बरजमदा (झारखंड), छत्तीसगढ़ खेतड़ी (राजस्थान)
हीरा	पन्ना (मध्य प्रदेश), रायपुर (छत्तीसगढ़)
फेल्डस्पार सोना	वर्दवान (पश्चिम बंगाल), रीवा (मध्य प्रदेश) तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु), अलवर और अजमेर कोलार (कर्नाटक), अनंतपुर, वारंगल (आंध्र प्रदेश)
ग्रेफाइट	राजस्थान, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा और केरल
लौह अयस्क	सिंहभूमि (झारखंड), छत्तीसगढ़, क्योंझर और मयूरभंज (उड़ीसा)
लाख	पश्चिम बंगाल
सीसा	उदयपुर में जावार और जयपुर में बान्जवी खान
लिग्नाइट	नेवेली दक्षिणी अरकोट जिला (तमिलनाडु)
चूना पत्थर	सिंगरेनी और सिंहभूमि (झारखंड), पंचमहल (गुजरात), बालाघाट, भंडारा, छिंदवाड़ा, नागपुर, इंदौर, विशाखापट्टनम, सुंदर (तमिलनाडु)
मेंगनीज	बालाघाट, छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश), बेल्लारी, शिमोगा (कर्नाटक)
मोनाजाइट बालू	प्रचुरता से ट्रेवेनकोर कोस्ट (केरल) में पाया जाता है
नाइटर	बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पंजाब
पेट्रोलियम	डिगबोई, बदरपुर, मुसीमपुर और पठारिया मैदान (असम)
पिचब्लेन्ड	गया (बिहार)
लाल पत्थर	जोधपुर (राजस्थान)
लवण	सम्बलपुर झील राजस्थान और कच्छ के रन में समुद्री पानी से भी प्राप्त किया जाता है, उत्तर पश्चिमी और दक्षिण पूर्वी समुद्रतटवर्ती (भारत) क्षेत्र से भी प्राप्त होता है।
सल्फेट	पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार
सिल्मेनाइट	खासी पहाड़ियाँ (असम), रीवा (मध्य प्रदेश)
चाँदी	कोलार (कर्नाटक), सिंहभूम (झारखंड), तमिलनाडु और राजस्थान
टंगस्टन	बिहार, नागपुर (महाराष्ट्र) और मारवाड़
यूरेनियम	बिहार
जिंक (जस्ता)	जावार खान, उदयपुर (राजस्थान)
जिर्कान	केरल और केप कोमोरिन की समुद्री बालू
जिप्सम	बीकानेर एवं जोधपुर (राजस्थान), तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु, अलवर एवं अजमेर
संगमरमर	जयपुर (राजस्थान)